THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 290 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ कृ.12, 2082 गुरुवार, 15 जनवरी-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

देशभर में मकर संक्रांति-पोंगल की धूम

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। आज मकर संक्रांति और पोंगल का पर्व मनाया जा रहा है। जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में पोंगल पर्व मनाया तो वहीं मकर संक्रांति का उल्लास पूरे देश में देखने को मिल रहा है। संगम नगरी प्रयागराज से लेकर हरिद्वार की हर की पौड़ी तक में गंगा स्नान और आस्था की डुबकी लगाकर लोगों ने मकर संक्रांति के पावन पर्व की शुरुआत की। उत्तर भारत में मकर संक्रांति, दक्षिण में पोंगल, पूर्व में गंगासागर मेला और पश्चिम में पतंगों से सजा आसमान पूरे देश में इस पर्व की रौनक बढ़ा देता है। प्रयागराज के संगम पर डुबकी लगाते श्रद्धालु हों या तमिलनाडु में नई फसल का स्वागत करते किसान, हर तस्वीर में एक साझा भाव है।

शुभकामनाएँ

मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर सभी सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, एजेंटों व शुभचिंतकों को हार्दिक शुभकामनाएँ।
–डॉ. गिरीश कुमार संघी
प्रधान संपादक

सूचना

दि. 15 जनवरी, 2026 को कार्यालय में अवकाश रहने के कारण हमारा अगला अंक दि. 17 जनवरी, 2026 को प्रकाशित होगा। –प्रबंधक

ईरान में हालात बिगड़े

भारत बोला–हमारे नागरिक तुरंत निकलें

> तेहरान में एक साथ 300 शवों को दफनाया जाएगा > प्रदर्शनकारी को सरेआम फांसी मिलेगी

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। ईरान में हिंसक प्रदर्शन की वजह से भारत सरकार ने बुधवार को नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। इसमें कहा गया है कि जो भी भारतीय नागरिक, चाहे वे छात्र हों, तीर्थयात्री हों, व्यापारी हों या पर्यटक, इस समय ईरान में हैं, उन्हें जल्द से जल्द वहां से निकल जाना चाहिए।

इस एडवाइजरी में कहा गया है कि यह सलाह 5 जनवरी की पिछली एडवाइजरी के आगे की कड़ी है और ईरान की बदलती परिस्थितियों को देखते हुए दी गई है। सरकार ने यह भी दोहराया है कि सभी भारतीय नागरिकों को सावधानी बरतनी चाहिए। उन्हें विरोध प्रदर्शन या भीड़भाड़ वाली जगहों से दूर रहना चाहिए। ईरान में मौजूद भारतीय नागरिक भारतीय दूतावास के संपर्क में रहें और स्थानीय मीडिया पर नजर रखें ताकि किसी भी नई जानकारी से अवगत रहें। ईरान में बुधवार शाम 300 शवों को दफनाने की तैयारी है। अंग्रेजी अखबार द गार्डियन के मुताबिक, शवों में प्रदर्शनकारियों के साथ सुरक्षा बलों के शव भी शामिल होंगे। ये कार्यक्रम कड़ी सुरक्षा के बीच तेहरान यूनिवर्सिटी के कैंपस में हो सकता है। प्रदर्शन में मरने वालों की संख्या पर नजर रखने वाली अमेरिकी संस्था ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी ने बताया कि अब तक 2,550 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। इनमें 2,403 प्रदर्शनकारी और 144 सरकार से जुड़े लोग शामिल हैं। हालांकि ईरान से जुड़े मामलों को कवर करने वाली वेबसाइट ईरान इंटरनेशनल ने दावा किया है कि देशभर में कम से कम 12 हजार लोगों की मौत हुई है। ज्यादातर लोग गोली लगने से मारे गए हैं। ईरान में 26 साल के प्रदर्शनकारी इरफान सुलतानी को फांसी दी जा सकती है। द गार्डियन के मुताबिक उन्हें 8 जनवरी को गिरफ्तार किया गया था। 11 जनवरी को उन्हें मौत की सजा सुनाई गई।

उन पर हिंसा भड़काने और 'ईश्वर के खिलाफ जंग छेड़ने' जैसा आरोप लगाया गया। इस मामले में आगे कोई ट्रायल नहीं होगा, परिवार को सिर्फ 10 मिनट के लिए आखिरी मुलाकात का मौका मिलेगा। ईरान में हिंसक विरोध प्रदर्शन का आज 18वां दिन है।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने टीएमसी की याचिका खारिज की

ईडी बोली-हमने कुछ जब्त नहीं किया, ममता ही गैरकानूनी तरीके से फाइलें ले गईं

कोलकाता, 14 जनवरी (एजेंसियां)। कलकत्ता हाइकोर्ट ने आईपैक रेड मामले में बुधवार को टीएमसी की याचिका खारिज कर दी। पार्टी ने आरोप लगाया था कि जांच एजेंसी (ईडी) ने 8 जनवरी को आईपैक के आईटी हेड प्रतीक जैन के ऑफिस पर रेड मारकर कुछ कागजात जब्त किए थे। इस पर जांच एजेंसी के वकील एएसजी राजू ने ऑन रिकॉर्ड कहा कि एजेंसी ने पार्टी दफ्तर से कुछ भी जब्त नहीं किया है। कोर्ट ने कहा, जब ईडी ने कुछ भी जब्त न करने की बात की है, तो अब इस मामले पर सुनवाई के लिए कुछ नहीं बचता है। याचिका को खारिज किया जाता है।

सुनवाई के दौरान ईडी की तरफ से पेश एएसजी राजू ने कहा कि अगर कोई रिकॉर्ड जब्त किया गया है तो वह एजेंसी ने नहीं, बल्कि ममता बनर्जी ने किया है। ममता अपने साथ गैरकानूनी तरीके से फाइलें ले गई थीं। हाईकोर्ट ने ईडी की तरफ से दाखिल याचिका पर सुनवाई भी टाल दी है। कोर्ट ने कहा कि इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट में पहले ही याचिका लगाई जा चुकी है। इस पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद सुनवाई होगी। >14

कर्नाटक में राहुल के स्वागत पर विवाद

बेंगलुरु, 14 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक में एक ही दिन, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के पहुंचने के बाद उनके स्वागत को लेकर विवाद खड़ा गया है। भाजपा ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर राज्य की ग्लोबल प्रतिष्ठा से ज्यादा अपने हाईकमान को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया है। दरअसल, जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज पिछले कुछ दिनों से भारत दौर पर हैं। वे मंगलवार को बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचे। वहां उनका स्वागत कर्नाटक के मंत्री एमबी पाटिल और सीनियर अधिकारियों ने किया।

सरकारी नीतियों से प्रभावित या मरने का खौफ?

29 माओवादियों ने डाले हथियार

सुकमा, 14 जनवरी (एजेंसियां)। सुकमा जिले में नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत सुरक्षा बलों को एक उल्लेखनीय कामयाबी मिली है। लगातार बढ़ रहे दबाव और प्रभावी रणनीति के चलते 29 पुरुष नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया है। यह घटनाक्रम क्षेत्र में शांति और सुरक्षा स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार, गोगुंडा कैंप की स्थापना के बाद से ही इस इलाके में सुरक्षा बलों की उपस्थिति काफी बढ़ गई थी।

इसके कारण नक्सलियों की गतिविधियों पर अंकुश लगाना संभव हुआ। सुरक्षा बलों द्वारा लगातार चलाए जा रहे सर्च ऑपरेशन, एरिया डॉमिनेशन और अन्य दबाव की रणनीतियों से प्रभावित होकर, इन नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा से जुड़ने का फैसला किया। यह दर्शाता है कि सरकार की नीतियां और सुरक्षा बलों का अथक प्रयास रंग ला रहा है। आत्मसमर्पण करने वाले सभी 29 नक्सलियों ने सुकमा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) किरण चव्हाण के समक्ष अपना समर्पण किया। इस अवसर पर, पुलिस प्रशासन द्वारा उन्हें सरकार की पुनर्वास नीति के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस नीति के तहत नक्सलियों को समाज में पुनः स्थापित होने और बेहतर जीवन जीने के अवसर प्रदान किए जाते हैं। इस जानकारी ने नक्सलियों को समाज की मुख्यधारा से जुड़ने के लिए और अधिक प्रोत्साहित किया।

ट्रेन पर गिरी क्रेन, 29 लोगों की मौत, 80 घायल

बैंकाक, 14 जनवरी (एजेंसियां)। थाईलैंड के उत्तर पूर्वी क्षेत्र में बुधवार को एक पैसेंजर ट्रेन पर क्रेन के गिर जाने से 29 लोगों की मौत हो गई है और 80 लोग घायल हुए हैं। नाखोन रत्चासिमा के जनसंपर्क विभाग के अनुसार, एक 'एलिवेटेड हाई-स्पीड रेलवे' के निर्माण में इस्तेमाल की जा रही क्रेन बैंकॉक से उबोन रत्चाथानी प्रांत की ओर जा रही ट्रेन पर गिर गई। इस घटना के बाद चलती ट्रेन पटरी से उतर गई और उसमें आग लग गई। इस हादसे में 29 लोगों की मौत हो गई है। विभाग ने फेसबुक पोस्ट में कहा कि आग पर काबू पा लिया गया है और बचावकर्मी ट्रेन के अंदर फंसे लोगों की तलाश कर रहे हैं। दुर्घटना नाखोन रत्चासिमा में हुई। वहां के विभाग ने मृतकों की संख्या में वृद्धि की घोषणा की है। परिवहन मंत्री पिफत रत्चकितप्राकन ने बताया कि उन्होंने दुर्घटना की जांच के आदेश दिए हैं।

पुलिस ने बताया कि बुधवार को पूर्वोत्तर थाईलैंड में एक निर्माण क्रेन ट्रेन के तीन डिब्बों पर गिर गयी जिसके बाद ट्रेन पटरी से उतर गई। इस हादसे में कम से कम 29 लोगों की मौत हो गई और लगभग 80 लोग घायल हो गए। स्थानीय पुलिस ने रॉयटर्स को बताया कि मलबे में अभी और शव हैं जिन्हें निकाला जाना बाकी है। पुलिस कर्नल थाचपोन चिन्नावोंग ने रॉयटर्स को फोन पर बताया, 19 शव बरामद कर लिए गए हैं लेकिन ट्रेन के डिब्बों के अंदर अभी भी कुछ शव हैं जिन्हें निकाला नहीं जा सकता क्योंकि क्रेन हिलने लगी थी इसलिए खतरे की आशंका से टीम को पीछे हटना पड़ा। परिवहन मंत्री ने एक बयान में कहा कि ट्रेन में 195 यात्री सवार थे। उन्होंने मामले की गहन जांच के आदेश दिए हैं। मंत्री ने बताया कि मरने वाले लोग क्रेन की चपेट में आए तीन में से दो कोच में सवार थे। मंत्रालय द्वारा साझा की गई तस्वीरों में झाड़ियों के पास पलटे हुए डिब्बे और धुआं उठता हुआ दिखाई दे रहा था, जहां फायर ब्रिगेड कर्मचारी आग बुझाते नजर आ रहे थे। थाईलैंड में निर्माणाधीन कई एलिवेटेड हाई-स्पीड रेल लाइनों में से एक, मौजूदा रेल लाइन के ऊपर बनाई जा रही थी।

तेलंगाना के गांवों में हफ्तेभर में 500 कुत्तों की हत्या

> पंचायत चुनावों में आवारा कुत्तों से छुटकारे का वादा किया था
> 6 लोगों के खिलाफ एफआईआर

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के गांवों में ग्राम पंचायत चुनाव के बाद बड़े पैमाने पर आवारा कुत्तों को मारने के मामले सामने आए हैं।

बीते एक हफ्ते में अलग-अलग जिलों के गांवों में करीब 500 कुत्तों की कथित तौर पर हत्या की गई है। पुलिस के मुताबिक, इन घटनाओं में पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका सामने आ रही है। ताजा मामला कामारेड्डी जिले का है। यहां पालवंचा मंडल के 5 गावों- भवानीपेट, पालवंचा, फरीदपेट, वाड़ी और बंदारामेश्वरपल्ली गांवों में बीते दो-तीन दिनों में करीब 200 आवारा कुत्तों को मारने का आरोप है। पुलिस ने पांच सरपंचों सहित छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। इससे पहले, हनमकोंडा जिले के श्यामपेट और अरेपल्ली गांवों में 6 जनवरी से 9 जनवरी के बीच लगभग 300 आवारा कुत्तों की हत्या का मामला सामने आया था। पुलिस ने इस संबंध में दो महिला सरपंचों और उनके पतियों सहित नौ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। गांवों से जुड़े सूत्रों ने बताया कि पिछले साल दिसंबर में ग्राम पंचायत चुनाव हुए थे। इस दौरान कुछ उम्मीदवारों ने आवारा कुत्तों और बंदरों की समस्या से निपटने का वादा किया था।

आरोप है कि चुनाव जीतने के बाद वही वादे कुत्तों को मारकर पूरे किए जा रहे हैं। एनिमल वेलफेयर एक्टिविस्ट अदुलापुरम गौथम ने मछारेड्डी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि भवानीपेट गांव में उन्हें कुत्तों के शव पड़े मिले और बाद में पता चला कि आसपास के अन्य गांवों में भी इसी तरह की घटनाएं हुई हैं। पुलिस के अनुसार, सरपंचों पर आरोप है कि उन्होंने कुत्तों को मारने के लिए जहरीले इंजेक्शन का इस्तेमाल किया। >14

महंत नरेंद्र गिरि की मौत के मामले में आरोपी को जमानत

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के प्रमुख रहे महंत नरेंद्र गिरि की मौत के मामले में एक आरोपी को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। आरोपी आद्या प्रसाद तिवारी महंत नरेंद्र गिरि की मौत के मामले में मुख्य आरोपी है। सुप्रीम कोर्ट ने जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा कि अभी सुनवाई पूरी होने में समय लगेगा और आरोपी को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया।

भारत में साधुओं के सबसे बड़े संगठन अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रहे महंत नरेंद्र गिरि, 20 सितंबर, 2021 को इलाहाबाद के बाघंबरी मठ में फांसी पर लटके मिले थे। सीबीआई ने नवंबर 2021 में दायर अपनी चार्जशीट में कहा था कि गिरि अपने अलग हो चुके शिष्य आनंद गिरि, पुजारी आद्या प्रसाद तिवारी और उनके बेटे संदीप तिवारी के चलते गंभीर मानसिक तनाव में थे कि उन्होंने समाज की नजरों में बदनामी और अपमान से बचने के लिए अपनी जान दे दी। >14

पीएम मोदी ने केंद्रीय राज्यमंत्री के घर पोंगल मनाया

तमिल संस्कृति साझी विरासत, पोंगल प्रकृति-परिवार के साथ संतुलन बनाता है

पीएम मोदी केंद्रीय राज्यमंत्री एल मुरुगन के आवास पर आयोजित पोंगल समोराह में शामिल हुए।

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार सुबह केंद्रीय राज्यमंत्री एल मुरुगन के आवास पर आयोजित पोंगल समारोह में शामिल हुए। पीएम ने पूजा की। उन्होंने गाय को भी भोजन खिलाया। पीएम ने कहा कि तमिल संस्कृति दुनिया की सबसे प्राचीन जीवित सभ्यताओं में से एक है। तमिल संस्कृति सदियों को जोड़ती है। आज पोंगल एक ग्लोबल त्योहार बन गया है। पीएम मोदी ने कहा कि पूरी दुनिया में तमिल समुदाय और जो लोग तमिल संस्कृति को पसंद करते हैं। पोंगल को बहुत उत्साह से मनाते हैं और मुझे उनमें से एक होने पर गर्व है।

मोदी ने कहा कि पोंगल का त्योहार हमें प्रकृति, परिवार और समाज के बीच एक अच्छा संतुलन बनाए रखने का महत्व सिखाता है। जमीन और सूरज के प्रति हमारी कृतज्ञता दिखाता है। तमिल संस्कृति में पोंगल बहुत खुशी का मौका होता है। यह हमारे किसानों की कड़ी मेहनत का जश्न मनाता है। इसलिए हमारा लक्ष्य ये होना चाहिए कि हमारी थाली भी भरी रहे, हमारी जेब भी भरी रहे और हमारी धरती भी सुरक्षित रहे। बीते एक साल में तमिल संस्कृति से जुड़े कई कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर मिला, जो बेहद सुखद अनुभव रहा। गंगईकोंड चोलपुरम के 1000 साल पुराने मंदिर में दर्शन का सौभाग्य मिला। काशी तमिल संगमम (वाराणसी) में तमिल संस्कृति की जीवंत परंपराओं को करीब से देखा। रामेश्वरम में पंबन ब्रिज के उद्घाटन के दौरान तमिल विरासत की समृद्धि और महानता का अनुभव हुआ। पोंगल हमें सिखाता है कि कृतज्ञता सिर्फ शब्दों तक सीमित न रहे, बल्कि जीवन का हिस्सा बने। धरती हमें जो देती है, उसकी रक्षा और सम्मान करना हमारी जिम्मेदारी है। मिट्टी की सेहत, जल संरक्षण और संसाधनों का संतुलित उपयोग आने वाली पीढ़ियों के लिए जरूरी है।

'राहुल गांधी के साथ नेतृत्व परिवर्तन को लेकर कोई बात नहीं हुई'

कयासों के बीच शिवकुमार ने दी सफाई

बैंगलूरू, 14 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने बुधवार को साफ किया कि मंगलवार को जब उनकी राहुल गांधी के साथ बात हुई थी, उसमें कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। दरअसल राहुल गांधी, जब मंगलवार को कर्नाटक दौरे पर पहुंचे थे तो शिवकुमार उनसे अकेले में बातचीत करते नजर आए थे। जिसके बाद फिर से राज्य में नेतृत्व परिवर्तन के कयास शुरू हो गए थे। बुधवार को मीडिया से बात करते हुए डीके शिवकुमार ने कहा, 'मैं कर्नाटक कांग्रेस का अध्यक्ष हूं और राहुल गांधी लोकसभा में विपक्ष के नेता, हमारी बातचीत प्रोटोकॉल के तहत हुई थी। ये सब बातें सार्वजनिक तौर पर नहीं की जा सकतीं। नेतृत्व परिवर्तन को लेकर कोई बात नहीं हुई। राहुल गांधी ने हमें अच्छा काम करने के लिए कहा और हम उसी हिसाब से काम करेंगे।' हालांकि जब दिल्ली जाने को लेकर सवाल किया गया तो डीके शिवकुमार ने साफ कहा कि वे 16 जनवरी को दिल्ली जाएंगे। दरअसल हाल ही में कांग्रेस विधायक अशोक पत्तन ने कहा था कि राहुल गांधी ने दोनों नेताओं (सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार) को दिल्ली बुलाया है। अभी दिल्ली जाने की तारीख तय नहीं है, लेकिन संक्रांति के बाद दोनों नेता राहुल गांधी से मिलने दिल्ली जा सकते हैं।

राहुल गांधी के खिलाफ दायर याचिका खारिज

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर की एक अदालत ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बड़ी राहत दी है। यह मामला राहुल गांधी के द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई जाति आधारित टिप्पणी का है। अतिरिक्त सत्र न्यायालय ने इस मामले में दायर याचिका को खारिज कर दिया।

अदालत में दायर याचिका में शिकायतकर्ता ने कहा था कि राहुल गांधी ने नेता प्रतिपक्ष होने के बावजूद भी जाति से जुड़े बयान दिए थे और ऐसे बयान जनता को भड़काने वाले थे। याचिकाकर्ता का कहना था कि राहुल गांधी के इस तरह के बयान देश की एकता और अखंडता को नुकसान पहुंचाने वाले थे। याचिकाकर्ता ने अपनी शिकायत में राहुल गांधी के द्वारा 2024 में निकाली गई भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान की गई टिप्पणियों का जिक्र किया था।

'हम पूर्व सैनिकों के सम्मान में सिर झुकाते हैं'

> सशस्त्र सेना पूर्व सैनिक दिवस पर बोले रक्षा मंत्री

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। आज देश 10वां सशस्त्र बल पूर्व सैनिक दिवस मना रहा है। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया और जिन सैनिकों ने युद्ध के मैदान में अपने प्राण गंवाएं, उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान रक्षा मंत्री ने कहा कि देश अपने पूर्व सैनिकों के सम्मान में सिर झुकाता है। राजधानी दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने पूर्व सैनिकों को देश का गर्व बताया और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया।

उन्होंने कहा कि इस अवसर पर हम भारत समेत विश्व भर में रहने वाले अपने पूर्व सैनिकों को आदरपूर्वक नमन करते हैं। हम शहादत प्राप्त उन सभी सैनिकों को भी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं जिन्होंने राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया। आज मुझे इस विशाल परिवार के साथ में मकर संक्रांति मनाने का अवसर मिला है। राजनाथ सिंह ने पूर्व सैनिकों को संबोधित करते हुए कहा, 'आपके लिए यह सिर्फ एक पेशा नहीं है; बल्कि एक प्रतिज्ञा है जिसमें आप सभी ने राष्ट्र को अपने से ऊपर रखा है। मैं इसे शब्दों में बयां नहीं कर सकता हूं क्योंकि किसी भी समाज के लिए इससे बड़ा बलिदान कुछ और नहीं होगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि रक्षा मंत्री के रूप में उन्हें देश सेवा करने का मौका मिला और यह मेरी सबसे संतोषजनक भूमिका रही है। उन्होंने सभी सैनिकों के समर्पण की प्रशंसा करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण में सेवानिवृत्ति के बाद भी अपना योगदान देते रहते हैं। इसलिए रक्षा मंत्री के रूप में आपके साथ काम करना मेरे जीवन के सबसे सुखद पलों में से एक है। राजनाथ सिंह ने कहा कि 'सैनिकों को हर परिस्थिति में हमेशा डट कर खड़े रहना सिखाया जाता है। सियाचिन हो या राजस्थान की भीषण गर्मी, सैनिक किसी प्रतिकूल परिस्थिति में भी पीछे नहीं हटता है। सैनिकों का यही अनुभव उनके चरित्र का निर्माण करते हैं। वास्तव में एक सैनिक कभी सेवानिवृत्त नहीं होता बल्कि वर्दी का रंग बदलने के बावजूद उसका मनोबल बना रहता है। एक सैनिक हर मोर्चे पर राष्ट्र निर्माण में योगदान करने के लिए तैयार रहता है।'

फर्जी चालान-ट्रक की रसीद से 5000 करोड़ का लेनदेन

महज 10% काम वास्तविक, बाकी फर्जीवाड़ा

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। सुमाया समूह और उसके सहयोगियों ने 'नीड टू फीड' कार्यक्रम की आड़ में हरियाणा सरकार का फर्जी अनुबंध तैयार किया। इसका मकसद, धन और व्यापार वित्तपोषण प्राप्त करना था। इस तरह उन्होंने गैर-मौजूद व्यावसायिक गतिविधियों को वास्तविक कारोबार के रूप में प्रदर्शित किया।

ईडी की जांच से पता चलता है कि सुमाया समूह की संस्थाओं द्वारा प्राप्त धन को उशिक गाला द्वारा एक एजेंट के माध्यम से दिल्ली और हरियाणा स्थित फर्जी कृषि व्यापारी संस्थाओं को हस्तांतरित किया गया। इससे वास्तविक खरीद का झूठा प्रदर्शन किया गया। वास्तव में कोई कृषि खरीद नहीं हुई। फर्जी चालान/ट्रक रसीदों से 5000 करोड़ रुपये का लेनदेन किया गया। जाँच एजेंसी के मुताबिक, इसमें से केवल दस फीसदी ही वास्तविक काम हुआ तो बाकी फर्जीवाड़े की भेंट चढ़ गया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), मुंबई क्षेत्रीय कार्यालय ने मेसर्स सुमाया ग्रुप और अन्य के मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002) के प्रावधानों के तहत लगभग 35.22 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया है। इन संपत्तियों में बैंक बैलेंस, डीमैट होल्डिंग्स, म्यूचुअल फंड के रूप में चल संपत्तियां और दो अचल संपत्तियां शामिल हैं। ईडी ने वर्ली पुलिस स्टेशन द्वारा मेसर्स सुमाया इंडस्ट्रीज लिमिटेड और उसके प्रवर्तकों सहित विभिन्न व्यक्तियों और संस्थाओं के खिलाफ आईपीसी, 1860 के विभिन्न प्रावधानों के तहत दर्ज एफआईआर के आधार पर इस मामले की जांच शुरू की थी।

न्यायाधीशों और न्यायिक अफसरों के खिलाफ शिकायतों की सूचना गोपनीय कहकर नहीं रोक सकते

देहरादूनन, 14 जनवरी (एजेंसियां)। ्यायाधीशों और अधीनस्थ न्यायपालिका के अधिकारियों के खिलाफ दर्ज शिकायतों की सूचना को केवल गोपनीय कहकर देने से इन्कार नहीं किया जा सकता है। यह निर्णय मुख्य सूचना आयुक्त राधा रतूड़ी ने आईएफएस संजीव चतुर्वेदी की द्वितीय अपील पर सुनाया है। उन्होंने अपील को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए सक्षम अधिकारी से अनुमति लेकर एक महीने के भीतर आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। हालांकि, इनमें किसी अधिकारी या न्यायाधीश की पहचान उजागर न करने को भी कहा है। मुख्य वन संरक्षक, अनुसंधान, हल्द्वानी संजीव चतुर्वेदी ने सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत एक जनवरी 2020 से 15 अप्रैल 2025 के बीच उत्तराखंड की अधीनस्थ न्यायालयों से जुड़े कई बिंदुओं पर जानकारी मांगी थी।

मुंबई में अब वड़ा पाव पर पॉलिटिक्स

फडणवीस के वार पर सामना में पलटवार

मुंबई, 14 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मुंबई समेत 29 महानगरपालिकाओं के चुनाव प्रचार के समाप्त होते ही राजनीतिक तापमान चरम पर पहुंच गया है। इसी पृष्ठभूमि में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के मुखपत्र 'सामना' ने अपने संपादकीय 'वड़ा-पाव जिंदाबाद!' के जरिए आज मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और महायुति सरकार पर तीखा हमला बोला है।

'वड़ा-पाव' बयान पर बवाल

सामना का मुख्य निशाना मुख्यमंत्री फडणवीस का वह बयान है, जिसमें उन्होंने कहा था कि, "शिवसेना ने मराठी युवाओं को सिर्फ वड़ा-पाव के ठेले दिए, हम उद्योग और रोजगार देंगे।" शिवसेना (यूबीटी) ने इस बयान को मराठी श्रमिक वर्ग और संघर्ष के इतिहास का अपमान बताया है। संपादकीय में याद दिलाया गया है कि शिवसेना की स्थापना के समय मुंबई में मराठी युवाओं को नौकरियों से वंचित रखा जाता था, तब वड़ा-पाव जैसे छोटे व्यवसायों ने हजारों परिवारों का चूल्हा जलाया।

वड़ा-पाव: मजबूरी नहीं, स्वाभिमान

संपादकीय के अनुसार, वड़ा-पाव सिर्फ एक खाद्य पदार्थ नहीं, बल्कि मराठी स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। सामना ने दावा किया कि आज वड़ा-पाव न्यूयॉर्क, इंग्लैंड और यूरोप तक पहुंच चुका है और लाखों लोगों को रोजगार दे रहा है। फडणवीस पर कटाक्ष करते हुए सामना ने लिखा कि जो लोग इडली-सांभर, ढोकला-फाफड़ा और अन्य क्षेत्रीय व्यंजनों की प्रशंसा करते हैं, वही लोग मराठी वड़ा-पाव को हेय दृष्टि से देखते हैं।

गुजरात पलायन और रोजगार पर भी उठाए सवाल

संपादकीय में मुख्यमंत्री से सीधा सवाल पूछा गया है कि जब मुंबई और महाराष्ट्र के उद्योग गुजरात ले जाए जा रहे हैं, तो मराठी युवाओं को रोजगार कहां से मिलेगा? सामना में याद दिलाया गया कि उद्योगों में 80 प्रतिशत भूमिपुत्रों को प्राथमिकता दिलाने की लड़ाई उसने लड़ी थी, लेकिन मौजूदा सरकार ने उसी नीति को कमजोर कर दिया है।

यह चुनाव मराठी अस्मिता की लड़ाई है

सामना के अनुसार, यह चुनाव सिर्फ सत्ता का नहीं बल्कि मराठी माणूस के अस्तित्व और आत्मसम्मान की लड़ाई है। संपादकीय बेहद आक्रामक अंदाज़ में कहता है कि इस बार मराठी समाज को अपने अधिकारों के खिलाफ खड़े लोगों को "उबलते तेल में तले वड़े की तरह बाहर निकाल देना चाहिए।" संपादकीय में चुनावी माहौल को गुंडागर्दी, भीड़ और पैसे की राजनीति से जोड़ते हुए आरोप लगाया गया है कि यह चुनाव अब आम मतदाता का नहीं, बल्कि बाहुबल और धनबल का बनता जा रहा है।

'गुंडाराज' का लगाया आरोप

सामना ने पुणे में चुनावी माहौल के बीच कुख्यात अपराधी गजा मारणे की रिहाई और मुंबई में "बाहरी तत्वों" को लाकर मराठी जनता को कथित रूप से डराने का मुद्दा उठाया है। संपादकीय में भाजपा पर आरोप लगाया गया है कि मराठी माणूस के पक्ष में एक भी नेता खुलकर सामने नहीं आया, बल्कि मुख्यमंत्री ने ऐसे तत्वों का समर्थन किया, जिन्होंने मराठी समाज को धमकाया। संपादकीय का दावा है कि इसी नाराज़गी के चलते शिवाजी पार्क में मुख्यमंत्री फडणवीस और एकनाथ शिंदे की समापन सभा का मराठी जनता ने बहिष्कार किया, जबकि 11 तारीख को ठाकरे बंधुओं की सभा में

7 ग्राम हेरोइन के साथ धरा गया पंजाब पुलिस का कॉन्सटेबल, नाके पर जांच के बाद हुआ गिरफ्तार

बठिंडा, 14 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब से बड़ी खबर सामने आई है, यहां नाकाबंदी के दौरान गिदड़बाहा पुलिस ने बठिंडा पुलिस के एक मुलाजिम और उसके साथी को 7 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। हैरान करने वाली बात यह है कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में से एक इस समय बठिंडा के थाना थर्मल में तैनात है। जानकारी के मुताबिक, गिदड़बाहा पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों के मद्देनजर इलाके में नाकाबंदी कर वाहनों की तलाशी ली जा रही थी।

जांच के दौरान एक स्विफ्ट कार को रोका गया और तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान कार सवारों से 7 ग्राम हेरोइन बरामद हुई, जिसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को मौके पर हिरासत में ले लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान बलराम चंद उर्फ बबलू बेटा राम चंद निवासी गांव पियोरी और मनप्रीत सिंह बेटा कुलविंदर सिंह निवासी कालझरानी के रूप में हुई है।

जेल से बाहर आने की कोशिश में अबू सालेम

भाई के निधन पर मांगी 14 दिन की पैरोल, सरकार ने रखा 2 दिन का विकल्प

मुंबई, 14 जनवरी (एजेंसियां)। 1993 के मुंबई बम धमाकों के दोषी और पिछले 20 वर्षों से जेल में बंद अंडरवर्ल्ड गैंगस्टर अबू सलेम ने जेल से बाहर आने के लिए बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। सालेम ने अपने बड़े भाई के निधन के बाद अंतिम संस्कार और अन्य रस्मों में शामिल होने के लिए 14 दिनों की आपातकालीन पैरोल की मांग की है। महाराष्ट्र सरकार ने सलेम को 14 दिनों की पैरोल देने का विरोध किया है।

सरकार का तर्क है कि सालेम एक अंतरराष्ट्रीय अपराधी और आतंकवादी है, इसलिए सुरक्षा कारणों से उसे इतने दिनों के लिए छोड़ना संभव नहीं है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि सलेम को पुलिस सुरक्षा में केवल दो दिनों के लिए पैरोल दी जा सकती है, लेकिन इसका पूरा खर्च सालेम को खुद उठाना होगा। सालेम के वकीलों ने कोर्ट में कहा कि उनके मुवक्किल को उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जाना है। दो दिनों के भीतर मुंबई से आजमगढ़ जाकर वापस आना व्यावहारिक रूप से मुमकिन नहीं है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह 14 दिनों की पैरोल न देने के अपने कारणों और सुरक्षा चिंताओं को एक हलफनामे के जरिए अदालत में पेश करे। अबू सालेम के बड़े भाई का निधन नवंबर महीने में हुआ था।

तब सालेम ने जेल अधिकारियों से पैरोल मांगी थी, जिसे खारिज कर दिया गया था। इसके बाद उसने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। अब सबकी निगाहें अदालत के अंतिम फैसले पर टिकी हैं। अंडरवर्ल्ड गैंगस्टर अबू सलेम को 14 दिनों का आपातकालीन पैरोल देने का राज्य सरकार ने कड़ा विरोध किया है। सरकार का कहना है कि सालेम एक अंतरराष्ट्रीय अपराधी है, इसलिए उसे इतने दिनों के लिए बाहर रखना सुरक्षा की दृष्टि से संभव नहीं है। सरकार ने स्पष्ट किया कि सलेम को केवल दो दिनों का पैरोल पुलिस सुरक्षा में दिया जा सकता है, जिसका पूरा खर्च उसे खुद उठाना होगा।

इस मामले में मुंबई उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह अपनी चिंताओं को हलफनामे के जरिए कोर्ट में पेश करे। हालांकि, सलेम के वकीलों का तर्क है कि 1993 बम धमाकों का यह दोषी पिछले 20 साल से जेल में है और नवंबर में अपने बड़े भाई के निधन के बाद अंतिम संस्कार और अन्य धार्मिक रस्मों के लिए उसे 14 दिनों की मोहलत मिलनी चाहिए, क्योंकि दो दिन में आजमगढ़ जाकर वापस आना मुमकिन नहीं है।

चुनाव से पहले पैसे बांटने का आरोप, वसई फाटा में नकदी जब्त, हिरासत में एक शख्स

पालघर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। वसई-पालघर इलाके में नगर निकाय चुनाव से पहले माहौल उस वक्त गर्मा गया, जब बहुजन विकास आघाड़ी और मनसे के कार्यकर्ताओं ने वसई फाटा इलाके में कुछ लोगों को पैसे बांटते हुए रंगेहाथ पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि यह घटना देर रात की है। कार्यकर्ताओं ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने नकदी जब्त कर ली और एक व्यक्ति को हिरासत में ले लिया। मामले को लेकर इलाके में काफी देर तक चर्चा होती रही। इससे पहले शिवसेना नेता नीलम गोरहे ने गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने मंगलवार को कहा कि 15 जनवरी को होने वाले नगर निकाय चुनाव से पहले पुणे के कुछ वार्डों में खुलेआम धन वितरण किया गया है। गोरहे ने इस पर नाराजगी जताते हुए राज्य निर्वाचन आयोग से तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की है। चुनाव प्रचार समाप्त होने के बाद आयोजित प्रेसवार्ता में नीलम गोरहे ने कहा कि कौसरबाग, कोंढवा और कटराज जैसे इलाकों में शिवसेना उम्मीदवारों के खिलाफ खड़े प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवारों ने मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए गलत तरीके अपनाए।

रसोई में काम और बच्चे पैदा करो

उत्तर भारत की लड़कियों पर डीएमके सांसद के बयान से उठा बवंडर

चेन्नई, 14 जनवरी (एजेंसियां)। डीएमके सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री दयानिधि मारन के उत्तर भारत की लड़कियों पर बयान से सियासी विवाद खड़ा हो गया है। चेन्नई के कायद ए मिल्लत सरकारी वुमेंस कॉलेज के समारोह में मारन ने कहा कि कई उत्तर भारतीय राज्यों में लड़कियों को अक्सर घर पर रहने और घरेलू कामों पर ध्यान देने को कहा जाता है। लेकिन तमिलनाडु में लड़कियों को एजुकेशन और करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

मारन ने महिला शिक्षा के क्षेत्र में तमिलनाडु की तरक्की का श्रेय द्रविड़ आंदोलन और डीएमके सरकार की नीतियों को दिया। मारन ने कहा, हमारी सरकार से मिले लैपटॉप का इस्तेमाल कर लाभार्थी पढ़ाई और साक्षात्कार के लिए कर रहे हैं। हमें इस पर नाज है। यही वजह है कि तमिलनाडु में हम आपको पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। लेकिन उत्तर भारत के राज्यों में

महिलाओं को नौकरी न करने के लिए कहा जाता है और उन्हें घर में रहकर रसोई में काम करने और बच्चे पैदा करने के लिए कहा जाता है। लेकिन तमिलनाडु एक द्रविड़ राज्य है, जहां आपके उत्थान को महत्व दिया जाता है। बीजेपी ने मारन से इस बयान पर माफी की मांग की है। पार्टी ने इसे हिन्दीभाषी राज्यों और उनके लोगों के खिलाफ अपमानजनक बयान बताया है।बीजेपी ने कहा कि मारन को भारत के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने उत्तर भारत के राज्यों को पिछड़ा, अशिक्षित और असभ्य बताने की कोशिश की है। मारन ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की प्रशंसा की और उन्हें भारत का सर्वश्रेष्ठ मुख्यमंत्री बताया।

मारन ने तमिलनाडु को देश का सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला राज्य बताया। उन्होंने उत्तर भारत में लड़कियों को लेकर टिप्पणी कर नए सियासी विवाद को जन्म दिया है। इससे पहले भी डीएमके के कई नेता उत्तर और दक्षिण भारत को लेकर खाई पैदा करने वाली टिप्पणी करते रहे हैं।

थलापति विजय की फिल्म जना नायकन की रिलीज को लेकर सेंसर बोर्ड से उठे विवाद को भी डीएमके मुद्दा बना रही है और इसे दिल्ली बनाम दक्षिण भारत के मामले की शक्ल देने की कोशिश कर रही है। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के पहले राज्य में उत्तर भारत और हिन्दी विरोध को हवा देने की कोशिश होती रही है। डीएमके नेता और सीएम स्टालिन ने भी केंद्र की मोदी सरकार पर हिन्दी थोपने के प्रयास का आरोप लगाया है।

गंगा बेसिन के सर्वे में मिले 3037 घड़ियाल,चंबल में सबसे अधिक, 22 नदियों में हुआ सर्वे

देहरादून, 14 जनवरी (एजेंसियां)। घड़ियाल के अस्तित्व को लेकर बनी चुनौतियों के बीच गंगा बेसिन में आने वाली 13 नदियों में 3037 घड़ियाल मिले हैं। इसमें सबसे अधिक चंबल नदी में है। उत्तराखंड की बात करें तो यहां पर रामगंगा नदी में 48 घड़ियाल रिपोर्ट हुए हैं।

यह जानकारी गंगा बेसिन में अत्यंत संकटग्रस्त घड़ियाल की जनसंख्या स्थिति एवं संरक्षण कार्ययोजना को लेकर जारी रिपोर्ट में सामने आयी है। भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्लूआईआई) घड़ियालों की संख्या आदि का पता करने के लिए नवंबर-2020 और मार्च-2023 में सर्वे किया था। इसमें गंगा बेसिन में आने वाली 22 नदियों में 7680 किमी इलाके में सर्वे किया गया। इसमें 13 नदियों में बेहद संकटग्रस्त 3037 घड़ियाल (हेड काउंट) का पता चला है। इसमें सबसे अधिक घड़ियाल चंबल नदी में 2097, घाघरा 463 और गिरवा नदी में 158 घड़ियाल मिले हैं। उत्तराखंड में केवल रामगंगा नदी (कार्बेट टाइगर रिजर्व क्षेत्र) में 48 घड़ियाल की उपस्थिति मिली है। सर्वे और अध्ययन से जुड़े बायोलाजिस्ट आशीष पांडा बताते हैं कि घड़ियाल बहुत खास परिस्थिति में रह पाता है।

सबरीमाला मंदिर: बिक्री की आड़ में लाखों रुपए के गबन का आरोप, केरल हाईकोर्ट ने दिए जांच के आदेश

तिरुवनन्तपुरम, 14 जनवरी (एजेंसियां)। केरल के प्रसिद्ध सबरीमाला मंदिर में सोने की लूट के बाद अब घी को लेकर गड़बड़झाले की बात सामने आई है। घी को लेकर हुए कथित घोटाले में लाखों रुपए के गबन के आरोप हैं। इस मामले में केरल हाई कोर्ट ने जांच के आदेश दिए हैं। आरोप हैं कि सिर्फ दो महीने की अवधि में मंदिर में घी की बिक्री की आड़ में तकरीबन 35 लाख रुपये का गबन कर लिया गया।

इस गड़बड़ी की भनक सबसे पहले मंदिर के विजिलेंस अधिकारी को लगी, इंटरनल ऑडिट हुआ तो घोटाले की चौंका देने वाली जानकारी सामने आई और इस सिलसिले में त्रावणकोर देवसस्वोम बोर्ड के काउंटर इंचार्ज

सुनील पोट्टी को सस्पेंड भी कर दिया गया। अब हाईकोर्ट ने मंदिर के विजिलेंस कमिश्नर की इस घोटाले के सिलसिले में दायर रिपोर्ट का संज्ञान लेते हुए राज्य विजिलेंस और एंटी करप्शन विभाग को इस पूरे मामले की तह तक जाने और एक महीने के अंदर जांच रिपोर्ट देने के निर्देश दिये हैं।

भगवान अय्यप्पा के दर्शन के लिए सबरीमाला जाने वाले सभी भक्त भगवान को नारियल और घी चढ़ाते हैं। भगवान को चढ़ाए गए इस घी को दोबारा भक्तों को प्रसाद के रूप में बेचा जाता है, जिसे आथिया सिष्टम प्रसाद कहा जाता है, टीडीबी के लिए राजस्व का ये एक बहुत बड़ा माध्यम है। टीडीबी की ओर से घी को 100 एमएल के पैकेट में पैक करके उसे काउंटर तक पहुंचाने का कॉन्ट्रैक्ट दिया गया है, इस प्रक्रिया में सारी सामग्री टीडीबी की ही होती है, कॉन्ट्रेक्टर को हर एक पैकेट बनाने के लिए 20 पैसे मिलते हैं, टीडीबी ने 100 एमएल घी की कीमत 100 रुपये निर्धारित की है।

जांच में पता चला कि 17 नवंबर, 2025 से 26 दिसंबर, 2025 के बीच ठेकेदार ने 100 एमएल के 3,52,050 पैकेट पैक किए थे, और वे पैकेट बिक्री के लिए मंदिर के स्पेशल ऑफिसर को सौंपे गए थे। 3,52,050 पैकेट में से, अलग-अलग दिनों में मरामाथ बिल्डिंग में काउंटर से लगभग 89,300 पैकेट बेचे गए। 89,300 पैकेट में से 143 पैकेट खराब पाए गए, और 27 दिसंबर, 2025 तक काउंटर में बचे हुए पैकेट की कुल संख्या सिर्फ़ 28 थी। खराब पैकेट और काउंटर में बचे हुए पैकेट को घटाने के बाद, 89,129 पैकेट की बिक्री से मिली रकम बोर्ड को जमा की जानी चाहिए थी। हालांकि, काउंटर के इंचार्ज कर्मचारियों ने सिर्फ़ 75,450 पैकेट के पैसे ही जमा किए।

अर्की अग्निकांड में दर्दनाक खुलासा, क्षत-विक्षप्त हालत में मिले 7 बॉडी पार्ट्स, सर्च ऑपरेशन जारी

सोलन, 14 जनवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले के अर्की बाजार में हुए भीषण अग्निकांड के बाद लापता लोगों की तलाश के लिए बुधवार सुबह सर्च ऑपरेशन दोबारा शुरू कर दिया गया है। मंगलवार शाम तक लापता बताए जा रहे 9 लोगों में एक बच्चे का शव और 7 बॉडी पार्ट्स बरामद किए गए हैं। हालांकि, शवों की हालत बुरी तरह क्षत-विक्षप्त होने के कारण प्रशासन यह स्पष्ट नहीं कर पा रहा है कि ये बॉडी पार्ट्स कितने लोगों के हैं। पहचान के लिए सभी अवशेषों को डीएनए जांच हेतु एफएसएल लैब भेजा जा रहा है। मंत्री विक्रमादित्य सिंह जाएंगे मौके पर लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री विक्रमादित्य सिंह प्रभावित परिवारों से मुलाकात करेंगे

बंगाल में निपाह वायरस केस मिलने से ओडिशा में अलर्ट

भुवनेश्वर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना में एक निजी अस्पताल में दो नर्सों के संदिग्ध निपाह वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई है। प्रारंभिक रिपोर्ट में उनके लक्षण निपाह वायरस से मेल खाते पाए गए हैं। उनके नमूने जांच के लिए एम्स भेजे गए हैं। संक्रमण को रोकने के लिए एक राष्ट्रीय संयुक्त संक्रमण प्रतिक्रिया दल का गठन किया गया है। हालांकि, पश्चिम बंगाल से ओडिशा के बीच रोजाना लोगों की आवाजाही होने के कारण ओडिशा के लिए यह चिंता का विषय बन गया है। ओडिशा में अब तक निपाह वायरस का कोई मामला सामने नहीं आया है। कोविड-19 के दौरान जिस तरह अन्य राज्यों और विदेशों से आए लोगों के माध्यम से संक्रमण फैला था, उसका डर अभी भी लोगों के मन से पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। निपाह वायरस पशुओं, संक्रमित भोजन या सीधे मनुष्यों के संपर्क से फैल सकता है। संक्रमित लार, मल, मूत्र और रक्त के माध्यम से इसके फैलने की आशंका अधिक रहती है।

संक्रमित व्यक्ति में बुखार के साथ सिरदर्द, गले में दर्द, दस्त, उल्टी, मांसपेशियों में दर्द और सांस लेने में दिक्कत जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। गंभीर मामलों में मरीज के कोमा में जाने की आशंका भी रहती है। इसलिए नियमित रूप से हाथ धोने और संक्रमित सूअरों तथा चमगादड़ों से दूर रहने की सलाह दी गई है।

जनस्वास्थ्य निदेशक डॉ। नीलकंठ मिश्रा ने कहा कि ओडिशा में पहले कभी निपाह वायरस की पहचान नहीं हुई है। यदि केंद्र सरकार कोई दिशा-निर्देश जारी करती है तो राज्य सरकार भी उसके अनुसार निर्देश जारी करेगी। फिलहाल इस मामले में घबराने की जरूरत नहीं है, ऐसा उन्होंने स्पष्ट किया। वैश्विक जलवायु परिवर्तन के परिप्रेक्ष्य में पशुओं से मनुष्यों में रोग फैलने का खतरा बढ़ा है। इसलिए ऐसे रोगों या ज़ूनोटिक बीमारियों से निपटने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर एक संयुक्त रणनीति तैयार करने की दिशा में काम कर रही हैं। वर्ष 2023 में इस विषय पर भुवनेश्वर में कई बैठकें आयोजित की गई थीं। 'वन हेल्थ' कार्यक्रम के तहत ज़ूनोटिक रोगों से निपटने के लिए राज्य के सात सेंटिनल साइट्स पर प्रयोगशालाएं स्थापित करने का निर्णय लिया गया है।

भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद की कोठी में लगी आग

दमकल की तीन गाड़ियों ने पाया काबू

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से बड़ी घटना सामने आ रही है। जानकारी के मुताबिक, भारतीय जनता पार्टी के सांसद रवि शंकर प्रसाद की कोठी में आग लगने की खबर सामने आई है। दमकल विभाग की ओर से बताया गया है कि उन्हें 21 मदरटेरेसा क्रिसेंट रोड, रवि शंकर प्रसाद की कोठी में आग की कॉल मिली थी। इसके बाद मौके पर पहुंच कर आग को काबू किया गया है। गनीमत रही कि इस घटना में किसी के भी हताहत होने की खबर सामने नहीं आई है।

कमरे के बेड में आग लगी थी

सामने आई जानकारी के मुताबिक, रवि शंकर प्रसाद की कोठी में एक कमरे के बेड में आग लगी थी। आग की ये कॉल 8 बजकर 5 मिनट पर मिली थी। पहले कोठी नंबर 2 के नाम से कॉल आई थी। जब मामले की जांच की गई तो पता लगा कि घटना कोठी नंबर 21 की है जो रवि शंकर प्रसाद की है। दमकल की तीन गाड़ियों ने मौके पर पहुंच कर कमरे के अंदर बेड में लगी आग पर काबू पाया। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

दिल्ली के पीतमपुरा में भी लगी आग

इससे पहले मंगलवार को दिल्ली के पीतमपुरा में कबाड़ के कार्डबोर्ड और गत्ते रखने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले एक खाली भूखंड में भीषण आग लगने की घटना सामने आई थी। इस हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई और 3 लोग बुरी तरह से झुलस गए थे। पुलिस ने बताया है कि आग एक खाली भूखंड में लगी जहां पर अस्थायी टिन शेड के नीचे कार्डबोर्ड और गत्ते रखे हुए थे। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दमकल विभाग को फोन किया और 6 दमकल की गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। इसके बाद लंबी कोशिश के बाद आग पर काबू पाया गया।

बिहार के रहने वाले हैं पीड़ित

पुलिस ने जानकारी दी है कि दिल्ली के पीतमपुरा में लगी आग की चपेट में आने वाले 5 लोगों को जहांगीरपुरी स्थित बाबू जगजीवन राम मेमोरियल (बीजेआरएम) अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि, यहां पर दो लोगों को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान बीरेश और सतीश के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, आग की चपेट में आने वाले सभी 5 लोग बिहार के नालंदा जिले के निवासी थे। वह टिन की झोपड़ियों में रह रहे थे।

दिल्ली पुलिस ने जांच में पहली बार किया ड्रोन का उपयोग

नाले के बीच में फंसा मिला बच्ची का शव

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने तफ्तीश के लिए पहली बार ड्रोन का इस्तेमाल किया गया और इसमें सफलता भी मिली। नौ जनवरी को गायब बच्ची की तलाश के लिए पुलिस ने पहले स्निफर डॉग स्क्वाड की मदद भी ली लेकिन सफलता नहीं मिली। फिर ड्रोन के जरिये बच्ची को तलाश गया तो उसका शव नाले में फंसा मिला। आरोपी का अब तक पता नहीं चला है।

राहिणी जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार रोहिणी के प्रेम नगर थाना क्षेत्र में विद्यापति नगर, इंदर एन्क्लेव, फेज-दो, किराड़ी, दिल्ली की रहने वाली एक महिला से 9 जनवरी को शिकायत मिली थी। महिला ने शिकायत की थी कि उसकी चार साल की बेटी या तो लापता है या किसी ने उसका अपहरण कर लिया है। प्रेम नगर थाना पुलिस के सिपाही राहुल, कमल और प्रवीण ने सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले लेकिन कुछ फायदा नहीं हुआ। आखिरकार हवलदार देवेंद्र नासिर, हवलदार संदीप, हवलदार पंकज राजा और हवलदार विकास की टीम ने ड्रोन का सहारा लिया। ड्रोन से चार वर्ष की बच्ची का शव 12 जनवरी को विद्यापति नगर के पास एक नाले में मिल गया। शव नाले के बीच में दलदल में फंस गया था और दूर से दिखाई नहीं दे रहा था। पोस्टमार्टम कराकर बच्ची का शव परिजनों को सौंप दिया गया। रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन ने बताया कि प्रेम नगर इलाके में काफी नाले हैं।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार ज्यादातर नाले पूरे तरह भरे हुए हैं। ऐसे लगा कि बच्ची किसी नाले में गिर सकती है। ऐसे में ड्रोन से नाले में तलाशी लेने का फैसला किया गया। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि बच्ची के शव के पोस्टमार्टम की रिपोर्ट मिल गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता लगा कि बच्ची की डूबने से मौत हुई है। बताया जा रहा है कि बच्ची दिमागी रूप से कमजोर थी। हो सकता है वह चलते-चलते नाले में गिर गई हो।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: इस दुनिया में मतलब होने से ही जिक्र है, बिना मतलब के कौन करता किसकी फ़िक्र है!

मंदिर में चोरी का खुलासा, पांच गिरफ्तार

26 लाख रुपए के चुराए गए गहने बरामद

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुकटपल्ली ज़ोन के सीसीएस टीम और केपीएचबी पुलिस की लॉ एंड ऑर्डर शाखा ने एक कुख्यात अंतर-राज्यीय मंदिर चोरी गिरोह का पर्दाफाश किया। कार्रवाई में श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर, सरदार पटेल नगर, केपीएचबी कॉलोनी से चुराए गए लगभग 26 लाख रुपए के सोने, चांदी और तांबे के गहनों की बरामदगी की गई। बीते % जनवरी की सुबह 7 बजे, मंदिर प्रबंधक कंडुला मारुति ने शिकायत दर्ज कराई कि 6 और 7 जनवरी की रात अज्ञात चोरों ने मंदिर के गर्भ गृह को तोड़कर सोने और चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। मामला केपीएचबी पुलिस स्टेशन में तहत दर्ज किया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में विशेष टीम ने संभावित प्रवेश और पलायन मार्गों पर 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का विश्लेषण किया। तकनीकी निगरानी, संदिग्ध डेटाबेस जांच और आपराधिक तरीकों के मिलान के आधार पर आरोपियों की पहचान की गई। पुलिस ने इस मामले में महाराजु मल्लिकार्जुन, दुन्नापोथुला पवन कल्याण , डंडी अनिल तेजा, कंबापु विजय , तंगिला मणिकांत दुर्गा प्रसाद को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले के दो आरोपी नीलापुर नीलैय्या और बश्या वेनकट मोहित कुमार फरार है। पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी नीलापुर नीलैय्या पहले 15 संपत्ति और डकैती मामलों में शामिल, जबकि मोहित कुमार पहले गांजा से संबंधित मामले में संलिप्त रहा।

नीलापुर नीलैय्या और अन्य आरोपी मंदिर चोरी की साजिश में शामिल थे। अन्य साथी आरोपियों ने चोरी की गई संपत्ति को बेचने में मदद की। लगभग 26 लाख रुपए मूल्य के सोने और चांदी के आभूषण और मूर्तियां बरामद की गई है।

शेयर ट्रेडिंग के नाम पर 63 लाख की ठगी

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एक जाने-माने तेलुगु फिल्म निर्देशक के बेटे के साथ शेयर बाजार में निवेश के नाम पर बड़ा धोखा हुआ है। खबरों के मुताबिक, पीड़ित को करीब 63 लाख रुपये का नुकसान झेलना पड़ा है। जानकारी के अनुसार, हैदराबाद के अनुषा और प्रणीत नाम के दंपति ने खुद को शेयर बाजार का अनुभवी विशेषज्ञ बताया। उन्होंने ट्रेडिंग से ज्यादा मुनाफा दिलाने का झांसा दिया और भरोसा जीतने के लिए फर्जी लाभ के आंकड़े भी दिखाए। पीड़ित ने उनके कहने पर बड़ी रकम निवेश की, लेकिन न तो कोई मुनाफा मिला और न ही लगाई गई रकम वापस हुई। कई बार पैसे मांगने के बावजूद जब कोई समाधान नहीं निकला तो पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की।

शिकायत के आधार पर जुबली हिल्स पुलिस ने दंपति के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अब पैसों के लेन-देन की जांच कर रही है और यह भी पता लगाया जा रहा है कि क्या आरोपियों के खिलाफ पहले भी ऐसी शिकायतें दर्ज हैं।

एमसीईएमई भारतीय सेना का सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण संस्थान घोषित

आर्मी डे 2026 पर प्राप्त किया सीओएएस यूनिट अप्रीसिएशन

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जयपुर के सप्त शक्ति ऑडिटोरियम में आयोजित भव्य समारोह में, चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (सीओएएस) जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मिलिटरी कॉलेज ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मेकैनिकल इंजीनियरिंग (एमसीईएमई) को सीओएएस यूनिट अप्रीसिएशन से सम्मानित किया। यह एमसीईएमई के 1946 में स्थापना के आठ दशक लंबे इतिहास में यह पहला अवसर है। इस पुरस्कार के माध्यम से एमसीईएमई की उन प्रयासों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने पिछले दो वर्षों में सैनिकों और अधिकारियों को उत्कृष्ट प्रशिक्षण देने के लिए संस्थान को बेहतर बनाने में योगदान दिया और इसे भारतीय सेना के सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण संस्थानों में शामिल किया। पुरस्कार कमांडेंट एमसीईएमई लेफ्टिनेंट जनरल नीरज वर्शने वीएसएम और सुबेदार मेजर को प्रदान किया गया। पिछले दो वर्षों में एमसीईएमई ने रणनीतिक लक्ष्य, तकनीकी प्रगति और उद्योग सहयोग के तहत प्रशिक्षण को पूरी तरह आधुनिक किया है। भारतीय सेना की 'दशक परिवर्तन का' पहल के तहत, प्रशिक्षण अवसंरचना का आधुनिकीकरण किया गया, उन्नत प्रशिक्षण प्रयोगशालाओं का निर्माण किया गया और कक्षाओं को तकनीकी-सक्षम सीखने के माहौल में बदला गया। पाठ्यक्रम में नए विकल्प शामिल किए गए हैं, जैसे कि ड्रोन, एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, रोबोटिक्स और अनमैनड एरियल अटैक वेक्टर्स, ताकि अग्निवीर और अधिकारी दोनों की तकनीकी तैयारियों को बढ़ाया जा सके। नवाचार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए एमसीईएमई के प्रशिक्षुओं ने इन-हाउस रोबोटिक असिस्टेंट 'परिचारक' विकसित किया, जो रोजमर्रा की सेवाओं को स्वदेशी तकनीकी समाधानों के माध्यम से स्वचालित करता है। छात्रों को ड्रोन बनाने, उड़ाने, मरम्मत करने और उनका प्रभावी उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जाता है, जिससे अगली पीढ़ी के युद्ध के लिए सैनिक और अधिकारी तैयार होते हैं। एमसीईएमई ने तेलंगाना स्थित उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के साथ मिलकर स्वदेशी तकनीकी समाधान विकसित किए हैं। इसके तहत राडार, मिसाइल, बख्तरबंद प्रणाली, अंतरिक्ष अनुप्रयोग और ड्रोन युद्ध जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आयातित घटकों की जगह स्थानीय तकनीक विकसित की गई है। यह कदम 'विकसित भारत @204%' के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप है, जो साझेदारी, तकनीकी आत्मसात और परिणाम-आधारित निर्णय पर जोर देता है। एमसीईएमई लगातार भारतीय सेना के तत्काल और भविष्य की तकनीकी जरूरतों को पूरा करने, और अगली पीढ़ी के युद्ध के लिए सैनिकों और अधिकारियों को तैयार करने के अपने मिशन पर केंद्रित है।

संक्रांति भीड़ को देखते हुए दमरे की 4 विशेष ट्रेनें

तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र को जोड़ेंगी स्पेशल सेवाएं

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संक्रांति त्योहार के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने चार विशेष ट्रेनों के संचालन की घोषणा की है। ये ट्रेनें तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र के प्रमुख गंतव्यों को जोड़ेंगी। एससीआर के अधिकारियों के अनुसार ट्रेन संख्या 07484 (विजयवाड़ा-गुंतकल)विजयवाड़ा से 16 जनवरी को शाम 7.00 बजे प्रस्थान कर गुंतकल अगले दिन सुबह 4.30 बजे पहुंचेगी। इस ट्रेन का गुंटूर, नरसाराओपेट, विनुकोंडा, दोनकोंडा, मरकापुर रोड, कुंबुम, नांदयाल और दोने में ठहराव होगा। स्लीपर एवं जनरल सेकंड क्लास कोच रहेंगे। इसी तरह ट्रेन संख्या 07485 (मछलीपट्टनम-धर्मावरम)मछलीपट्टनम से 16 जनवरी को शाम 6.00 बजे रवाना होकर धर्मावरम अगले दिन सुबह 6.30 बजे पहुंचेगी। गुडिवाड़ा, विजयवाड़ा, तेनाली, बापटला, चिराला, ओंगोल, नेल्लोर, गुडूर, श्रीकालहस्ती, रेनीगुंटा, तिरुपति, पाकला, पीलर, मदनपल्ली, मुलकालाचेरुवु, कदिरी और मुदिगुब्बा में इस ट्रेन का ठहराव होगा। ट्रेन संख्या 07486 (विकाराबाद-एच.एस. नांदेड़) विकाराबाद से 20 जनवरी को सुबह 11.30 बजे रवाना होकर नांदेड़ उसी दिन रात 8.30 बजे पहुंचेगी। इस ट्रेन का ठहराव शंकरपल्ली, लिंगमपल्ली, बेगमपेट, सिकंदराबाद, बोलारम, मेडचल, अकनापेट, कामारेड्डी, निजामाबाद, बसर, धर्माबाद, उमरी और मुदखेड़ में होगा। ट्रेन संख्या 06487 (विकाराबाद-तिरुपति) विकाराबाद से 20 जनवरी को शाम 4.15 बजे चलकर तिरुपति अगले दिन सुबह 8.30 बजे पहुंचेगी। इसका ठहराव शंकरपल्ली, लिंगमपल्ली, सिकंदराबाद, चारलपल्ली, नलगोंडा, मिर्यालगुडा, सत्तेनापल्ली, गुंटूर, तेनाली, चिराला, ओंगोल, नेल्लोर और रेनीगुंटा में होगा। एससीआर ने यात्रियों से अग्रिम आरक्षण कराने और इन विशेष सेवाओं का लाभ उठाने की अपील की है, ताकि संक्रांति यात्रा सुगम और आरामदायक हो सके।

ईगल फोर्स ने 21 किग्रा गांजा के साथ दो तस्करों को किया गिरफ्तार

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स एजेंसी ईगल फोर्स ने कुकाटपल्ली पुलिस के साथ मिलकर बुधवार को 21 किलोग्राम गांजा के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आरोपी पुणे, महाराष्ट्र के सचिन दिलीप रणवरे (37) और कौशिक गणेश राऊत (21) हैं। पुलिस को सूचना मिली थी, जिसके आधार पर दिलीप को पकड़ लिया गया। दिलीप को पिछले साल जुलाई में भी गांजा मामले में गिरफ्तार किया गया था। दिसंबर में जेल से रिहा होने के बाद उसने गणेश के साथ मिलकर गांजा तस्करी शुरू की।

ईगल फोर्स के अधिकारियों ने बताया कि 12 जनवरी को दोनों ओडिशा के बरहमपुर से गांजा खरीदकर यात्रा बैग में भरकर शहर लौट रहे थे। कुकाटपल्ली में पुणे जाने वाली बस का इंतजार करते समय दोनों को पकड़ लिया गया। संग्रहित गांजे के साथ आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच जारी है।

नकली लेविपिल 500 टैबलेट जब्त

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना ड्रग्स कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन (टीजीडीसीए) ने नकली "लेविपिल 500' टैबलेट जब्त की हैं। इन टैबलेट पर सन फार्मा लेबोरेटरीज लिमिटेड द्वारा निर्मित होने का झूठा दावा किया गया था। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, टीजीडीसीए अधिकारियों को मिली खुफिया जानकारी के आधार पर कई डीलरों के यहां छापेमारी की गई। इस दौरान मिर्गी की दवा के रूप में उपयोग की जाने वाली लेविपिल 500 टैबलेट का नकली संस्करण बरामद हुआ।

ये नकली दवाएं दुर्गा मेडिकल एंड जनरल स्टोर्स, सुदर्शन रेड्डी नगर, चिंटल, कुथबुल्लापुर, मेडचल-मल्काजगिरि क्षेत्र से जब्त की गईं। जब्त की गई गोलियों पर दावा किया गया था कि उनका निर्माण सन फार्मा लेबोरेटरीज लिमिटेड, कामरूप जिला, असम में किया गया है।

नुमाइश में पुलिस स्टॉल्स ने बढ़ाई सुरक्षा और जागरूकता

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा मानी जाने वाली नुमायिश प्रदर्शनी में इस बार नगर पुलिस ने विशेष स्टॉल्स लगाकर नागरिकों को सुरक्षा और जागरूकता की जानकारी दी।

इन स्टॉल्स का उद्घाटन नगर पुलिस कमिश्नर वी.सी. सज्जनर और अतिरिक्त डीजीपी चारु सिन्हा ने बुधवार को किया। नगर पुलिस कमिश्नर वी.सी. सज्जनर ने बताया कि नुमायिश सिर्फ़ प्रदर्शनी नहीं बल्कि हैदराबाद की पहचान का अहम हिस्सा है। 1938 में कुछ स्टॉल्स से शुरू हुई यह प्रदर्शनी अब देश की सबसे बड़ी औद्योगिक प्रदर्शनी बन चुकी है। 85 वर्षों से अधिक की इस परंपरा ने राष्ट्रीय एकता और विभिन्न संस्कृतियों के संगम का प्रतीक बनकर उभरी है। उन्होंने बताया कि इन स्टॉल्स का उद्देश्य नागरिकों को पुलिस सेवाओं के प्रति जागरूक करना है। विशेष रूप से महिला सुरक्षा पर काम करने वाली 'शी टीमें', साइबर अपराधों से बचाव और सड़क सुरक्षा पर लोगों को मार्गदर्शन देंगी। सज्जनर ने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को इन स्टॉल्स पर अवश्य लाएँ ताकि छोटी उम्र से ही उन्हें ट्रैफिक नियम और सड़क सुरक्षा का ज्ञान मिल सके।

अतिरिक्त डीजीपी चारु सिन्हा ने कहा कि महिला सुरक्षा विंग, भरोसा और शी टीमें इन स्टॉल्स के माध्यम से महिलाओं को पूर्ण सुरक्षा का भरोसा देंगी। उन्होंने इसे नागरिकों को कानून और सुरक्षा नियमों की जानकारी देने के लिए एक उत्तम मंच बताया। इस अवसर पर एग्ज़िबिशन सोसाइटी के प्रतिनिधियों ने नगर पुलिस को 15 लाख रुपये का अनुदान चेक भी सौंपा। कार्यक्रम में जॉइंट सीपी (ट्रैफिक) डी. जोएल डेविस, डीसीपी राहुल हेगड़े, जी. चंद्रमोहन, वी. अरविंद बाबू, लावण्या नायक जादव सहित अन्य पुलिस अधिकारी और सोसाइटी के पदाधिकारी उपस्थित थे।

यूट्यूबर के खिलाफ अभिनेत्री कराटे कल्याणी की शिकायत

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगु अभिनेत्री कराटे कल्याणी ने यूट्यूबर अन्वेश के खिलाफ पंजागुट्टा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि यूट्यूबर ने भारतीय पासपोर्ट को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की है। मंगलवार रात दर्ज कराई गई शिकायत में अभिनेत्री ने कहा कि उक्त टिप्पणियां देश के प्रति अनादरपूर्ण हैं और राष्ट्रीय भावनाओं को ठेस पहुंचाती हैं।

कराटे कल्याणी ने पुलिस से यूट्यूबर के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही उन्होंने आरोपी का भारतीय पासपोर्ट रद्द करने की भी मांग उठाई है।

पंजागुट्टा पुलिस अधिकारियों ने बताया कि उन्हें शिकायत प्राप्त हो गई है। मामले की जांच की जा रही है और तथ्यों के सत्यापन के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

संक्रांति पर एसआरटीसी ने चलाईं 5,500 विशेष बसें

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संक्रांति त्योहार की पूर्व संध्या पर यात्रियों की भारी आवाजाही को संभालने के लिए तेलंगाना राज्य रोड ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (टीजीएसआरटीसी) ने 9 से 13 जनवरी के बीच लगभग 5,500 विशेष बसें चलाईं। हैदराबाद के प्रमुख बस अड्डों एमजीबीएस, जेबीएस, उप्पल, एलबी नगर, केपीएचबी और आरामघर में बसों का सुचारू संचालन देखा गया। अतिरिक्त कर्मचारी और वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किए गए जमीनी स्तर के पर्यवेक्षण से यात्री बोर्डिंग और बस संचालन में व्यवस्थित व्यवस्था बनी रही।

टीजीएसआरटीसी अधिकारियों ने बताया कि निरंतर निगरानी और योजना से प्रमुख बोर्डिंग पॉइंट्स पर भीड़ कम करने में मदद मिली। त्योहारी यात्रा चरम पर 10 जनवरी को सबसे अधिक विशेष बसें संचालित की गईं।

छुट्टियों के बाद शहर लौटने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए 18 और 19 जनवरी को विशेष वापसी सेवाओं की भी घोषणा की गई है। अधिकारियों ने लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों से अग्रिम आरक्षण कराने का आग्रह किया और 24 घंटे हेल्पलाइन नंबर के माध्यम से विशेष बस सेवाओं की जानकारी उपलब्ध कराई गई। इस दौरान शहर में सुस्त माहौल देखा गया, क्योंकि बड़ी संख्या में निवासी संक्रांति मनाने अपने पैतृक स्थानों पर चले गए थे। कई व्यस्त सड़कों और चौराहों पर यातायात हल्का रहा, जबकि आवासीय और वाणिज्यिक क्षेत्र असामान्य रूप से शांत दिखाई दिए।

सोशल मीडिया पर ओवरएक्शन बर्दाश्त नहीं : डीजीपी

पदभार संभालते ही दी थी गंभीर चेतावनी

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के डीजीपी शिवधर रेड्डी ने सोशल मीडिया के दुरुपयोग को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि सोशल मीडिया के नाम पर किसी की छवि धूमिल करना या चरित्र हनन करना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि ऐसे मामलों में कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। डीजीपी शिवधर रेड्डी ने बताया कि उन्होंने पदभार ग्रहण करते समय ही सोशल मीडिया को लेकर गंभीर चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर व्यक्तिगत हमले, शील हनन और कैरेक्टर असैसिनेशन करने वालों पर बिना किसी नरमी के कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति, उसके परिवार या परिवार के सदस्यों के बारे में झूठी और अपमानजनक खबरें फैलाना अपराध है और इस तरह की गतिविधियों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। डीजीपी ने कहा कि फेक न्यूज फैलाकर निजी जीवन में दखल देना और झूठे आरोप लगाना कानूनन अपराध है। सोशल मीडिया का उपयोग जिम्मेदारी से किया जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कानून के दायरे में, चार दीवारों के भीतर की जाने वाली आलोचना से हमें कोई आपत्ति नहीं है।' डीजीपी शिवधर रेड्डी ने दो टूक शब्दों में कहा कि लेकिन यदि कोई व्यक्ति सीमा लांघकर सोशल मीडिया का दुरुपयोग करेगा, तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई निश्चित है।,

सड़क हादसे में 55 वर्षीय व्यक्ति की मौत

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार दोपहर हयातनगर इलाके में हुई एक सड़क दुर्घटना में 55 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, पेद्दांबरपेट निवासी जी अशोक अपने बेटे उमाकांत के साथ मोटरसाइकिल से हयातनगर रोड पर जा रहे थे। इसी दौरान एक अन्य बाइक ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। अशोक मोटरसाइकिल पर पीछे बैठे थे और टक्कर लगने से सड़क पर गिर पड़े। हयातनगर पुलिस ने बताया कि अशोक को गंभीर चोटें आईं और उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

पीआरसी की घोषणा व लंबित डीए जारी करने की मांग

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रगतिशील शिक्षक संघ (टीपीटीएफ) ने तेलंगाना कांग्रेस सरकार से तत्काल वेतन संशोधन समिति (पीआरसी) की घोषणा कर उसे लागू करने की मांग की है। टीपीटीएफ के अतिरिक्त महासचिव मुत्याला रविंदर ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस ने आश्वासन दिया था कि वह पिछली सरकार द्वारा गठित पीआरसी समिति की रिपोर्ट प्राप्त कर सत्ता में आने के छह महीने के भीतर पीआरसी की घोषणा करेगी।

उन्होंने कहा कि चुनाव हुए दो साल से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन अब तक पीआरसी की घोषणा नहीं की गई है। इससे सरकारी शिक्षकों और कर्मचारियों में असमंजस और चिंता की स्थिति बनी हुई है। टीपीटीएफ ने मांग की कि पीआरसी की तुरंत घोषणा कर उसे लागू किया जाए।

संक्रांति के अवसर पर सरकार द्वारा घोषित महंगाई भत्ते का स्वागत करते हुए रविंदर ने कहा कि पहले से ही पांच डीए लंबित हैं। ऐसे में त्योहार के मौके पर केवल एक डीए जारी करना कर्मचारियों के साथ अन्याय है। उन्होंने सरकार से शेष सभी डीए बिना देरी जारी करने की मांग की। टीपीटीएफ ने शिक्षकों और कर्मचारियों के लंबित वेतन, जीपीएफ बकाया, जीवन बीमा दावे, अर्जित अवकाश नकदीकरण तथा पेंशनभोगियों के सेवानिवृत्ति बिलों का शीघ्र भुगतान करने की भी मांग की है। संघ ने कहा कि सरकार को सभी वित्तीय बिलों का भुगतान व्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से सुनिश्चित करना चाहिए।

अलवाल के पास ऑटोमोबाइल शोरूम में भीषण आग

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार दोपहर अलवाल के पास स्थित एक ऑटोमोबाइल शोरूम में अचानक भीषण आग लग गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। खबरों के अनुसार, आग तेजी से फैल गई, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल कर्मी फायर इंजन के साथ मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का कार्य शुरू किया। आग लगने से शोरूम की इमारत से घना धुआं उठता दिखाई दिया। दमकल कर्मी आग को आसपास की इमारतों तक फैलने से रोकने में जुटे रहे। अधिकारियों के अनुसार, इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। फिलहाल नुकसान का आकलन किया जा रहा है। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है और मामले की जांच की जा रही है।

चुनाव ड्यूटी से जूनियर कॉलेज कर्मचारियों को छूट की मांग

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीय निकायों के चुनाव नजदीक आने के मद्देनजर तेलंगाना बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन (टीजी बीआईई) ने सरकारी और सरकारी क्षेत्र के जूनियर कॉलेजों के कर्मचारियों को चुनाव संबंधी कर्तव्यों से छूट देने की मांग की है। राज्य चुनाव आयुक्त आई रानी कुमुदिनी को लिखे पत्र में टीजी बीआईई के सचिव एस कृष्णा आदित्य ने बताया कि सरकारी और सरकारी क्षेत्र के जूनियर कॉलेजों के कुल 21,844 कर्मचारी वर्तमान में परीक्षा कार्यों में लगे हैं। इनमें 19,241 शिक्षण और 2,603 गैर-शिक्षण कर्मचारी शामिल हैं।

उन्होंने जानकारी दी कि प्रथम और द्वितीय वर्ष के इंटरमीडिएट छात्रों की अंग्रेजी की प्रायोगिक परीक्षाएं 21 और 22 जनवरी को होंगी। इसके बाद 23 जनवरी को नैतिकता और मानवीय मूल्यों तथा 24 जनवरी को पर्यावरण शिक्षा की परीक्षा आयोजित की जाएगी। प्रायोगिक परीक्षाएं 2 से 21 फरवरी तक और सैद्धांतिक परीक्षाएं 25 फरवरी से 18 मार्च तक प्रस्तावित हैं।

टीजी बीआईई सचिव ने कहा कि बोर्ड द्वारा प्रायोगिक और सैद्धांतिक दोनों परीक्षाओं के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने सहित व्यापक इंतजाम किए गए हैं। इस दौरान समन्वय, निगरानी और पर्यवेक्षण का कार्य उच्च स्तर पर रहता है, जिसके लिए शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की सेवाएं अत्यंत आवश्यक हैं।

उन्होंने चुनाव आयुक्त से अनुरोध किया कि नगर निगम, नगरपालिका, शहरी स्थानीय निकाय और ग्रामीण स्थानीय निकाय चुनावों (एमपीटीसी और जेडपीटीसी) से संबंधित कोई भी कार्य इन कर्मचारियों को न सौंपा जाए और उन्हें चुनाव ड्यूटी से छूट दी जाए, ताकि परीक्षाएं सुचारु रूप से संपन्न कराई जा सकें।

पूर्व आईएएस का बेटा फंदे पर लटका

प्रयागराज, 14 जनवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज में पूर्व आईएएस श्रीचंद्र के बेटे ने फंदे पर लटककर सुसाइड कर लिया। पुलिस ने कमरे का दरवाजा तोड़कर हिमांशु (22) के शव को नीचे उतारा और पोस्टमॉर्टम को भेजा। हिमांशु ने दो महीने पहले ही लव-मैरिज की थी। शुरुआती जांच में पत्नी से कहासुनी और पारिवारिक अनबन की बात सामने आ रही है। सूत्रों के मुताबिक, हिमांशु का पत्नी से मोबाइल फोन पर किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। घटना के समय पूर्व आईएएस घर पर मौजूद नहीं थे। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें परिवार के लोग फंदे पर लटकते हिमांशु को नीचे उतारते दिख रहे हैं। ढाई मिनट के वीडियो में दिख रहा है कि एक व्यक्ति अपने कंधों के सहारे हिमांशु को ऊपर उठाए हुए है। दूसरा शख्स रस्सी काट रहा है। एक महिला जोर-जोर से रो रही है। चिल्ला रही है। महिला हिमांशु को भैया कहकर पुकार रही है। अपने पापा से पानी लाने को कह रही है।

अनुज चौधरी समेत 12 पुलिसवालों के खिलाफ एफआईआर के आदेश पर

बोले जियाउर्रहमान बर्क- 'कानून से ऊपर कोई नहीं'

संभल, 14 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल में हुई हिंसा के दौरान एक युवक की गोली से मौत मामले में सीजेएम कोर्ट ने उस समय सीओ रहे अनुज चौधरी समेत 12 पुलिसकर्मियों पर मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए हैं। जिस पर संभल से समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान बर्क की प्रतिक्रिया आई हैं। उन्होंने कहा कि क़ानून से ऊपर से कोई नहीं है न वर्दी और न ही किसी का ओहदा।

कोर्ट के फैसले पर बोले जियाउर्रहमान बर्क

सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर कोर्ट के फैसले के बाद पोस्ट की और लिखा- 'कानून से ऊपर कोई नहीं न वर्दी, न ओहदा। संभल हिंसा के दौरान एक युवक को गोली मारने के मामले में तत्कालीन सीओ समेत 12 पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज करने का सीजेएम कोर्ट का आदेश एक ऐतिहासिक फैसला है। यह आदेश साफ़ संदेश देता है।। अफसर हो या आम नागरिक, कानून तोड़ने वाला बच नहीं सकता।' सपा सांसद ने इस पोस्ट के ज़रिए कोर्ट के आदेश का समर्थन किया हैं।

सीजेएम कोर्ट ने दिए एफआईआर दर्ज करने के आदेश

दरअसल संभल के थाना नखासा में रहने वाले यामीन ने सीजेएम कोर्ट में 6 फरवरी 2025 को एक याचिका दाखिल की थी, जिसमें उन्होंने पुलिस पर उनके बेटे आलम की गोली मारकर हत्या करने का आरोप लगाया था। उन्होंने याचिका में दावा किया कि उनका बेटा दुकान पर कुछ सामान लेने के लिए घर से निकला था, जब उसे गोली मार दी गई। उन्होंने इस मामले में तत्कालीन सीओ अनुज चौधरी, कोतवाली इंस्पेक्टर अनुज तोमर समेत 12 पुलिस वालों को आरोपी बनाया। इस मामले पर चली सुनवाई के बाद सीजेएम कोर्ट ने इन सभी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए हैं। कोर्ट का ये फैसला सुर्खियों में बना हुआ हैं।

शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान भड़की थी हिंसा

बता दें 24 नवंबर 2024 को कोर्ट के आदेश पर संभल की शाही जामा मस्जिद के सर्वे के लिए टीम पहुंची थी। सर्वे के दौरान मस्जिद के सामने भारी संख्या में भीड़ इकट्ठा हो गई थी, जिसके बाद यहां हिंसा भड़क उठी और उपद्रवियों ने टीम पर पत्थरबाजी की। इस दौरान चली गोली में चार लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 29 पुलिसकर्मी भी घायल हो गए थे।

चीन के नेताओं के संघ दफ्तर आफिस पहुंचने पर

अखिलेश यादव ने कसा तंज कहा- 'हमको ही धोखा दे दिया'

लखनऊ, 14 जनवरी (एजेंसियां)। भाजपा और उनके संगी-साथी स्वदेशी करते-करते परदेसी हो गये क्या? कहाँ तो चीन से आयात का विरोध कर रहे थे, यहाँ तो साक्षात स्वागत कर रहे हैं। लगता है भाजपा के वैचारिक उस्ताद पड़ोसी देश से एकदलीस व्यवस्था का मास्टर क्लास ले रहे हैं। मिलनेवालों को मालूम है क्या कि वो भारत आकर जिससे मिल रहे हैं, उनका काग़ज़ों पर कोई अता-पता नहीं है, वो अनरजिस्टर्ड लोग हैं। उनका कहीं कोई पंजीयन नहीं है।

आज बात मुलाक़ात तक पहुँच गयी, इसका मतलब तैयारी कई सालों से चल रही थी, फिर ये बहिष्कार का ड्रामा क्या भाजपाई अपने समर्थकों की आँख में धूल झोंकने के लिए कर रहे थे? भाजपा के उन बेचारे समर्थकों के चेहरे आज कोई जाकर देखे जो चीनी सामान के बहिष्कार के लिए दरवाज़े खटखटाते घूम रहे थे। बेचारे आज बहुत ठगा सा महसूस कर रहे हैं और आपस में व्हाट्सएप मैसेज करके कह रहे हैं, सुना तो था कि भाजापा किसी की सगी नहीं है पर हमको ही धोखा दे दिया, ये अच्छा नहीं किया। अब उनको अपने वैचारिक पूर्वजों की तरह भूमिगत होना पड़ेगा। ये समर्थक 'रंगे सियार' की उस कहानी को भूल गये थे, जिसका राज़ एक दिन पानी बरसने पर खुल जाता है।

'बुर्के वाली पीएम बन गई तो कौन सी बड़ी बात है?'

स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान से सियासत गरमाई

लखनऊ, 14 जनवरी (एजेंसियां)। अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य ने हाल ही में दो बड़े मुद्दों पर अपनी प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा कि हमारे देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था है और लोकतंत्र में कोई भी व्यक्ति सांसद, विधायक या प्रधानमंत्री बन सकता है, चाहे वह घूंघट या बुर्का पहने। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि इस देश में पहले ही महिला प्रधानमंत्री और महिला राष्ट्रपति बन चुकी हैं। साथ ही तीन-चार मुस्लिम राष्ट्रपति भी रह चुके हैं। अगर कोई बुर्के वाली महिला प्रधानमंत्री बनती है, तो इसमें कोई बड़ी बात नहीं है। यह कोई असाधारण बात नहीं है। आईएएनएस से बातचीत में स्वामी प्रसाद मौर्य ने यह बयान एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के हालिया बयान पर प्रतिक्रिया में दिया।

मौर्य ने कहा कि लोकतंत्र में सभी नागरिकों को समान अवसर मिलना चाहिए और धर्म, पहचान या परिधान के आधार पर किसी को कमतर नहीं आंका जाना चाहिए। दूसरे मामले में, स्वामी प्रसाद मौर्य ने जम्मू-कश्मीर और उत्तर प्रदेश में दलितों, आदिवासियों और अन्य हाशिए पर रहने वाले समुदायों पर हो रहे अत्याचारों पर चिंता जताई। उन्होंने मेरठ की घटनाओं का उदाहरण देते हुए कहा कि एक दलित बेटी की हत्या कर दी गई, उसकी मां न्याय मांगने गई तो उसे भी मार डाला गया और उसी जिले में सोनू नाम के एक लड़के को जला कर मार दिया गया। मौर्य ने कहा कि हर दिन दलित और हाशिए पर रहने वाले युवाओं की हत्या हो रही है। जब महिलाएं और बेटियां असुरक्षित हैं और सरकार समाधान नहीं दे रही है। तो हिंदुत्व के नाम पर राजनीति करने वाले इन घटनाओं का राजनीतिक फायदा उठाना बंद करें। अगर सच में उनकी चिंता है, तो इन्हें रोकने की पहल करनी चाहिए।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में सभी के है समान अधिकार- स्वामी प्रसाद मौर्य

स्वामी प्रसाद मौर्य का यह बयान दो संदेश देता है। एक ओर वह दलित और हाशिए पर रहने वाले लोगों पर हो रहे अत्याचारों पर ध्यान दिला रहे हैं। वहीं दूसरी ओर लोकतांत्रिक व्यवस्था में सभी के समान अधिकारों और अवसरों पर जोर दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि असली मुद्दों पर ध्यान देना जरूरी है और धर्म या पहचान के नाम पर राजनीति नहीं करनी चाहिए।

अपने 70वें जन्मदिन पर ब्लू बुक का विमोचन करेंगी बसपा प्रमुख, 2027 चुनाव की तैयारी

लखनऊ, 14 जनवरी (एजेंसियां)। बसपा प्रमुख मायावती का 70वां का जन्मदिन गुरुवार को जनकल्याणकारी दिवस के रूप में मनाया जाएगा। प्रदेश भर में मंडल स्तर आयोजन होंगे। वहीं पार्टी मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मायावती ब्लू बुक के 21वें संस्करण का विमोचन करेंगी। जन्मदिन के बाद बसपा विशेष गहन पुनरीक्षण में भागीदारी और चुनावी तैयारी तेज करने की भी तैयारी कर रही है। इस संबंध में जल्द ही बसपा प्रमुख कोआर्डिनेटर से लेकर जिला स्तर के पदाधिकारियों की बैठक बुलाएंगी।

लगातार जनाधार खिसकने से पिछले लोकसभा चुनाव में शून्य पर सिमट चुकी बसपा का पिछले विधानसभा चुनाव में सिर्फ एक विधायक है। बसपा सुप्रीमों वर्ष 2027 के आम चुनाव में वर्ष 2007 जैसा प्रदर्शन दोहराने के लिए संगठन को मजबूत करने की कोशिश में लगी हैं। ऐसे में जन्मदिवस के सहारे कार्यकर्ताओं में उत्साह भरने और युवा पीढ़ी को जोड़ने की कोशिश की जाएगी।

यूपी में गुजरात पार्ट 2? 70% मंत्रियों की खिसक सकती है कुर्सी

लखनऊ, 14 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार की कैबिनेट में बड़े स्तर पर फेरबदल के आसार हैं। माना जा रहा है कि पिछले साल गुजरात में जिस तरह से कैबिनेट में बदलाव हुए और लगभग सारे चेहरे बदल दिए गए। कुछ ऐसा ही यूपी में भी हो सकता है। सूत्रों का दावा है कि 70 फीसदी से अधिक मंत्री बदले जा सकते हैं। इन बदलावों का असर उन पर हो सकता है जो वर्ष 2017 और फिर साल 2022 की सरकार में भी मंत्री रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक बीते 8-9 सालों से जो मंत्री हैं उनमें से कुछ ही चेहरों को छोड़कर बाकियों पर फेरबदल की गाज गिर सकती है।

सूत्रों के मुताबिक भले ही भारतीय जनता पार्टी की यूपी इकाई के अध्यक्ष का जिम्मा कुर्मी समाज से आने वाले पंकज चौधरी को दी है, उसके बाद भी नए विस्तार में कुर्मियों का बोलबाला रह सकता है। कुर्मी समाज से 2-3 नेताओं की एंट्री कैबिनेट में हो सकती है।

यूपी कैबिनेट में कई नेताओं की हो सकती है एंट्री

सूत्रों के अनुसार रामपुर में भारतीय जनता पार्टी के नेता और विधायक आकाश सक्सेना, अलीगढ़ से कुंवर जयवीर सिंह को नए मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है। इसके साथ ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बेटे पंकज सिंह, साध्वी निरंजन ज्योति, भूपेंद्र सिंह चौधरी, पूजा पाल, मनोज पांडेय, कृष्णा पासवान, राम रतन कुशवाहा, पद्मसेन चौधरी , अशोक कटारिया के नाम की भी चर्चा है। इसके अलावा दावा किया जा रहा है कि योगी सरकार में पहले मंत्री रह चुके महेंद्र सिंह की दोबारा काबीना में एंट्री हो सकती है। बीते वर्ष बीजेपी संगठन में बदलाव के बाद कैबिनेट में फेरबदल के आसार जताए जा रहे हैं। पंकज चौधरी के अध्यक्ष बनने के बाद कोरग्रुप की बैठक हुई थी। जिसमें संगठन से सरकार तक की किन को क्या जिम्मेदारी देनी है उनकी चर्चा हो चुकी है।

इसी चर्चा के बाद पहले पंकज चौधरी दिल्ली आए और हाईकमान से मुलाकात की। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी इन्हीं मुद्दों पर बीजेपी नेतृत्व से चर्चा की। माना जा रहा है कि हाईकमान से चर्चा के बाद यूपी में किसको संगठन से सरकार में लाया जाए और किन्हें सरकार से वापस संगठन में अहम जिम्मेदारी दी जाए, इसका फैसला हो जाएगा। मकर संक्रांति के बाद किसी भी दिन कैबिनेट फेरबदल की संभावना है।

चाइनीज मांझे ने काटी डॉक्टर की गर्दन तड़प-तड़पकर गई जान

जौनपुर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के पचहटियां के पास चाइनीज मांझे की चपेट में आने से एक डॉक्टर की मौत हो गई। वह हेलमेट लगाकर अपनी बाइक चला रहे थे और केराकत से किसी कार्य से जौनपुर आए थे और तत्पश्चात अपने घर केराकत की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान चाइनीज मांझे की चपेट में आने से उनकी गर्दन कट गई और मौके पर ही अत्यधिक खून बह गया। आननफानन में एम्बुलेंस के जरिए उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया जहां पर डॉक्टरों ने उन्हे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंचे परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

वहीं चाइनीज मांझे से लगातार दूसरी मौत से प्रशासन द्वारा चाइनीज मांझे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान पर भी सवालिया निशान उठ रहे हैं। घटना से लोगों में आक्रोश है। गौरतलब हो कि एक शिक्षक की भी चाइनीज मांझा से

गर्दन कटने से मौत हो चुकी है। आपको बता दें कि बुधवार को केराकत तहसील क्षेत्र के शेखजादा मोहल्ला निवासी 25 वर्षीय डॉ. समीर हाशमी पुत्र कपिल किसी कार्य से जौनपुर आए थे। बुधवार की दोपहर करीब साढ़े 12 बजे वह अपने घर जा रहे थे। वह पचहटिया में प्रसाद तिराहे के पास पहुंचे ही थे कि उनके गले में चाइनीज मांझा फंस गया और जब तक कुछ समझ पाते चाइनीज मांझे से गला कट गया। बाइक पर वह हेलमेट लगाए हुए थे। गला कटते ही वह नीचे गिर पड़े और अत्यधिक खून बहने लगा। जब तक वह कुछ समझ पाते तब तक वह अचेत हो गए।

राहुल गांधी करेंगे रामलला के दर्शन

अयोध्या दौरे पर जानिए संतों की प्रक्रिया

अयोध्या, 14 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद राहुल गांधी जल्द ही अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के दर्शन कर सकते हैं। इस बात की जानकारी बाराबंकी से कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दी। उन्होंने कहा कि अब जब राम मंदिर का निर्माण पूर्ण हो चुका है और मंदिर में ध्वजारोहण भी हो गया है, ऐसे में राहुल गांधी का रामलला के दर्शन करना स्वाभाविक है।

राहुल गांधी के मंदिर दर्शन को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज

तनुज पुनिया ने राहुल गांधी के अब तक राम मंदिर न जाने को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब देते हुए कहा कि जब मंदिर अधूरा था, तब वहां पूजा-अर्चना का सवाल नहीं उठता था। अब मंदिर का निर्माण पूरा हो गया है और सभी धार्मिक अनुष्ठान विधिवत संपन्न हो चुके हैं, इसलिए राहुल गांधी रामलला के दर्शन करेंगे। दरअसल, 23 जनवरी को 32 सदस्यीय संसदीय समिति अयोध्या दौरे पर आने वाली है, जिसमें राहुल गांधी भी शामिल हैं। समिति के दौरे और राहुल गांधी के संभावित मंदिर दर्शन को लेकर राजनीतिक और धार्मिक हलकों में चर्चाएं तेज हो गई हैं।

महंत राजू दास बोले- सनातन धर्म पर विवादित बयान को लेकर सवाल उठाए

गौरतलब है कि इससे पहले वर्ष 2016 में राहुल गांधी अयोध्या आए थे। उस दौरान उन्होंने हनुमानगढ़ी में दर्शन किए थे और संत समाज से आशीर्वाद लिया था, लेकिन तब राम मंदिर का निर्माण कार्य चल रहा था, इसलिए उन्होंने रामलला के दर्शन नहीं किए थे। राम मंदिर ट्रस्ट की ओर से उन्हें प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण भी दिया गया था। इस बीच संत समाज की ओर से मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास ने राहुल गांधी के संभावित दौरे पर टिप्पणी करते हुए कहा कि भगवान श्रीराम की शरण में आने वाले सभी लोगों का स्वागत है। उन्होंने साथ ही राहुल गांधी से सनातन धर्म पर विवादित बयान देने वाले सहयोगी दलों को लेकर भी सवाल उठाए।

राम जी की शरण में आने से किसी को रोका नहीं जा सकता

वहीं जगद्गुरु परमहंस आचार्य ने राहुल गांधी के रामलला दर्शन का स्वागत करते हुए कहा कि राम जी की शरण में आने से किसी को रोका नहीं जा सकता। हालांकि उन्होंने इस दौरे को लेकर राजनीतिक उद्देश्य का संकेत भी दिया।

50 हजार के लिए नाबालिग बेटी का सौदा

मधुबनी, 14 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के मधुबनी जिले के राजनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत भगवानपुर में टेम्पो से शादी के जोड़े में राजनगर की ओर जा रहे एक नव विवाहित जोड़े को स्थानीय ग्रामीणों ने पकड़ लिया तथा स्थानीय थाना के डायल 112 पुलिस के हवाले कर दिया। स्थानीय ग्रामीण उक्त युवक पर एक नाबालिग युवती से शादी रचाने का आरोप लगा रहे थे। कथित नाबालिग युवती राजनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव की निवासी बताई जाती है। वहीं, युवक की शिनाख्त गुजरात के सोमनाथ जिले के तालालागिर थाना क्षेत्र अंतर्गत सुरवागिर गांव निवासी लालजी जयंती भाई देवगनियां के बतौर हुई है। जानकारी के अनुसार जिस टेम्पो पर नव विवाहित जोड़ा तथा युवती की मां सवार थीं, वो अचानक भगवानपुर पेट्रोल पम्प के पास रुका। इसी बीच नव विवाहित युवक लालजी जयंती भाई देवगनियां एवं बिचौलिए के बीच शादी कराने जाने के एवज में पैसे के लेनदेन को लेकर कहासुनी और बताबाती होने लगी।

बीएसएफ जवान के बंद घर में लाखों की चोरी: शेखपुरा में 50 हजार कैश-10 लाख के जेवर चुराए

शेखपुरा, 14 जनवरी (एजेंसियां)। शेखपुरा शहर के बाईपास रोड स्थित रेडक्रॉस भवन के सामने एक बंद घर में अज्ञात चोरों ने सेंधमारी की है। चोरों ने घर का ताला तोड़कर 50 हजार रुपए नकद और 10 लाख रुपए के स्वर्ण आभूषण चुरा लिए। घटना का पता तब चला जब गृहस्वामिनी बबीता देवी लखीसराय से अपनी बेटी का इलाज कराकर घर लौटीं। घर पहुंचने पर बबीता देवी ने पाया कि मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ है और बाहर से एक नया ताला लगा हुआ है। अंदर जाने पर सभी कमरों, बक्सों और अलमारियों के ताले टूटे मिले।

घर का सामान बिखरा पड़ा था और नकद व सभी सोने के जेवरात गायब थे। हालांकि, चोरों ने टीवी, बाइक, बर्तन और कपड़े जैसे अन्य सामानों को छोड़ दिया। पीड़ित बबीता देवी ने बताया कि वह मूल रूप से सदर प्रखंड के कारे गांव की निवासी हैं। उनके पति मिथिलेश साहनी वर्तमान में मणिपुर में बीएसएफ कॉन्स्टेबल के पद पर तैनात हैं।

यूपी कोऑपरेटिव बैंक में 21 करोड़ रुपये का घोटाला, 16 पर रिपोर्ट दर्ज

गोंडा, 14 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी कोऑपरेटिव बैंक की गोंडा शाखा में 21 करोड़ 47 लाख 78 हजार रुपये के बड़े घोटाले का राजफाश हुआ है। स्पेशल ऑडिट और आंतरिक जांच की अंतिम रिपोर्ट के आधार पर 16 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इनमें तीन तत्कालीन शाखा प्रबंधक पवन पाल, अजय कुमार और सुशील कुमार, कैशियर पवन कुमार के अलावा खाताधारक शामिल हैं। स्पेशल ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार ऋण वितरण से पहले न तो आवेदकों की पात्रता की जांच की गई और न ही आय प्रमाणपत्र, जमानत मूल्यांकन रिपोर्ट और आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन हुआ। कई मामलों में फर्जी और कूटरचित अभिलेखों के आधार पर ऋण स्वीकृत कर दिए गए। शाखा स्तर पर बैंक नीति और आरबीआई के दिशानिर्देशों को पूरी तरह नजरअंदाज किया गया।

2021 से जून 2025 के बीच का मामला, शाखा प्रबंधकों ने अपने घर वालों के खातों में भेजी राशि

जांच में यह भी उजागर हुआ कि

तत्कालीन शाखा प्रबंधकों ने स्वयं के साथ-साथ अपने परिवार के सदस्यों के खातों का भी प्रयोग किया। ऋण वितरण के नाम पर निकाली गई धनराशि को माता, पत्नी और पुत्र के खातों में भेजा गया। यह गड़बड़ी दिसंबर 2021 से जून 2025 के बीच विभिन्न चरणों में हुईं। इस अवधि में अलग-अलग समय पर तैनात रहे शाखा प्रबंधकों व कर्मचारियों की भूमिका भी संदेह के घेरे में पाई गई है।

ऋण खाते में नौ की जगह 31 लाख दर्शाने में फंसे तत्कालीन प्रबंधक

कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड की गोंडा शाखा में सामने आ रहे घोटालों की कड़ी में एक और गंभीर मामला उजागर हुआ है। एक खाताधारक ने बैंक के तत्कालीन शाखा प्रबंधक और उनके सहयोगियों पर कूटरचना, धोखाधड़ी और जान से मारने की धमकी देने जैसे संगीन आरोप लगाए हैं। न्यायालय के आदेश से कोतवाली नगर में एफआईआर दर्ज की गई है। एफआईआर के अनुसार शिकायतकर्ता शिवेंद्र द्विवेदी निवासी बहराइच रोड ने बताया कि उन्होंने यूपी कोऑपरेटिव बैंक गोंडा शाखा से मात्र नौ लाख रुपये का होम लोन लिया था। वे नियमित रूप से ऋण की किश्तें भी जमा करते रहे, लेकिन जब कुछ समय बाद उन्होंने अपने ऋण खाते का विवरण निकलवाया, तो वे यह देखकर स्तब्ध रह गए कि उनके खाते में 31 लाख रुपये का ऋण बकाया दर्शाया जा रहा है। आरोप है कि जब उन्होंने इस भारी अंतर को लेकर बैंक अधिकारियों से आपत्ति दर्ज कराई तो पहले इसे तकनीकी गलती चताते हुए सुधार का आश्वासन दिया गया, लेकिन बाद में कथित रूप से बैंक का रवैया बदल गया।

शिवेंद्र ने आरोप लगाया कि तत्कालीन शाखा प्रबंधक पवन पाल सिंह और उनके सहयोगियों ने जान-बूझकर कूटरचित दस्तावेज तैयार कर ऋण खाते में अतिरिक्त राशि जोड़ दी। आरोप है कि शिकायत करने पर धमकी भी दी गई। शिवेंद्र द्विवेदी ने यह भी बताया कि उन्होंने इस पूरे मामले की शिकायत पहले पुलिस से की थी, लेकिन वहां से कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने न्यायालय की शरण ली। न्यायालय के आदेश पर कोतवाली नगर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विभिन्न खातों में ट्रांसफर कर ली गबन की रकम

घोटाले की जांच में पाया गया कि बैंक के पांच आंतरिक खातों से अवैध रूप से 46.13 लाख रुपये डेबिट करके विभिन्न खातों में ट्रांसफर किए गए और बाद में इस धनराशि को निकालकर गबन कर लिया गया। साथ ही खाताधारकों की 2,101.65 लाख रुपये की धनराशि को विभिन्न बैंकिंग चैनलों के माध्यम से स्थानांतरित कर दुरुपयोग किया गया। इस प्रकार कुल 2147.78 लाख रुपये, यानी 21 करोड़ 47 लाख 78 हजार रुपये के गबन की पुष्टि ऑडिट रिपोर्ट में हुई है। उत्तर प्रदेश स्टेट कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड के सहायक महाप्रबंधक भुवनचंद्र सती ने एसपी को पूरे प्रकरण से अवगत कराया। इसके आधार पर नगर कोतवाली में तीन तत्कालीन शाखा प्रबंधक, सहायक/कैशियर सहित 16 लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी, आपराधिक षड्यंत्र, कूटरचना, विश्वासघात और बैंकिंग नियमों के उल्लंघन से संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई

बैंक ऑफ बड़ौदा की ब्रांच में करोड़ों रुपये की हेराफेरी से हड़कंप, ग्राहकों ने किया हंगामा, केस दर्ज

लखनऊ, 14 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा से ग्राहकों के खाते से करोड़ों रुपये की हेरा-फेरी का मामला सामने आया है, जिसके बाद हड़कंप मच गया है। बैंक में दर्जनों खाता धारकों ने आरोप लगाया है कि उनके खातों से लाखों रुपये ग़ायब हो गए हैं। इस घटना के बाद बैंक में खाता धारकों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है। ये मामला थाना पारा के शकुन्तला मिश्रा विवि स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा का बताया जा रहा है जहां कई ग्राहकों ने बैंक मैनेजर पर उनके खातों से लाखों रुपयों की हेरा-फेरी करने का आरोप लगाया है। बैंक के कई ग्राहक इसके ख़िलाफ़ थाने पहुंच गए हैं।

उनका आरोप है कि बैंक मैनेजर ने कुछ और कर्मचारियों की मिलीभगत से इसे अंजाम दिया है। खाता धारकों को आरोप कि जब वो अपने खातों को लेकर बैंक में जानकारी लेने पहुंचे तो उन्हें कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। बैंक के कर्मचारी उन्हें यहां-वहां टहलाते नजर आए।

जम्मू-कश्मीर की वीरांगनाएं: आतंकवाद के खिलाफ सरहद की महिलाओं ने उठाई बंदूक, आतंकियों के लिए बनीं चुनौती

जम्मू, 14 जनवरी (एजेंसियां)। डोडा, किश्तवाड़ और रामबन जिलों में सैकड़ों महिला विलिज डिफेंस गार्ड (वीडीजी) सदस्यों ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अपनी क्षमता साबित कर रही। 1990 के दशक की शुरुआत से इन जिलों में आतंकवाद का मुकाबला करने वाली ये महिलाएं अपने गांवों की सुरक्षा का भरोसेमंद स्तंभ बन गई हैं। एसपी भद्रवाह विनोद शर्मा ने बताया कि कठोर सर्दियों के दौरान कई पुरुष सदस्य अपनी आजीविका कमाने के लिए उत्तराखंड, दिल्ली और मुंबई जैसे अन्य राज्यों में चले जाते हैं। इस दौरान कई गांवों में बुजुर्गों को छोड़कर कोई पुरुष सदस्य नहीं रहता, जिससे ये क्षेत्र आतंकवादी गतिविधियों के प्रति संवेदनशील हो जाते हैं। इन गांवों को सुरक्षित रखने के लिए महिला वीडीजी सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया है।

दिल्ली ब्लास्ट मामला: शाहीन सईद सहित चार आरोपियों की हिरासत बढ़ी

कोर्ट ने तीन दिनों तक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास कार में हुए ब्लास्ट के मामले में पटियाला हाउस कोर्ट ने डॉक्टर शाहीन, मुफ्ती इरफान अहमद, जासिर बिलाल वानी, डॉ। अदील अहमद और मुजम्मिल को भी 3 दिनों की राष्ट्रीय अन्वेषण एजेंसी (एनआईए) की हिरासत में भेज दिया है। एनआईए ने कोर्ट से डॉ। शाहीन की पुलिस रिमांड मांगी थी। डॉ। शाहीन को पिछले महीने पटियाला हाउस कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में भेजा था।

एनआईए का कहना है कि हिरासत बढ़ाने का उद्देश्य आरोपी से विस्तृत पूछताछ करना और विस्फोट के पीछे के नेटवर्क को उजागर करना है। एजेंसी जांच में यह पता लगा रही है कि किस तरह से विस्फोट की योजना बनाई गई, सहयोगी कौन थे और हथियार एवं विस्फोटक सामग्री कैसे जुटाई गई।

एजेंसी का मानना है कि यह मॉड्यूल जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों से लिंक है। अब तक कई आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें डॉ। मुजम्मिल शकील गनी, डॉ। शाहीन सईद, मुफ्ती इरफान और अन्य शामिल हैं। केंद्रीय और राज्य एजेंसियों के साथ मिलकर एनआईए पूरी साजिश का पता लगाने में जुटी है। जांच में विदेशी हैंडलरों के लिंक भी सामने आ रहे हैं।

यह गिरफ्तारी मामले में बड़ा कदम मानी जा रही है और आगे और खुलासे होने की उम्मीद है। इस हमले ने राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं और जांच तेजी से आगे बढ़ रही है।

वहीं इससे पहले 5 जनवरी को पटियाला हाउस कोर्ट ने दिल्ली कार में हुए ब्लास्ट मामले में आरोपी यासिर अहमद डार की न्यायिक हिरासत बढ़ाते हुए 16 जनवरी तक राष्ट्रीय अन्वेषण एजेंसी (एनआईए) की हिरासत में भेजने के आदेश दिए थे। यासिर अहमद डार की एनआईए हिरासत खत्म होने के बाद पाटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया था।

इस दौरान एनआईए ने रिमांड बढ़ाने की मांग की, जिसे स्वीकार करते हुए कोर्ट ने 16 जनवरी तक न्यायिक हिरासत में भेजने के निर्देश दिए, ताकि एजेंसी उससे विस्तृत पूछताछ कर सके। इस मामले में एनआईए की जांच के अनुसार, उमर-उन-नबी 10 नवंबर को लाल किला में विस्फोटक से भरी कार चला रहा था। वह इस आतंकवादी हमले का षड्यंत्रकारी था।

इस विस्फोट में 15 लोगों की जान चली गई थी। इस मामले में अब तक डॉ। मुजम्मिल गनई, डॉ। अदील राथेर, डॉ। शाहीन सईद समेत नौ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

झूठ बोलना ममता बनर्जी की पुरानी आदत

महिलाएं ही करेंगी उनके खिलाफ मतदान: सुकांत मजूमदार

कोलकाता, 14 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के हालिया बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री और पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने दावा किया कि इस बार राज्य की महिलाएं ममता बनर्जी के खिलाफ वोट करेंगी। सुकांत मजूमदार ने आईएएनएस से कहा कि ममता बनर्जी को झूठ बोलने की आदत बहुत पहले से है। किसी भी तरह से महिलाओं को निशाना बनाने का सवाल ही नहीं है। महिलाएं ही इस बार ममता बनर्जी के खिलाफ वोट करने जा रही हैं। राज्य की महिलाएं मौजूदा हालात से चिंतित हैं और बदलाव चाहती हैं। भाजपा नेता ने आगे कहा कि महिलाओं को इस बात का डर है कि कहीं पश्चिम बंगाल की स्थिति बांग्लादेश जैसी न हो जाए। उन्होंने दावा किया कि इसी आशंका के चलते महिलाओं ने मन बना लिया है कि वे ममता बनर्जी के खिलाफ मतदान करेंगी।

राज्य की जनता, खासकर महिलाएं, अब सच्चाई को समझ रही हैं। सुकांत मजूमदार ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि अनाप-शनाप बोलना ममता बनर्जी की आदत बन चुकी है। इस बार पश्चिम बंगाल की जनता ममता बनर्जी को सबक सिखाने वाली है। लोग अब मौजूदा सरकार से परेशान हो चुके हैं और बदलाव की दिशा में कदम उठाएंगे।

'आचार संहिता के बावजूद महायुति को पैसे बांटने की खुली छूट'

संजय राउत ने चुनाव आयोग पर लगाए आरोप

मुंबई, 14 जनवरी (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने बुधवार को महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के बावजूद महायुति की पार्टियों भाजपा, शिवसेना (शिंदे गुट) और एनसीपी को घर-घर जाकर प्रचार और पैसे बांटने की खुली छूट दी जा रही है।

मुंबई में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में संजय राउत ने कहा कि नियमों के मुताबिक चुनाव प्रचार समाप्त हो चुका था, लेकिन इसके बाद भी चुनाव आयोग ने डोर-टू-डोर कैंपेन की अनुमति दे दी, जो सवालों के घेरे में है। राउत ने कहा जब आचार संहिता लागू है और प्रचार खत्म हो चुका है, तब घर-घर जाकर प्रचार की इजाजत

देना किस तरह का नियम है? यह सीधे तौर पर भाजपा, एकनाथ शिंदे और अजित पवार को पैसे बांटने का लाइसेंस देने जैसा है। संजय राउत ने मतदाता सूची से बड़े पैमाने पर नाम हटाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि बिहार में करीब 60 लाख, उत्तर प्रदेश में 1.25 करोड़ और पश्चिम बंगाल में लगभग 54 लाख मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की कटौती से चुनाव परिणाम प्रभावित हो सकते हैं।

उन्होंने कहा एक राज्य में लाखों वोटरों के नाम हटाना चुनाव की दिशा बदल सकता है। महाराष्ट्र में भी यही स्थिति देखने को मिल रही है। भाजपा पर निशाना साधते हुए राउत ने कहा कि पार्टी निष्पक्ष तरीके से चुनाव नहीं लड़ती। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में हिंदू-मुस्लिम मुद्दा असफल होने के बाद अब मुकाबला ईडी बनाम तृणमूल कांग्रेस में बदल गया है। राउत ने यह भी दावा किया कि तमाम कथित साजिशों के बावजूद पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी भारी बहुमत से जीतेंगी।

लावारिस पड़ी मिठाई खाने के बाद 3 लोगों की मौत

छिंदवाड़ा, 14 जनवरी (एजेंसियां)। छिंदवाड़ा के जुन्नारदेव में लावारिस थैले में मिली मिठाई ने पूरे क्षेत्र को हिलाकर रख दिया है। संदिग्ध 'पंजाबी पिन्नी' खाने से अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि दो महिलाएं अस्पताल में जिंदगी और मौत की जंग लड़ रही हैं। पुलिस और प्रशासन इस रहस्यमयी मामले की गहराई से जांच में जुटे हैं। इस घटना में हाल ही में 24 वर्षीय खुशबू कथूरिया की मौत हुई, जिनका नागपुर में इलाज चल रहा था।

इससे पहले उनके दादा सुंदरलाल कथूरिया (72) और पीएचई विभाग के चौकीदार दसरू यदुवंशी (53) की भी जान जा चुकी है। तीन-तीन मौतों से कथूरिया परिवार सदमे में है और पूरे इलाके में डर का माहौल बन गया है। पूरा मामला 9 जनवरी से जुड़ा है। पीएचई कार्यालय के पास एक लावारिस थैला मिला था, जिसमें मिठाई, नमकीन और कुछ सब्जियां रखी थीं।

बांग्लादेशी जुलेखा और बिलकिस बेगम से परेशान पुलिस

डिपोर्ट करने के बाद यूं फिर पहुंच गईं मुंबई

मुंबई, 14 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मुंबई की भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में फिर से घुसपैठ का हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जिन बांग्लादेशी महिलाओं को करीब 5 महीने पहले भारत से उनके वतन डिपोर्ट किया गया था, वही दोनों जंगलों और बॉर्डर को पार करके फिर से मुंबई पहुंच गईं। हालांकि, दोनों एक बारिश मुंबई पुलिस के शिकंजे में हैं। लेकिन अब प्रश्न ये है कि डिपोर्टेशन के बाद बांग्लादेशी महिलाओं की वापसी कैसे हुई। उनके पीछे कौन-सा बड़ा नेटवर्क काम कर रहा है?

मुंबई पुलिस ने बताया कि मुंबई के कफ़े परेड इलाके में पुलिस ने वैध यात्रा या इमिग्रेशन दस्तावेजों के बिना रहने के आरोप में 30 साल की बांग्लादेशी नागरिक बिलकिस बेगम सिरमिया अख्तर को गिरफ्तार किया है। वहीं, कोलाबा की पुलिस टीम ने मुंबई के नागपाड़ा से 38 साल जुलेखा जमाल शेख को अरेस्ट किया है। आगे कहा गया कि मुंबई क्राइम ब्रांच ने अगस्त, 2025 में भारत में इलीगल तौर पर रहने के आरोप में दोनों महिलाओं को बांग्लादेश डिपोर्ट कर दिया था। हालांकि, दोनों गोजा डांगा के जंगलों के रास्ते भारत में दोबारा आ गईं और फिर मुंबई पहुंच गईं। जान लें कि दोनों बांग्लादेशी महिलाओं को मुंबई पुलिस ने फिर से अरेस्ट कर लिया गया। पुलिस, दोनों महिलाओं के खिलाफ मामला दर्ज करके आगे की जांच कर रही है। मुंबई पुलिस का कहना है कि शहर में किसी भी अवैध नागरिक को नहीं रहने दिया जाएगा।

वे जहां भी छिपे हों उनको पकड़ा जाएगा और डिपोर्ट किया जाएगा। मुंबई में अवैध तरीके से रह रहे दूसरे देश के नागरिकों की तलाश जारी है। ऐसे जिन भी लोगों को पकड़ा जाता है, उन्हें कार्रवाई पूरी करके उनके देश में डिपोर्ट कर दिया जाता है।

जंगल में घूमते हुए हाथी के बच्चे ने खा लिया देसी बम, मुंह में रखते ही फटा, मौत

चेन्नई, 14 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के इरोड जिले के सत्यमंगलम टाइगर रिजर्व के अंतर्गत आने वाले कुडियालथुर वन क्षेत्र में कादंबुर वन विभाग के वन अधिकारी गश्त कर रहे थे। इसी दौरान, क्षेत्र में एक दो साल के मादा हाथी के बच्चे का शव मिला। वन अधिकारियों ने इसकी सूचना कादंबुर वन विभाग के अधिकारी शिवशंकरन को दी। इसके बाद, वन विभाग के अधिकारी शिवशंकरन और वन पशु चिकित्सा सहायक डॉक्टर सदाशिवम मौके पर पहुंचे और मृत हाथी के बच्चे का पोस्टमार्टम किया।

इसमें हाथी के मुंह और सूंड बुरी तरह क्षतिग्रस्त पाया गया। इसके अलावा, यह पता चला कि हाथी के बच्चे ने जमीन पर पड़े एक देसी बम को भोजन समझकर खा लिया था, जो उसके मुंह में फट गया और हाथी के बच्चे की मौत हो गई। वन अधिकारियों ने इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दरअसल, कदंबूर के पास तोंडुर क्षेत्र के किसान कलिमुथु जंगली जानवरों का शिकार करने जंगल में आए थे। उस समय उन्होंने जंगली जानवरों को आकर्षित करने के लिए कुछ स्थानों पर देसी बम रखे थे। पता चला कि एक हाथी के बच्चे ने एक देसी बम को मुंह में रख लिया और फिर वह हम उसके मुंह में ही फटने से उसकी मौत हो गई। इसके बाद वन अधिकारियों ने किसान कलिमुथु को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। साथ ही, इस पूरे मामले में शामिल अन्य लोगों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए वन विभाग ने एक विशेष जांच टीम का गठन किया है।

तमिलनाडु सरकार और वन विभाग राज्य में वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर लगातार सख्त कदम उठा रहे हैं। हाथी, बाघ, तेंदुआ और हिरण जैसे संरक्षित वन्यजीवों की निगरानी के लिए गश्त बढ़ाई गई है और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है। हालांकि, कई बार वन्यजीव जंगल से भटककर आबादी वाले क्षेत्रों और खेतों में पहुंच जाते हैं, जिससे किसानों की फसलों को भारी नुकसान होता है। वहीं कुछ किसान जंगली जानवरों को डराने के लिए अवैध और खतरनाक देसी बमों का इस्तेमाल कर रहे हैं,

'घर से 400 मीटर दूर आरडब्लूयए अध्यक्ष का मर्डर

सीएम रेखा परिवार से मिली तक नहीं'; आप नेता हत्याकांड पर बोले सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में आरडब्लूयए अध्यक्ष व आप नेता रचना यादव की हत्या को लेकर आम आदमी पार्टी ने भाजपा सरकार पर सवाल खड़े किए हैं। आप नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि राजधानी दिल्ली के शालीमार बाग इलाके में आरडब्लूयए अध्यक्ष रचना यादव की घर से मात्र 400 मीटर की दूरी पर गोली मारकर हत्या कर दी गई। उन्होंने कहा कि हत्यारे सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहे हैं,

इसके बावजूद पुलिस की कार्रवाई लचर है। सौरभ भारद्वाज ने इस घटना को लेकर दुख जताया है और भाजपा को भी आड़े हाथों लिया है। उन्होंने दिल्ली की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर हत्यारे कब गिरफ्तार किए जाएंगे? सौरभ भारद्वाज ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पीड़ित परिवार से मिलने तक नहीं गई।

कहा कि रेखा गुप्ता उसी वार्ड से पार्षद थीं, अब उसी इलाके से एमएलए हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, जब महिला घर की गली में पहुंची, तो पहले से गली में खड़ा बदमाश पीछे-पीछे गया। महिला का नाम लिया, जैसे ही महिला ने पीछे मुड़ने की कोशिश की, बदमाश ने सिर में गोली मार दी। आसपास गली में मौजूद लोग कुछ समझ पाते, इससे पहले आरोपी फरार हो गए। दरअसल, वर्ष 2023 में रंजिश के कारण रचना के पति की हत्या कर दी गई थी। बेटियों का आरोप है कि इस हत्याकांड में मुख्य आरोपी का सुप्रीम कोर्ट से बेल रद्द होने पर उनकी मां की हत्या कर दी गई। उनकी मां इस केस में मुख्य गवाह थी। जल्द ही उनकी मां और दो अन्य लोगों की इस केस में गवाही होनी थी।

कोर्ट जाते समय धमकी

बेटी कनिका ने बताया कि जब मां कोर्ट में तारीख पर जा रही थीं, उस समय भी उनका पीछा किया गया था। उन्हें धमकाया गया था। जब से उनकी मां वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में शामिल होती थीं, उनकी मां हर समय डरी रहती थी। इधर धमकी मिलने के बाद भी वह काफी अलर्ट रहती थीं। बदमाश वारदात को अंजाम देने से एक घंटे पहले भी क्षेत्र में रेकी करते देखे गए हैं।

मेयर के बाद अब बुर्के वाली प्रधानमंत्री का जिक्र

वारिस पठान के बयान से सियासी हलचल

मुंबई, 14 जनवरी (एजेंसियां)। एआईएमआईएम नेता वारिस पठान ने पार्टी प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के उस बयान का खुलकर समर्थन किया है, जिसमें ओवैसी ने कहा था कि हिजाब। पहनने वाली महिला भी एक दिन देश की प्रधानमंत्री बन सकती है। वारिस पठान ने कहा कि यह बात पूरी तरह संविधान के दायरे में कही गई है और इसमें आपत्ति जैसी कोई बात नहीं है। मुंबई में वारिस पठान ने कहा कि भारत का संविधान हर नागरिक को समान अवसर देता है। उन्होंने कहा कि भारत में कोई भी व्यक्ति, चाहे वह किसी भी धर्म या पहनावे से जुड़ा हो, मेहनत और काबिलियत के दम पर किसी भी पद तक पहुंच सकता है।

अगर कोई महिला हिजाब पहनती है और कड़ी मेहनत करती है, तो वह प्रधानमंत्री या मुंबई की मेयर भी बन सकती है। वारिस पठान ने कहा कि कुछ लोग बेवजह तुलना कर रहे हैं। पाकिस्तान के संविधान में कुछ पदों को लेकर पाबंदियां हैं, लेकिन भारत का संविधान ऐसा नहीं है। यहां हर नागरिक को बराबरी का हक मिला है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब बात संविधान की हो रही है, तो इससे किसी को परेशानी क्यों हो रही है? कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए वारिस पठान ने कहा कि विश्वविद्यालयों का काम शिक्षा देना है। अगर तालीम दी जा रही है तो उससे किसी को दिक्कत क्यों होनी चाहिए? उन्होंने कहा कि नफरत फैलाने से समाज का भला नहीं होता। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री नितेश राणे द्वारा असदुद्दीन ओवैसी पर दिए गए बयान को लेकर वारिस पठान ने कड़ा ऐतराज जताया।

उन्होंने कहा कि 5 बार के सांसद और संसद द्वारा सम्मानित नेता के लिए इस तरह की भाषा शर्मनाक है। उन्होंने मांग की कि नितेश राणे सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। वारिस पठान ने कहा कि वे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से उम्मीद करते हैं कि वे ऐसे गैर-जिम्मेदार बयानों पर लगाम लगाएंगे। उन्होंने साफ कहा कि भारत से किसी को डराने या निकालने की बात करना गलत है। हम भारत के नागरिक हैं और किसी से डरते नहीं हैं।

मनुस्मृति का उदाहरण देकर सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया फैसला

कहा- ससुर की मृत्यु के बाद भी विधवा बहू भरण-पोषण की हकदार

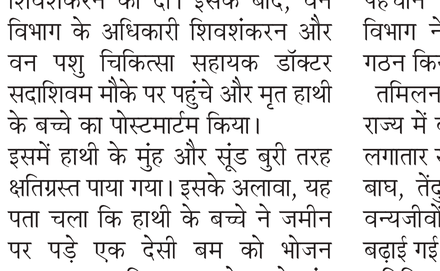

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट कई बार अपना फैसला सुनाने के दौरान धार्मिक ग्रंथों और किताबों का जिक्र करता रहा है। ऐसे ही एक मामले में कोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए मनुस्मृति का उदाहरण लिया। देश की सबसे बड़ी अदालत ने मनुस्मृति का हवाला दिया, जिसमें कहा गया है कि कोई मां, कोई पिता, कोई पत्नी और कोई बेटा छोड़ने लायक नहीं है और जो भी शख्त उन्हें छोड़ता है, उस पर जुर्माना लगना चाहिए, सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को फैसला सुनाते हुए कहा कि एक बहू जो अपने ससुर की मृत्यु के बाद विधवा हो जाती है, वह हिंदू दत्तक ग्रहण और भरण-पोषण अधिनियम, 1956 के तहत उनकी संपत्ति से भरण-पोषण का दावा करने की हकदार है। भ्रम की स्थिति इसलिए बनी क्योंकि यह तर्क दिया जाता रहा कि एक बहू, जो ससुर के जीवित रहते विधवा हो गई थी, वह भरण-पोषण की हकदार थी, लेकिन उस मामले में नहीं जब वह उनकी मौत के बाद विधवा हुई। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि विधवा बहुओं के बीच पति की मृत्यु के समय के आधार पर किया गया वर्गीकरण गलत और पूरी तरह से मनमाना है और दोनों ही मामलों में वह भरण-पोषण की हकदार है।

जस्टिस पंकज मिथल और जस्टिस एस वी एन भट्टी की बेंच ने कहा कि कानून की धारा 22 आश्रितों के भरण-पोषण का प्रावधान करती है और यह धारा मृतक हिंदू के सभी वारिसों पर मृतक के आश्रितों का भरण-पोषण करने का दायित्व डालती है, जो उन्हें मृतक से विरासत में मिली संपत्ति से करना होता है और इसमें वह बहू भी शामिल है जो विधवा हो जाती है। आगे कहा गया कि यह प्रावधान "आश्रितों के भरण-पोषण" की बात करता है, जिसमें "विधवा बहू" भी शामिल है, जो उसके ससुर की संपत्ति से होता है।

देश की सबसे बड़ी अदालत ने अपने फैसले में कहा, "एक बेटा या कानूनी वारिस विरासत में मिली संपत्ति से सभी आश्रित व्यक्तियों का भरण-पोषण करने के लिए बाध्य होता हैं, यानी वे सभी व्यक्ति जिनका भरण-पोषण करने के लिए मृतक कानूनी और नैतिक रूप से बाध्य था। इसलिए, बेटे की मौत हो जाने पर, ससुर का यह दायित्व बनता है कि वह विधवा बहू का भरण-पोषण करे, यदि वह खुद या मृतक बेटे द्वारा छोड़ी गई संपत्ति से अपना भरण-पोषण करने में समर्थ नहीं हो पा रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, "अधिनियम ससुर के अपनी विधवा बहू का भरण-पोषण करने के उपरोक्त दायित्व को खत्म करने की कल्पना नहीं करता है, भले ही वह विधवा कब हुई हो, उनकी मौत से पहले या बाद में।" कोर्ट ने कहा। "एक विधवा बहू को भरण-पोषण से वंचित करना, कानून की संकीर्ण या तकनीकी व्याख्या के आधार पर उसे गरीबी और सामाजिक अलगाव की ओर धकेल देगा।"

रात में हलवा खाकर सोया परिवार, सुबह मिली तीनों की लाशें मुंह से निकल रहा था खून और झाग

फरीदाबाद, 14 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के फरीदाबाद में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत का मामला सामने आया है। मृतकों में पति-पत्नी समेत उनका एक 5 साल का बेटा शामिल है। घटना फरीदाबाद के सरूरपुर इलाके की है, जहां पर परिवार के चार सदस्य पति-पत्नी बेटा समेत परिवार का एक सदस्य जो कि मृतक युवक का भाई था। सभी एक साथ सो रहे थे, लेकिन परिवार के तीन सदस्य सुबह मृत पाए गए। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। पुलिस का कहना है कि घर में अंगीठी तो मिली थी, लेकिन मौत की वजह क्या रही अभी यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने के बाद ही साफ हो पाएगा।

दिल्ली में कड़ाके की ठंड का डबल अटैक घना कोहरा-शीतलहर ने बढ़ाई मुश्किलें

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर में ठंड का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक बुधवार (14 जनवरी) को राजधानी में अधिकतम तापमान करीब 20 डिग्री और न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। दोपहर के समय 5 से 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से सर्द हवाएं चलने की संभावना है, जिससे ठंड और ज्यादा चुभती हुई महसूस होगी।

दिल्ली-एनसीआर में घने कोहरे को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। सुबह और देर रात दृश्यता काफी कम रहने की आशंका है, जिससे सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है। शीतलहर का असर भी लगातार बना हुआ है। सुबह दिल्ली का न्यूनतम तापमान 3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो बीते तीन सालों में जनवरी की सबसे सर्द सुबह रही। वहीं नोएडा में पारा दो डिग्री तक गिर गया, जिससे लोग ठिठुरने को मजबूर हो गए।

एक्यूआई 615 पहुंचा, हवा बेहद खराब

ठंड और कोहरे के साथ-साथ दिल्ली की हवा भी गंभीर स्थिति में पहुंच गई है। आज (14 जनवरी) राजधानी का एक्यूआई एक बार फिर 615 दर्ज किया गया, जो बेहद खतरनाक श्रेणी में आता है। जहरीली हवा के कारण बुजुर्गों, बच्चों और सांस के मरीजों को खास सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है।

15 से 20 जनवरी के बीच मिल सकती है राहत

मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार 15 जनवरी से 20 जनवरी के बीच अधिकतम और न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी हो सकती है। इस दौरान अधिकतम तापमान 23 डिग्री और न्यूनतम तापमान करीब 10 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। हालांकि सुबह के समय हल्के से मध्यम कोहरे की स्थिति बनी रह सकती है।

पश्चिमी विक्षोभ से बदल सकता है मौसम

आईएमडी का कहना है कि 15 जनवरी से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो सकता है, जिसका असर दिल्ली-एनसीआर में भी देखने को मिलेगा। इसके चलते 19 जनवरी तक आसमान में छिटपुट बादल छाए रह सकते हैं और तापमान में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की जा सकती है। 20 से 23 जनवरी के बीच बारिश के साथ ओलावृष्टि की भी संभावना जताई गई है, जिससे मौसम एक बार फिर करवट ले सकता है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 15 जनवरी- 2026

आवारा कुत्ते और असहाय इंसान?

शहर हो या गांव या फिर कस्बाई इलाके हर जगह आवारा कुत्तों के काटने की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। यह समस्या अब किसी एक मोहल्ले या इलाके की नहीं रहीं। यह एक राष्ट्रीय संकट का रूप ले चुकी हैं, जिसका सबसे अधिक असर बच्चों, महिलाओं और बुज़ुर्गों पर पड़ रहा है। गली से स्कूल, घर से बाज़ार और सड़क से अस्पताल तक हर जगह कुत्तों के काटने का भय बना रहता है। हैरानी की बात यह है कि वर्षों से यह समस्या मुंह बाए खडी है, फिर भी स्थायी समाधान आज तक नहीं निकल पाया। केंद्र और राज्य सरकारों ने आवारा कुत्तों की बढ़ती आबादी को नियंत्रित करने के लिए कई योजनाएं शुरू कीं, लेकिन जमीनी स्तर पर उनका असर नहीं देखा गया। नसबंदी और टीकाकरण कार्यक्रम सिर्फ काग़ज़ों तक ही सीमित रह गए। नतीजतन, सुप्रीम अदालत को यह टिप्पणी करनी पड़ी कि कुत्तों के काटने की घटनाओं में राज्यों की गंभीर उदासीनता साफ़ दिखाई देती है। सर्वोच्च अदालत की यह टिप्पणी केवल व्यवस्था पर सवाल नहीं उठाती, बल्कि पूरे समाज को आईना भी दिखाती है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि सार्वजनिक स्थानों पर कुत्तों को भोजन परोसने वालों की जिम्मेदारी भी तय की जानी चाहिए। यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि सड़क पर भोजन मिलने से कुत्ते वहीं इकट्ठा हो जाते हैं, भूख न मिटने पर वही कुत्ते आक्रामक हो कर आम नागरिकों के लिए संकट बन जाते हैं। सरकारी आँकड़े स्थिति की भयावहता को और उजागर करते हैं। जनवरी 2024 से दिसंबर 2024 तक कुत्तों के काटने के 37 लाख से अधिक मामले सामने आए। इनमें पाँच लाख से अधिक पीड़ित 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चे थे। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि बड़ी संख्या में मामलों में रेबीज संक्रमण पाया गया, जो जानलेवा हो सकता है। इस समस्या का समाधान न तो केवल भावनाओं से हो सकता है और न ही केवल अदालतों के आदेशों से। आवारा कुत्तों की आबादी पर नियंत्रण ही इसका सबसे व्यावहारिक और प्रभावी उपाय है। इसके लिए नसबंदी, टीकाकरण, निगरानी और पर्याप्त आश्रय स्थलों की व्यवस्था अनिवार्य है। हाल ही में शीर्ष अदालत ने आक्रामक आवारा कुत्तों को सड़कों से हटाकर आश्रय स्थलों में रखने और गली-मोहल्लों में सड़क पर भोजन न परोसने के निर्देश दिए। इसके बावजूद, पशु-प्रेम और मानव सुरक्षा के बीच टकराव थमता नहीं दिख रहा है। अदालत का यह सवाल बेहद अहम है—यदि पशु-प्रेमियों को कुत्तों से इतना लगाव है, तो वे उन्हें अपने घरों में क्यों नहीं रखते? देखा जाए तो पशु कल्याण भी जरूरी है, लेकिन उससे भी अधिक जरूरी है मानव जीवन की सुरक्षा। किसी भी सभ्य समाज में ऐसा संतुलन होना चाहिए जहाँ न तो जानवरों के साथ क्रूरता हो और न ही इंसानों की जान जोखिम में पड़े। अब समय आ गया है कि सरकार, प्रशासन, पशु-प्रेमी संगठन और आम नागरिक भावनाओं से ऊपर उठकर सामूहिक समाधान की दिशा में आगे बढ़ें। स्पष्ट नीति, सख्त क्रियान्वयन और सामाजिक जिम्मेदारी के जरिए इस समस्या से निपटने की राह निकल सकती है। तभी सड़कों पर डर नहीं, बल्कि सुरक्षा और संवेदनशीलता दोनों साथ चल सकेंगी।

डिजिटल परवरिश और टूटता भावनात्मक रिश्ता

आरके जैन

घर के भीतर सबसे गहरी खामोशी तब जन्म लेती है, जब माँ सामने होते हुए भी भीतर से अनुपस्थित होती है। बच्चा पास बैठा होता है, अपनी दुनिया खोलने को तैयार, पर माँ की आँखें किसी और चमकती दुनिया में भटकी रहती हैं। यह दूरी मीलों की नहीं, बस एक छोटी-सी स्क्रीन की है। यहीं से "स्क्रीन माँ" का जन्म होता है। यह किसी पर आरोप नहीं, बल्कि हमारे समय की निर्विवाद सच्चाई है। डिजिटल रोशनी में पली यह परवरिश बाहर से आधुनिक लगती है, भीतर से भावनात्मक सूखे की ओर बढ़ती है। बच्चे सवाल नहीं करते, वे धीरे-धीरे चुप रहना सीख लेते हैं।

डिजिटल समय ने माँ के जीवन के चारों ओर एक अदृश्य पिंजरा खड़ा कर दिया है। लगातार स्क्रॉल करना, तुरंत जवाब देना और हर पल साझा करना अब आदत नहीं, मजबूरी बन चुका है। माँ को लगता है वह बच्चे के पास है, पर सच यह है कि वह मानसिक रूप से अनुपस्थित रहती है। बच्चा बार-बार ध्यान खींचने की कोशिश करता है, पर हर बार हार जाता है। इसी हार में उसका आत्मविश्वास दरकने लगता है। स्क्रीन माँ के लिए लाइक और व्यूज़ प्राथमिक बन जाते हैं, जबकि बच्चे के लिए एक मुस्कान और एक नज़र ही सबसे बड़ा सहारा होती है।

बच्चे का भावनात्मक संसार माँ की प्रतिक्रिया से आकार ग्रहण करता है। जब माँ तुरंत देखती, सुनती और समझती है, तब बच्चा खुद को सुरक्षित महसूस करता है। स्क्रीन में डूबी माँ अनजाने में यह सुरक्षा छीन लेती है। बच्चा सीख लेता है कि उसकी बातों का इंतज़ार हो सकता है, भावनाएँ टाली जा सकती हैं। यही टलना आगे चलकर स्थायी चुप्पी में बदल जाता है। ऐसे बच्चे भीतर से बेचैन रहते हैं और बाहर से उदास दिखाई देते हैं। उनका विकास केवल शारीरिक नहीं, बल्कि भावनात्मक स्तर पर भी अधूरा रह जाता है।

समस्या केवल फोन की नहीं, हमारी सोच और प्राथमिकताओं की है। समाज ने मातृत्व को भी एक प्रदर्शन में बदल दिया है। सुंदर तस्वीरें, आदर्श क्षण और परफेक्ट दिनचर्या का दबाव हर माँ पर हावी है। इस दौड़ में असली पल धीरे-धीरे खो जाते हैं। स्क्रीन माँ खुद को साबित करने में लगी रहती है, जबकि बच्चा सिर्फ स्वीकार्यता खोजता है। वह सीखता है कि दिखावा ज़्यादा महत्त्वपूर्ण है, सच्चाई कम। यही सीख धीरे-धीरे उसके रिश्तों में उतर जाती है और भावनात्मक ईमानदारी कमजोर पड़ने लगती है।

घरों के छोटे-छोटे दृश्य इस बड़े संकट की असली तस्वीर सामने रखते हैं। भोजन की मेज़ पर फोन रखा है, खेल के समय कैमरा पहले चल पड़ता है, और सोते वक्त भी नोटिफिकेशन चुप नहीं होते। बच्चा गिरता है, संभलता है, पर माँ की नज़र देर से पड़ती है। यही देर बच्चे के मन में स्थायी निशान छोड़ देती है। वह खुद को कम महत्त्वपूर्ण समझने लगता है। असली माँ की मौजूदगी में बच्चा गलतियाँ करके भी सुरक्षित रहता है, जबकि स्क्रीन माँ के साथ वह धीरे-धीरे चुप रहना और सह लेना सीख जाता है।

इस स्थिति का प्रभाव केवल क्षणिक नहीं, दूर तक जाने वाला है। ऐसे बच्चे अपनी भावनाएँ व्यक्त करने से डरने लगते हैं। वे या तो बेवजह आक्रामक हो जाते हैं या फिर पूरी तरह उदासीन। रिश्तों में जुड़ाव उन्हें कठिन लगने लगता है। माँ का स्पर्श, उसकी आवाज़ और उसका ध्यान उनके लिए भावनात्मक आधार होते हैं। जब यह आधार कमजोर पड़ता है, तो व्यक्तित्व भी डगमगाने लगता है। स्क्रीन माँ का असर सिर्फ बचपन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि युवावस्था और वयस्क जीवन में भी रिश्तों की गुणवत्ता को प्रभावित करता है।

समाधान तकनीक को पूरी तरह छोड़ने में नहीं, बल्कि प्राथमिकताओं को नए सिरे से तय करने में है। यदि माँ तय समय पर फोन से दूरी बना सके, तो बदलाव संभव है। दिन के कुछ घंटे केवल बच्चे के नाम हों, जहाँ कोई स्क्रीन बीच में न आए। बातचीत, खेल और साथ बैठना साधारण लगता है, पर असर असाधारण होता है। असली माँ बनने के लिए अतिरिक्त परिश्रम नहीं, बल्कि सजग और सच्ची उपस्थिति चाहिए, जो बच्चे को यह भरोसा दे कि वह सबसे पहले है।

मुआवजा और डॉग फीडर्स की जिम्मेदारी तय करना समय की मांग

किशन भावनानी

भारत में आवारा कुत्तों का मुद्दा कोई नया नहीं है,लेकिन 13 जनवरी 2026 को सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई के बाद यह विषय केवल एक पशु-प्रेम या करुणा का प्रश्न न रहकर एक गंभीर सार्वजनिक सुरक्षा, प्रशासनिक जवाबदेही और संवैधानिक कर्तव्य का मुद्दा बन गया है।अदालत की तीखी टिप्पणियों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अब यह बहस भावनाओं के इर्द-गिर्द नहीं घूमेगी, बल्कि जीवन के अधिकार, राज्य की जिम्मेदारी और नागरिक सुरक्षा के केंद्र में होगी।जब सवाल यह उठता है कि नौ साल का बच्चा अगर आवारा कुत्तों के हमले में जान गंवा देता है, तो यह केवल एक हादसा नहीं रह जाता,बल्कि राज्य की विफलता, समाज की प्राथमिकताओं और नीति-निर्माण की कमजोरी का प्रतीक बन जाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने 13 जनवरी 2026 की सुनवाई में बेहद स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि आवारा कुत्तों के काटने या हमले की घटनाएं जारी रहीं,तो राज्य सरकारों को हर मामले में भारी मुआवजा देना पड़ सकता है।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क्रि यह टिप्पणी भारत की न्यायिक व्यवस्था में एक निर्णायक मोड़ को दर्शाती है।कोर्ट ने यह भी संकेत दिया कि केवल सरकार ही नहीं, बल्कि वे लोग और संगठन भी जवाबदेह हो सकते हैं, जो सार्वजनिक स्थानों पर कुत्तों को भोजन कराते हैं और फिर किसी भी परिणाम की जिम्मेदारी लेने से इनकार कर देते हैं।यह दृष्टिकोण न्यायपालिका की उस सोच को उजागर करता है, जिसमें कर्तव्य और अधिकार को एक-दूसरे से अलग नहीं देखा जा सकता। सुप्रीम कोर्ट की सबसे महत्वपूर्ण टिप्पणी यह रही कि आवारा कुत्ते किसी भी व्यक्ति या संगठन की निजी संपत्ति नहीं हैं। यदि वे वास्तव में किसी के हैं, तो उन्हें सार्वजनिक सड़कों पर छोड़ने का नैतिक या कानूनी अधिकार नहीं हो सकता।कोर्ट ने पूछा,जब कुत्ता प्रेमी संगठन या व्यक्ति उन्हें खाना खिलाते हैं,जब वे उनका बचाव करते हैं,तो फिर डॉग बाइट या मौत की स्थिति में जिम्मेदारी से पीछे क्यों हट जाते हैं?यह सवाल केवल भारत के लिए नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में पशु अधिकार बनाम मानव सुरक्षा की बहस को नया आयाम देता है।

साथियों बात अगर हम बच्चे और बुजुर्गः सबसे असुरक्षित वर्ग सबसे उपेक्षित यह चिंता का विषय इसको समझने की करें तो सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने विशेष रूप से बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की। अदालत ने कहा कि ये वर्ग न तो अपनी रक्षा कर सकते हैं और न ही हमले की स्थिति में तुरंत प्रतिक्रिया दे सकते हैं।जब एक बच्चा स्कूल जाते समय, एक बुजुर्ग सुबह टहलते समय, या कोई मरीज अस्पताल के बाहर आवारा कुत्तों का शिकार बनता है,तो यह केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है।

कोर्ट का यह कहना कि क्या इस अदालत को अपनी आंखें बंद कर लेनी चाहिए?यह दर्शाता है कि न्यायपालिका अब इस विषय पर तटस्थ दर्शक नहीं बने रहना चाहती।सुप्रीम कोर्ट की एक अत्यंत तीखी टिप्पणी यह थी कि क्या भावनाएं केवल कुत्तों के लिए ही दिखाई देती हैं?, इंसानों के लिए नहीं?यह सवालभारतीय समाज के उस दोहरे मापदंड को उजागर करता है,जहां कुत्तों के अधिकारों पर तुरंत विरोध प्रदर्शन होते हैं,लेकिन बच्चों की मौत पर वही तीव्रता नहीं दिखती।अदालत ने यह स्पष्ट किया कि मानव जीवन का मूल्य किसी भी पशु से कम नहीं हो सकता, चाहे वह संवेदनशील मुद्दा ही क्यों न हो।

सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि कोई व्यक्ति या समूह कुत्तों को खाना खिलाना या उनकी देखभाल करना चाहता है, तो उसे यह अपने घर, अपने परिसर या अपने कंपाउंड में करना चाहिए। सार्वजनिक सड़कों पर उन्हें छोड़करडर पैदा करना, हमले का खतरा बढ़ाना,और फिर जिम्मेदारी से बचना,अब स्वीकार्य नहीं होगा।यह टिप्पणी वैश्विक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है क्योंकि विकसित देशों में पेट ओनरशिप के साथ कानूनी जिम्मेदारी अनिवार्य होती है।

साथियों बात अगर हम प्रशासनिक निष्क्रियता बनाम कानून -व्यवस्था का मुद्दा इसको समझने की करें तो,कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह मामला केवल कानून-व्यवस्था का नहीं, बल्कि प्रशासनिक निष्क्रियता का है।नगरपालिकाएं, स्थानीय निकाय और राज्य सरकारें वर्षों से इस समस्या को टालती रही हैं।नियमित सर्वेक्षण न होना,डॉग शेल्टर की कमी,स्टरलाइजेशन कार्यक्रमों का आधा-अधूरा क्रियान्वयन,इन सभी को कोर्ट ने सिस्टमिक फेल्योर करार दिया। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट स्कूलों, अस्पतालों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और खेल परिसरों से आवारा कुत्तों को हटाने का स्पष्ट आदेश दे चुका है।अदालत ने कहा था कि इन जगहों पर कुत्तों की मौजूदगी प्रशासन की असफलता का प्रमाण है।अब कोर्ट ने दोहराया है कि इन निर्देशों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए, अन्यथा नगरपालिकाओं की जवाबदेही तय होगी।

साथियों बात अगर हम डॉग बाइट एक रोकथाम योग्य खतरा, इसको समझने की करें तो,सुप्रीम कोर्ट ने डॉग बाइट को प्रवेटेबल रिस्क यानी रोकथाम योग्य खतरा बताया, इसका अर्थ है कि यदि प्रशासन और समाज मिलकर काम करें, तो ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता है।जब किसी इलाके में बार-बार डॉग बाइट की घटनाएं होती हैं, तो यह स्पष्ट संकेत है कि वहां प्रशासनिक उदासीनता है।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में दुनियाँ क्या करती है? इसको समझने की करें तो अमेरिका,यूरोप जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में आवारा कुत्तों की समस्या लगभग नहीं के बराबर है।पेट ओनरशिप लाइसेंस,भारी जुर्माना और शेल्टर सिस्टम बेहद सख्त हैं।भारत में भावनात्मक दृष्टिकोण ने लंबे समय तक व्यावहारिक समाधान को रोक रखा।संविधान और जीवन का अधिकार, भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की गारंटी देता है।जब राज्य बच्चों और नागरिकों को सड़कों पर सुरक्षित नहीं रख पाता,तो यह संवैधानिक विफलता बन जाती है।सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियां इस दिशा में संकेत हैं कि अब अदालत इस मुद्दे को मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के रूप में देख रही है।20 जनवरी 2026 को होने वाली अगली सुनवाई केवल एक तारीख नहीं,बल्कि नीति निर्धारण जवाबदेही ढांचे,और भविष्य की दिशा तय करने वाली सुनवाई हो सकती है।संभावना है कि अदालत स्पष्ट गाइडलाइंस, मुआवजा ढांचा,और डॉग फीडर्स की कानूनी जिम्मेदारी तय करे।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क्रि करुणा बनाम जिम्मेदारी नहीं, करुणा के साथ जिम्मेदारी अत्यंत जरूरी है,सुप्रीम कोर्ट का संदेश स्पष्ट है,करुणा जरूरी है, लेकिन अराजकता स्वीकार्य नहीं।आवारा कुत्तों की देखभाल जरूरी है,लेकिन इंसानों की जान की कीमत पर नहीं।अब भारत को यह तय करना होगा किक्या वह भावनाओं के नाम पर जोखिम उठाता रहेगा,या अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप एक संतुलित, मानवीय और सुरक्षित मॉडल अपनाएगा।यह बहस केवल कुत्तों की नहीं,यह बहस सभ्य समाज की प्राथमिकताओं की है।

महाशक्ति की लडाई में पेंटागन बौखलाया है

स्नेहा सिंह

पेंटागन इस समय पूरी तरह बौखलाया हुआ दिखाई देता है। किसी भी कीमत पर अमेरिका को विश्व की महाशक्ति बनाए रखने के लिए उसने हर स्तर पर प्रयास शुरू कर दिए हैं। ग्रीनलैंड पर कब्जे की घोषणा पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के माध्यम से कराई गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति का कहना है कि ग्रीनलैंड और आर्कटिक क्षेत्र में चीन की दखल और प्रभाव बढ़ रहा है। इसे काबू में करने के लिए अमेरिका कदम उठाएगा और ग्रीनलैंड पर नियंत्रण स्थापित करेगा।

जानकारों का मानना है कि पेंटागन ने किसी भी कीमत पर चीन को दबाने की नीति पर काम शुरू कर दिया है और चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए वह हर संभव तरीका अपना रहा है। फिलहाल अमेरिका नौ से अधिक देशों के साथ सीधे टकराव में है।

ईरान में शुरू हुए जनआंदोलन को भी अमेरिका प्रेरित माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि ईरान में लंबे समय से असंतोष था, लेकिन अमेरिका ने पर्दे के पीछे समर्थन, फंडिंग और ताकत देकर इस आंदोलन को विस्फोटक रूप दे दिया। खामेनेई द्वारा अमेरिकी दबाव को नजरअंदाज़ करते हुए सत्ता में रहते हुए परमाणु शक्ति बनने की दिशा में तेजी से बढ़ने से अमेरिका को गंभीर आपत्ति है। इसी कारण खामेनेई की सत्ता को गिराने के लिए अमेरिका ने जनआंदोलन की आग को हवा दी है।

दूसरी ओर अमेरिका ने हाल ही में रूस के एक जहाज को जब्त किया, जिससे अंतरराष्ट्रीय राजनीति में तनाव की स्थिति पैदा हो गई है। अमेरिका ने घोषणा की है कि वह 'Sanctioning Russia Act of 2025' के माध्यम से न केवल रूस पर शिकंजा कसेगा, बल्कि उसके साथ व्यापार करने और उसका कच्चा तेल खरीदने वाले देशों को भी निशाने पर लेगा। इस कानून के तहत रूस से कच्चा तेल या यूरेनियम खरीदने वाले देशों पर 500 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाया जाएगा। चीन और भारत के रूस के साथ गहरे और मजबूत रिश्ते हैं तथा व्यापारिक गतिविधियां भी बहुत अधिक हैं। इन दोनों देशों पर दबाव बनाने के लिए अमेरिका बेचैन है। कुल मिलाकर अमेरिका आठ से अधिक देशों के साथ सीधे टकराव की स्थिति में है। विशेषज्ञों का मानना है कि सर्वोच्च महाशक्ति बने रहने का दबाव या भारत, चीन और रूस के बढ़ते प्रभाव को रोकने की मजबूरी के चलते अमेरिका ने इस कानून का कोड़ा लहराया है।

उल्लेखनीय है कि एक ओर अमेरिका और भारत को मित्र राष्ट्र कहा जाता है। तकनीक, रक्षा, हथियारों और चीन के मुकाबले के मुद्दे पर दोनों देश साथ हैं, लेकिन जब भारत द्वारा रूस से कच्चा तेल खरीदने की बात आती है तो अमेरिका को भारी आपत्ति होती है। भारत का मानना है कि उसे सस्ते कच्चे तेल की आवश्यकता है ताकि पेट्रोल-डीजल और अन्य उत्पादों की कीमतें नियंत्रण में रखी जा सकें। इसलिए रूस से सस्ता तेल खरीदना भारत का कूटनीतिक निर्णय है। अमेरिका इसी सौदे के नाम पर रूस और भारत, दोनों पर दबाव बना रहा है। भारत दोनों के बीच संतुलन साधने की कोशिश कर रहा है।

चीन के साथ अमेरिका के रिश्ते बेहद जटिल हैं। अमेरिका किसी भी कीमत पर चीन को दबाव में रखना चाहता है, जबकि चीन दबाव में रहने को तैयार नहीं है। तकनीक, माइक्रोचिप्स, एआई, ताइवान, दक्षिण चीन सागर और इंडो पैसिफिक क्षेत्र में वर्चस्व को लेकर अमेरिका और चीन आमने-सामने हैं। अमेरिका का एकमात्र प्रयास यह है कि चीन को किसी भी तरह रोका जाए, ताकि वह भविष्य की सर्वोच्च महाशक्ति न बन सके। आश्चर्य की बात यह है कि तमाम दबावों के बावजूद चीन आत्मनिर्भर और मजबूत बनता जा रहा है और उसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। रूस को लेकर भी अमेरिका को गंभीर आपत्ति है। प्रथम विश्व युद्ध के समय से ही दोनों देशों के बीच विरोध रहा है। अमेरिका नहीं चाहता कि रूस मौजूदा दौर में मजबूत हो, खासकर यूरोप में एक सशक्त सैन्य शक्ति के रूप में उभरे और सोवियत संघ जैसा प्रभाव फिर से हासिल करे। इसी कारण अमेरिका यूक्रेन को युद्ध के लिए धन और हथियार देता रहा है। दूसरी ओर रूस को डर है कि यदि वह कमजोर पड़ा तो नाटो और अमेरिकी सेनाएं उसकी सीमाओं तक पहुंच जाएंगी, जो भविष्य के लिए खतरनाक होगा।

दोनों देश महाशक्ति हैं और परमाणु हथियारों का विशाल भंडार रखते हैं, इसलिए अमेरिका और रूस सीधे युद्ध नहीं करते, बल्कि प्रतिबंधों और परोक्ष दबावों का सहारा लेते हैं। अमेरिका अब टैरिफ युद्ध में भी उतर चुका है। अमेरिकी नीति इतनी दोहरी है कि एक ओर वह रूस के खिलाफ मोर्चा खोलता है, दूसरी ओर रूस से युद्ध कर रहे यूक्रेन का समर्थन करता है और उसी यूक्रेन पर दबाव भी डालता है। यूक्रेन खनिज संसाधनों से भरपूर और यूरोप में रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण देश है। इसलिए अमेरिका उसे भारी मदद देता है, लेकिन अब उसी मदद के बदले हथियारों और धन के उपयोग का हिसाब मांग रहा है। इसके अलावा रूस के खिलाफ युद्ध में मदद के बदले यूक्रेन पर यूरेनियम और टाइटेनियम के भंडार पश्चिमी देशों को देने का दबाव भी डाला जा रहा है। यूक्रेन का मानना है कि मदद के नाम पर सौदा किया जा रहा है और उस पर दबाव बढ़ाया जा रहा है। यूक्रेन अब अमेरिका से नाराज है, लेकिन कुछ कर पाने की स्थिति में नहीं है।

वियतनाम के साथ भी अमेरिका के रिश्तों में खटास है। दशकों पहले युद्ध लड़ चुके इन दोनों देशों के बीच अब रिश्ते बेहतर हैं और इसका मुख्य कारण चीन है। अमेरिका चाहता है कि चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने में वियतनाम उसका खुलकर साथ दे, लेकिन वियतनाम अपनी नीति में स्पष्ट है। वह बिना कारण चीन से टकराव नहीं चाहता और न ही किसी और देश का मोहरा बनकर अपनी संप्रभुता को जोखिम में डालना चाहता है। इसी कारण अमेरिका वियतनाम से नाराज है। तुर्की के साथ भी अमेरिका के रिश्ते दोस्ती और अविश्वास के बीच झूल रहे हैं। दोनों नाटो के सदस्य रहे हैं, लेकिन 2017 में तुर्की द्वारा रूस से S-400 एयर डिफेंस सिस्टम खरीदने और 2019 में उसे हासिल करने के बाद अमेरिका ने तुर्की को F-35 लड़ाकू विमान देने से इनकार कर दिया, जिससे रिश्ते बिगड़ गए।

इसी तरह वेनेजुएला पर भी अमेरिका लंबे समय से दबाव बनाता रहा है। मादुरो और उनके सहयोगियों पर ड्रग्स कारोबार के आरोप लगाते हुए अमेरिका ने 3 जनवरी को हमला कर मादुरो और उनकी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया। अब अमेरिका वेनेजुएला के तेल भंडारों पर नियंत्रण चाहता है।

सोवियत संघ को तोड़ने के लिए जिस चीन को अमेरिका ने खड़ा किया, वही आज उसे चुनौती दे रहा है।

भूराजनीति का यह दौर सबसे अधिक उतार-चढ़ाव वाला है। कभी अमेरिका और सोवियत संघ के बीच शीत युद्ध था (1947–1991), जिसमें अमेरिका सुपरपावर बनकर उभरा। उसी दौर में अमेरिका ने चीन को सोवियत संघ के मुकाबले खड़ा किया था।

रणनीति और शहादत का संगम है भारतीय सेना

78वें सेना दिवस पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 15 जनवरी को भारतीय सेना दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष हम 78वां सेना दिवस मना रहे हैं। सेना दिवस के अवसर पर पूरा देश थलसेना के अदम्य साहस, जांबाज सैनिकों की वीरता, शौर्य और उसकी शहादत को याद करता है। इस विशेष अवसर पर जवानों के दस्ते और अलग-अलग रेजीमेंट की परेड के अलावा झांकियां भी निकाली जाती हैं और उन सभी बहादुर सेनानियों को सलामी दी जाती है, जिन्होंने देश और लोगों की सलामती के लिए अपना जीवन न्यौछावर कर दिया। 15 जनवरी को ही यह दिवस मनाए जाने का विशेष कारण यही है कि 1899 में कर्नाटक के कुर्ग में जन्मे लेफ्टिनेंट जनरल केएम करियप्पा आज ही के दिन वर्ष 1949 में भारतीय सेना के पहले कमांडर-इन-चीफ बने थे। उन्होंने 15 जनवरी 1949 को ब्रिटिश जनरल फ्रांसिस बुचर से भारतीय सेना की कमान संभाली थी। जनरल फ्रांसिस बुचर भारत के आखिरी ब्रिटिश कमांडर-इन-चीफ थे।1953 में वे भारतीय सेना से सेवानिवृत्त हुए और 94 वर्ष की आयु में 1993 में उनका निधन हुआ। केएम करियप्पा दूसरे ऐसे सेना अधिकारी थे, जिन्हें फील्ड मार्शल की उपाधि दी गई थी। भारतीय थल सेना का गठन ईस्ट इंडिया कम्पनी की सैन्य टुकड़ी के रूप में कोलकाता में 1776 में हुआ था, जो बाद में ब्रिटिश भारतीय सेना बनी और देश की आजादी के बाद इसे 'भारतीय थल सेना' नाम दिया गया। भारतीय सेना की 53 छावनियां और 9 आर्मी बेस हैं और चीन तथा अमेरिका के साथ भारतीय सेना दुनिया की तीन सबसे बड़ी सेनाओं में शामिल है। हमारी सेना संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों में सबसे बड़ी योगदानकर्ताओं में से एक है। यह दुनिया की कुछेक ऐसी सेनाओं में से एक है, जिसने कभी भी अपनी ओर से युद्ध की शुरूआत नहीं की। भारतीय सेना के ध्वज का बैकग्राउंड लाल रंग का है, ऊपर बायीं ओर तिरंगा झंडा, दायीं ओर भारत का राष्ट्रीय चिह्न और तलवार हैं। सेना दिवस के अवसर पर सेना प्रमुख को सलामी दी जाती रही है लेकिन 2020 में पहली बार सेना प्रमुख के स्थान पर देश के प्रथम सीडीएस बने जनरल बिपिन रावत को सलामी दी गई थी।

देश की आजादी के बाद भारतीय सेना पांच बड़े युद्ध लड़ चुकी है, जिनमें चार पाकिस्तान के खिलाफ और एक चीन के साथ लड़ा था। देश की आजादी के बाद 1947-48 में हुए भारत-पाक युद्ध को 'कश्मीर युद्ध' नाम से भी जाना जाता है, जिसके बाद कश्मीर का भारत में विलय हुआ था। 1962 में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी द्वारा धोखे से थाग-ला-रिज पर भारतीय सेना पर हमला बोल दिया गया था। उस जमाने में भातीय सेना के पास स्वचालित और आधुनिक हथियार नहीं होते थे, इसलिए चीन को रणनीतिक बढ़त मिली थी। 1965 के भारत-पाक युद्ध के बाद 1971 में भारतीय सेना ने पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी थी। 13 दिनों तक चले उस युद्ध के बाद ही पाकिस्तान के टुकड़े कर बांग्लादेश का जन्म हुआ और पाकिस्तानी जनरल नियाजी के साथ 90 हजार पाक सैनिकों ने जांबाज भारतीय सेना के समक्ष हथियार डाल दिए थे। मई से जुलाई 1999 तक चले कारगिल युद्ध में तो भारतीय सेना ने पाकिस्तान को छठी का दूध याद दिला दिया था।

आज पूरी दुनिया भारतीय सेना का लोहा मानती है। आधुनिक हथियारों और प्रौद्योगिकी के साथ भारतीय सेना एक विश्वस्तरीय सेना है। सेना दिवस के महत्वपूर्ण अवसर पर चीन द्वारा वर्तमान में लगातार पेश की जा रही चुनौतियों के दौर में भारतीय सेना की निरन्तर बढ़ती ताकत का उल्लेख करना बेहद जरूरी है। 2025 की 'ग्लोबल फायरपावर रिपोर्ट' के अनुसार भारतीय सेना की गिनती दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सेनाओं में की जाती है। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय थल सेना के जखीरे में कई तरह के आधुनिक हथियार शामिल हैं, जिनमें आधुनिक टैंकों के साथ बैलिस्टिक मिसाइलें भी हैं। भारत की थल सेना के पास चार हजार से अधिक टैंक हैं। इसके अलावा भारतीय सेना के जखीरे में एक लाख से अधिक आर्म्ड व्हीकल भी शामिल हैं। थल सेना के पास 100 सेल्फ प्रोपेल्ड आर्टिलिरी, 3300 हल्की आर्टिलिरी भी हैं तथा थल सेना के बेड़े में करीब 1500 रॉकेट आर्टिलरी भी शामिल हैं।

भारतीय सैन्यबल में 14.45 लाख सक्रिय सैन्यकर्मी हैं, जो दुनिया में दूसरे नंबर पर है। सेना में 12 लाख से ज्यादा आरक्षित बल तथा बीस लाख अर्धसैनिक बल हैं। भारतीय थलसेना में 4600 से ज्यादा टैंक टी-72, टी-90, अर्जुन एमके-1, अर्जुन एमके-2 इत्यादि टैंक, 5 हजार से ज्यादा तोपें, 290 स्वचालित तोपें, 290 से ज्यादा रॉकेट तोपें तथा 8600 बख्तरबंद वाहन शामिल हैं। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय थलसेना हर परिस्थिति में चीनी सेना से बेहतर और अनुभवी है, जिसके पास युद्ध का बड़ा अनुभव है, जो कि विश्व में शायद ही किसी अन्य देश के पास हो।

भले ही चीन के पास भारत से ज्यादा बड़ी सेना और सैन्य साजो-सामान है लेकिन आज के परिप्रेक्ष्य में दुनिया में किसी के लिए भी इस तथ्य को नजरअंदाज करना संभव नहीं हो सकता कि भारत की सेना को अब धरती पर दुनिया की सबसे खतरनाक सेना माना जाता है और सेना के विभिन्न अंगों के पास ऐसे-ऐसे खतरनाक हथियार हैं, जो चीनी सेना के पास भी नहीं हैं।

त्योहारों की तिथियों का अपहरण

डॉ. मत्स्येन्द्र प्रभाकर

पहले दीपावली के पहले 'नरक चतुर्दशी' कोई उत्सव मनाया जाने वाला दिवस न था। घरों की सफाई आदि के बाद दीवाली को घूर पर दिया जलाया जाता था ताकि वह भी नकारात्मक ऊर्जा से मुक्त हो जाए और तैयार खाद शुद्ध होकर खेतों में पहुँचे। इधर कुछ वर्षो से हिन्दू पर्व, त्योहार निर्धारित तिथि पर न मनाने की परम्परा सी चल पड़ी है। मुमकिन है कि इसके पीछे बाजार, कारोबारी हित तथा रोजगार पैदा करने की प्रत्याशा हो किन्तु यह पारम्परिक सनातन संस्कृति को विकृत करने का षड्यंत्र और कुचक्र अधिक जान पड़ता है। अयोध्या में दीपावली के पूर्व का 'दीपोत्सव' अनजाने या जान-बूझकर उपर्युक्त शंका की एक बड़ी साजिश लगती है। अब 15 जनवरी को मकर संक्रान्ति का अवकाश इसी की अगली कड़ी है। इसी तरह से पिछले दिनों, सालों में अनेक त्योहार बदली तिथियों में मनाये गये हैं। यह भारतीय सनातन संस्कृति और ब्राह्मणों के ज्ञान, विज्ञान एवं अनुसन्धान को खण्डित करने वाली प्रवृत्ति है। इसके पीछे अफसरशाही का एक तबका हो सकता है जो शिक्षा, सोच, समझ तथा संस्कार से न केवल गुलाम है बल्कि विकृत विदेशी संस्कृति का पिट्ठू और पोषक है। पारम्परिक हिन्दू पञ्चाङ्ग की तिथियों से त्योहारों को खींचकर बाजार की गोद में धकेलने की प्रवृत्ति सनातन धर्म की जड़ों को काटने का सुनियोजित कुचक्र है। नरक चतुर्दशी जो दीपावली से ठीक एक दिन पहले कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी को मनायी जाती रही, अब पूर्व-दीपोत्सवों के बहाने विकृत हो रही है। यह केवल बाजारवाद नहीं अपितु इसके पीछे अफसरशाही के उस तबके का हाथ है जो विदेशी संस्कृति का दास बनकर स्वधर्म को खण्डित कर रहा है।

'नरक चतुर्दशी' परम्परागत रूप से दीपावली की पूर्व सन्ध्या है जब भगवान कृष्ण ने नरकासुर का वध किया और घरों की सफाई के बाद नकारात्मक ऊर्जा नाश के लिए दीप जलाये जाते थे। अयोध्या में दीपोत्सव को दीपावली से पूर्व (जैसे 2025 में 18-20 अक्टूबर जबकि दीपावली 20-21 को) आयोजित करना शास्त्रीय पञ्चाङ्ग को तोड़ने-मरोड़ने का उदाहरण है। इसी क्रम में मकर संक्रान्ति का अवकाश उत्तर प्रदेश में 14 से 15 जनवरी 2026 को स्थानान्तरित कर दिया गया जो ज्योतिषीय पुण्यकाल से मेल खाता है किन्तु परम्परा से भटकाव दर्शाता है।

हिन्दू त्योहार अब बाजार की रणनीति बन गये हैं, जहाँ ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म दीपावली-नवरात्रि पर 12-14 लाख करोड़ का व्यय उत्पन्न करते हैं, 15-30% वृद्धि के साथ।

फेस्टिवल सेल्स, मुहूर्त ट्रेडिंग और रोजगार सृजन के नाम पर तिथियाँ बदली जाती हैं, जैसे होली, दशहरा, राखी जो कभी-कभी दो तिथियों पर विभाजित हो जाते हैं। यह व्यावसायिक हित सनातन पञ्चाङ्ग को विकृत कर रहा है, जहाँ सूर्य सिद्धान्त पर आधारित संक्रान्ति जैसे पर्व ग्रेगोरियन कैलेण्डर से 24 दिन विस्थापित हो चुके हैं। भारतीय नौकरशाही में औपनिवेशिक विरासत प्रबल है जो नियम-प्रक्रियाओं पर अत्यधिक जोर देकर परिणामों की उपेक्षा करती है और पदानुक्रमित 'एलिटिज्म' को बढ़ावा देती है। सरकारी अवकाश सूचियों में हिन्दू तिथियाँ अक्सर पञ्चाङ्ग से विचलित होती हैं, जैसे जन्माष्टमी या रक्षाबन्धन के राज्यवार भेद। उत्तराखण्ड जैसे प्रयास हिन्दू तिथियाँ जोड़ने के होते हैं, किन्तु केन्द्रीय स्तर पर ग्रेगोरियन प्रभुत्व बना है। यह तबका शिक्षा-संस्कार से विमुख होकर पश्चिमी संस्कृति का पोषक बन गया है, जो सनातन ज्ञान-विज्ञान को 'ब्राह्मण परम्परा' सहित खण्डित कर रहा है।

मकर संक्रांति, ब्रह्म मुहूर्त में करें स्नान

इस साल मकर संक्रांति 15 जनवरी गुरुवार को है. मकर संक्रांति पर ब्रह्म मुहूर्त में स्नान करना सबसे उत्तम समय माना जाता है. स्नान के बाद अन्न, वस्त्र, तिल आदि का दान करते हैं. मकर संक्रांति पर कौन कौन से शुभ मुहूर्त कब कब हैं?

मकर संक्रांति का पावन पर्व 15 जनवरी गुरुवार को है।आज 14 जनवरी बुधवार को रात में 9 बजे के बाद सूर्य का प्रवेश मकर राशि में हो रहा है। सूर्यास्त के बाद सूर्य गोचर होने की वजह से मकर संक्रांति का पर्व की तारीख 15 जनवरी तय हुई है। मकर संक्रांति के दिन स्नान और दान करते हैं। आप इस दिन पवित्र नदियों में स्नान करें या घर पर ही स्नान कर लें, उसके बाद सूर्य देव की पूजा करें और फिर अन्न, वस्त्र, फल, तिल, गुड़ आदि का दान करें। आइए जानते हैं मकर संक्रांति के दिनभर के शुभ मुहूर्त क्या हैं?

मकर संक्रांति शुभ मुहूर्त

ब्रह्म मुहूर्तः मकर संक्रांति के दिन का ब्रह्म मुहूर्त प्रातःकाल में 05 बजकर 27 मिनट से सुबह 06 बजकर 21 मिनट तक है। ब्रह्म मुहूर्त को स्नान के लिए सबसे उत्तम समय माना जाता है।

ऐसे में आप मकर संक्रांति पर स्नान इस समय में कर सकते हैं। इसके बाद आप सूर्योदय 07:15 ए एम के बाद भी कर सकते हैं। उसके बाद सूर्य देव को अर्घ्य दें और पूजा करें। इस दिन का प्रातः सन्ध्या मुहूर्त 05:54 ए एम से 07:15 ए एम तक है।

शुभ-उत्तम मुहूर्तः मकर संक्रांति पर शुभ-उत्तम मुहूर्त सुबह में 07 बजकर 15 मिनट से सुबह 08 बजकर 34 मिनट तक है। ब्रह्म मुहूर्त में स्नान के बाद आप शुभ-उत्तम मुहूर्त में दान कर सकते हैं। इस दिन का दूसरा शुभ-उत्तम मुहूर्त शाम के समय है। शुभ-उत्तम मुहूर्त शाम में 04:27 पी एम से लेकर 05:46 पी एम तक है।

चर-सामान्य मुहूर्तः मकर संक्रांति के दिन का चर-सामान्य मुहूर्त 11:12 ए एम से लेकर दोपहर 12:31 पी एम तक है।

अभिजीत मुहूर्तः मकर संक्रांति पर अभिजीत मुहूर्त दोपहर में 12 बजकर 10 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 52 मिनट तक है। खरमास का समापन हो गया है, आपको कोई शुभ काम करना है तो अभिजीत मुहूर्त में कर सकते हैं।

लाभ-उन्नति मुहूर्तः मकर संक्रांति के अवसर पर आप किसी काम में उन्नति की उम्मीद कर रहे हैं तो लाभ-उन्नति मुहूर्त में उसका प्रारंभ करें। लाभ-उन्नति मुहूर्त दोपहर में 12 बजकर 31 मिनट से दोपहर 01 बजकर 50 मिनट तक है।

विजय मुहूर्तः मकर संक्रांति के दिन का विजय मुहूर्त दोपहर में 02 बजकर 16 मिनट से दोपहर 02 बजकर 58 मिनट तक है। इस मुहूर्त में आप जो भी शुभ कार्य करेंगे, उसमें आपको सफलता प्राप्त होगी। कठिन कार्यों में विजय प्राप्ति के लिए यह समय उत्तम है।

अमृत-सर्वोत्तम मुहूर्तः मकर संक्रांति पर अमृत-सर्वोत्तम मुहूर्त दोपहर में 01 बजकर 50 मिनट से शुरू होगा और दोपहर 03 बजकर 08 मिनट तक रहेगा। यह दिन का अमृत-सर्वोत्तम समय है।

गोधूलि मुहूर्तः 15 जनवरी को गोधूलि मुहूर्त शाम को 05:44 पी एम से लेकर शाम 06:11 पी एम तक है।

अमृत काल का समयः मकर संक्रांति का अमृत काल शाम को 07 बजकर 59 मिनट से रात में 09 बजकर 46 मिनट तक है।

मकर संक्रांति अशुभ समय

राहुकालः मकर संक्रांति के दिन का राहुकाल दोपहर में 01 बजकर 50 मिनट से शुरू होगा और यह दोपहर 03 बजकर 08 मिनट तक है। राहुकाल में आपको कोई शुभ काम नहीं करना चाहिए। शुभ कार्यों के लिए राहुकाल वर्जित है।

मकर संक्रांति से खरमास खत्म, करना है शुभ कार्य

मकर संक्रांति 15 जनवरी गुरुवार को है। सूर्य देव जब मकर राशि में गोचर करते हैं तो मकर संक्रांति होती है। धनु से निकलकर मकर में आने से खरमास का समापन हो जाता है।

खरमास के खत्म होते ही शुभ कार्य शुरू हो जाते हैं, विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश के लिए शुभ मुहूर्त प्राप्त होने लगते हैं। सूर्य देव जब मीन राशि में गोचर करेंगे, तब मीन संक्रांति होगी और उस समय फिर से खरमास लगेगा। सूर्य देव 15 मार्च को 01:08 ए एम पर मीन में गोचर करेंगे, इस वजह से खरमास 15 मार्च को लगेगा। ऐसे में आज हम आपको मकर संक्रांति से लेकर मीन संक्रांति के बीच 3 माह के शुभ मुहूर्त बता रहे हैं।

विवाह मुहूर्त जनवरी से मार्च 2026 तक

खरमास के खत्म होने के बाद शुभ विवाह का पहला मुहूर्त 5 फरवरी को प्राप्त हो रहा है। जनवरी में विवाह का कोई शुभ मुहूर्त नहीं है। फरवरी के महीने में 12 दिन शहनाई बजेगी। जिन लोगों को फरवरी में विवाह करना है, उनके लिए शुभ तरीखें 5, 6, 8, 10, 12, 14, 19, 20, 21, 24, 25 और 26 हैं।

5 फरवरीः शुभ विवाह मुहूर्तः 07:07 ए एम से 07:06 ए एम, फरवरी 06

6 फरवरीः शुभ विवाह मुहूर्तः 07:06 ए एम से 11:37 पी एम

8 फरवरीः शुभ विवाह मुहूर्तः 12:08 ए एम से 05:02 ए एम, फरवरी 09

10 फरवरीः शुभ विवाह मुहूर्तः 07:55 ए एम से 01:42 ए एम, फरवरी 11

12 फरवरीः शुभ विवाह मुहूर्तः 08:20 पी एम से 03:06 ए एम, फरवरी 13

14 फरवरीः शुभ विवाह मुहूर्तः 06:16 पी एम से 03:18 ए एम, फरवरी 15

19 फरवरीः शुभ विवाह मुहूर्तः 08:52 पी एम से 06:55 ए एम, फरवरी 20

20 फरवरीः शुभ विवाह मुहूर्तः 06:55 ए एम से 01:51 ए एम, फरवरी 21

21 फरवरीः शुभ विवाह मुहूर्तः 01:00 पी एम से 01:22 पी एम

24 फरवरीः शुभ विवाह मुहूर्तः 04:26 ए एम से 06:50 ए एम, फरवरी 25

25 फरवरीः शुभ विवाह मुहूर्तः 01:28 ए एम से 06:49 ए एम, फरवरी 26

26 फरवरीः शुभ विवाह मुहूर्तः 06:49 ए एम से 12:11 पी एम

500 साल पुराना सात बहनो का मंदिर

पहाड़ की उंचाई, 332 सीढ़ी, दर्शन के लिए भक्तों की लगती है लंबी लाइन

मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के गौरिहार तहसील के गहबरा गांव में मौजूद बड़े पहाड़ की ऊंचाई में माता जी का प्राचीन स्थान है। जहां तक पहुंचने के लिए सीढ़ियां ही नहीं थीं। शारदीय और चैत्र नवरात्रि में यहां हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं। लेकिन सीढ़ियां न होने की वज़ह से श्रद्धालु परेशान होते थे। गांव वालों ने नेताओं से गुहार भी लगाई लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। इसके बाद गांव के लोगों ने ही तय किया और बगैर सरकारी मदद के सीढ़ियां बनवा दीं।

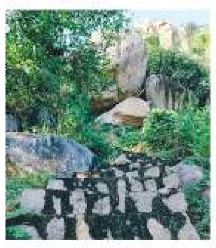

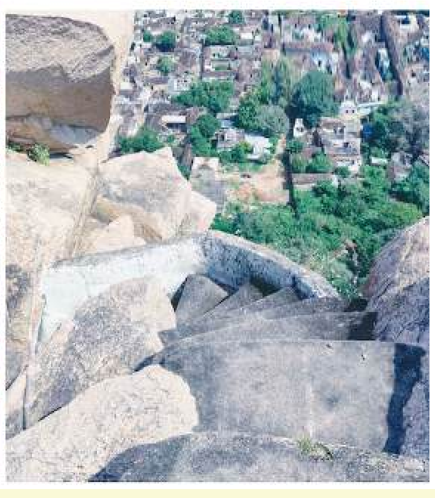

पहाड़ की ऊंचाई पर माता विराजमान हैं

स्थानीय निवासी रामानंद दीक्षित बताते हैं कि इस गांव का जो पहाड़ है वह तो पुराना है ही। साथ में इस पहाड़ की ऊंचाई पर माता का स्थान है, यह स्थान 500 साल से भी अधिक पुराना बताया जाता है। यहां सात बहने(माहेश्वरी माता और दुर्गा माता समेत 7 देवियां) निवास करती हैं। साथ ही यहां पर नांदला देवी का भी स्थान है जो सबसे ऊंचाई पर विराजमान हैं। शारदीय और चैत्र नवरात्र में यहां हजारों की संख्या में भक्त गण आते हैं। साथ ही विवाहित जोड़ों की बधाई भी यहीं से पूजी जाती है। लेकिन यहां तक जाने के लिए रास्ता नहीं था। इसलिए गहबरा गांव के लोगों ने खुद ही चंदा जोड़कर सीढ़ियां बनवा दीं। गांव के स्थानीय निवासी धीरेन्द्र अवस्थी बताते हैं कि पहाड़ की ऊंचाई पर बैठी माता जी के पावन स्थल पर पहुंचने के लिए पुराने लोगों ने पहाड़ के दूसरी तरफ़ से रास्ता बनाई थी लेकिन वहां से अब जाने लायक रास्ता नहीं है। क्योंकि वहां सिर्फ कच्ची रास्ता है, सीढ़ियां नहीं बनी थीं और जो पत्थरों की कुछ पुरानी सीढ़ियां थीं वह भी टूट चुकी थीं। जिसके चलते गांव के लोगों को वहां तक जाने में दिक्कत होती थी।

6 लाख रुपए का किया चंदा इकट्ठा

गांव वालों ने शासन-प्रशासन से कई बार गुहार भी लगाई। लेकिन किसी नेता-अधिकारी ने इस पहाड़ की सीढ़ियों के विकास को लेकर ध्यान नहीं दिया। थक हार कर गांव वालों ने ही निर्णय लिया और खुद 6 लाख रुपए का चंदा इकट्ठा किया और इसी चंदे से सीमेंट, गिट्टी और बालू मंगवाई और गांव के ही लोगों ने ही मजदूर बनकर ऊपर सीमेंट, गिट्टी और पत्थर धोकर सीढ़ियों का निर्माण कराया।

332 सीढ़ियों का निर्माण हुआ पूरा

हालांकि अभी भी पूरी सीढ़ियों का निर्माण नहीं हुआ है। अभी 332 सीढ़ियां ही बनाई गई हैं। ऊपर कुछ सीढ़ियां बनना बाकी हैं जिस पर अभी जल्द ही काम चालू होगा। गांव के बांके बिहारी मंदिर के पुजारी रामफल शुक्ला बताते हैं कि हमने नेताओं से कई बार गुहार भी लगाई। लेकिन किसी भी नेता ने हमारी सीढ़ियों के विकास को लेकर नहीं सोचा और ना ही ध्यान दिया। इसलिए गांव के लोगों को मजबूरन सीढ़ियां बनवानी पड़ी और अब गांव के लोगों ने तय किया है कि अब आगे भी गांव के लोग ही यहां पर विकास करेंगे। इसलिए अब हम टीन शेड, रैलिंग और पानी की टंकी का निर्माण भी कराने जा रहे हैं। बिजली खंभों की व्यवस्था हमने पहले ही कर दी थी।

तिल की उत्पति कैसे हुई, मकर संक्रांति पर क्यों है जरूरी?

कब-कब बदली मकर संक्रांति की तारीख?

ज्योतिषाचार्य और विद्वानों के अनुसार, करीब 1000 साल पहले मकर संक्रांति 1 जनवरी को मनाई जाती थी।

18वीं सदी में यह पर्व 12 और 13 जनवरी को पड़ता था।

1902 में पहली बार 14 जनवरी को मकर संक्रांति मनाई गई।

1964 में पहली बार 15 जनवरी को मकर संक्रांति पड़ी।

इसके बाद अधिकमास और सूर्य की चाल के कारण ऐसा क्रम बना कि कुछ सालों तक 14 जनवरी और फिर 15 जनवरी को यह पर्व मनाया जाने लगा।

मकर संक्रांति का त्योहार देश भर में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। ये हिंदू धर्म का एक महत्वपूर्ण पर्व है। ये पर्व सूर्य देव के मकर राशि में प्रवेश करने पर मनाया जाता है। मकर संक्रांति पर सूर्य देव की विशेष पूजा की जाती है। पवित्र नदियों में स्नान-दान किया जाता है। इस दिन इन सब कामों को करने से विशेष पुण्य प्राप्त होता है। इस साल उदया तिथि के अनुसार, ये पावन पर्व 15 जनवरी को मनाया जाएगा। इस दिन स्नान-दान और पूजा-पाठ के साथ-साथ तिल का भी खास इस्तेमाल किया जाता है।

मकर संक्रांति के दिन पवित्र नदियों पर स्नान न कर पाने वालों को तिल मिले जल से स्नान करने की सलाह दी जाती है। मान्यता है कि इससे भी तीर्थ स्नान का फल प्राप्त हो जाता है। तिल का आयुर्वेद में भी बड़ा ही महत्व माना गया है। ऐसे में आइए जानते हैं कि तिल की उत्पत्ति कैसे हुई और क्यों ये मकर संक्रांति पर बहुत जरूरी माना गया है?

तिल की उत्पत्ति की कहानी

बताया जाता है कि हिरण्यकशिपु द्वारा पुत्र प्रहलाद पर लगातार अत्याचार होते देख जगपालक भगवान श्री हरि विष्णु क्रोध से भर उठे। क्रोध में उनका शरीर पसीने से भर गया। कहा जाता है कि इसी पसीने के जमीन पर गिरने से तिल उत्पन्न हुआ। तिल गंगाजल के समान ही पावन माना जाता है। मान्यता है कि जैसे गंगाजल का स्पर्श मृत आत्माओं को वैकुंठ पहुंचा देता है। उसी तरह तिल भी पूर्वजों, भटकती आत्माओं और अतृप्त जीवों को मोक्ष का मार्ग दिखाता है।

मकर संक्रांति पर क्यों है जरूरी?

धर्म और ज्योतिष शास्त्र में तिल को सूर्य देव के पुत्र शनि देव का भी प्रतीक माना जाता है। यही कारण है कि मकर संक्रांति के दिन इसकी उपयोगिता और भी अधिक बढ़ जाती है। इस दिन गुड़ और तिल साथ मिलाकर खाने, उनका दान करने से शनि और सूर्य दोनों का जीवन पर बड़ा सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। मकर संक्रांति के दिन तिलकुट भरने की भी परंपरा चली आ रही है। उत्तर भारत में कुल देवता पर गुड़, चावल और तिल का प्रसाद चढ़ाया जाता है। ये प्रसाद परिवार में सामंजस्य का प्रतीक माना जाता है।

इस साल 15 जनवरी को सूर्य करेगा राशि परिवर्तन

इस वर्ष ग्रहों के राजा सूर्य 15 जनवरी की सुबह 9 बजकर 13 मिनट पर धनु से मकर राशि में प्रवेश करेंगे। इसी के साथ खरमास समाप्त होगा और मांगलिक कार्यों की शुरुआत हो जाएगी। इस बार मकर संक्रांति व्यतीपात योग, शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि और श्रवण नक्षत्र में मनाई जाएगी। शास्त्रों के अनुसार, उत्तरायण को देवताओं का दिन और दक्षिणायन को देवताओं की रात कहा जाता है।

नखरीले और जिद्दी स्वभाव की होती हैं यह लड़कियां

जिन लड़कियों का मूलांक 3, 6 और 9 होता है। वह बहुत ही नखरीले और जिद्दी स्वभाव की होती हैं। यह बहुत नखरा करती हैं लेकिन दिल की साफ होती हैं। आपको इस मूलांक की लड़कियों के बारे में बताते हैं जिनका जन्म 3, 6 और 9 तारीख को होता है इनका स्वभाव कैसा होता है। यह अगर नाराज हो जाती हैं तो इसे मनाना बहुत मुश्किल होता है। इन लड़कियों के नखरे उठाना हर किसी के बस की बात नहीं होती है।

मूलांक 3 का ऐसा होता स्वभाव

मूलांक 3 वाली लड़कियां वो होती हैं जिन लड़कियों का जन्म महीने की 3, 12, 21 और 30 तारीख को हुआ होता है तो उसका मूलांक 3 होता है। मूलांक 3 वाली लड़कियां बहुत ही स्वाभिमानी होती हैं यह किसी को मुंह नहीं लगती अगर यह नाराज हो जाए तो उन्हें मनाना बहुत मुश्किल होता है। अगर इनके सामने कोई गलती हो जाती है तो तुरंत माफी मांगे।

मूलांक 6 का ऐसा होता स्वभाव

मूलांक 6 की लड़कियां जिनका जन्म 6, 15 और 24 तारीख को हुआ होता है उसका मूलांक 6 होता है। मूलांक 6 की लड़कियों का स्वभाव नखराला होता है यह अपनी नजाकत और अदा के लिए जानी जाती हैं इनके नखरे के आगे कोई भी नहीं आता। पार्टनर इसका ध्यान नहीं रखता तो यह बहुत जल्दी नाराज हो जाती हैं।

मूलांक 9 का ऐसा होता स्वभाव...

मूलांक 9 वाली लड़कियां किसी भी महीने के 9, 18 और 27 तारीख को जन्मी लड़कियों का मूलांक 9 होता है। यह गुस्सैल और तेज स्वभाव की होती हैं इनका स्वभाव थोड़ा इमोशनल भी होता है इनके नाराज होने पर उन्हें मनाना बहुत मुश्किल होता है।

'हक' देख गदगद हुईं सामंथा
यामी की परफॉर्मेंस को बताया शब्दों से परे

यामी गौतम की हालिया रिलीज फिल्म 'हक' को दर्शकों और फिल्मी सितारों की खूब सराहना मिल रही है। फिल्म को मिल रही तारीफों का सिलसिला जारी है। करण जौहर और आलिया भट्ट ने हाल ही में यामी की एक्टिंग की जमकर वाहवाही की। अब अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने भी फिल्म और यामी के परफॉर्मेंस को दिल छू लेने वाला बताया। सामंथा ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर कहा कि हक की कहानी गहरी, संवेदनशील और बिना किसी पूर्वाग्रह के है, जिसे यामी ने इतनी शानदार तरीके से पर्दे पर निभाया है।

सामंथा ने यामी गौतम की एक्टिंग की जमकर तारीफ करते हुए यामी की परफॉर्मेंस को शब्दों से परे बताया, उन्होंने लिखा, फिल्म देखते ही मुझे तुरंत यह लिखना पड़ा, क्योंकि मैं नहीं चाहती थी कि जो खूबसूरत एहसास मुझे मिला, वह कहीं खो जाए।

सामंथा ने लिखा, ऐसी कहानियां बहुत कम मिलती हैं। इतनी गहरी, इतनी लेयर्ड और पूरी तरह जजमेंट या बायस से मुक्त। और यह और भी खास है जब इन्हें इतने शानदार एक्टर ने जीवंत किया हो। यामी गौतम आपकी परफॉर्मेंस ने मुझे इस तरह प्रभावित किया जिसे मैं पूरी तरह से बता नहीं सकती। मैंने एक साथ सब कुछ महसूस किया – प्यार, गुस्सा, ताकत, कमजोरी, उम्मीद।

सामंथा ने निर्देशक के साथ ही पूरे टीम की सराहना की। उन्होंने लिखा, आपकी लिखाई खास छाप छोड़ने में सफल रही। साथ ही उन्होंने निर्देशक को बधाई देते हुए कहा, ₹यह फिल्म सिनेमा की असली ताकत दिखाती है। यह सिनेमा है। यही वजह है कि हम जो करते हैं, करते हैं। यही कारण है कि हम हर उतार-चढ़ाव में यही रास्ता चुनते रहते हैं।

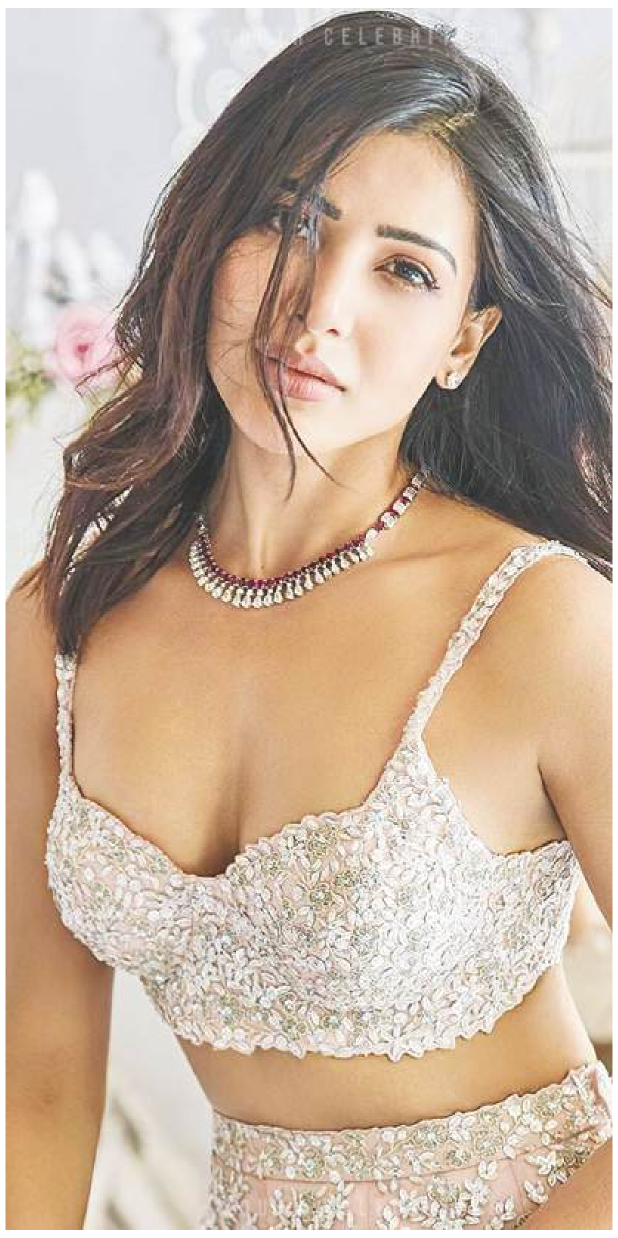

हाल ही में करण जौहर ने यामी की तारीफ कहा कि शाजिया बानो की कहानी और उसकी जीत इतनी भावुक थी कि फिल्म खत्म होने पर वह रो पड़े और कुछ देर बोल नहीं पाए। उन्होंने जोर-जोर से तालियां बजाईं और अफसोस जताया कि सिनेमाघर में फिल्म नहीं देख पाए। करण ने कहा कि सालों बाद किसी ने उन्हें इतना प्रभावित किया। यामी का अभिनय सिर्फ शानदार नहीं, बल्कि असाधारण है। वहीं, आलिया भट्ट ने यामी गौतम की फिल्म 'हक' की जमकर तारीफ की। उन्होंने यामी को 'क्वीन' कहते हुए लिखा कि यह उनकी अब तक की सबसे शानदार परफॉर्मेंस है। आलिया ने यामी के अभिनय की गहराई, प्रामाणिकता और मेहनत की सराहना की और कहा कि वह उनकी फैन हैं।

रिलीज से पहले विवादों में फंसी यश की 'टॉक्सिक'
शिकायतकर्ता ने सीबीएफसी से की ये मांग

साउथ स्टार यश की आगामी फिल्म 'टॉक्सिक' अपनी रिलीज से पहले ही चर्चाओं में बनी हुई है। पिछले दिनों फिल्म का टीजर जारी किया गाय। जिसमें यश का लुक सामने आया है। इस टीजर को देखने के बाद एक ओर जहां फिल्म को लेकर लोगों का उत्साह और भी बढ़ गया है। वहीं दूसरी ओर फिल्म को लेकर विवाद भी शुरू हो गया है। यही नहीं अब रिलीज से पहले ही 'टॉक्सिक' कानूनी विवादों में भी घिर गई है। फिल्म के टीजर को लेकर एक सामाजिक कार्यकर्ता ने शिकायत दर्ज कराई है।

टीजर के एक दृष्य को बताया अश्लील और भद्दा

कर्नाटक के सामाजिक कार्यकर्ता दिनेश कल्लाहल्ली ने 'टॉक्सिक' के टीजर में कार के अंदर दिखाए गए एक यौन उत्तेजक सीन पर आपत्ति जताई है। सामाजिक कार्यकर्ता ने अश्लील और आपत्तिजनक बताते हुए केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। सीबीएफसी के अध्यक्ष प्रसून जोशी को भेजी गई इस शिकायत में सामाजिक कार्यकर्ता का कहना है कि 'टॉक्सिक' के टीजर में अत्यंत अश्लील, यौन उत्तेजक और भद्दे सीन हैं। शिकायत में कहा गया, 'टीजर बिना किसी रिस्ट्रिक्शन के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर व्यापक रूप से प्रसारित हो रहा है। इससे आम जनता, जिसमें नाबालिग और युवा भी शामिल हैं, ऐसी सामग्री के संपर्क में आ रही है जो कानूनी रूप से अस्वीकार्य और सामाजिक रूप से हानिकारक है।'

संवैधानिक सीमाओं का उल्लंघन करता है टीजर

शिकायतकर्ता ने दावा किया कि टीजर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। 'टॉक्सिक' के टीजर में दिखाए गए सीन संवैधानिक सीमाओं का उल्लंघन हैं। इसलिए किसी भी संवैधानिक संरक्षण के योग्य नहीं है। भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने लगातार यह माना है कि अश्लीलता और यौन रूप से स्पष्ट सामग्री अभिव्यक्ति के संरक्षित रूप नहीं हैं। उन्होंने सिनेमैटोग्राफ अधिनियम, 1952 फिल्म प्रमाणन नियमों और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड द्वारा जारी गाइडलाइन का भी हवाला दिया। इसके आधार पर कहा कि फिल्मों, ट्रेलरों और अन्य प्रचार सामग्री को शालीनता, नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी के मानकों के अनुरूप होना चाहिए।

टीजर की समीक्षा और कानूनी कार्रवाई की मांग

इन सभी आधारों पर शिकायतकर्ता ने सीबीएफसी से टीजर की समीक्षा करने, इन सीन को हटाने सहित आवश्यक कदम उठाने और इसके प्रसारण पर रोक लगाने की मांग की है। साथ 'टॉक्सिक' के निर्देशक, निर्माताओं और संबंधित जिम्मेदार पक्षों के खिलाफ उचित कानूनी और कार्रवाई की भी मांग की। शिकायत में आगे कहा गया कि इस याचिका पर तुरंत विचार किया जाना चाहिए, क्योंकि इसमें सार्वजनिक नैतिकता, नाबालिगों की सुरक्षा और कानून के शासन से संबंधित मुद्दे शामिल हैं।

19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी फिल्म

हालांकि, इस पूरे मामले पर फिल्म के मेकर्स की ओर से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

गीतू मोहनदास द्वारा निर्देशित 'टॉक्सिकः ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स' में यश मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा फिल्म में कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, रुक्मिणी वसंत और तारा सुतारिया भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगी। फिल्म की कहानी को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। 'टॉक्सिक' 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है।

चित्रांगदा सिंह ने 'बैटल ऑफ गलवान' के सेट का अनुभव किया साझा
कहा सलमान खान डायलॉग या सीन की प्रैक्टिस नहीं करते

चित्रांगदा सिंह इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ सलमान खान भी लीड रोल में हैं। चित्रांगदा ने फिल्म में सलमान के बारे में बात करते हुए कहा कि उनके पास अनुभव का विशाल भंडार है। उनका काम दर्शकों पर गहरा असर छोड़ता है।

सलमान खान परंपरागत तरीके से तैयारी करने वाले अभिनेता नहीं हैं। वह डायलॉग या सीन की प्रैक्टिस नहीं करते, बल्कि उनका अभिनय स्वाभाविक होता है। वह धीरे-धीरे किरदार की मानसिकता और भावनाओं को समझते हैं, और दर्शकों को यह पता ही नहीं चलता कि उन्होंने इसके लिए कितनी मेहनत की। सलमान का यह तरीका उन्हें ऑन-स्क्रीन हमेशा नया और दिलचस्प बनाता है। उनका अभिनय कभी भी उबाऊ नहीं लगता, क्योंकि वह हर सीन और भाव को सीधे या अनुमानित तरीके से नहीं निभाते, बल्कि अपने अलग अंदाज में पेश करते हैं।

सलमान का सहज और प्राकृतिक होना काम करने वालों के लिए प्रेरणादायक है। वह अपने सह-कलाकारों के साथ हमेशा ताजगी और ऊर्जा के साथ काम करते हैं। उनके साथ काम करना मेरे लिए एक मजेदार और सीखने वाला अनुभव रहा। उन्होंने मुझे यह महसूस कराया कि अनुभव और सहजता का सही मेल किसी भी कलाकार को महान बना सकता है।

फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' की कहानी 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन की सेनाओं के बीच हुई झड़प पर आधारित है। 15 जून को नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर दोनों देशों की सेनाओं के बीच हिंसक झड़प हुई थी, जिसमें दोनों पक्षों को जानमाल का नुकसान हुआ। सीमा के पास फायरआर्म्स का इस्तेमाल न करने के समझौते के कारण, सैनिकों ने लाठियों और पत्थरों का इस्तेमाल करते हुए लड़ाई लड़ी थी। फिल्म में सलमान कर्नल बी. संतोष बाबू की भूमिका में नजर आएंगे, जिन्होंने असाधारण साहस के साथ 16 बिहार रेजिमेंट का नेतृत्व किया और मरणोपरांत महावीर चक्र से सम्मानित हुए थे। 'बैटल ऑफ गलवान' फिल्म 17 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

आज का दौर सोशल मीडिया का है, किसी भी बात को हल्के में नहीं लिया जा सकता : रश्मि देसाई

वर्तमान समय पूरी तरह डिजिटल हो चुका है। ज्यादातर काम ऑनलाइन हो रहे हैं और सोशल मीडिया हर किसी की जिंदगी में गहराई से शामिल हो गया है। ऐसे में अभिनेत्री रश्मि देसाई का कहना है कि अब कोई भी बात या बयान हल्के में नहीं लिया जा सकता। हर शब्द रिकॉर्ड हो जाता है और सोशल मीडिया पर तेजी से फैल सकता है, जिससे गलतफहमी या विवाद पैदा होता है।

रश्मि ने बताया कि आज के दौर में बातचीत करते समय बहुत सावधानी और जिम्मेदारी बरतनी जरूरी है। उन्होंने बताया, जब हर चीज रिकॉर्ड हो रही हो और कैमरे हर पल कैद कर रहे हों, तो खुलकर बात करना बहुत चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

टॉक शो 'रश्मि के दिल से दिल तक' की होस्ट ने कहा, यह बहुत मुश्किल है क्योंकि आप ऐसे लोगों से बात करते हैं, जिन्होंने अपनी जिंदगी में कई अनुभव झेले हैं। ऐसे में दूसरों के सामने खुलना आसान नहीं होता, खासकर जब कैमरे ऑन हों। एक बार बात निकल गई तो वह जेरॉक्स की तरह फैल जाती है। लोग छोटी-छोटी क्लिप उठा लेते हैं और अपनी मर्जी से उसका मतलब निकालते हैं। कभी-कभी एक बयान को लेकर पूरी बहस छिड़ जाती है और लोग अपनी-अपनी राय बनाने लगते हैं।

रश्मि का मानना है कि आज के समय में सच्चाई और संवेदनशीलता के साथ बात करना सबसे बड़ी चुनौती और जरूरत दोनों है। उनका यह शो लोगों को न सिर्फ मनोरंजन देगा, बल्कि जीवन के कठिन मोड़ों पर भी हिम्मत और प्रेरणा प्रदान करेगा। सोशल मीडिया ने हर किसी को आवाज देने का प्लेटफॉर्म दे दिया है। आज की टेक्नोलॉजी और एआई के इस दौर में, दुनिया के किसी भी कोने में बैठा व्यक्ति अपनी राय भारत तक पहुंचा सकता है। ऐसे माहौल में स्पष्ट बातचीत करना बहुत जरूरी हो जाता है।

उनके शो एक मकसद से बनाया गया है कि लोग दिल से खुलकर बात कर सकें। उन्होंने कहा, हम गेस्ट को सहज महसूस कराना चाहते हैं। हम किसी के दिमाग को कंट्रोल नहीं कर सकते, लेकिन हम उन्हें सुरक्षित और सम्मानजनक माहौल दे सकते हैं। जिंदगी में बदलाव लगातार आते रहते हैं, इन बदलावों को कैसे स्वीकार किया जाए, यह सीख हमारे दर्शकों के लिए भी प्रेरणा बनेगी। हमारा शो इसी पर आधारित है, असली जिंदगी के अनुभव, भावनाएं और उनसे सीखना, ये सबकुछ शो में शामिल है।

'रश्मि के दिल से दिल तक' टॉक शो को होस्ट कर रही

क्या होगा अगर बिना इजाजत किया कमल हासन के नाम और तस्वीरों का इस्तेमाल?

अभिनेता कमल हासन के नाम और तस्वीरों का इस्तेमाल उनकी अनमुति के बिना नहीं किया जा सकेगा। खासतौर से कमर्शियल मकसद के लिए ऐसा करने वालों को सावधान रहना होगा। मद्रास हाई कोर्ट ने एक्टर कमल हासन के नाम और तस्वीरों के कमर्शियल इस्तेमाल पर अस्थायी रोक लगा दी है।

एक्टर कमल हासन ने कोर्ट में एक सिविल केस दायर किया था, जिसमें कहा गया था कि चेन्नई की एक फर्म 'नीये विदई' बिना उनकी इजाजत के उनकी फोटो, नाम, टाइटल 'उलगनायगन' और उनके मशहूर डायलॉग का इस्तेमाल करके टी-शर्ट और शर्ट बेच रही है। यह मामला जब जस्टिस सेंथिलकुमार राममूर्ति के सामने आया, तो एक्टर की तरफ से सीनियर वकील सतीश पारसरन और एडवोकेट विजयन सुब्रमण्यम ने पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए दलील दी। उन्होंने किसी भी संस्था को एक्टर की सहमति के बिना उनके नाम, तस्वीर, टाइटल या डायलॉग का इस्तेमाल करने से रोकने की गुजारिश की।

अगली सुनवाई फरवरी में होगी

कमल हासन के वकील की तरफ से पेश की गईं इन दलीलों को मानते हुए जज ने कमल हासन के नाम और पहचान के बिना इजाजत के कमर्शियल इस्तेमाल के खिलाफ अंतरिम रोक लगा दी।

कोर्ट ने 'नीये विदई' को काउंटर-एफिडेविट दाखिल करने का निर्देश दिया और सुनवाई फरवरी तक के लिए टाल दी।

खास बात यह है कि जज ने आदेश में साफ किया कि कार्टून में एक्टर की फोटो के इस्तेमाल पर कोई रोक नहीं है। दरअसल, याचिका में किसी भी बिना इजाजत वाली तीसरी पार्टी को उनके नाम या फोटो का इस्तेमाल करने से रोकने की मांग की गई थी, इसलिए कोर्ट ने वादी को इस न्यायिक आदेश के बारे में तमिल और अंग्रेजी दोनों अखबारों में विज्ञापन प्रकाशित करने का निर्देश दिया।

'हैप्पी पटेल : खतरनाक जासूस' में रूपा का किरदार निभाना रहा मुश्किलः मिथिला पालकर

'त्रिभंगा', 'कारवां' और 'चॉपस्टिक' जैसी फिल्मों में काम करने वाली अभिनेत्री मिथिला पालकर के हाथ बड़ा प्रोजेक्ट लगा है। अब मिथिला वीर दास और आमिर खान के साथ काम कर खुद को लकी महसूस कर रही हैं। अभिनेत्री मिथिला पालकर ने फिल्म से जुड़े अनुभव शेयर किए और ये भी बताया कि आमिर खान के साथ काम करना कैसा लगा। 'हैप्पी पटेलः खतरनाक जासूस' में मिथिला पालकर ने महत्वपूर्ण रोल प्ले किया है। फिल्म को 'हां' करने के सवाल पर अभिनेत्री ने कहा कि न करने का सवाल ही पैदा नहीं होता है क्योंकि ये मेरे करियर की पहली कॉमेडी फिल्म है और फिल्म से इतने बड़े लोग जुड़े हैं, जिन्होंने अपने करियर में कमाल किया है। फिल्म आमिर खान के प्रोडक्शन में बन रही है और मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है।

फिल्म 'हैप्पी पटेलः खतरनाक जासूस' में अपने किरदार पर बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि फिल्म मेरे लिए भी बहुत अलग है। फिल्म में मेरा बोलने का तरीका, चलने का तरीका बिल्कुल अलग है। इस फिल्म के लिए मुझे खुद को अलग नजरिए से परखने का मौका मिला है।

फिल्म में मिथिला ने रूपा नाम की बोल्ड और बिंदास लड़की का रोल प्ले किया है। सेट पर शूटिंग के समय मिथिला को कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ा क्योंकि कॉमेडी उनके लिए नया जॉनर है।

उन्होंने कहा कि रूपा का किरदार निभाना मुश्किल रहा क्योंकि रूपा बोल्ड और बिंदास है, उसकी अलग दुनिया है और शूटिंग के दौरान अपशब्दों से भरे वाले डायलॉग्स मुश्किल रहे। सबसे ज्यादा मुश्किल था वीर को थप्पड़ मारना, क्योंकि रूपा एक ऐसा किरदार है जिसके अंदर गिल्ट नहीं है।

उन्होंने आगे बताया कि सेट पर वीर को थप्पड़ मारना था और गिल्ट भी महसूस नहीं करना था। चेहरे के एक्सप्रेशन बदलने भी काफी मुश्किल थे क्योंकि सीन कॉमेडी से भरे थे। लेकिन, वीर ने काफी मदद की थी। उन्होंने कहा था कि तुम सब अपनी लाइनों के साथ खेलो, कॉमेडी खुद-बा-खुद आ जाएगी।

आमिर खान प्रोडक्शन में बनी फिल्म 'हैप्पी पटेलः खतरनाक जासूस' का ट्रेलर दिसंबर में रिलीज हो चुका है और फिल्म 16 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

डायबिटीज में बार-बार पेशाब क्यों आता है?

क्या है इसके पीछे की असली वजह

ब्लड शुगर हाई रहने या डायबिटीज की समस्या दुनियाभर में तेजी से बढ़ती जा रही है। कुछ दशकों पहले तक ये बीमारी ज्यादातर उम्रदराज लोगों में होती थी, हालांकि अब कम उम्र वाले यहां तक कि बच्चे भी इसका शिकार होते जा रहे हैं। जिन लोगों को डायबिटीज है उनमें शरीर के कई अंगों जैसे किडनी-लिवर, आंखों और तंत्रिकाओं के भी क्षति होने का खतरा बढ़ जाता है।

भारतीय आबादी में डायबिटीज की बीमारी जिस गति से बढ़ती जा रही है, उसे देखते हुए भारत को 'डायबिटीज कैपिटल' कहा जाने लगा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, इस रोग के लक्षणों को लेकर सभी लोगों को गंभीरता से ध्यान देते रहना चाहिए। अगर समय रहते इसकी पहचान कर ली जाए और इलाज शुरू हो जाए तो कई जटिलताओं से बचाव किया जा सकता है।

डायबिटीज रोगियों को बार-बार पेशाब आने की दिक्कत होती है, टाइप-1 और टाइप-2 दोनों तरह की डायबिटीज में ये समस्या देखी जाती है। पर इसका कारण क्या है? आइए इस बारे में विस्तार से समझते हैं।

पहले डायबिटीज के लक्षणों को जान लीजिए?

जिन लोगों का शुगर लेवल, विशेषकर HBA1C लेवल अक्सर बढ़ा रहता है, उन्हें अलर्ट हो जाना चाहिए। इसके अलावा बार-बार प्यास लगना, अक्सर थकान रहना, वजन कम या ज्यादा होना और बार-बार पेशाब आना संकेत हो सकता है कि आप डायबिटीज का शिकार हो गए हैं।

इसके अलावा यदि आपके परिवार में किसी करीबी रिश्तेदार जैसे माता-पिता या भाई-बहन को डायबिटीज है तो पहले से ही सावधान हो जाइए और डॉक्टर की सलाह ले लें ताकि आप अपने जोखिमों को कम कर सकें।

डायबिटीज में बार-बार पेशाब आने की समस्या

डायबिटीज के मरीजों को बार-बार पेशाब आता रहता है, आइए जानते हैं इसके पीछे क्या कारण हैं?

डायबिटीज की स्थिति में जब खून में ग्लूकोज की मात्रा बढ़ जाती है, तो ये किडनी की क्षमता प्रभावित करने लगती है।

शरीर अतिरिक्त शुगर को बाहर निकालने की कोशिश करता है, जिसके लिए ज्यादा मात्रा में पेशाब बनता है।

यही कारण है कि डायबिटीज के मरीजों को दिन और रात दोनों समय बार-बार टॉयलेट जाना पड़ता है।

इन कारणों को भी जानिए

डायबिटीज के मरीजों को बार-बार पेशाब आने की वजह से शरीर में पानी की कमी होने लगती है। इस कमी को पूरा करने के लिए दिमाग ज्यादा प्यास का संकेत देता है। ज्यादा पानी पीने से फिर पेशाब बढ़ता है।

ब्लड शुगर कंट्रोल में न रहने पर किडनी लगातार काम करती रहती है। इसी वजह से रात के समय भी पेशाब बनने की प्रक्रिया तेज रहती है, जिससे नींद में बार-बार खलल पड़ता है।

डायबिटीज की जांच जरूरी

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, डायबिटीज की बीमारी शरीर में चुपके से बढ़ती जाती है, शुरुआत में इसको पहचान पाना भी कठिन होता है। अगर समय रहते कुछ जांच करा लिए जाएं तो इससे बहुत आसानी से स्पष्ट हो सकता है कि आपको डायबिटीज है या नहीं? या फिर इसका खतरा तो नहीं है?

फास्टिंग ब्लड शुगर टेस्ट, पोस्ट प्रांडियल ब्लड शुगर टेस्ट और HbA1c टेस्ट से शरीर में शुगर की स्थिति का सही आकलन होता है।

बच्चों की संगत को लेकर हैं परेशान तो रखें इन बातों का ध्यान

अक्सर यह देखा गया है कि हर बच्चे के माता-पिता इस बात से परेशान नजर आते हैं कि कहीं उनका बच्चा किसी गलत संगत का शिकार न हो जाए। विशेष रूप से स्कूली शिक्षा के दौरान हर माता-पिता की यह परेशानी या यह सोच गलत नहीं होती है। स्कूली शिक्षा के दौरान ही बच्चों की मित्रता अन्य बच्चों से होती है, यहीं से बच्चों की संगत सामने आने लगती है। इस दौरान यदि बच्चा गलत संगत में पड़ गया है तो इसका बुरा प्रभाव जीवनभर रहता है। बच्चों की संगत का असर उनके व्यक्तित्व और व्यवहार में दिखने लगता है। इसके लिए बच्चों से नजदीकी बढ़ाते हुए उनकी हरकतों पर नजर रखने की जरूरत होती है। बच्चे की संगत का अंदाजा लगने पर आप उन्हें बुरी संगत की चपेट में आने से भी बचा सकते हैं। आज हम अपने खास खबर डॉट कॉम के पाठकों को यह बताने जा रहे हैं कि किस तरह बच्चों को बुरी संगत में जाने से बचाने से बचाया जा सकता है।

बच्चे की गलत संगत

बच्चे को गलत संगत से बचाने के लिए आपको उसके दोस्तों के बारे में जानकारी जरूर होनी चाहिए। इसलिए आप इस बात का ध्यान जरूर रखें कि आपका बच्चा कैसे लोगों के साथ दोस्ती रखता है। उसके दोस्त कैसे हैं। इसकी जानकारी होने पर उसके गलत संगत में जाने का खतरा कम होगा और आप उसे आसानी से गलत संगत में जाने से बचा सकते हैं। बच्चे के दोस्तों को करीब से जानने के लिए आप घर में किड्स पार्टी रख सकती हैं। बर्थडे के अलावा आप आईसक्रीम पार्टी आर्गेनाइज करें। इससे आप बच्चे के हर दोस्त से रूबरू होंगी और आप हर दोस्त के बारे में करीब से जान पाएंगी।

बहुत ज्यादा सख्ती से पेश न आएं

जो बच्चे ज्यादा इमोशनल होते हैं उनके साथ सख्ती से पेश न आएं। ऐसे बच्चों से आपको नर्मी बरतनी होगी। जो बच्चे ज्यादा इमोशनल होते हैं वो ज्यादा समझदार भी होते हैं, आप उन्हें कोई बात प्यार से समझाएंगे तो वो आसानी से समझ पाएंगे वहीं अगर आप सख्ती दिखाएंगे तो बात बिगड़ सकती है। बहुत ज्यादा इमोशनल बच्चे सख्ती से पेश आने की वजह से और ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं।

बन जाएं बच्चों के दोस्त

यूं तो हर बच्चा घर से बाहर दूसरे बच्चों से दोस्ती करता ही है। लेकिन जिन बच्चों के पैरेंट्स जरूरत से ज्यादा बिजी रहते हैं या फिर वह बच्चों की तरफ बिल्कुल भी ध्यान नहीं देते, ऐसे बच्चे अक्सर खुद को अकेला महसूस करते हैं और वह अकेलापन दूर करने के लिए बाहर की दुनिया की तरफ ज्यादा भागते हैं। इसलिए बच्चे को गलत संगत में जाने से रोकने का सबसे अच्छा तरीका है कि पहले आप ही उनकी दोस्त बन जाएं। इससे कई लाभ होंगे। सबसे पहले तो उन्हें बाहर दोस्त बनाने की जरूरत महसूस नहीं होगी और उनके दोस्त बेहद सीमित होंगे।

बच्चों को पर्याप्त समय दें

बच्चों को बुरी संगत से बचाने के लिए उन्हें पर्याप्त समय जरूर देना चाहिए। अगर आप अपने बच्चे को पर्याप्त समय देते हैं तो इससे आपकी और बच्चे के बीच बॉन्डिंग अच्छी होगी। ऐसा करने से बच्चा आसानी से अपने दिल की बात आपसे करेगा और उसे किसी भी तरह की परेशानी होने पर आप उसकी मदद भी कर पाएँगे। ऐसा करने से आपका बच्चा बुरी संगत करने से भी बचेगा।

हर पुरुष अपनी पत्नी में चाहता है ये पांच खूबियां, क्या आप में भी हैं?

पुरुषों को लेकर एक सबसे बड़ा भ्रम ये फैला हुआ है कि वह सिर्फ बाहरी सुंदरता से प्रभावित होते हैं। लोगों का मानना है कि एक मर्द शादी के लिए सिर्फ खूबसूरत पत्नी चाहता है। लेकिन सच यह है कि खूबसूरती पहली नजर तक साथ देती है, जिंदगी भर नहीं।

शादी के बाद जब रिश्ता आगे बढ़ता है तो पुरुष अपनी पत्नी में उन गुणों को तलाशने लगते हैं जो घर, मन और जीवन तीनों को संभाल सकें। शादी के बाहर हर मर्द अपनी पत्नी में सुंदरता नहीं, पांच खूबियों की तलाश में रहते हैं। महिलाओं के यही गुण रिश्ते की जमीनी हकीकत बनते हैं। यहां महिलाओं के उन्हीं गुणों के बारे में बताया जा रहा है, जो पुरुषों को अपनी पत्नी में चाहिए होते हैं, लेकिन वह कहते नहीं।

भावनात्मक समझ और सुनने की क्षमता

पुरुष भले ही भावनाएं खुलकर न जताएं, लेकिन उन्हें ऐसा साथी चाहिए जो बिना जज किए सुन सके। वह चाहते हैं कि उनकी पत्नी बिना कहे, उनकी भावनाओं को समझें और समर्थन दे। एक अच्छी श्रोता पत्नी हर पति चाहता है। एक समझदार पत्नी पुरुष को सुरक्षित महसूस कराती है और यही रिश्ता गहरा करता है।

सम्मान, न कि नियंत्रण

पुरुष उस महिला से दूर भागता है जो उसे कंट्रोल करना चाहती है, लेकिन उस महिला के लिए सब कुछ करता है जो उसका सम्मान करती है। सम्मान पुरुष के आत्मसम्मान की रीढ़ होता है। सम्मान का मतलब है, उसके फैसलों को नीचा न दिखाएं, दूसरों के सामने अपमान न करे और उसकी कोशिशों को पहचान दे।

भरोसा और मानसिक शांति

लगातार शक, तुलना और रोक-टोक किसी भी रिश्ते को अंदर से खोखला कर देती है। पति चाहते हैं कि उनकी पत्नी ऐसी हो जो रिश्ते में भरोसे का माहौल बनाए रखे। जिसके सामने बिना डर के बात कहने की आज़ादी हो और जो घर में सुकून बनाए रखें। क्योंकि जहां शांति होती है, वहीं पुरुष टिकता है।

मुश्किल वक्त में साथ खड़ा होना

अच्छे दिन सबके होते हैं, लेकिन पुरुष अपनी पत्नी को तब पहचानता है जब हालात खिलाफ हों। असल साथी वही है जो असफलता में ताना न दे और कमज़ोरी को हथियार न बनाए, बल्कि चुपचाप कंधा दे। यह गुण सुंदर चेहरे से कहीं बड़ा होता है।

आत्मसम्मान और अपनी पहचान

पुरुष ऐसी पत्नी चाहता है जो सिर्फ उसकी पत्नी बनकर न रहे, बल्कि अपनी सोच, राय और पहचान भी रखे। महिला की आत्मनिर्भर सोच और आत्मविश्वास से पुरुष प्रभावित होते हैं क्योंकि एक मजबूत महिला ही मजबूत रिश्ता बना सकती है।

हैदराबाद में शोर-शराबे से दूर सुकून का नया ठिकाना है फॉक्स सागर झील

अगर आप शहर की भाग-दौड़ और शोर-शराबे से दूर, कुछ सुकून भरे पल बिताना चाहते हैं, तो हैदराबाद की फॉक्स सागर झील आपके लिए एक आदर्श जगह है. कोमपल्ली के पास स्थित यह झील अपनी शांति, ठंडी हवाओं और पक्षियों की चहचहाहट के लिए प्रसिद्ध है. यहां आप नाव की सैर का आनंद ले सकते हैं, बर्ड वॉचिंग कर सकते हैं और फैमिली पिकनिक या मॉर्निंग वॉक का मज़ा ले सकते हैं. इतिहास में सदी पुरानी, इस झील का हर कोना प्राकृतिक सुंदरता और विरासत का अनूठा संगम प्रस्तुत करता है.

हैदराबाद की फॉक्स सागर झील आपके लिए एक बेहतरीन डेस्टिनेशन हो सकती है. कोमपल्ली के पास स्थित यह झील अपनी शांति और ठंडी हवाओं के लिए इन दिनों पर्यटकों की पहली पसंद बन गई है.

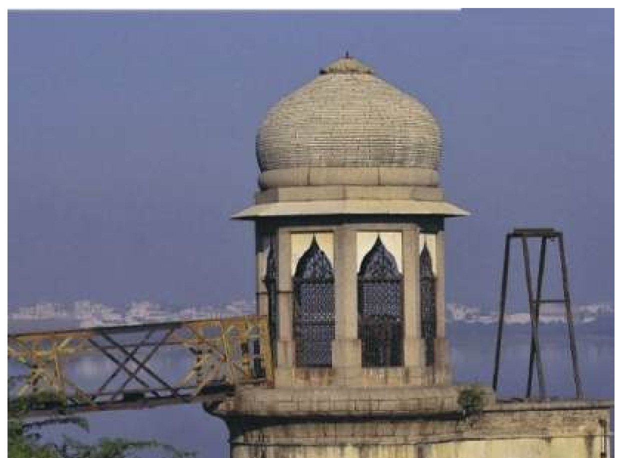

स्थानीय मछुआरे गोविंद के अनुसार यह झील कोई नई पिकनिक स्पॉट नहीं है, बल्कि इसका इतिहास सदी भर पुराना है. इसे "कोट्टा चेरुवु" के नाम से भी जाना जाता है. कभी 490 एकड़ में फैली यह झील, जो शहर की पांचवीं सबसे बड़ी झील थी, वर्तमान में लगभग 120 एकड़ में सिमट गई है. झील के बीचों-बीच बना एक पुराना पंप हाउस इस विरासत संरचना की खूबसूरती में चार चांद लगाता है.

क्यों खास है फॉक्स सागर झील?

पिकनिक के शौकीनों के लिए यह जगह किसी वरदान से कम नहीं है. बर्ड वॉचिंग और फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए यह स्वर्ग जैसी जगह है. यहां आप विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों को चहचहाते हुए करीब से देख सकते हैं. स्थानीय निवासी आसिफ बताते हैं कि पर्यटक यहां मछुआरों की नाव में बैठकर कम खर्च में झील की सैर का आनंद ले सकते हैं. शहर के करीब होने के बावजूद यहाँ भीड़भाड़ कम रहती है, जिससे यह फैमिली पिकनिक और मॉर्निंग वॉक के लिए एक आदर्श स्थान बन जाता है.

कैसे पहुँचें?

फॉक्स सागर झील तक पहुंचना बेहद आसान है, यह सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन और त्रिमुल्गेरी से मात्र 10 किमी की दूरी पर स्थित है. सुचित्रा जंक्शन को पार करने के बाद NH-44 पर बाईं ओर थोड़ी ही दूरी पर यह झील स्थित है. यहां आप बस, टैक्सी या निजी वाहन से आसानी से पहुंच सकते हैं. अगर आप भी इस वीकेंड किसी शांत और सुंदर जगह जाने का मन बना रहे हैं, तो फॉक्स सागर झील की ठंडी हवाएं आपका स्वागत करने के लिए तैयार हैं.

दमकती हुई त्वचा का राज

क्या आप भी दमकती हुई त्वचा पाना चाहते हैं? अगर हां, तो इस पेस पैक को यूज करना शुरू कर दीजिए। महज कुछ ही हफ्तों के अंदर लोग आपसे आपकी ग्लोइंग स्किन का राज पूछने लग जाएंगे। इस फेस पैक को आसानी से घर पर बनाया जा सकता है। हम बात कर रहे हैं मिल्क फेस पैक की, जो आपकी त्वचा की सेहत के लिए वरदान साबित हो सकता है। आइए इस फेस पैक की रेसिपी और इसे लगाने से मिलने वाले फायदों के बारे में जानकारी हासिल करते हैं।

कैसे बनाएं फेस पैक- सबसे पहले एक कटोरी में एक से दो स्पून दूध निकाल लीजिए। अब इसी कटोरी में एक स्पून शहद भी निकाल लीजिए। आपको इन दोनों नेचुरल चीजों को अच्छी तरह से मिक्स करके एक स्मूद पेस्ट तैयार कर लेना है। आप औषधीय गुणों से भरपूर इस फेस पैक को अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल कर सकते हैं और दमकती हुई त्वचा पा सकते हैं।

इस्तेमाल करने का तरीका- आपको इस फेस पैक को अपने पूरे चेहरे पर और गर्दन वाले हिस्से पर अप्लाई कर लेना है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए लगभग 15 से 20 मिनट तक इस

केमिकल फ्री फेस पैक को लगाए रखिए। आप 20 मिनट के बाद फेस वॉश कर सकते हैं। मुंह धोने के लिए गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। हालांकि, इस फेस पैक को अपने पूरे चेहरे पर अप्लाई करने से पहले आपको पैच टेस्ट करना नहीं भूलना चाहिए।

मिलेंगे फायदे ही फायदे- दूध और शहद का मिक्सचर त्वचा पर मौजूद डेड सेल्स को रिमूव कर त्वचा के निखार को बढ़ाने में मददगार साबित हो सकता है। इस फेस पैक की मदद से आपकी स्किन तो ग्लो करेगी ही लेकिन साथ ही आपको पिगमेंटेशन और मुंहासों की समस्या से भी छुटकारा मिल जाएगा। इसके अलावा त्वचा को सॉफ्ट बनाए रखने के लिए भी एक हफ्ते में एक से दो बार इस फेस पैक को यूज किया जा सकता है।

फैटी लिवर वालों को नाश्ते में क्या खाना चाहिए

भारत में तेजी से बढ़ने वाली बीमारियों की लिस्ट में फैटी लिवर शामिल है। फैटी लिवर का मतलब है कि लिवर में जरूरत से ज्यादा फैट जमा हो जाना, जब लिवर फैट से भर जाता है तो ये फैट खून के जरिए शरीर के दूसरे अंगों तक पहुंचने लगता है। जिससे ब्लड क्लॉटिंग का खतरा बढ़ जाता है। फैटी लिवर लिवर के फंक्शन को तो खराब करता ही है साथ ही हार्ट अटैक और स्ट्रोक के खतरे को भी जन्म देता है। इसलिए फैटी लिवर को हल्की बीमारी न समझें। इसके लिए आपको अपनी लाइफस्टाइल और डाइट में कुछ बदलाव जरूर करने चाहिए। फैटी लिवर वालों को नाश्ते में कुछ ऐसी चीजों को शामिल करने चाहिए जिससे लिवर में जमा फैट कम हो और शरीर भी फिट रहे। जान लें फैटी लिवर में नाश्ते में क्या खाना चाहिए?

फैटी लिवर में नाश्ते में क्या खाना चाहिए?

ओट्स- फैटी लिवर के मरीज को नाश्ते में फाइबर से भरपूर ओट्स जरूर शामिल करना चाहिए। जौ से बना ओट्स फैटी लिवर को ठीक करने और लिवर की सफाई में मदद करता है। ओट्स खाने से आपका वजन भी कम होता है और इससे लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस होता है।

फल- फैटी लिवर के मरीज को रोजाना सुबह 1 सेब जरूर खाना चाहिए। सेब में ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो लिवर की सेहत में सुधार लाते हैं। फैटी लिवर के मरीज को दिनभर में 2 सेब जरूर खाने चाहिए। आप चाहें तो सिर्फ नाश्ते में 2 सेब खा सकते हैं या पूरे दिन में खा सकते हैं। इसके अलावा पपीता और बेरीज भी डाइट में शामिल करें। फों में पाएं जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट लिवर को डिटॉक्स करने में मदद करते हैं।

ड्राई फ्रूट्स- जिन लोगों को फैटी लिवर या लिवर से जुड़ी समस्या है उन्हें रोजाना कुछ बीज और ड्राई फ्रूट्स अपने नाश्ते में जरूर शामिल करने चाहिए। सुबह भीगे हुए बादाम और अखरोट खाना हेल्दी माना जाता है। इससे लिवर की सेहत में सुधार आता है। नट्स में पाए जाने वाले हेल्दी फैट्स शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।

ग्रीन टी और कॉफी- फैटी लिवर वालों को लिए ग्रीन टी और कॉफी को काफी अच्छा माना जाता है। आप नाश्ते के बाद या नाश्ते का साथ ब्लैक कॉफी ले सकते हैं। ग्रीन टी भी एक अच्छा ऑप्शन है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो लिवर की सूजन को कम करने में मदद करते हैं। ब्लैक कॉफी भी फैटी लिवर को ठीक करती है।

दलिया, जैकफ्रूट आटा- फैटी लिवर के रोगियों को नाश्ते में दलिया, और जैकफ्रूट आटा से बनी चीजें खानी चाहिए। मोटा अनाज फैटी लिवर के लिए अच्छा माना जाता है। कोशिश करें सुबह तेल और मैदा वाली चीजों से दूर रहें। इसके अलावा क्विनुआ भी फैटी लिवर के मरीज के लिए फायदेमंद होता है ।

बालों पर लगाएं प्याज का रस बंद हो जाएगा हेयर फॉल

अगर आपने हेयर फॉल प्रॉब्लम को समय रहते ट्रीट नहीं किया, तो आप कम उम्र में ही गंजेपन का शिकार बन सकते हैं। खराब लाइफस्टाइल, अनहेल्दी डाइट प्लान, तनाव समेत कई फैक्टर्स हेयर फॉल प्रॉब्लम का कारण बन सकते हैं। आज हम आपको एक ऐसे घरेलू उपाय के बारे में बताएंगे, जिसे रेगुलरली फॉलो करके न केवल आप बाल झड़ने की समस्या को अलविदा कह पाएंगे बल्कि अपनी हेयर हेल्थ को भी काफी हद तक सुधार पाएंगे।

प्याज का रस- सबसे पहले आपको प्याज को छीलकर अच्छी तरह से धो लेना है। अब आपको प्याज को कद्दूकस कर इसके रस को एक कटोरी में निकाल लेना है। आपको प्याज के रस को अपने बालों में लगाने के बाद हल्के हाथों से मालिश करनी है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए लगभग आधे घंटे तक प्याज के रस को लगाए रखिए। इसके बाद आप हेयर वॉश कर सकते हैं।

दूर होगी हेयर फॉल प्रॉब्लम- अगर आप हेयर फॉल प्रॉब्लम से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो प्याज के रस का इस्तेमाल करना शुरू कर सकते हैं। प्याज के रस में मौजूद तत्व बालों को पोषण देकर उन्हें मजबूत बनाने में कारगर साबित हो सकते हैं। इसके अलावा सिल्की और शाइनी बालों के लिए भी प्याज के रस को हेयर केयर रूटीन में शामिल किया जा सकता है।

बालों के लिए वरदान- औषधीय गुणों से भरपूर प्याज का रस न केवल आपके बालों के लिए बल्कि आपकी स्कैल्प के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि प्याज का रस बालों के रूखेपन को दूर करने में भी असरदार साबित हो सकता है। हालांकि, प्याज के रस को अपने हेयर केयर रूटीन में शामिल करने से पहले आपको एक छोटी सी जगह पर पैच टेस्ट जरूर कर लेना चाहिए।

सेंसेक्स 245 अंक गिरकर 83,383 पर बंद
निफ्टी भी 67 अंक लुढ़का

ऑटो और आईटी शेयर्स में बिकवाली रही

मुंबई, 14 जनवरी (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी 14 जनवरी को गिरावट रही। सेंसेक्स 245 अंक की गिरावट के साथ 83,383 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 67 अंक की गिरावट रही। ये 25,666 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 में गिरावट और 12 में बढ़त रही। आज ऑटो, एफएमसीजी और आईटी शेयर में बिकवाली देखने को मिली। वहीं मेटल और सरकारी बैंकों के शेयर्स में बढ़त रही। एशियाई बाजारों में कोरिया का कोस्पी 0.65% ऊपर 4,723 पर और जापान का निक्केई इंडेक्स 1.48% ऊपर 54,341 पर बंद हुआ। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.56% ऊपर 26,999 पर और चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.31% नीचे 4,126 पर बंद हुआ।

धरा रह गया ट्रंप का टैरिफ!

चीन ने बनाया एक्सपोर्ट का रेकॉर्ड, ट्रेड सरप्लस पहली बार 1 ट्रिलियन के पार

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। चीन का ट्रेड सरप्लस पहली बार 1 ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंच गया है। बुधवार को जारी आधिकारिक आंकडों के मुताबिक बीते साल यानी 2025 में लगभग 1.2 ट्रिलियन डॉलर रहा जो पिछले साल की तुलना में 20% अधिक है। इस दौरान टैरिफ के कारण अमेरिका को चीन का एक्सपोर्ट कम हुआ लेकिन दूसरे देशों को बढ़ गया। चीन का निर्यात में 2024 की तुलना में 5.5% बढ़कर 3.77 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया। वहीं, आयात 2.58 ट्रिलियन डॉलर पर स्थिर रहा। साल 2024 में चीन का ट्रेड सरप्लस 992 अरब डॉलर था।

दिसंबर 2025 में चीन के निर्यात में पिछले वर्ष की तुलना में 6.6% की बढ़ोतरी हुई। यह अर्थशास्त्रियों के अनुमानों से बेहतर था। आयात में भी 5.7% की वृद्धि देखी गई। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले साल चीन पर भारी टैरिफ लगाया था। इससे अमेरिका को निर्यात में भारी गिरावट आई। लेकिन चीन ने दक्षिण अमेरिका, दक्षिण पूर्व एशिया, अफ्रीका और यूरोप जैसे अन्य बाजारों को निर्यात बढ़ाकर इसकी भरपाई कर ली।

कैसे बढ़ा निर्यात?

2025 में चीन का अमेरिका को निर्यात 20% गिर गया लेकिन अफ्रीका को निर्यात में 26% की वृद्धि हुई। इसी तरह दक्षिण पूर्व एशियाई देशों को चीन का निर्यात 13%, यूरोपीय संघ को 8% और लैटिन अमेरिका को 7% बढ़ गया। कंप्यूटर चिप्स और अन्य उपकरणों की मजबूत वैश्विक मांग ने चीन के निर्यात को बढ़ावा दिया। इसके अलावा कार निर्यात में भी पिछले साल वृद्धि देखी गई। जानकारों का कहना है कि इस साल चीन के निर्यात में करीब 3 फीसदी बढ़ोतरी होगी।

बाजार खुलते ही 13,000 रुपये उछली चांदी, सोने में भी तेजी

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। चांदी की कीमत में आज एक बार फिर काफी तेजी आई और नए रेकॉर्ड पर पहुंच गई। एमसीएक्स पर चांदी के मार्च वायदा में 4% से ज्यादा की तेजी देखी गई।

चांदी करीब 13,000 रुपये बढ़कर 2,87,990 प्रति किलोग्राम के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई। पिछले सत्र में चांदी 2,75,187 रुपये पर बंद हुई थी और आज 2,81,698 रुपये पर खुली। शुरुआती कारोबार में यह 2,80,555 रुपये तक लो और 2,87,990 रुपये तक हाई गई। सुबह 10.20 बजे यह 11,193.00 रुपये की तेजी के साथ 2,86,380 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। सोने की कीमत में भी करीब 900 रुपये की तेजी आई है।

थोक महंगाई 8 महीने में सबसे ज्यादा

दिसंबर में खाने-पीने की चीजें महंगी होने से 0.83% पर पहुंची, नवंबर में माइनस 0.32% पर थी

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। दिसंबर में थोक महंगाई (डब्ल्यूपीआई) बढ़कर 0.83% पर पहुंच गई है। ये 8 महीनों का हाई लेवल है। खाने-पीने की चीजें महंगी होने से महंगाई बढ़ी है। इससे पहले नवंबर में ये माइनस 0.32% पर थी। वहीं अक्टूबर में ये माइनस 1.21% पर आ गई थी। कॉमर्स मिनिस्ट्री ने आज यानी 14 दिसंबर को थोक महंगाई के आंकड़े जारी किए हैं। रोजाना जरूरत के सामान, खाने-पीने की चीजें महंगी हुईं रोजाना की जरूरत वाले सामानों (प्राइमरी आर्टिकल्स) की महंगाई माइनस 2.93% से बढ़कर 0.21% हो गई। खाने-पीने की चीजों (फूड इंडेक्स) की महंगाई माइनस 2.60% से बढ़कर 0% हो गई। फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर माइनस 2.27% से घटकर माइनस 2.31% रही। मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर 1.33% से बढ़कर 1.82% रही।

होलसेल महंगाई के तीन हिस्से

प्राइमरी आर्टिकल, जिसका वेटेज 22.62% है। फ्यूल एंड पावर का वेटेज 13.15% और मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट का वेटेज सबसे ज्यादा 64.23% है। प्राइमरी आर्टिकल के भी चार हिस्से हैं।

डब्ल्यूपीआई में ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है। महंगाई मापने के लिए अलग-अलग आइटम्स को शामिल किया जाता है। जैसे थोक महंगाई में मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की हिस्सेदारी 63.75%, प्राइमरी आर्टिकल जैसे फूड 22.62% और फ्यूल एंड पावर 13.15% होती है। वहीं, रिटेल महंगाई में फूड और प्रोडक्ट की भागीदारी 45.86%, हाउसिंग की 10.07% और फ्यूल सहित अन्य आइटम्स की भी भागीदारी होती है।

नवंबर में रिटेल महंगाई बढ़कर 1.33% हुई

दिसंबर में रिटेल महंगाई पिछले महीने के मुकाबले बढ़कर 1.33% के स्तर पर पहुंच गई है। ये तीन महीनों का हाई लेवल है। इससे पहले नवंबर में ये 0.71% पर थी। वहीं अक्टूबर में ये 0.25% पर थी, जो 14 साल में सबसे कम स्तर था। थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है।

अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए डब्ल्यूपीआई को कंट्रोल कर सकती है। जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है।

रेलवन एप से जनरल टिकट पर आज से 3% डिस्काउंट

नई स्कीम 6 महीने के लिए लागू; आर-वॉलेट से पेमेंट करने पर 6% की छूट

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। रेलवन एप के जरिए अनरिजर्व्ड (जनरल) टिकट बुक करके यूपीआई, क्रेडिट, डेबिट कार्ड या नेट बैंकिंग से पेमेंट करने पर आज से 3% डिस्काउंट मिलेगा। इसके अलावा रेलवन एप से टिकट बुक करके अगर पमेंट आर-वॉलेट से किया तो दुगना फायदा मिलेगा।

क्योंकि इससे जनरल टिकट बुक करने पर 3% छूट पहले से दी जा रही थी। इसे आज से बढ़ाकर 6% कर दिया गया है। यह ऑफर 14 जुलाई 2026 तक यानी 6 महीने के लिए लागू रहेगा। भारतीय रेलवे ने 30 दिसंबर को जनरल टिकट पर डिस्काउंट देने का ऐलान किया था।

किसी अन्य प्लेटफॉर्म पर नहीं मिलेगी यह छूट

रेलवे अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि 3% डिस्काउंट का यह ऑफर केवल रेलवन एप पर ही उपलब्ध होगा।

यदि यात्री किसी अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म या वेबसाइट से जनरल टिकट बुक करते हैं, तो उन्हें डिस्काउंट नहीं मिलेगा। इसका उद्देश्य यात्रियों को रेलवे के आधिकारिक एप की ओर शिफ्ट करना है ताकि स्टेशनों पर टिकट काउंटरों पर लगने वाली भीड़ को कम किया जा सके।

इंडिगो पर होगा तगड़ा एक्शन 10 करोड़ की लगेगी पेनाल्टी!

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। पिछले साल दिसंबर के पहले सप्ताह में कैंसल और डिले हुई इंडिगो की हजारों फ्लाइटों के मामले में एविएशन रेगुलेटर डीजीसीए की कॉन्फिडेंशियल जांच रिपोर्ट नागर विमानन मंत्रालय के सचिव समीर कुमार सिन्हा की टेबल तक पहुंच गई है। सूत्रों का कहना है कि यह रिपोर्ट 66 पेज की है, जिसकी जांच कर अब डीजीसीए के अलावा मंत्रालय स्तर पर भी एक्शन टेकन रिपोर्ट तैयार की जाएगी, ताकि इंडिगो सिस्टम के लड़खड़ाने से हुई लाखों यात्रियों की परेशानी पर एक्शन लिया जा सके। जानकारों का कहना है कि इंडिगो क्राइसिस मामले में कंपनी के कुछ अधिकारियों पर गाज गिर सकती है।

भारत टैक्सी एप सेवा में 30 प्रतिशत कम किराया!

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। इस महीने की शुरुआत में केन्द्र की सहकारी सर्विस 'भारत टैक्सी एप' की सेवा शुरू की गई है. सबसे खास बात ये है कि रैपिडो-ओला और उबर ने जहां ड्राइवर्स की कमाई को 20 से 30 प्रतिशत तक अपना कमीशन लेकर उनकी कमाई को कम किया है तो वहीं इसके मुकाबले भारत टैक्सी जैसे नए प्लेटफॉर्म जीरो कमीशन या फिर कम फीस वाले मॉडल पर काम कर रहा है. भारत टैक्सी के इस एप के आने से ड्राइवर्स की कमाई अब करीब 80-100 प्रतिशत तक यह सर्विस एप लौटा रहा है. यानी, भारत एप आने से सीधे तौर पर ड्राइवर्स को दो फायदे हुए हैं।

भारत को 'मिर्च' लगा रहा चीन, मसाला एक्सपोर्ट की रीढ़ पर कर रहा वार!

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय मसालों के दुनियाभर में तूती बोलती है। लेकिन अब उसकी बादशाहत को खतरा पैदा हो गया है। चीन दुनिया के मसाला बाजार से भारत को आउट करने की फिराक में है। चीन ने जीरे और मिर्च जैसे मसालों की खेती और निर्यात शुरू दिया है, जिनमें सदियों से भारत का दबदबा रहा है।

चीन इन मसालों को भारत से भी सस्ते दामों पर बेच रहा है। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक उद्योग से जुड़े लोगों का कहना है कि अगर यही स्थिति रही तो दुनिया के सबसे बड़े मसाला निर्यातक के तौर पर भारत को चुनौती मिल सकती है।

चीन भारत से जीरा और मिर्च खरीदकर उन्हें अपने यहां प्रोसेस कर करके तीसरे देशों को बेच रहा है। इसके बावजूद उसके मसाले सस्ते पड़ रहे हैं। बिग हाट के वाइस प्रेसिडेंट संदीप वोडेपल्ली ने कहा कि पिछले दो साल से चीन जीरे और मिर्च की खेती कर रहा है और कुछ बाजारों में भारत की जगह ले रहा है। मिर्च को भारत के मसाला निर्यात की रीढ़ माना जाता है। वॉल्यूम और वेल्यू के लिहाज से भारत के कुल मसाला निर्यात का एक चौथाई से ज्यादा हिस्सा मिर्च का होता है।

मिर्च का एक्सपोर्ट

2024-25 में भारत से मिर्च पाउडर का निर्यात पिछले साल के मुकाबले 35% बढ़कर 80.6 मिलियन किलो हो गया। वहीं, कुल मिर्च निर्यात 19% बढ़कर 700,000 टन से ज्यादा रहा। लेकिन इस दौरान निर्यात से होने वाली कमाई 11% कम हो गई। इससे साफ है कि कीमतों पर भारी दबाव है। 2023-24 में भी मिर्च का निर्यात 15% बढ़ा था। इस दौरान जीरा निर्यात में भी अच्छी खासी बढ़ोतरी हुई है। 2024-25 में जीरे का निर्यात पिछले साल के 165,269 टन से 39% बढ़कर 229,881 टन हो गया।

कारोबारियों का कहना है कि चीन दो तरह की मिर्च पर खास ध्यान दे रहा है। इनमें पैपरिका और तेजा शामिल हैं। पैपरिका का इस्तेमाल रंग और हल्के फ्लेवर के लिए होता है। मिर्च की तेजा किस्म काफी तीखी होती है। इसका यूज दर्द निवारक मलहम जैसी दवाओं में होता है।

गिर गया रकबा

बल्क एक्सपोर्टर प्रकाश अग्रवाल ने कहा, इस बदलाव का असर अगले दो सीजन में दिखने लगेगा। मौसम की मार और निर्यात बाजार में कम दाम की वजह से किसान खरीफ सीजन में मिर्च और जीरा की खेती करने से कतरा रहे हैं। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक जैसे मुख्य उत्पादक राज्यों में मिर्च की खेती का रकबा पिछले साल के मुकाबले करीब 35% कम हो गया है। वहीं, जीरे की खेती का रकबा 7-8% घटा है।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से कितने भारतीय परिवारों को मिला लाभ?

केंद्रीय मंत्री पुरी ने बताए आंकड़े

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोशल मीडिया के माध्यम से भारत की स्वच्छ स्वच्छ तरीके से खाना पकाने के पहल के सकारात्मक और व्यापक प्रभाव को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि इस योजना की असली सफलता केवल गैस कनेक्शन की संख्या में नहीं, बल्कि एलपीजी के नियमित उपयोग में छिपी है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स एक्स पर किए गए अपने पोस्ट में मंत्री ने बताया कि देश में इस समय एक विशाल राष्ट्रीय एलपीजी नेटवर्क संचालित हो रहा है, जिसके तहत करीब 33 करोड़ एलपीजी कनेक्शन मौजूद हैं।

प्रधानमंत्री उज्जवला योजना से कितने भारतयी परिवारों को मिला लाभ

उन्होंने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। इसके तहत 10.41 करोड़ परिवारों को एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। सरकार अब इस योजना के तहत 10.60 करोड़ कनेक्शनों के अपने लक्ष्य के करीब पहुंच रही है। मंत्री पुरी ने बताया कि उपभोक्ताओं के व्यवहार में आया बदलाव रिफिल के आंकड़ों से स्पष्ट है। पीएमयूवाई योजना के तहत अब तक लगभग 276 करोड़ परिवारों को एलपीजी रिफिल वितरित किए जा चुके हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में उज्ज्वला योजना के तहत आने वाले परिवारों को औसतन 13.6 लाख रिफिल प्रतिदिन वितरित किए जा रहे हैं। पूरे देश में प्रतिदिन 55 लाख से अधिक एलपीजी सिलेंडर वितरित किए जाते हैं।

प्रति परिवार 3 सिलेंडर से बढ़कर 4.85 हो गई आंकड़ों से पता चलता है कि औसत खपत में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो प्रति परिवार 3 सिलेंडर से बढ़कर 4.85 सिलेंडर हो गई है। मंत्री जी के अनुसार, यह रुझान साबित करता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह पहल 'व्यापक स्तर पर सम्मान प्रदान करने वाली दैनिक बुनियादी ढांचागत सुविधाएं' उपलब्ध करा रही है।

यह बदलाव लाखों भारतीय परिवारों के लिए पारंपरिक खाना पकाने के तरीकों से हटकर अधिक टिकाऊ, स्वस्थ और स्वच्छ खाना पकाने की प्रणाली की ओर एक स्पष्ट बदलाव का संकेत देता है।

पीएमयूवाई योजना की शुरुआत और उद्देश्य

मई 2016 में शुरू की गई पीएमयूवाई योजना का उद्देश्य देशभर के गरीब परिवारों की महिलाओं को बिना जमा राशि के एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराना है। पीएमयूवाई के सभी लाभार्थियों को बिना जमा राशि के एलपीजी कनेक्शन मिलता है, जिसमें सिलेंडर, प्रेशर रेगुलेटर, सुरक्षा पाइप, घरेलू गैस उपभोक्ता कार्ड (डीजीसीसी) पुस्तिका और इंस्टॉलेशन शुल्क के लिए सुरक्षा जमा राशि शामिल है। उज्ज्वला 2.0 की मौजूदा व्यवस्था के अनुसार, सभी लाभार्थियों को पहली बार ईंधन भरवाने और चूल्हा भी मुफ्त में दिया जाता है।

10 मिनट में डिलीवरी स्कीम खत्म होने से कंपनियों के मार्जिन पर होगा असर

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। ब्रोकरेज फर्म यूबीएस ने क्विक कॉमर्स सेक्टर को लेकर अपने ताजा आकलन में बड़ा संशोधन किया है। बुधवार को जारी रिपोर्ट में यूबएस ने जोमैटो और ब्लिंकिट की पैरेंट कंपनी इटरनल के क्विक कॉमर्स से जुड़े ईबीआईटीडीए मार्जिन अनुमानों में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 15-20 फीसदी की कटौती की है। वहीं स्विगी के क्विक कॉमर्स मार्जिन को भी 100-120 आधार अंकों को घटाया गया है। यह संशोधन ऐसे समय आया है, जब एक दिन पहले सरकार ने प्रमुख डिलीवरी एग्रीगेटर्स से अनिवार्य 10 मिनट डिलीवरी डेडलाइन हटाने को कहा था। यूबीएस का कहना है कि बढ़ती प्रतिस्पर्धा और प्लेटफॉर्म्स पर अधिक छूट के चलते क्विक कॉमर्स सेगमेंट में मार्जिन रिकवरी अब कुछ तिमाहियों तक टल सकती है। सहालांकि, यूबीएस ने यह भी स्पष्ट किया कि स्विगी के ग्रॉस ऑर्डर वैल्यू (जीओवी) और नेट ऑर्डर वैल्यू (एनओवी) के अनुमान मोटे तौर पर जस के तस रखे गए हैं, जबकि इटरनल के जीओवी और एनओवी अनुमानों में हल्की बढ़ोतरी की गई है। इसके अलावा, फूड डिलीवरी बिजनेस के लिए वित्त वर्ष 2028 में जीओवी, एनओवी और एडजस्टेड के अनुमान भी लगभग अपरिवर्तित रखे गए हैं। मार्जिन आउटलुक पर यूबीएस ने कहा कि भारतीय क्विक कॉमर्स बाजार में प्रतिस्पर्धा सितंबर 2025 से तेज हुई है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सुर्य	मकर	मे
चंद्र	वृश्चिक	मे
मंगल	मकर	मे
बुध	धनु	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	मकर	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय	
मकर	06-50 बजे
कुंभ	08-41 बजे
मीन	10-19 बजे
मेष	11-55 बजे
वृष	13-39 बजे
मिथुन	15-41 बजे
कर्क	17-53 बजे
सिंह	20-05 बजे
कन्या	22-11 बजे
तुला	00-17 बजे
वृश्चिक	02-26 बजे
धनु	04-40 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082

शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे ,ऋतु- शिशिर

महावीर निर्वाण संवत् -2551

कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 06-53

भोग्य कलि वर्ष. - 426874 सूर्यास्त. 17-57

कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,

कल्पारंभ संवत् - 1972949126

सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- 1955885126

दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले

मास - माघ कृष्ण पक्ष गुरुवार 15 January 2026

तिथि - द्वादशी 20-16 तक उपरान्त त्रयोदशी

नक्षत्र - ज्येष्ठा 05-47 रात्रि तक उप मूल

योग - वृद्धि 20-37 तक उप. ध्रुव

करण - कौलव . 07-05 तक उप. तैतिल

शीतलनाथ जन्म

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 13-49 15-13

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
शुभ	06-53 - 08-14	शुभ
रोग	08-14 - 09-38	अशुभ
उत्पात	09-38 - 11-02	अशुभ
चंचल	11-02 - 12-26	शुभ
लाभ	12-26 - 13-49	शुभ
अमृत	13-49 - 15-13	शुभ
काल	15-13 - 16-37	अशुभ
शुभ	16-37 - 17-57	शुभ

रात का चौघड़िया		
अमृत	17-57 - 19-37	शुभ
चंचल	19-37 - 21-13	शुभ
रोग	20-13 - 22-49	अशुभ
काल	22-49 - 00-26	अशुभ
लाभ	00-26 - 02-02	शुभ
उत्पात	02-02 - 03-38	अशुभ
शुभ.	03-38 - 05-15	शुभ
अमृत	05-15 - 06-53	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आप आत्मविश्वास और जोश से भरे हुए हैं, जिससे यह आपके करियर या पढ़ाई में आगे बढ़ने का एक बेहतरीन समय है। भावनात्मक रूप से जुड़ने की आपकी क्षमता टीमवर्क को बढ़ाती है, जबकि तीव्र मानसिक ध्यान आपको जटिल कार्यों से निपटने में मदद करता है। इस गति का उपयोग विस्तार-उन्मुख रहने और स्पष्टता और उद्देश्य के साथ आगे बढ़ने के लिए करें।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आज आपका आत्मविश्वास आपकी महत्वाकांक्षा को बढ़ावा देगा, लेकिन संयमित रहना महत्वपूर्ण है। भावनात्मक तीव्रता आवेगपूर्ण प्रतिक्रियाओं को जन्म दे सकती है, खासकर चुनौतीपूर्ण कार्यों या बातचीत के दौरान। तनाव पैदा हो सकता है, जो आपके धैर्य और नियंत्रण की भावना का परीक्षण करेगा।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आपका कार्य जीवन ऊर्जावान है, जो आपको विभिन्न परिस्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक शक्ति प्रदान करता है। आपकी भावनात्मक बुद्धिमत्ता चमकती है। हालाँकि, ठोस परिस्थितियों से निपटने के लिए विनम्रता महत्वपूर्ण है। प्रबंधन में सावधान रहें, खासकर नाजुक स्वास्थ्य मामलों में। जमीन से जुड़े रहें और चमकते रहें।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
हालाँकि , आप अच्छी तरह से अपने क्षेत्र में स्थापित हैं पर आज आप अपने काम में बैचैनी महसूस कर सकते हैं । किसी चीज़ को लेकर आप में असंतोष की भावना आज आपको परेशान कर सकती है हालांकि, अभी अपनी नौकरी छोड़ने का कदम बेवकूफी भरा होगा । ये क्षणिक भावनाए हैं जिससे आप गुमराह हो सकते है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आप अपने निर्णयों में आत्मविश्वास महसूस कर सकते हैं, हालाँकि एक भावुक मनोदशा आपकी प्रतिक्रियाओं को प्रभावित कर सकती है। आत्म-दया सतह पर आ सकती है, लेकिन बोल्ड भावनात्मक ऊर्जा आपको आगे बढ़ाती है। आप प्रियजनों के साथ निकटता की लालसा करेंगे, क्योंकि स्नेह आसानी से बहता है। अपने आस-पास के वातावरण को सुंदर बनाने की तीव्र इच्छा भी एक केंद्रीय फोकस बन सकती है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आपका धैर्य से अब लाभ मिलने लगा है । आप एक लंबे समय से इसके लिए इंतजार कर रहे थे , जिसके लिए आपने कभी अपनी मेहनत को पीछे नहीं रखा और अवसरों की तलाश करते रहे । धीरे-धीरे जो आप चाहते थे वो आपको मिल रहा है ।आप संयमित रहे । इन लाभों का आनंद लें , लेकिन साथ ही साथ आसपास के लोगों से विनम्र रहे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
अपने काम या पढ़ाई में तथ्यों पर ध्यान केंद्रित रखें और ज़मीन पर टिके रहें। भावनात्मक उतार-चढ़ाव आपके दृष्टिकोण को चुनौती दे सकते हैं, इसलिए व्यावहारिक लक्ष्यों पर भरोसा करें। स्पष्ट संचार आपको ग़लतफ़हमियों से बचने में मदद करेगा। ध्यान भटकाने वाली चीज़ों से दूर रहें और पूरे दिन उत्पादक बने रहने के लिए अपनी अनुशासित मानसिकता का उपयोग करें।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आप भावनात्मक रूप से उन ठोस परिस्थितियों की ओर आकर्षित हो सकते हैं जो ध्यान केंद्रित करने की मांग करती हैं। जब आप ऐसे कार्यों का सामना करते हैं जिनमें अनुशासन और आवेगों पर नियंत्रण की आवश्यकता होती है, तो विनम्रता की भावना आवश्यक है। यह दिन आपके अहंकार को सफलतापूर्वक नियंत्रित करने की आपकी क्षमता को भी उजागर करता है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आप अपने काम में गर्मजोशी और मौलिकता का मिश्रण देख सकते हैं। आपकी बातचीत देखभाल और सहानुभूति से प्रेरित होगी, जबकि नए विचार आपकी दिनचर्या में उत्साह लाएंगे। भावनात्मक उतार-चढ़ाव आ सकते हैं, लेकिन आपका गहरा जुनून और रचनात्मक प्रतिभा चमकेगी। अपनी कलात्मक प्रवृत्ति को आगे बढ़ने दें।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज का दिन आपके काम के प्रति एक सकारात्मक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करता है। आज आपका आत्मविश्वास और उत्साह बढ़ा हुआ रहेगा। आप खुद को गहरी दूरदर्शिता के साथ पाएंगे, अक्सर सही समय पर सही जगह पर। हालाँकि, खुद को दूसरों के नियंत्रण से दूर रखें। आपकी सफल संचार कौशल चमकेगी, जिससे आपको अपने लक्ष्यों पर टिके रहने में मदद मिलेगी।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
बढ़ी हुई जीवन शक्ति आपके भावनात्मक जीवन को सबसे आगे ला सकती है, जो आपके करियर में आपके फोकस और निर्णयों को दृढ़ता से प्रभावित करती है। यह दिन भावनात्मक संघर्षों को उजागर करता है, संभवतः आपके पेशेवर संबंधों को प्रभावित करता है। आपके पास उत्साह और स्वतंत्रता की भावना भी होगी।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आपका आत्मविश्वास रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देता है, जबकि निरंतर प्रयास चुनौतियों से पार पाने में मदद करता है। अनावश्यक विवादों से बचने के लिए अपने पेशेवर संबंधों में सामंजस्य बनाए रखें। नए तरीकों और विचारों के लिए खुले रहें, खासकर जब आप दबाव में हों।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

तेजप्रताप बोले- लालू की असली पार्टी जेजेडी

तेजस्वी आरजेडी का मेरी पार्टी में विलय करें, दही-चूड़ा भोज में लालू ने कहा- अब तेजप्रताप साथ हैं

पटना, 14 जनवरी (एजेंसियां)। तेजप्रताप ने आवास पर दही-चूड़ा भोज रखा है। लालू यादव इस भोज में पहुंचे हैं। लालू यादव ने कहा कि वो तेजप्रताप से नाराज नहीं है। वो परिवार के साथ ही रहें। तेजप्रताप के बीजेपी में जाने के सवाल पर कहा कि, बेटे को हमेशा आशीर्वाद रहेगा।

8 महीने पहले तेजप्रताप की गर्लफ्रेंड के साथ फोटो सामने आने के बाद लालू ने तेजप्रताप को घर और पार्टी से निकाला था।

तेजप्रताप के दही चूड़ा भोज में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद, बड़े मामा प्रभुनाथ यादव, साधु यादव और चेतन आनंद भी पहुंचे हैं। अभी तक तेजस्वी-राबड़ी इस भोज में शामिल नहीं हुए हैं।

तेजप्रताप यादव ने कहा कि तेजस्वी राजद का विलय जनशक्ति जनता दल में कर दें। लालू प्रसाद की असली पार्टी जेजेडी ही है। जनशक्ति जनता दल बंगाल चुनाव लड़ेगी, ममता बनर्जी के खिलाफ हम लड़ेंगे। एमएलसी का चुनाव भी बिहार में हमारी पार्टी लड़ेगी।

दिल्ली में निगम का चुनाव हमारी पार्टी लड़ेगी। तेज प्रताप ने कहा कि जल्द ही हम पूरे बिहार की यात्रा पर निकलेंगे, कब से निकलेंगे इसकी जानकारी बाद में दी जाएगी। तेजप्रताप ने आगे कहा कि तेजस्वी का इंतजार रात 9 बजे तक करेंगे।

उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने मंगलवार को अपने आवास पर दही-चूड़ा भोज रखा। इस भोज में तेजप्रताप यादव भी शामिल हुए। इस दौरान विजय सिन्हा से जब सवाल किया गया कि तेजप्रताप को आप एनडीए में आने का निमंत्रण देंगे। इस पर विजय सिन्हा ने कहा, वक्त पर सब पता चल जाएगा।

वहीं तेजप्रताप ने भी कहा कि समय आने दीजिए, सब साफ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि, मेरा विजय सिन्हा से व्यक्तिगत संबंध है। हमने भी दही चूड़ा का भोज आयोजित किया है। इन्हें निमंत्रण दिया है।

छत्तीसगढ़ में ज्वेलरी शॉप में बुर्का-नकाब, हेलमेट वालों की एंट्री बैन

नवापारा-राजिम लूटकांड के बाद सर्राफा एसोसिएशन ने लिया फैसला, पहचान छिपाकर आने वालों पर रोक

बिलासपुर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार, राजस्थान, उत्तरप्रदेश और झारखंड के बाद अब छत्तीसगढ़ में भी बुर्का, नकाब या घूंघट पहनकर आने वालों को सोने-चांदी की दुकानों में एंट्री नहीं दी जाएगी। इसके साथ ही हेलमेट पहनकर आने वाले पुरुषों की भी एंट्री बैन की गई है। छत्तीसगढ़ सर्राफा एसोसिएशन ने फैसला लिया है।

छत्तीसगढ़ प्रदेश सर्राफा एसोसिएशन के अध्यक्ष कमल सोनी ने बिलासपुर में बताया कि गरियाबंद के नवापारा राजिम में ज्वेलरी शॉप में करीब एक करोड़ रुपए के सोने-चांदी के जेवर चोरी हो गई। वारदात से प्रदेशभर के स्वर्णकारों और सर्राफा व्यापारियों में डर का माहौल है। इसी को लेकर फैसला लिया गया है।

एसोसिएशन का कहना है कि मास्क, हेलमेट, बुर्का और नकाब पहनकर दुकान में आना मना है। अगर कोई यह सब पहनकर आता है तो उसे दुकान में एंट्री नहीं मिलेगी। यह कदम किसी समुदाय या वर्ग के खिलाफ नहीं, बल्कि पूरी तरह से सुरक्षा कारणों को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है।

छत्तीसगढ़ प्रदेश सर्राफा एसोसिएशन के अध्यक्ष कमल सोनी ने बताया कि सोने-चांदी की बढ़ती कीमतों की वजह से आने वाले दिनों में चोरी, लूट और डकैती की घटनाएं हो सकती हैं। लूट की घटनाओं में पुलिस घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज खंगालती है।

उन्होंने बताया कि वारदात में शामिल आरोपी की पहचान नहीं होने से अपराधी को पकड़े नहीं जाते हैं। नकाब, घूंघट और हेलमेट पहनकर ज्वेलरी शॉप में एंट्री बंद कर दी गई है। सर्राफा एसोसिएशन के फैसले का सभी व्यवसायी पालन करेंगे।

प्रयागराज माघ मेला में लगातार दूसरे दिन आग लगी

20 से ज्यादा शिविर चपेट में आए, कल्पवासियों में अफरा-तफरी मची

प्रयागराज, 14 जनवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज माघ मेले के स्वामी राम सेवक शिविर में बुधवार शाम को आग भड़क गई। ऊंची उठती लपटों के साथ धुआं करीब 5 किमी दूर से भी दिख रहा था। आग की वजह अभी पता नहीं चली है।

सेक्टर 4 में लोअर मार्ग में आग तेजी से 20 से ज्यादा शिविरों में फैल गई, फायर ब्रिगेड की टीमें आग पर पानी की बौछार डाल रही हैं। पूरे एरिया को सील कर दिया गया है, ताकि आग ज्यादा न फैले। पुलिस और संतों ने बचाव कार्य शुरू किया।

इस वक्त 10 फायर ब्रिगेड और 10 एंबुलेंस मौके पर हैं। 30 दमकल कर्मचारी लोगों को दूसरी जगह पर शिफ्ट करवा रहे हैं। अभी ये नहीं सामने आया है कि कितना नुकसान हुआ है। ये भी पता नहीं चला है कि आग कैसे लगी है।

इससे 24 घंटे पहले नारायण शुक्ला धाम शिविर में मंगलवार शाम आग लग गई थी। इससे 15 टेंट और 20 दुकानें जल गई थीं। एक कल्पवासी झुलस गए थे।

जहां ये घटना हुई थी, वो शिविर सेक्टर 5 में है। दमकल की 5 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं थी। करीब डेढ़ घंटे की मेहनत के बाद आग बुझा ली गई।

आग लगने के पीछे शार्ट सर्किट वजह बताई गई थी। नारायण धाम शिविर में 15 टेंट थे। इनमें 50 से ज्यादा कल्पवासी थे। आग भड़कने के बाद शिविर के अंदर धुआं भरने लगा। इसके बाद अचानक हल्ला मचा और लोग बाहर की तरफ भागे। यहां तैनात पुलिस वालों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। 10 मिनट के अंदर 1-1 करके 5 फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंच गईं। नारायण धाम का मुख्य शिविर पूरी तरह से जल चुका था। सभी टेंट भी जल गए। कल्पवासियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। आसपास की करीब 20 दुकानें जल गईं। सीएम योगी के खास सतुआ बाबा मौके पर पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों से अग्निकांड की जानकारी ली है।

आवारा कुत्तों का आतंक

बालोद, 14 जनवरी (एजेंसियां)। बालोद जिले के गुरूर थाना क्षेत्र में मां सियादेवी पर्यटन स्थल के पास नारागांव और नर्रा गांवों में आवारा कुत्तों का कहर देखने को मिला। बुधवार को एक ही दिन में इन बेकाबू कुत्तों ने 10 लोगों को अपना शिकार बनाया, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं। इस घटना से पूरे इलाके में भय और दहशत का माहौल है।

हमले की घटना और घायलों का उपचार

घटना के अनुसार, नारागांव में आठ लोगों पर कुत्तों ने हमला किया, जबकि नर्रा गांव में दो लोग घायल हुए। आनन-फानन में सभी घायलों को गुरूर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। हालांकि, वहां एंटी रेबीज वैक्सीन उपलब्ध नहीं था, जिस कारण तीन घायलों को बालोद जिला अस्पताल और शेष सात को धमतरी जिला अस्पताल रेफर करना पड़ा। सभी घायलों का इलाज जारी है और उनके परिजन अस्पताल पहुंच रहे हैं। स्थानीय प्रशासन द्वारा गांवों में मुनादी करवाकर लोगों को सतर्क रहने की अपील की गई है। वहीं, ग्रामीणों ने आवारा कुत्तों को पकड़ने की मांग जोर-शोर से उठाई है।

महिलाओं ने सुनाई आपबीती

घायलों में शामिल 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला नवल बाई मंडावी ने बताया कि लगभग चार-पांच महीने पहले उन्होंने एक कुत्ता पाला था। पिछले 10-15 दिनों से वह कुत्ता गायब था। बुधवार की सुबह जब वह अपने चार वर्षीय नाती मेहुल मंडावी को खिला रही थीं, तभी अचानक वह कुत्ता आया और नाती पर हमला कर दिया। उसे बचाने के प्रयास में महिला पर भी कुत्ते ने हमला कर दिया। इसी बीच, आसपास के अन्य लोग और वहां से गुजर रहे लोग भी कुत्ते के आतंक का शिकार हुए। इनमें योगेश्वरी मंडावी (30 वर्ष), दीपांशु गावड़े (5 वर्ष), पुष्पा साहू (45 वर्ष), बलिन करियाम (28 वर्ष) और शिशुपाल सिंह (48 वर्ष) शामिल हैं।

बाबा बैद्यनाथ को मकर संक्रांति पर चढ़ा तिल-गुड़

देवघर में उमड़ा आस्था का सैलाब, मानसरोवर से गर्भगृह तक निर्बाध जलार्पण

देवघर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। देवघर स्थित द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक बाबा बैद्यनाथ धाम में बुधवार को मकर संक्रांति का पर्व पूरे श्रद्धा, उल्लास और परंपरा के साथ मनाया गया। कड़ाके की ठंड के बावजूद अहले सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ मंदिर परिसर में उमड़ पड़ी। चारों ओर "बोल बम" और "हर-हर महादेव" के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

ब्रह्ममुहूर्त में कांचा जल पूजा के साथ विशेष अनुष्ठानों की शुरुआत हुई। इसके बाद सरदार पंडा गुलाब नंद ओझा ने सरकारी पूजा विधि-विधान से संपन्न कराई। मकर संक्रांति के अवसर पर बाबा का विशेष श्रृंगार किया गया, जिसे देखने के लिए श्रद्धालु घंटों कतार में खड़े रहे।

मकर संक्रांति पर प्राचीन परंपरा के अनुसार बाबा बैद्यनाथ को तिल और गुड़ अर्पित किया गया। पूजा-अर्चना के उपरांत बाबा को तिल, गुड़ के साथ खिचड़ी का विशेष भोग लगाया गया। मान्यता है कि बाबा को तिल अर्पित करने के बाद ही श्रद्धालु तिल या तिल से बनी वस्तुओं का सेवन करते हैं।

इसी दिन से पूरे माघ महीने तक बाबा को तिल, खिचड़ी और दही का विशेष भोग लगाने की परंपरा शुरू हो जाती है। माघ माह में सूर्य उत्तरायण रहते हैं, ऐसे में यह भोग अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है। श्रद्धालुओं के लिए यह समय विशेष फलदायी माना जाता है। श्रद्धालु मानसरोवर तट स्थित फुट ओवरब्रिज से कतारबद्ध होकर बाबा मंदिर के गर्भगृह तक पहुंचे और जलार्पण किया।

मंदिर प्रांगण में मकर संक्रांति के अवसर पर विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान, पूजा-पाठ और मंत्रोच्चार होते रहे। पुजारियों ने बताया कि मकर संक्रांति के पुण्यकाल का विशेष महत्व होता है, इसी के अनुसार पूजा और भोग की परंपरा निभाई जाती है।

लापता भाई-बहन सकुशल बरामद

रामगढ़ के चितरपुर से दो आरोपी गिरफ्तार गुलगुलिया परिवार के पास थे दोनों

रांची, 14 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी रांची के धुर्वा थाना क्षेत्र के मौसीबाड़ी मल्लार कोचा से लापता हुए मासूम भाई-बहन अंश और अंशिका को रामगढ़ जिले के चितरपुर से बरामद कर लिया है। बच्चों के बरामद होने की जानकारी सबसे पहले बच्चों के माता-पिता को दी गई।

जहां से बरामदगी हुई है, वहां से दो लोगों (एक पुरुष-एक महिला) को हिरासत में लिया गया है। बच्चों के साथ हिरासत में लिए गए लोगों को रामगढ़ एसपी कोठी लाया गया। जहां पूछताछ की गई। रांची पुलिस मुख्यालय की ओर से इसकी विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

बच्चों को चितरपुर के पहाड़ी मंदिर क्षेत्र से बरामद किया गया है। बच्चों की बरामदगी में भूमिका निभाने वाले डब्ल्यू साव और सचिन ने बताया कि उन्हें बच्चों के गुलगुलिया (बंजारा) परिवार के पास होने की जानकारी मिली। इसके बाद बच्चों की तस्वीर उनके माता-पिता को दी गई।

इसके बाद दोनों ने इसकी सूचना रजरप्पा पुलिस को दी। आज रजरप्पा पुलिस मौके पर पहुंच बच्चों को बरामद की। इसके बाद मौके से दो लोगों को हिरासत में लिया गया। 2 जनवरी को 7 साल का अंश कुमार अपनी 6 साल की बहन अंशिका कुमारी के साथ घर से दुकान जाने के दौरान लापता हो गया था। घटना के बाद से ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। वहीं पुलिस के लिए भी यह मामला चुनौती बन गया था।

बच्चों की तलाश में रांची पुलिस लगातार छापेमारी कर रही थी। पहले जानकारी देने वाले के लिए 51 हजार रुपए इनाम की घोषणा की गई थी, जिसे बाद में बढ़ाकर 2 लाख रुपए कर दिया गया। पुलिस ने बच्चों की तस्वीर के साथ पोस्टर जारी कर आम लोगों से सहयोग की अपील भी की थी।

बालू कारोबारी आवास पर फायरिंग मामला

रंगदारी ना देने की वजह से की थी गोलीबारी, राहुल दुबे गैंग के 6 अपराधी गिरफ्तार

रामगढ़, 14 जनवरी (एजेंसियां)। रामगढ़ पुलिस ने बालू कारोबारी डब्बू सिंह के आवास पर हुई गोलीबारी के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने राहुल दुबे गैंग के छह अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इन सभी को 13 जनवरी 2026 को अलग-अलग स्थानों से पकड़ा गया। यह घटना कुछ दिन पहले कुज्जू ओ.पी. क्षेत्र के नया मोड़ स्थित व्यवसायी डब्बू सिंह के आवास पर हुई थी। अज्ञात अपराधियों ने उनके घर पर गोलीबारी की थी और राहुल दुबे गिरोह का धमकी भरा पर्चा भी छोड़ा था। इस संबंध में मांडू (कुज्जू) थाना में कांड संख्या 04/2026, दिनांक 06.01.2026 को विभिन्न धाराओं और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए, रामगढ़ के एसपी अजय कुमार ने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी परमेश्वर प्रसाद के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया। एसआईटी की तकनीकी और गहन जांच में पता चला कि डब्बू सिंह द्वारा रंगदारी का पैसा न दिए जाने के कारण राहुल दुबे गैंग/सत्यम शुक्ला उर्फ आशीष शुक्ला के आदेश पर इस गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया गया था। अनुसंधान के क्रम में, पुलिस ने नकुल कुमार चौहान उर्फ बिजली (उम्र करीब 22 वर्ष, पिता- इंदू चौहान, पता- ट्रांसपोर्ट नगर, नियर शिव मंदिर, मांडू) को 13 जनवरी 2026 को NH-33 भोजपुर ढाबा के पास से गिरफ्तार किया। उसके पास से जिंदा गोली, मोबाइल और बाइक बरामद की गई।

जमशेदपुर से उद्योगपति का बेटा लापता

25 लाख कैश लेकर निकला, झाड़ियों में मिली कार, अपहरण की आशंका

रांची/जमशेदपुर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। जमशेदपुर से एक कारोबारी परिवार के युवक के लापता होने से शहर में हड़कंप मच गया है। आदित्यपुर स्मॉल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के उपाध्यक्ष देवांग गांधी के 24 साल के बेटे कैरव गांधी मंगलवार दोपहर घर से निकलने के बाद लापता हो गए। परिजनों के मुताबिक कैरव दोपहर करीब एक से दो बजे के बीच अपनी क्रेटा कार से घर से निकले थे।

खास बात यह है कि कैरव ने बैंक ऑफ इंडिया से करीब 25 लाख रुपए कैश निकालकर निकले थे। करीब एक घंटे बाद उनका मोबाइल फोन बंद हो गया।

काफी खोजबीन के बाद शाम करीब पांच बजे बिष्टुपुर थाने में युवक के लापता होने की सूचना दी गई। युवक के पास बड़ी रकम होने के कारण परिजन और पुलिस दोनों अपहरण की आशंका जता रहे हैं। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस ने जांच तेज की। कुछ ही घंटों के भीतर कैरव गांधी की क्रेटा कार सरायकेला-खरसावां जिले के चांडिल थाना क्षेत्र अंतर्गत कांदरबेड़ा स्थित सिल्वर सैंड रिसॉर्ट के पास झाड़ियों के समीप बरामद की गई। कार के अंदर युवक मौजूद नहीं था, जबकि कार की चाबी मैट के नीचे मिली।

पुलिस की तकनीकी जांच में यह भी सामने आया कि कैरव की आखिरी मोबाइल लोकेशन सोनारी थाना क्षेत्र के आदर्शनगर इलाके में ट्रेस की गई थी। इसके बाद फोन बंद हो गया। पुलिस अब उस इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और संभावित रूट्स पर लगे कैमरों की भी जांच की जा रही है। कैरव गांधी एक प्रतिष्ठित कारोबारी परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उनका परिवार आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र स्थित इम्पीरियल ऑटो प्राइवेट लिमिटेड समेत कई औद्योगिक प्रतिष्ठानों से जुड़ा हुआ है। शहर में गांधी परिवार को रसूखदार और सभ्रांत परिवार माना जाता है। घटना के बाद जमशेदपुर और सरायकेला-खरसावां जिले की पुलिस संयुक्त रूप से जांच में जुटी हुई है।

छत्तीसगढ़ में 307 ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों की सूची जारी

कई महीनों से अटकी प्रक्रिया पूरी, नाराज नेताओं के लिए 'एडजस्टमेंट फॉर्मूला' तैयार

रायपुर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस संगठन में नियुक्तियों का इंतजार कर रहे कार्यकर्ताओं के लिए अच्छी खबर है। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी ने ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति कर दी है।

यह नियुक्ति लंबे समय से अटकी हुई थी, लेकिन एआईसीसी पदाधिकारियों और प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व के साथ चर्चा के बाद अब सहमति बन गई है। प्रदेश में 307 ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों की लिस्ट जारी हुई है।

पार्टी के भीतर किसी भी तरह के असंतोष को रोकने के लिए कांग्रेस ने एडजस्टमेंट फॉर्मूला भी तैयार कर लिया है। बताया जा रहा है इस नियुक्ति में स्थानीय सीनियर नेताओं की पसंद को महत्व दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, ब्लॉक अध्यक्षों की सूची जारी होने के तुरंत बाद जिला कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। ब्लॉक अध्यक्ष की दौड़ में शामिल रहे सक्रिय और मजबूत नेताओं को जिला कार्यकारिणी में अहम जिम्मेदारियां देकर समायोजित किया जाएगा।

ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी की ओर से इस संबंध में 14 जनवरी 2026 को अधिसूचना जारी की गई, जिस पर एआईसीसी के महासचिव और छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट के हस्ताक्षर हैं।

अधिसूचना में कहा गया है कि छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नेताओं और एआईसीसी पदाधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा के बाद, उदयपुर नव संकल्प घोषणा को ध्यान में रखते हुए संबंधित ब्लॉकों के लिए ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति की गई है। नियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों की सूची अधिसूचना के साथ संलग्न की गई है।

पार्टी के अनुसार, जिला अध्यक्षों की नियुक्ति के दौरान जहां बड़े नेताओं की पसंद को दरकिनार कर कार्यकर्ताओं की राय को प्राथमिकता दी गई थी, वहीं ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति में स्थानीय वरिष्ठ नेताओं की पसंद को भी महत्व दिया गया है।

जिंदा बेटी का शोक संदेश छपवाया, मृत्युभोज किया

उदयपुर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के उदयपुर में पिता ने जिंदा बेटी का शोक संदेश छपवाया और मृत्युभोज कर दिया। तीन बच्चों को छोड़कर महिला ने दूसरी शादी कर ली थी। माता-पिता ने उसे मनाने की कोशिश की, लेकिन बेटी अपनी जिद पर रही। मामला ओगणा इलाके का है।

जानकारी के मुताबिक- 10 साल पहले युवती की शादी हुई थी। इसके बाद सब कुछ अच्छा चल रहा था। शादी के बाद महिला के तीन बच्चे हुए। महिला बच्चों को छोड़कर घर से भाग गई और दूसरे युवक से शादी कर ली।

बेटी की इस हरकत का पिता को पता चला तो उन्होंने समझाया, लेकिन वह नहीं मानी। हारकर पिता ने जिंदा बेटी की शोक पत्रिका छपवाई और उसका मृत्युभोज करवाया। आज सुबह मुंडन (कातरिया) रस्म निभाई गई। इसके बाद मृत्युभोज किया।

23 अक्टूबर को पति और बच्चों को छोड़कर भागी

महिला 23 अक्टूबर 2025 पति और बच्चों को छोड़कर गांव के ही एक व्यक्ति के साथ भाग गई और उसके साथ दूसरी शादी कर ली। परिजनों ने गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज करवाई थी।

पुलिस ने महिला को तलाश का परिजनों और बच्चों से मिलवाया, लेकिन उसने अपने माता-पिता और बच्चों को पहचानने से मना कर दिया। परिजन, समाज के लोगों और पुलिस की ओर से कई बार समझाइश के प्रयास किए गए, लेकिन महिला ने अपना फैसला नहीं बदला।

बलौदाबाजार हिंसा: क्रांति सेना अध्यक्ष अमित बघेल अरेस्ट

रायपुर से प्रोडक्शन वारंट पर ले गई पुलिस, अमित बोले- छत्तीसगढ़ियों को कुचलना चाहती है सरकार

बलौदाबाजार, 14 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार हिंसा केस में पुलिस ने तोड़फोड़ और आगजनी मामले में छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के अध्यक्ष अमित बघेल को गिरफ्तार किया है। बलौदाबाजार पुलिस अमित बघेल को रायपुर जेल से प्रोडक्शन वारंट पर लेकर बलौदाबाजार लेकर पहुंची। कोर्ट ने 2 दिन की न्यायिक रिमांड पर भेजा है।

इसके पहले बलौदाबाजार पुलिस ने 11 जनवरी को क्रांति सेना के प्रदेश अध्यक्ष अजय यादव और पार्टी के सह-सचिव दिनेश वर्मा को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। आरोप है कि 10 जून 2024 को हुई हिंसा-आगजनी में अमित बघेल, अजय यादव और दिनेश वर्मा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वहीं अपनी गिरफ्तारी पर अमित बघेल ने भाजपा और कांग्रेस की साजिश बताया। उन्होंने कहा कि सरकार छत्तीसगढ़ियों को कुचलना चाहती है। वह एक सामाजिक कार्यकर्ता हैं। उन्होंने आंदोलन का समर्थन किया था, लेकिन घटना के दिन बलौदाबाजार में आगजनी का समर्थन नहीं किया। दरअसल, 15 मई 2024 की देर रात सतनामी समुदाय के धार्मिक स्थल गिरौदपुरी धाम से करीब 5 किमी मानाकोनी बस्ती स्थित बाघिन गुफा में लगे धार्मिक चिन्ह जैतखाम को क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। जैतखाम तोड़े जाने के विरोध में समाज के हजारों लोग कलेक्ट्रेट के पास मौजूद दशहरा मैदान में कई दिन से प्रदर्शन कर रहे थे।

पुलिस ने इस मामले में 3 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। लोगों का आरोप था कि पकड़े गए लोग असली आरोपी नहीं हैं। पुलिस दोषियों को बचा रही है। कई दिनों से प्रशासन को ज्ञापन सौंपा जा रहा था। 9 जून 2024 को डिप्टी सीएम और गृहमंत्री विजय शर्मा ने न्यायिक जांच कराने के निर्देश दिए।

सतनामी समाज की ओर से 10 जून को शांतिपूर्ण प्रदर्शन बुलाया गया। प्रशासन की अनुमति से कलेक्ट्रेट के पास दशहरा मैदान में प्रदर्शन कर रहा था। अचानक से लोग उग्र हो गए और बवाल बढ़ता चला गया।

जालोर के डिस्ट्रिक जज सस्पेंड, जोधपुर रहेगा मुख्यालय

हाईकोर्ट रजिस्ट्रार ने जारी किए आदेश बिना अनुमति नहीं छोड़ सकेंगे मुख्यालय

जोधपुर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट के निर्देश पर रजिस्ट्रार ने आदेश जारी कर जालोर के एससी-एसटी कोर्ट के जज परवेज अहमद को सस्पेंड कर दिया गया है। निलंबन काल के दौरान उनका मुख्यालय जिला एवं सत्र न्यायालय जोधपुर महानगर रहेगा। परवेज अहमद को तत्काल प्रभाव से जोधपुर के सेशन कोर्ट में रिपोर्ट देने को कहा गया है। वह सेशन जज की अनुमति के बिना मुख्यालय भी नहीं छोड़ सकेंगे। बताया जा रहा है कि परवेज अहमद के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई लंबित है। उसके चलते इन्हें सस्पेंड किया गया है। हालांकि आधिकारिक तौर पर इसे लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई है।

उत्तर की बेटियों का राफेल से चांद तक दबदबा

दयानिधि मारन ज्ञान चक्षु खोलिए पूर्व पीएम इंदिरा गांधी भी नॉर्थ से थी

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। 'उत्तर भारत में लड़कियों को घर में रोक लिया जाता है, उनसे किचन और घरेलू काम कराए जाते हैं। नौकरी नहीं करने दी जाती है। उन्हें गुलाम बनाकर रखा जाता है' डीएमके सांसद दयानिधि मारन के उत्तर भारत की महिलाओं को लेकर दिए गए इस बयान पर पूरे देश में उबाल है। सोशल मीडिया से लेकर सियासी गलियारों तक दयानिधि मारन के इस बयान की काफी आलोचना हो रही है। इन आलोचनाओं के बीच आपको बताएंगे कि उत्तर भारत की महिलाएं सिर्फ किचन या घरेलू काम तक सीमित नहीं हैं बल्कि राफेल की उड़ान से लेकर चंद्रयान के मिशन तक नया कीर्तिमान स्थापित कर रहीं हैं।

राजनीति में उत्तर भारत की महिलाएं

दयानिधि मारन ने अपने बयान से पहले अगर एक बार फिर उत्तर भारत की महिलाओं के बारे में विचार किया होता तो सबसे पहले उन्हें भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का नाम जरूर याद आया होता। वही इंदिरा गांधी जिन्होंने 1971 की जंग में पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी थी। भारत की महिला महिला मुख्यमंत्री सुचेता कृपलानी भी उत्तर भारत से आती हैं। यूपी की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती, सुषमा स्वराज, स्मृति ईरानी, दिल्ली सीएम आतिशी, वसुंधरा राजे, रेखा गुप्ता, मैथिली ठाकुर और हर्षिमरत कौर बादल समेत राजनीति में उत्तर भारत की महिलाओं की लंबी फेहरिस्त है।

खेल में उत्तर भारत की महिलाओं का दबदबा

सिर्फ भारत ही नहीं उत्तर भारत की महिलाओं ने दुनिया भर में अपना लोहा मनवाया है। हरियाणा से आने वाली मनु भाकर, साक्षी मलिक और विनेश फोगाट जैसी बेटियों ने ओलंपिक में पदक जीत भारत की नाम आगे बढ़ाया है। इसके अलावा बैडमिंटन में वर्ल्ड चैंपियन रहीं साइना नेहवाल भी उत्तर भारत से ही आती हैं।

भारत की सबसे अमीर महिलाओं में से एक और एचसीएल की चेयरपर्सन रोशनी नादर का बेस उत्तर प्रदेश है। इसके अलावा ओपी जिंदल ग्रुप की चेयरपर्सन सवित्री जिंदल भी हरियाणा से आती हैं।

भारत की पहली महिला फाइटर पायटलों में से एक अवनी चतुर्वेदी मध्य प्रदेश से हैं। भारतीय वायुसेना की विंग कमांडर दीपिका मिश्रा को पहली महिला गैलेंट्री अवॉर्ड मिला है, वह राजस्थान से आती है।

स्पेस में जाने वाले भारत की महिला कल्पना चावला भी हरियाणा के करनाल से आती हैं। ऋतु करिधल समेत इसरो में कई प्रमुख 'रॉकेट वुमन' उत्तर भारत से आती हैं। हाल में ही ऋतु करिधल ने इसरो के महत्वाकांक्षी प्रोजेस्ट चंद्रयान -3 का नेतृत्व किया था।

साहित्य के क्षेत्र में पद्म विभूषण प्राप्त करने वाली महादेवी वर्मा उत्तर प्रदेश से आती हैं। उनकी रश्मि और नीहार को आज भी खूब पसंद किया जाता है। पंजाब से आने वाली प्रमुख लेखिका/कवयित्री अमृता प्रीतम को उनकी बेहतरीन लेखनी के लिए भारत सरकार ने पद्म श्री सम्मान से सम्मानित किया था।

ग्रीनलैंड के पीएम बोले- अमेरिका नहीं डेनमार्क को चुनेंगे

नाटो हमारी रक्षा करे, ट्रम्प ने कहा– ये उनके लिए समस्या बन सकता है

ग्रीनलैंड, 14 जनवरी (एजेंसियां)। ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ्रेडरिक नीलसन ने कहा है कि अगर ग्रीनलैंड को अमेरिका और डेनमार्क में से किसी एक को चुनना पड़े, तो वह डेनमार्क को चुनेगा। उन्होंने यह बयान ऐसे वक्त पर दिया जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की धमकी दे रहे हैं।

नीलसन ने यह बात 13 जनवरी को डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन में डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही। यह बयान अमेरिका की संसद में ग्रीनलैंड को अपने कब्जे में लेने से जुड़े बिल के पेश होने के बाद पहला आधिकारिक बयान है।

नीलसन के बयान पर ट्रम्प ने कहा कि मैं उन्हें नहीं जानता और इस बात पर उनसे सहमत नहीं हूं। ये प्रधानमंत्री के लिए बड़ी समस्या बन सकता है।

अमेरिकी संसद में 12 जनवरी को 'ग्रीनलैंड एनेक्सेशन एंड स्टेटहुड एक्ट' नाम का बिल पेश किया गया था। इसका मकसद ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल करना और बाद में उसे अमेरिका का राज्य बनाना है। अगर यह बिल पास होता है, तो ग्रीनलैंड अमेरिका का 51वां राज्य बन सकता है।

ग्रीनलैंड के पीएम ने कहा - नाटो को हमारी रक्षा करनी चाहिए

नीलसन ने कहा कि डेनिश कॉमनवेल्थ का हिस्सा होने के नाते ग्रीनलैंड नाटो का सदस्य है और इसलिए ग्रीनलैंड की रक्षा नाटो को ही करनी चाहिए।

वहीं डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन ने कहा कि अपने सबसे करीबी सहयोगी से मिल रहे इस तरह के प्रेशर का सामना करना आसान नहीं है।

उन्होंने ये भी कहा कि हमें कई संकेत मिल रहे हैं कि ग्रीनलैंड के लिहाज से सबसे मुश्किल दौर आने वाला है।

डेनमार्क की पीएम ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि अगर ग्रीनलैंड पर हमला किया गया, तो इससे 'ट्रांस-अटलांटिक डिफेंस एग्रीमेंट' (नाटो) का अंत हो सकता है।

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, ग्रीनलैंड पिछले 300 सालों से डेनमार्क का हिस्सा है और डेनमार्क नाटो का सदस्य है, इसलिए अगर अमेरिका वहां सैन्य कार्रवाई करता है तो यह नाटो और अमेरिका-यूरोप के बीच हुए रक्षा समझौते को तोड़ने जैसा होगा।

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प ने पिछले दिनों कहा था कि रूस और चीन से सुरक्षा के लिए अमेरिका के पास ग्रीनलैंड का होना जरूरी है।

ट्रम्प ने संकेत दिया है कि वह ग्रीनलैंड को खरीदने की संभावना के बारे में सोच रहे हैं। हालांकि, उन्होंने सैन्य कार्रवाई की बात को भी पूरी तरह नहीं नकारा है।

रिपोर्ट में ये भी कहा गया कि दुनिया के सबसे कम आबादी वाले इलाकों में शामिल होने के बावजूद, ग्रीनलैंड की भौगोलिक स्थिति नॉर्थ अमेरिका और आर्कटिक के बीच होने की वजह से बेहद जरूरी है।

ग्रीनलैंड मिसाइल हमले की स्थिति में अर्ली वॉर्निंग सिस्टम लगाने और इलाके में आने-जाने वाले जहाजों पर नजर रखने के लिए काम आ सकता है।

अमेरिकी यूनिवर्सिटी ने भारतीय छात्रों को 1.8 करोड़ का हर्जाना दिया

पालक पनीर गर्म करने से रोका था, 2 साल चला मुकदमा

वाशिंगटन, 14 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ कोलोराडो बोल्डर के दो भारतीय स्टूडेंट्स को भेदभाव से जुड़े एक मामले में यूनिवर्सिटी से 1.8 करोड़ रुपए का हर्जाना मिला है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह विवाद सितंबर 2023 में शुरू हुआ, जब यूनिवर्सिटी से पीएचडी कर रहे छात्र आदित्य प्रकाश से एक स्टाफ मेंबर ने कहा कि वे डिपार्टमेंट के माइक्रोवेव में अपना लंच गर्म न करें, क्योंकि इससे बदबू आ रही है। आदित्य टिफिन में पालक पनीर लेकर आए थे।

आदित्य ने जवाब दिया कि ये सिर्फ खाना है और मैं इसे गर्म करने जा रहा हूं। इसके बाद स्टाफ मेंबर ने अधिकारियों से आदित्य की शिकायत कर दी। आदित्य प्रकाश और उनकी पार्टनर और पीएचडी स्टूडेंट उर्मी भट्टाचार्य ने कहा कि जब हमने स्टाफ के रवैये की शिकायत की, तो यूनिवर्सिटी ने हमारे ही खिलाफ कार्रवाई की।

इसके बाद दोनों छात्रों ने अमेरिका की यूनाइटेड स्टेट्स डिस्ट्रिक्ट कोर्ट, कोलोराडो में यूनिवर्सिटी के खिलाफ सिविल केस दायर किया। छात्रों ने कोर्ट को बताया कि डिपार्टमेंट के किचन से जुड़े नियम खास तौर पर दक्षिण एशियाई स्टूडेंट्स को निशाना बनाते हैं। उन्हें हमारे पब्लिक प्लेस में टिफिन खोलने से भी परेशानी होती थी।

आदित्य प्रकाश ने बताया कि उन्हें बार-बार सीनियर फैकल्टी ने बुलाया और आरोप लगाया गया कि उनकी वजह से स्टाफ को दिक्कत हो रही है। वहीं उर्मी का कहना है कि उन्हें बिना कोई कारण बताए टीचिंग असिस्टेंट पद से भी हटा दिया गया।

लश्कर के आतंकी की हिंदुओं का गला काटने की धमकी

वायरल वीडियो में कहा– कश्मीर को आजादी भीख मांगने से नहीं, जिहाद से मिलेगी

इस्लामाबाद, 14 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में मौजूद आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी अबू मूसा कश्मीरी ने हिंदुओं की गर्दन काटने की धमकी दी है। उसने यह बयान पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में दिया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। हालांकि ये वीडियो कब का है इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है।

उसने हिंदुओं के खिलाफ खुले तौर पर हिंसा की बात कही और कहा कि कश्मीर मुद्दे का हल सिर्फ आतंकवाद और जिहाद से ही हो सकता है। अबू मूसा कश्मीरी लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े संगठन जम्मू कश्मीर यूनाइटेड मूवमेंट का मेंबर है।

अबू मूसा कश्मीरी ने कहा- आजादी भीख मांगने से नहीं मिलेगी। हिंदुओं की गर्दन काटने से मिलेगी। हमें जिहाद का झंडा उठाना होगा और बद्र की लड़ाई और मक्का की फतह के जैसे इतिहास को दोहराना होगा।

अपने भाषण में अबू मूसा कश्मीरी ने पाकिस्तानी नेताओं पर भी गंभीर आरोप लगाए। उसने कहा कि पाकिस्तान के नेता इस्लामी सिद्धांतों से भटक चुके हैं और जिहाद के रास्ते पर नहीं चल रहे हैं। उसने कहा कि जो नेता जिहाद के लिए प्रतिबद्ध नहीं है, उसे पाकिस्तान पर हुकूमत करने का कोई अधिकार नहीं है।

अबू मूसा ने कहा जो नेता नमाज की परवाह नहीं करता, कलमा के लिए वफादार नहीं है, शहीदों के खून की कद्र नहीं करता और जिहाद का झंडा नहीं उठाता, उसे इस देश पर राज करने का कोई हक नहीं है।

उसने दावा किया कि वह पहले भी ऐसे ही बयान मुजफ्फराबाद में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के साथ हुई एक बैठक में दे चुका है।

उसने कहा कि वो हाथों से, जुबान से और कलम से जिहाद करेंगा और इस रास्ते पर चलते हुए अल्लाह के पास लौटेगा।

अबू मूसा कश्मीरी पिछले साल 22 अप्रैल में हुए पहलगाम हमले में भी शामिल था। दैनिक भास्कर ने तब पड़ताल की थी कि आखिर पहलगाम अटैक के दौरान पाकिस्तान से आतंकियों को कौन आदेश दे रहा था। इस दौरान दो पाकिस्तानी हैंडलर के नाम मिले थे। पहला अबू मूसा और दूसरा रिजवान हनीफ। दोनों पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में लश्कर-ए-तैयबा के ऑपरेटिंग कमांडर हैं। इन्हीं दोनों ने मुरीदके में अफगान को ट्रेनिंग भी दी थी। हालांकि, सूत्रों का दावा था कि पहलगाम अटैक का मास्टरमाइंड अबू मूसा ही है। ये सैफुल्लाह कसूरी का करीबी भी है।

अबू मूसा ने पहले भी हिंदुओं को मारने का जिक्र किया था

पिछले साल 5 मई को भी मूसा के वीडियो के साथ ये दावा किया था कि पहलगाम अटैक के पीछे इसकी साजिश हो सकती है। हमास की स्टाइल में अटैक करने के पीछे भी अबू मूसा की ट्रेनिंग और दावे की बात का खुलासा किया था। अबू मूसा का पहलगाम अटैक से 4 दिन पहले वीडियो भी वायरल हुआ था। दरअसल, 18 अप्रैल को लश्कर के एक कार्यक्रम में अबू मूसा ने कश्मीर में हिंदुओं को मारने का जिक्र किया था।

शिमला से भी ज्यादा रांची में पड़ रही ठंड

रांची, खूंटी सहित 13 जिलों में कोल्ड वेब, यलो अलर्ट जारी 3 डिग्री तक गिरेगा पारा

रांची, 14 जनवरी (एजेंसियां)। देशभर में जारी शीतलहर के बीच झारखंड की राजधानी रांची ने इस बार पहाड़ी शहरों को भी पीछे छोड़ दिया है। जारी न्यूनतम तापमान के आंकड़ों के अनुसार रांची का पारा 7.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में न्यूनतम तापमान 8.8 डिग्री रहा। आम तौर पर शिमला को अत्यधिक ठंड के लिए जाना जाता है, लेकिन इस बार रांची उससे भी ज्यादा ठंडी रही। हिमाचल प्रदेश समेत पहाड़ी इलाकों में लगातार हो रही बर्फबारी और उत्तर भारत से आ रही ठंडी पश्चिमी हवाओं की वजह ने झारखंड के मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल दिया है। मंगलवार से राज्यभर में ठंड और कनकनी तेज हो गई है। न्यूनतम तापमान में 0.5 से 1 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई है।

याह्या सिनवार के बाद कौन बनेगा हमास चीफ, चुनाव जल्द

खालिद मशाल सबसे बड़ा दावेदार इजराइल ने जहर दिया था फिर खुद बचाया

गाजा, 14 जनवरी (एजेंसियां)। गाजा जंग में अपने कई टॉप अधिकारियों के मारे जाने के बाद हमास अपने संगठन को मजबूत करने के लिए आंतरिक चुनाव कराने की तैयारी कर रहा है। हमास से जुड़े एक नेता ने बताया कि इसकी तैयारियां चल रही हैं। जमीनी हालात ठीक होते ही चुनाव कराए जाएंगे।

अधिकारी के मुताबिक ये चुनाव कुछ ही दिनों में होने की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक, अब हमास चीफ बनने के लिए खालिद मशाल का नाम सबसे आगे चल रहा है। इजराइल ने उसे मारने के लिए जहर दिया था, लेकिन इससे जॉर्डन से उसके संबंध खराब हो गए थे। इजराइल को मजबूरी में उसे बचाना पड़ा था।

अक्टूबर 2023 में इजराइल जंग की शुरुआत के बाद हमास के 2 चीफ मारे जा चुके हैं। इजराइल ने जुलाई 2024 में तेहरान में इस्माइल हानिया की हत्या कर दी थी। इसके बाद अगस्त में याह्या सिनवार को हमास चीफ बनाया गया, लेकिन दो महीने बाद अक्टूबर में सिनवार को राफा शहर में गोलीबारी के दौरान मारा गया।

सिनवार के मारे जाने के बाद हमास में किसी को भी चीफ नहीं बनाया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जंग की हालत में चुनाव में होने वाली मुश्किलों के चलते किसी को चीफ नहीं बनाया गया। यह भी माना गया कि अगर कोई नया चीफ बनाया जाता है तो इजराइल उसे निशाना बना सकता है।

इसके बाद हामास ने कतर में स्थित पांच सदस्यों वाली एक अंतरिम लीडरशिप कमिटी बनाई। ताकि जिम्मेदारी बंटी रहे और किसी एक शख्स पर पूरा खतरा न आए। बीते 15 महीने से यही कमिटी हमास से जुड़े फैसले ले रही है।

हमास ने अपनी 5 मेंबर वाली इंटरिम के सभी नाम सार्वजनिक तौर पर घोषित नहीं किए हैं। हालांकि अलग-अलग रिपोर्ट्स और हमास से जुड़े सूत्रों के मुताबिक पांच लोगों में अलील अल हय्या, खालिद मशाल, मूसा अबू मरजूक, जहीर जबरीन और निजार अवादल्लाह शामिल हैं।

बांग्लादेश में 12 फरवरी को होकर रहेगा चुनाव

मोहम्मद यूनुस ने दिलाया भरोसा, अवामी लीग के चुनाव लड़ने पर साधी चुप्पी

ढाका, 14 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने भरोसा दिलाया है कि 12 फरवरी को हर हाल में देश में चुनाव होंगे। मोहम्मद यूनुस की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया है कि 12 फरवरी को हर हाल में चुनाव होंगे, ना एक दिन पहले और ना एक दिन बाद। चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस ने ये बातें उस वक्त कही हैं, जब अमेरिका के दो पूर्व सीनियर डिप्लोमैट, अल्बर्ट गोम्बिस और मोर्स टैन ने मंगलवार देर रात ढाका में स्टेट गेस्ट हाउस जमुना में उनसे मुलाकात की। इन दोनों ने डोनाल्ड ट्रंप के पहले प्रशासन के दौरान काम किया था।

मोहम्मद यूनुस ने कहा कि चुनावों को लेकर फेक न्यूज और जानबूझकर भ्रम फैलाने की बाढ़ आ गई है। लेकिन उन्होंने आश्वास्त करते हुए कहा कि अंतरिम सरकार 12 फरवरी को चुनाव कराने और नतीजे घोषित होने के बाद लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को सत्ता सौंपने की अपनी इरादे और वादे पर कायम है। मोहम्मद यूनुस ने कहा कि कोई कुछ भी कहे, चुनाव 12 फरवरी को ही होंगे, न एक दिन पहले, न एक दिन बाद। उन्होंने आगे कहा कि मतदान आजाद, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण होगी और एक त्योहार जैसे माहौल में होगी।

मोहम्मद यूनुस की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि अंतरिम सरकार चुनावों के दौरान पूरी तरह से निष्पक्ष रहेगी। ताकि एक निष्पक्ष प्रशासन और सभी राजनीतिक पार्टियों के लिए समान अवसर सुनिश्चित होंगे। अमेरिका के पूर्व एक्टिंग अंडर सेक्रेटरी ऑफ स्टेट अल्बर्ट गोम्बिस और पूर्व एम्बेसडर-एट-लार्ज मोर्स टैन अहम चुनावों से पहले बांग्लादेश का दौरा किया है।

ये बैठक करीब एक घंटे तक चली, जिसमें मोहम्मद यूनुस और अमेरिकी डिप्लोमेट्स के बीच कई मुद्दों पर बात की गई। इस दौरान आगामी चुनाव, पिछले साल जुलाई में सत्ता परिवर्तन और उसके बाद के हालात, युवा प्रदर्शनकारियों का उदय, जुलाई चार्टर और जनमत संग्रह, वोट को टारगेट करने वाली फेक न्यूज और गलत जानकारी, रोहिंग्या संकट जैसे मामले शामिल थे।

लंदन में पाकिस्तानी ग्रूमिंग गैंग का आतंक

लंदन, 14 जनवरी (एजेंसियां)। ब्रिटेन पाकिस्तानी मुसलमानों से परेशान है। ब्रिटेन के कई नेता, कलाकार और क्रिकेटर्स से लेकर दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क भी ग्रूमिंग गैंग को लेकर ब्रिटेन सरकार की सख्त आलोचना कर चुके हैं।

इस बार ग्रूमिंग ने एक सिख लड़की, जो अभी सिर्फ 16 साल की है, उसे अगवा कर लिया और उसके साथ रेप किया है। इस बीच कम से कम 200 से ज्यादा सिखों ने फ्लैट पर धावा बोलकर दरिंदों से बच्ची को बचाया है। रिपोर्ट के मुताबिक, वेस्ट लंदन की ये घटना है, जहां पाकिस्तानी ग्रूमिंग गैंग ने इस बार एक सिख लड़की से रेप किया है। लड़की को एक पाकिस्तानी ग्रूमिंग गैंग ने किडनैप कर लिया था। घंटों के प्रदर्शन के बाद संदिग्ध को पुलिस हिरासत में ले लिया गया और लड़की अपने परिवार के पास वापस चली गई है। सिख प्रेस एसोसिएशन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी पाकिस्तानी शख्स है, जिसकी उम्र 40 साल है। इस शख्स पर आरोप है कि ये वेस्ट लंदन के हाउंस्लो इलाके में रहता है और कम उम्र की बच्चियों को फंसाने के लिए जाना जाता है। ये बहाने से दोस्ती करता है और कम उम्र की लड़कियों को फांसकर उसके साथ रेप करता है। पाकिस्तान से लंदन आने वाले दर्जनों शख्स अभी तक इन मामलों में पकड़े जा चुके हैं। ब्रिटिश नेताओं का आरोप है कि पाकिस्तानी मुसलमानों ने जानबूझकर ब्रिटेन की गोरी लड़कियों को फांसने के लिए ग्रूमिंग गैंग बना रखा है। ब्रिटेन की पूर्व गृहमंत्री प्रीति पटेल ने सार्वजनिक मंचों से पाकिस्तान के इस ग्रूमिंग गैंग के खिलाफ आवाज उठाई है। एलन मस्क ने भी ब्रिटेन सरकार को ग्रूमिंग गैंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं करने के लिए आलोचना की थी। सिख प्रेस एसोसिएशन का कहना है कि पाकिस्तानी ग्रूमिंग गैंग जान बूझकर दूसरे धर्म की लड़कियों को निशाना बनाता है। इसका कहना है कि जिस सिख लड़की का रेस्क्यू किया गया है, उसने सिख लड़की के साथ तब रिश्ता बनाना शुरू किया जब वह सिर्फ 13 साल की थी।

सऊदी अरब के सबसे उम्रदराज शख्स की मौत

रियाद, 14 जनवरी (एजेंसियां)। सऊदी अरब के सबसे उम्रदराज शख्स शेख नासर बिन रद्दान अल राशिद अल वदाई का निधन हो गया है। उन्हें सऊदी अरब का सबसे बुजुर्ग शख्स माना जाता था और उन्होंने राजधानी रियाद में 142 साल की उम्र में आखिरी सांस ली है। उनका प्राकृतिक वजहों से निधन हुआ है। उनका इतना ज्यादा उम्र तक जीना किसी आश्चर्य से कम नहीं था। उन्होंने उम्र के कई बंधनों को तोड़ दिया था। सऊदी अरब में सोशल मीडिया पर शेख नासर बिन रद्दान की काफी चर्चा की जा रही है।

शेख नासर ने 110 साल की उम्र में शादी की थी और उसके बाद भी वो पिता बनने में कामयाब रहे थे। इस शादी से उन्होंने एक बेटी को जन्म देकर पूरी दुनिया और विज्ञान को भी चौंका दिया था। सौ साल से ज्यादा उम्र में शादी और फिर इतनी ज्यादा उम्र में पिता बनने की उनकी क्षमता ने उन्हें बाकी लोगों से अलग बना दिया था।

पीओके में लश्कर कमांडर के घर में लगी आग

आतंकी की पत्नी और बेटी की जलकर मौत

मुजफ्फराबाद, 14 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में लश्कर-ए-तैयबा के टॉप आतंकी रिजवान हनीफ के घर में रहस्यमय परिस्थितियों में आग लग गई। यह आग इतनी भयावह थी कि घर में मौजूद पत्नी और बेटी को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला। इस कारण आग में जलने और दम घुटने से लश्कर आतंकी रिजवान हनीफ की पत्नी और बेटी की मौत हो गई। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। रिजवान हनीफ पीओके में लश्कर का डिप्टी चीफ है।

रिपोर्ट के अनुसार, लश्कर आतंकी रिजवान हनीफ का घर पीओके के रावलकोट में गरकानी के पास रहारा नारा गांव में है। खबरों के मुताबिक, इस घटना में उनकी पत्नी और बेटी की मौत हो गई। वे जिंदा जल गईं। यह पता नहीं चल सका है कि आग लगने की घटना के वक्त रिजवान हनीफ घर पर मौजूद था या नहीं। रिजवान हनीफ वही कुख्यात लश्कर कमांडर है जिसने पहलगाम हमले के आतंकवादी हबीब ताहिर, जिसे हमजा अफगानी के नाम से भी जाना जाता है, को लश्कर में शामिल किया था। वह लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के बीच जॉइंट कोऑर्डिनेटर के तौर पर भी काम करता है।

पिछले साल जुलाई में रिजवान हनीफ की जूतों से पिटाई हुई थी। वह स्थानीय बच्चों को आतंकवादी बनाने की कोशिश कर रहा था। इस दौरान जब बच्चों के घरवालों को इसकी जानकारी हुई, तो उन्होंने रिजवान हनीफ की जमकर पिटाई की थी। वह इन बच्चों का ब्रेनवॉश कर उन्हें स्थानीय आतंकी कैंपों में भर्ती करने की तैयारी में था। सूत्रों के अनुसार, वह पीओके में युवाओं की भर्ती, हथियारों की तस्करी और भारत विरोधी गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाता है।

3 संतान होने पर भी लड़ सकेंगे निकाय-पंचायत चुनाव

30 साल पुराने कानूनी प्रावधान को वापस लेने की तैयारी

जयपुर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। विधानसभा के बजट सत्र में आने वाले विधेयकों के लिए तैयारी शुरू हो गई है। पंचायत-निकाय चुनाव से पहले राजस्थान सरकार ने दो संतान बाध्यता से जुड़े 30 साल पुराने कानून में संशोधन के लिए विधेयक का ड्राफ्ट अंतिम चरण में पहुंचा दिया है। इसके बाद तीन संतान होने पर भी चुनाव लड़ने की पात्रता मानी जाएगी। इसके अलावा दो अन्य अध्यादेशों के स्थान पर लाए जाने वाले विधेयकों को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है। इन चारों विधेयकों को आने वाले बजट सत्र में विधानसभा में पेश किया जाएगा।

पहले 1994 के पंचायती राज अधिनियम और 2009 के नगरपालिका अधिनियम में अध्यादेश के जरिए संशोधन की तैयारी थी, लेकिन अध्यादेश नहीं लाया गया। उसके स्थान पर अब विधेयक लाने की तैयारी चल रही है। पंचायती राज विभाग और नगरीय विकास विभागों ने अपने-अपने विधेयकों के ड्राफ्ट तैयार करके विधि विभाग भेज दिए हैं, जिनको अंतिम रूप देने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

इन अध्यादेशों के स्थान पर आएंगे विधेयक

राजस्थान जन विश्वास (प्रावधानों का संशोधन) अध्यादेश-2025: वन अधिनियम एवं काश्तकारी अधिनियम सहित अन्य छोटे अपराधों को लेकर मुकदमा चलाने के बजाय जुर्माना लगाने का प्रावधान किया गया। यह अध्यादेश केंद्र की तर्ज पर जन विश्वास कानून लाने के उद्देश्य से लाया गया।

राजस्थान दुकान एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठान (संशोधन) अध्यादेश, 2025: श्रम कानूनों में संशोधन किया गया। 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों को दुकानों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में काम करने की अनुमति नहीं होगी, वहीं प्रशिक्षु बनने की न्यूनतम आयु 12 से बढ़ाकर 14 वर्ष कर दी गई है। स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा को ध्यान में रखते हुए 14 से 18 वर्ष आयुवर्ग के किशोरों से रात के समय काम नहीं कराया जा सकेगा। दैनिक कार्य की सीमा 9 घंटे से बढ़ाकर 10 घंटे कर दी, वहीं तिमाही ओवरटाइम सीमा 126 घंटे से बढ़ाकर 144 घंटे कर दी गई।

27 नवंबर 1995 के बाद तीसरा बच्चा तो पंच, सरपंच, उपसरपंच, पंचायत समिति सदस्य, जिला परिषद सदस्य, प्रधान, प्रमुख, पार्षद, संभापति, महापौर का चुनाव नहीं लड़ सकते। अगर किसी ने गलत जानकारी देकर चुनाव लड़ लिया तो पद चला जाता है और जेल भी होती है। राजस्थान नगरपालिका अधिनियम की धारा 24 में यह प्रावधान है, वहीं पंचायती राज अधिनियम में भी इसी तरह का प्रावधान है। कई राज्य इस प्रावधान को वर्षों पहले ही वापस ले चुके हैं।

केंद्रीय मंत्री बोले - 11 साल में टूरिज्म में हुआ अभूतपूर्व विकास

एक साल में आए 2 करोड़ विदेशी सैलानी

जोधपुर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत जोधपुर एयरपोर्ट पहुंचे। इस दौरान उन्होंने प्रदेश और देश में पर्यटन की वर्तमान स्थिति को लेकर पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में पर्यटन क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हुआ है, जिसका सकारात्मक प्रभाव अब पूरे विश्व में देखा जा रहा है।

शेखावत ने बताया कि बीते एक वर्ष में भारत में करीब 2 करोड़ विदेशी पर्यटक आए हैं। वहीं यदि पर्यटन यात्राओं के रूप में गणना की जाए तो देश भर में 294 करोड़ पर्यटन ट्रिप्स हुई हैं, जो दुनिया के किसी भी देश के लिए आश्चर्यजनक और असाधारण आंकड़ा है। उन्होंने कहा कि यह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि भारत वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर तेजी से उभर रहा है।

उन्होंने बताया कि मोदी सरकार बनने के बाद पर्यटन को विशेष प्राथमिकता दी गई। सड़क, हाईवे, रेल और एयर कनेक्टिविटी के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास किया गया, जिससे पर्यटकों की आवाजाही सुगम हुई और पर्यटन की संभावनाओं में कई गुना वृद्धि हुई।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने विभिन्न योजनाओं के माध्यम से 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। इसके चलते प्रमुख पर्यटन स्थलों पर सुविधाओं का विस्तार हुआ है तथा पर्यटकों के अनुभव की गुणवत्ता में भी सुधार आया है। उन्होंने यह भी कहा कि घरेलू पर्यटकों की बढ़ती क्रयशक्ति के कारण धार्मिक पर्यटन, सांस्कृतिक पर्यटन और अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है।

एविएशन सेक्टर को लेकर शेखावत ने कहा कि आने वाले समय में इस क्षेत्र में ई क्रांति देखने को मिलेगी, जिससे पर्यटन को और अधिक गति मिलेगी। जोधपुर एयरपोर्ट के नए टर्मिनल के लोकार्पण पर उन्होंने कहा कि इसका उद्घाटन बहुत जल्द किया जाएगा। वहीं जोधपुर में प्रस्तावित एलिवेटेड रोड को लेकर उन्होंने बताया कि इसके टेंडर जारी हो चुके हैं और शीघ्र ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

सीपी जोशी का कांग्रेस पर तीखा हमला : बोले- राम और विकसित भारत पर राजनीति करना दुर्भाग्यपूर्ण

चित्तौड़गढ़, 14 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी की ओर से वीबीजी रामजी योजना और विकसित भारत संकल्प को लेकर सांसद जनसुनवाई केंद्र पर एक पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। इस दौरान सांसद सी.पी. जोशी ने कांग्रेस और विपक्षी दलों पर देश को विकसित राष्ट्र बनने से रोकने के लिए भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। सांसद सी.पी. जोशी ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में भारत हमेशा दुनिया पर निर्भर रहा, जबकि आज देश आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय विजन और वीबीजी रामजी जैसी योजनाओं से कांग्रेस को परेशानी हो रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि जिन लोगों ने वर्षों तक राम मंदिर निर्माण का विरोध किया और अदालतों में हलफनामे दिए, उन्हें आज प्रभु श्रीराम के नाम और रामराज्य की अवधारणा से इतनी आपत्ति क्यों हो रही है।

2047 तक विकसित भारत प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प

सांसद जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लिया गया 2047 तक विकसित भारत का संकल्प आज के भारत की जरूरतों के अनुरूप है। समय-समय पर योजनाओं में किए जा रहे सुधार उनकी उपयोगिता को और मजबूत बनाते हैं, लेकिन कांग्रेस को हर सकारात्मक पहल से तकलीफ होती है।

उन्होंने कहा कि जब लोकसभा में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वीबीजी रामजी योजना के नाम में सुधार और नाम परिवर्तन को लेकर प्रस्तुति दी, तब भी कांग्रेस नेताओं ने इसका विरोध किया।

सांसद सी.पी. जोशी ने सवाल उठाया कि जिन लोगों का महात्मा गांधी के आदर्शों से कोई लेना-देना नहीं रहा, वे आज 'गांधी' नाम का राजनीतिक इस्तेमाल क्यों कर रहे हैं। सांसद जोशी ने कहा कि गरीब, किसान, श्रमिक और समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के सशक्तिकरण के लिए अगर किसी सरकार ने ईमानदारी से काम किया है, तो वह मोदी सरकार है। स्वच्छ भारत अभियान, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना, बिजली-पानी कनेक्शन, आवास योजना, रोजगार गारंटी और सम्मानजनक जीवन के लिए ठोस कदम उठाए गए हैं।

मनरेगा को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए सांसद जोशी ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने रोजगार गारंटी योजना का नाम कई बार बदला—कभी राष्ट्रीय रोजगार योजना, कभी नरेगा और चुनाव के समय मनरेगा। उन्होंने आंकड़ों के जरिए बताया कि यूपीए सरकार के 10 वर्षों की तुलना में मोदी सरकार के कार्यकाल में अधिक श्रम दिवस, अधिक कार्य और अधिक पारदर्शिता के साथ इस योजना का संचालन हुआ है। उन्होंने बताया कि अब 100 दिन की रोजगार गारंटी को बढ़ाकर 125 दिन किया गया है और जनजातीय क्षेत्रों में अतिरिक्त 25 रोजगार दिवस का प्रावधान भी जोड़ा गया है।

सांसद जोशी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष जैसी संस्थाएं भी मानती हैं कि भारत में करोड़ों लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। यह बदलाव एक दिन में नहीं हुआ, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के योजनाबद्ध और ईमानदार सुशासन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता का विश्वास खो चुकी है, इसलिए वह हर राष्ट्रहित की योजना का विरोध कर रही है, लेकिन देश की जनता सच्चाई समझ चुकी है।

'नौकरियां बेचने वाले नेताओं पर कब होगी कार्रवाई?'

सांसद रोत ने पेपर लीक मामले में लगाए गंभीर आरोप

उदयपुर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। बीएपी से बांसवाड़ा-डूंगरपुर सांसद राजकुमार रोत सर्किट हाउस में मीडिया से रूबरू हुए। उन्होंने सैकेंड ग्रेड टीचर भर्ती-2022 के पेपर लीक मामले में गिरफ्तार आरपीएससी के पूर्व सदस्य बाबूलाल कटारा को लेकर कई आरोप लगाए हैं। उन्होंने पेपर लीक में कई नेताओं के शामिल होने की बात कही। रोत ने कहा कि कटारा के कंधे पर बंदूक रखकर नौकरियां बेचने वाले नेताओं पर कार्रवाई कब होगी?

सर्किट हाउस में सांसद रोत ने कहा कि कटारा को आरपीएससी सदस्य बनाने की सिफारिश करने वाले नेता ही इसमें शामिल हैं और उनके नाम ईडी के बयानों में भी उजागर हुए हैं। सभी सिफारिश करने वाले गलत नहीं कहे जा सकते, लेकिन उनकी चुप्पी का मतलब ही गलत होना है। रोत ने उदयपुर कांग्रेस देहात जिलाध्यक्ष रघुवीर मीणा, डूंगरपुर कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश खोड़निया और पूर्व मंत्री अर्जुन बामनिया के नाम लिए। सांसद रोत ने 24 सितंबर 2020 को उदयपुर-डूंगरपुर के बीच हुए कांकरी डूंगरी मामले में भी इन्हें आरोपी ठहराया। तत्कालीन सीएम अशोक गहलोत को दिए ब्रीफ नोट में कहा गया कि कांकरी डूंगरी कांड में शांति बहाल कराने में बाबूलाल कटारा का बड़ा योगदान रहा। इसी से उन्हें आरपीएससी सदस्य बनाकर इनाम दिया। कांकरी डूंगरी प्रकरण में जो नेता शामिल थे, उन्होंने पेपर लीक केस के बाद किनारा कर लिया और छवि सुधारने में लगे हैं।

कांग्रेस से भाजपा में गए और वापस कांग्रेस में लौटने को लेकर चर्चा में आए महेंद्रजीत सिंह मालवीया को लेकर भी सांसद रोत ने कहा कि कांग्रेस में रहते मालवीया पर कई आरोप लगे। फिर वे भाजपा की 'वॉशिंग मशीन' में धुलकर बेदाग हो गए।

मालवीया की इस आवाजाही में दाग खत्म होने से सवाल उठता है कि अब कांग्रेस में लौटने पर क्या उन पर कार्रवाई होगी? वे भाजपा में गए तब बोले थे कि उन्हें राम मंदिर नहीं जाने दिया, इसलिए भाजपा में गए। तो क्या अब उनको कांग्रेस राम मंदिर जाने के लिए कह रही है, जो वापस कांग्रेस में लौट रहे हैं।

भीषण सड़क हादसा: ट्रक और कार की भिड़ंत में छह महिलाओं की मौत

सीकर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के सीकर जिले में बुधवार को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे फतेहपुर कस्बे और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को शोक में डुबो दिया। फतेहपुर उपखंड क्षेत्र के हरसावा गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर कार और ट्रक की जोरदार भिड़ंत हो गई, जिसमें फतेहपुर निवासी 6 महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि कार पूरी तरह तहस-नहस हो गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस व एंबुलेंस की मदद से घायलों को कार से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। थानाधिकारी सुरेंद्र देगड़ा ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाली महिलाओं की पहचान संतोष पत्नी सत्यनारायण माली, तुलसी देवी पत्नी ललित, मोहन देवी पत्नी महेश, इन्द्रा पुत्री महेश, आशा पत्नी मुरारी और चंदा पत्नी सुरेन्द्र के रूप में हुई है। सभी महिलाएं फतेहपुर क्षेत्र की रहने वाली थीं और रघुनाथपुर से लक्ष्मणगढ़ किसी बैठक में शामिल होकर कार से वापस लौट रही थीं। इसी दौरान हरसावा गांव के पास एनएच-52 पर तेज रफ्तार ट्रक से कार की जोरदार टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनकी पहचान वशीम पुत्र मनीर खां, सोनू पुत्री सुरेन्द्र और बरखा पत्नी ओमप्रकाश के रूप में हुई है. हादसे के तुरंत बाद घायलों को स्थानीय लोगों और पुलिस की सहायता से एंबुलेंस के माध्यम से फतेहपुर के राजकीय उपजिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने सीकर रेफर कर दिया। हादसे के बाद हाईवे-52 पर करीब आधे घंटे तक वाहनों की लंबी कतार लग गई और आवागमन प्रभावित हुआ। सूचना मिलते ही फतेहपुर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर ट्रक और कार को सड़क से हटवाया और यातायात को सुचारु करवाया। मृतकों के शवों को फतेहपुर के राजकीय उपजिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया, जहां पोस्टमार्टम की कार्यवाई सोमवार सुबह होने की संभावना है।

हनुमान बेनीवाल ने वापस लिया जयपुर कूच का फैसला

आंदोलन हुआ स्थगित; मांगों पर बनी सहमति

नागौर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल और जिला प्रशासन के बीच बुधवार सुबह सहमति बनने के बाद जयपुर कूच का फैसला वापस ले लिया है। इसके साथ ही रियांबड़ी और मेड़ता क्षेत्र की विभिन्न मांगों को लेकर शुरू किया गया आंदोलन फिलहाल स्थगित हो गया है। सांसद हनुमान बेनीवाल का काफिला हजारों किसानों और समर्थकों के साथ जयपुर की ओर निकला था। लेकिन, प्रशासन के आग्रह पर काफिला देर रात नागौर-अजमेर जिले की सीमा पर स्थित बाढी घाटी में रुका।

रात करीब 11:30 बजे अजमेर रेंज आईजी राजेंद्र सिंह, नागौर जिला कलक्टर अरुण कुमार पुरोहित और एसपी मृदुल कच्छावा मौके पर पहुंचे। यहां प्रतिनिधिमंडल से वार्ता की। लेकिन, कुछ बिंदुओं पर सहमति नहीं बन पाई। इसके बाद बुधवार सुबह करीब 5 बजे एक बार फिर वार्ता का दौर चला, जो सफल रही।

इसके बाद हनुमान बेनीवाल ने सरकार की ओर से सभी मांगें मानने की घोषणा की और जयपुर कूच स्थगित कर दिया। साथ ही आंदोलन समाप्त करने का एलान किया।

छह प्रमुख मांगों पर लिखित सहमति

हनुमान बेनीवाल ने बताया कि प्रशासन ने उनकी सभी छह प्रमुख मांगों पर लिखित सहमति दी है। बजरी माफिया के खिलाफ कार्रवाई के लिए एक दिन के भीतर सर्वे शुरू किया जाएगा और आगामी दो-तीन दिनों में सभी प्रक्रियाएं पूरी कर ली जाएंगी। किसानों को मुआवजा सहित अन्य मांगों पर भी जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है।

प्रशासनिक अधिकारियों के सामने रखी ये मांगें

वार्ता के दौरान बजरी माफियाओं के खिलाफ ड्रोन सर्वे और मैनुअल जांच कर सख्त कार्रवाई करने व भारी जुर्माना लगाने की मांग रखी गई। डेगाना एसडीएम, डेगाना डीएसपी और माइनिंग इंजीनियर राकेश शेषमा सहित नागौर के अन्य अधिकारियों को पद से हटाने और निलंबन की मांग की। मेड़ता और रियां क्षेत्र के उन गांवों को आपदा राहत में शामिल करने की मांग की गई है, जिन्हें पिछले वर्ष का मुआवजा अब तक नहीं मिला है। एसडीएम द्वारा कथित तौर पर गलत तरीके से आवंटित 14 हजार बीघा गोचर भूमि के मामले में भी सख्त कार्रवाई की मांग की। जिस पर प्रशासन ने लिखित सहमति दी है।

बता दें कि किसानों की मांगों को लेकर प्रशासन की टालमटोल नीति ने आंदोलन की आग को भड़का दिया था। प्रशासन द्वारा मांगी गई दो दिन की मोहलत खत्म होने के बाद रियां बड़ी में भारी संख्या में किसान जुटे। नागौर सांसद और आरएलपी प्रमुख हनुमान बेनीवाल भी धरना स्थल पर पहुंचे। इस दौरान सांसद बेनीवाल ने कहा कि प्रशासन केवल कागजी खानापूर्ति कर रहा है, जबकि धरातल पर किसानों को राहत देने का कोई इरादा नहीं दिख रहा। प्रशासनिक रवैये से नाराज होकर सांसद हनुमान बेनीवाल ने आर-पार की लड़ाई का बिगुल फूंक दिया है।

ट्रक से 24 किलो डोडा पोस्त जब्त, दो आरोपी गिरफ्तार

चूरू, 14 जनवरी (एजेंसियां)। शहर की सदर थाना पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए एनएच-52 पर नाकाबंदी के दौरान बिनोला पशु आहार से भरे ट्रक से डोडा पोस्त जब्त किया है। पुलिस ने मौके से दो तस्करों को गिरफ्तार कर ट्रक को भी जब्त कर लिया। सदर थानाधिकारी मोटाराम ने बताया कि नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया सदर थाना क्षेत्र में नाकाबंदी की गई थी। इस दौरान सामने से आ रहे एक ट्रक को रुकवाकर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान ट्रक के केबिन में छिपाकर रखा गया 24 किलो 216 ग्राम डोडा पोस्त बरामद हुआ। पुलिस ने ट्रक चालक मनोज कुमार (32) निवासी तलवाड़ा खुर्द, हनुमानगढ़ तथा उसके साथी सुभाष (27) को गिरफ्तार किया। पूछताछ में सामने आया कि ट्रक में भरा बिनोला पशु आहार मध्यप्रदेश से हरियाणा ले जाया जा रहा था और इसी आड़ में डोडा पोस्त की तस्करी की जा रही थी। प्रारंभिक जांच में आरोपियों ने खुलासा किया कि उन्होंने यह डोडा पोस्त नीमच के पास हाईवे पर एक बाइक सवार से खरीदा था, जिसे हरियाणा ले जाकर सप्लाई करना था।

मामले की आगे की जांच दूधवाखारा थानाधिकारी महेन्द्र कुमार मीणा को सौंपी गई है। कार्रवाई करने वाली टीम में सदर थानाधिकारी मोटाराम के साथ कांस्टेबल नवीन, सरजीत और धर्मेन्द्र शामिल रहे।

त्रिनेत्र गणेश मार्ग पर बढ़ता बाघ मूवमेंट

श्रद्धालुओं की सुरक्षा बनी बड़ी चुनौती

सवाई माधोपुर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। प्रदेश के सबसे बड़े रणथंभौर टाइगर रिजर्व में स्थित त्रिनेत्र गणेश मार्ग पर लगातार बढ़ती बाघों की चहलकदमी वन विभाग के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही है। इस मार्ग से होकर रणथंभौर स्थित प्रसिद्ध त्रिनेत्र गणेश मंदिर के दर्शन के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते-जाते हैं। ऐसे में बाघ, बाघिन और शावकों की लगातार मौजूदगी के कारण श्रद्धालुओं की जान पर खतरा बना हुआ है।

त्रिनेत्र गणेश मार्ग रणथंभौर टाइगर रिजर्व के बीचों-बीच स्थित है। रणथंभौर की हृदयस्थली माने जाने वाले जोन नंबर एक से पांच भी इसी मार्ग पर पड़ते हैं। यही कारण है कि यह इलाका बाघों की सघन आबादी वाला क्षेत्र माना जाता है। वन अधिकारियों के अनुसार, यह मार्ग बाघों के प्राकृतिक विचरण क्षेत्र में आता है, जहां उनका मूवमेंट स्वाभाविक रूप से अधिक रहता है।

वन विभाग के मुताबिक, रणथंभौर के कुल बाघों की आधी से भी अधिक आबादी इसी क्षेत्र में विचरण करती है। वर्तमान में त्रिनेत्र गणेश मार्ग और उसके आसपास करीब आधा दर्जन से अधिक बाघ, बाघिन और शावकों की गतिविधियां लगातार बनी हुई हैं। विशेष रूप से बाघिन सुल्ताना और बाघिन रिद्धि का मूवमेंट अक्सर इसी मार्ग और आसपास के क्षेत्रों में देखा जा रहा है। बाघिन सुल्ताना टी-107 ने हाल ही में त्रिनेत्र गणेश मार्ग स्थित मिश्रदर्रा गौमुखी क्षेत्र के पास शावकों को जन्म दिया है। इसी कारण उसका मूवमेंट इन दिनों त्रिनेत्र गणेश मार्ग और आसपास के इलाके तक सीमित है। वहीं उसका एक सब-एडल्ट शावक टी-25011 नई टेरिटरी की तलाश में इसी क्षेत्र में घूमता रहता है।

187 करोड़ के अधूरे काम को दिखाया पूरा

पीएचईडी के 3 अफसरों पर एफआईआर दर्ज

जयपुर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। जल जीवन मिशन के तहत करोड़ों रुपए की परियोजनाओं में फर्जी बिडिंग कैपेसिटी, झूठे शपथ पत्र और अधूरे कार्यों को पूरा बताकर सरकारी धन का दुरुपयोग करने के मामले में एसीबी ने पीएचईडी के तीन वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आरोपियों में एक अधिकारी सेवानिवृत्त हो चुका है।

यह कार्रवाई जलदाय विभाग की स्पेशल प्रोजेक्ट शाखा से जुड़े टेंडरों में बड़े स्तर पर मिलीभगत और पद के दुरुपयोग की पुष्टि के बाद की गई है। एसीबी अधिकारियों ने बताया कि जयपुर के मानसरोवर निवासी जितेन्द्र शर्मा की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई। शिकायत में आरोप लगाया गया कि हैदराबाद की एक फर्म ने जेजेएम के तहत पांच बड़े प्रोजेक्ट्स के टेंडरों में अपनी बिडिंग कैपेसिटी बढ़ाकर दिखाने के लिए झूठे शपथ पत्र प्रस्तुत किए।

इसके लिए चंबल-भीलवाड़ा वॉटर सप्लाई प्रोजेक्ट फेज-2, पैकेज-3 (वर्क ऑर्डर राशि लगभग 187.33 करोड़ रुपए) के अधूरे कार्य को पूर्ण बताया गया, जबकि मौके पर अब भी कई गांवों में कमीशनिंग और स्काडा का कार्य अधूरा था।

बिजली का कहर, हाईटेंशन लाइन गिरने से 20 घायल, गांव में अफरा-तफरी और दहशत

भरतपुर, 14 जनवरी (एजेंसियां)। भरतपुर जिले के रुदावल थाना क्षेत्र के जोतरौली गांव में एक भयानक हादसा हुआ, जब 11 हजार केवी की हाईटेंशन विद्युत लाइन टूटकर गांव की कॉलोनी पर गिर गई। इस अप्रत्याशित घटना से पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई और करीब 20 लोग करंट की चपेट में आकर झुलस गए। घायलों में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल हैं। सभी को रुदावल अस्पताल और भरतपुर के जिला आरबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। ग्रामीण कप्तान सिंह ने बताया कि हादसे के समय अधिकांश लोग घरों में खाना खा रहे थे। अचानक तेज धमाके के साथ 11 हजार केवी की विद्युत लाइन टूटकर कॉलोनी पर गिर गई। तार गिरते ही कई घरों में शॉर्ट सर्किट और विस्फोट होने लगे, जिससे लोग घबराकर बाहर की ओर भागे। बाहर निकलते ही कई ग्रामीण बिजली के तारों और करंट की चपेट में आ गए।

घटना में कई लोग बुरी तरह झुलस गए। ग्रामीणों की मदद से घायलों को तुरंत रुदावल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से गंभीर रूप से घायल लोगों को जिला आरबीएम अस्पताल, भरतपुर रेफर किया गया। आरबीएम अस्पताल के आईसीयू में कुछ गंभीर घायलों को भर्ती किया गया है।

अस्पताल में भर्ती घायलों में 35 वर्षीय शारदा, 60 वर्षीय ओमवती, 28 वर्षीय नीतू और ढाई साल का एक मासूम बच्चा शामिल हैं। इसके अलावा करीब पांच अन्य घायलों का इलाज रुदावल अस्पताल में जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, विद्युत विभाग की टीम और 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। जिला आरबीएम अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. नागेन्द्र सिंह भदौरिया भी अस्पताल पहुंचे और घायलों से मुलाकात कर उन्हें बेहतर इलाज का भरोसा दिलाया।

सीईओ ने यूरोपीय संसद अधिकारियों से की मुलाकात

भारत की चुनाव प्रक्रिया को बताया ग्लोबल गोल्ड स्टैंडर्ड

ब्रुसेल्स / हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को ब्रुसेल्स में एच.ई. एनेबेल हेगमैन, डायरेक्टर जनरल, एफपीएस इंटीरियर, तथा यूरोपीय संसद के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की।

इस दौरान भारत की चुनाव प्रबंधन प्रणाली को पारदर्शिता और कानूनी मजबूती का वैश्विक उदाहरण बताया गया। उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए सी. सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि भारत ने दुनिया की सबसे पारदर्शी और कानूनी रूप से मजबूत चुनाव प्रणाली विकसित की है, जो पृथ्वी के सबसे जटिल भौगोलिक क्षेत्रों में भी लगभग एक अरब मतदाताओं के चुनाव सफलतापूर्वक कराती है। उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने 2024-25 चुनाव चक्र के दौरान लगभग 97.9 करोड़ मतदाताओं के लिए चुनाव कराए, जिसमें 2 करोड़ से अधिक कर्मियों की तैनाती की गई। यह अब तक का दुनिया का सबसे बड़ा चुनावी अभियान है। रेड्डी ने कहा कि भारत का लोकतंत्र 23 भाषाओं, अनेक धर्मों और हिमालयी गांवों से लेकर द्वीपीय क्षेत्रों तक फैली विषम भौगोलिक परिस्थितियों में संचालित होता है। यहां एक मतदान केंद्र पर 1 से लेकर 1,500 मतदाता तक मतदान करते हैं। भारत की चुनाव व्यवस्था की रीढ़ दुनिया की सबसे बड़ी मतदाता सूची है, जिसे सालभर चलने वाले पंजीकरण और चार वार्षिक अर्हता तिथियों के माध्यम से अपडेट किया जाता है।

जनवरी 2025 में प्रकाशित लगभग एक अरब नामों की सूची में से 2 करोड़ दावे और आपत्तियां निपटाई गईं, जबकि अंततः केवल 89 अपीलें दायर हुईं। रेड्डी ने कहा कि राजनीतिक दल और बूथ लेवल एजेंट पूरी प्रक्रिया के दौरान 'समवर्ती ऑडिटर' की भूमिका निभाते हैं। उन्होंने भारत की ईवीएम-वीवीपीएटी प्रणाली की सुरक्षा व्यवस्था पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ये मशीनें स्टैंडअलोन, नेटवर्क-रहित और छेड़छाड़ से पूरी तरह सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि 2024 के चुनावों में 6.2 मिलियन ईवीएम यूनिट्स से 705 मिलियन वोट एक ही दिन में गिने गए। 817 मिलियन से अधिक वीवीपीएटी पर्चियां मतदाताओं ने स्वयं देखीं। गिनती के दौरान 1.6 करोड़ वीवीपीएटी स्लिप्स का भौतिक सत्यापन किया गया, जिसमें एक भी विसंगति नहीं पाई गई। उन्होंने बताया कि 35 वर्षों में ईवीएम को चुनौती देने वाली सभी 41 याचिकाएं भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा खारिज की जा चुकी हैं। रेड्डी ने कहा कि भारत में चुनाव संविधान और वैधानिक प्रावधानों के तहत कराए जाते हैं, जिनकी निगरानी के लिए हजारों जनरल, पुलिस और व्यय पर्यवेक्षक तैनात किए जाते हैं। इसके साथ ही डिजिटल वोटर और उम्मीदवार ऐप्स का एक मजबूत तंत्र भी विकसित किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत ने कठोर परिश्रम और पूर्ण पारदर्शिता के माध्यम से जनता का विश्वास अर्जित किया है। आज भारतीय निर्वाचन आयोग कानून के तहत कराए जाने वाले चुनावों के लिए वैश्विक स्वर्ण मानक बन चुका है।

एक-दिवसीय ऑटो बंद का आह्वान, पूर्ण शराबबंदी की मांग

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। महत्मा गांधी तेलंगाना ऑटो ड्राइवर्स जेएसी के संयोजक मोहम्मद अमानुल्लाह खान ने बुधवार को 20 जनवरी को प्रस्तावित एक-दिवसीय सिटी ऑटो बंद को पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की।

यह बंद एएलडब्ल्यूएफ संगठन के आह्वान पर किया जा रहा है, जिसमें ऑटो चालकों की लंबे समय से लंबित और 'वाजिब' मांगों के समाधान की मांग की गई है। प्रेस बयान में खान ने जुड़वां शहरों के सभी ऑटो चालकों से हड़ताल में भाग लेने और इसे सफल बनाने की अपील की।

उन्होंने आरोप लगाया कि ऑटो चालकों की समस्याओं की जड़ महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा योजना है। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं का एकमात्र समाधान राज्य में पूर्ण शराबबंदी लागू करना है और इसके लिए 'करो या मरो' आंदोलन की जरूरत है। कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए खान ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर निशाना साधा, जो स्वयं को 'सोशल डॉक्टर' बताते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार शराब बिक्री को बढ़ावा देकर राज्य को 'नशेड़ी तेलंगाना' में बदल रही है। खान ने दावा किया कि कांग्रेस शासन के पिछले दो वर्षों में सड़क दुर्घटनाओं, अपराधों और महिलाओं पर अत्याचारों में खतरनाक वृद्धि हुई है।

न्यूजीलैंड ने भारत को 7 विकेट से हराया

दूसरे वनडे में डेरिल मिचेल का शतक, 3 मैचों की सीरीज 1-1 की बराबरी पर आई

राजकोट, 14 जनवरी (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने वनडे सीरीज के दूसरे मैच में भारतीय टीम को 7 विकेट से हरा दिया है। कीवियों ने बुधवार को 285 रन का टारगेट 47.3 ओवर में 3 विकेट पर हासिल कर लिया। यह न्यूजीलैंड भारत में सबसे बड़ा रन चेज है। डेरिल मिचेल ने चौका मारकर टीम को जीत दिलाई। उन्होंने 117 बॉल पर नाबाद 131 रनों की शतकीय पारी खेली। उन्होंने 11 चौके और 2 छक्के लगाए। उनके अलावा, विल यंग ने 87 रन बनाए।

राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग चुनी। भारत ने 50 ओवर में 7 विकेट 284 रन बनाए।

केएल राहुल ने 92 बॉल पर नाबाद 112 रन की पारी खेली। उन्होंने वनडे करियर का 8वां शतक लगाया। कप्तान शुभमन गिल ने 56, रोहित शर्मा ने 24 और विराट कोहली ने 23 रन बनाए। न्यूजीलैंड से क्रिस्टियन क्लार्क ने 3 विकेट झटके।

इस मैच के बाद 3 मैचों की वनडे सीरीज 1-1 की बराबरी पर आ गई है। सीरीज का आखिरी मैच 18 जनवरी को इंदौर के होलकर मैदान पर खेला जाएगा।

केंद्र ने अब तक ग्राम पंचायतों को जारी किए 11 हजार करोड़ रुपये: केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने तेलंगाना में ग्राम पंचायतों और स्थानीय निकायों को फंड जारी करने के केंद्र सरकार के निर्णय का स्वागत किया है।

उन्होंने इसे ग्रामीण लोकतंत्र को मजबूत बनाने की केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता बताया। किशन रेड्डी ने कहा कि पिछले दशक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य की ग्राम पंचायतों और स्थानीय निकायों को 11,000 करोड़ रुपये से अधिक फंड जारी किए गए हैं। मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार का विश्वास है कि स्थानीय स्तर पर लोकतंत्र मजबूत होने से जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ती है, चाहे क्षेत्र कितना भी दूर क्यों न हो। हाल ही में संपन्न ग्राम पंचायत चुनावों के बाद केंद्र सरकार जल्द ही शेष राशि जारी करेगी। 2024-25 के लिए पहली किश्त 260 करोड़ जारी की जाएगी। उपयोग प्रमाण पत्र जमा होने के बाद शेष 2,500 करोड़ रुपए फेज़ में रिलीज़ होंगे।

प्रत्येक ग्राम पंचायत के लिए अलग बैंक खाता अनिवार्य है। खाता पीएफएमएस पोर्टल पर पंजीकृत होना चाहिए ताकि एक विशिष्ट एजेंसी कोड प्राप्त हो। किशन रेड्डी ने कहा कि पूर्व बीआरएस सरकार ने खातों को जब्त कर फंड अन्य प्रयोजनों में डायवर्ट किए। कई सरपंचों ने फंड न मिलने पर इस्तीफा दिया और कुछ ने आत्महत्या भी की। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। केंद्रीय मंत्री ने तेलंगाना सरकार से आग्रह किया कि वह केंद्र के ग्रामीण विकास प्रयासों के साथ सहयोग करे और ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाए।

सरकार ने हैंडलूम कर्ज माफी के लिए 16.27 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति जारी की

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि, हैंडलूम और वस्त्र मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने बुधवार को बताया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंथ रेड्डी के निर्देशानुसार हैंडलूम बुनकरों के कर्ज माफी कार्यक्रम के लिए अतिरिक्त 16.27 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दे दी गई है। यह राशि उन बुनकरों के लिए है, जिनके व्यक्तिगत कर्ज की राशि 1 लाख रुपये तक है। मंत्री ने बताया कि इससे पहले संबंधित जिलों में 33 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं, ताकि बुनकरों के खातों में सीधे जमा किया जा सके। अप्रैल 2017 से मार्च 2024 के बीच लिए गए 1 लाख रुपये तक के व्यक्तिगत कर्ज इस माफी के दायरे में आएंगे, जिनसे कुल 6,784 बुनकर लाभान्वित होंगे।

तुम्मला नागेश्वर राव ने यह भी बताया कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में अब तक हैंडलूम बुनकरों के कल्याण के लिए लगभग 960 करोड़ रुपये आवंटित किए जा चुके हैं। बुनकरों के सतत रोजगार सुनिश्चित करने के लिए मंत्री ने सभी सरकारी विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे वस्त्र खरीद केवल टेस्को से करें। इसके तहत विभिन्न विभागों ने अब तक 896 करोड़ रुपये के ऑर्डर दिए हैं। इसके अलावा, 30,000 पावर लूम के निरंतर कार्य के लिए इंदिरा महिला शक्ति साड़ी योजना शुरू की गई है। मंत्री ने बताया कि हैंडलूम अभयस्थम योजना के लिए 150 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है। पूर्व सरकार द्वारा बुनकरों को बकाया 290 करोड़ रुपये अब नेथन्ना चेयुथा योजना के तहत उनके खातों में ट्रांसफर कर दिए गए हैं। मंत्री ने यह भी कहा कि सरकारी विभाग हैंडलूम सहकारी समितियों से वस्त्र खरीदेंगे और इनके लिए प्रदर्शनियाँ आयोजित की जाएंगी तथा कार्यशील पूंजी के लिए मदद भी दी जाएगी। इस वर्ष 78 सहकारी समितियों को जिला सहकारी बैंकों के माध्यम से 19 करोड़ रुपये की कार्यशील पूंजी की स्वीकृति दी गई है।

एकजुट होकर आगे बढ़ने पर सत्ता हासिल करना असंभव नहीं : पल्ला वेंकट रेड्डी

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस और अन्य वामपंथी दलों के बीच एकता स्थापित करने पर ज़ोर देते हुए सीपीआई के राष्ट्रीय सचिव पल्ला वेंकट रेड्डी ने बुधवार को कहा कि वाम दलों के एकजुट होकर आगे बढ़ने पर सत्ता हासिल करना असंभव नहीं है। उन्होंने सभी कम्युनिस्ट और वामपंथी शक्तियों से साझा राजनीतिक उद्देश्य के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। सीपीआई राज्य कार्यालय, मख़दूम भवन में आयोजित कार्यक्रम में पल्ला वेंकट रेड्डी ने लोगों से सीपीआई शताब्दी समारोह के समापन जनसभा में भारी संख्या में शामिल होने का आग्रह किया, जो 18 जनवरी को खम्मम में आयोजित होगी। सीपीआई के 100 साल के उत्सव के अवसर पर उन्होंने 'चलो खम्मम' नामक एक सीडी का विमोचन किया। इस सीडी में कवि गड्डामीदी चंद्रमोहन गौड़ द्वारा रचित छह गीत शामिल हैं, जिन्हें तेलंगाना प्रगतिशील लेखकों की संघ (अरासम) के तत्वावधान में तैयार किया गया है। पल्ला वेंकट रेड्डी ने कहा कि सीपीआई ने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और बाद में देश के विकास और कल्याणकारी नीतियों में भी योगदान दिया। इस अवसर पर सीपीआई के वरिष्ठ नेता, लेखक, कलाकार और सांस्कृतिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सीपीआई के वरिष्ठ नेता कंडिमल्ला प्रताप रेड्डी ने कहा कि आईपीटीए और प्रजा नाट्य मंडली ने अनपढ़ जनता में गीत और लेखन के माध्यम से जागरूकता फैलाने का गौरवपूर्ण इतिहास रचा है। उन्होंने कहा कि आईपीटीए ने देश में फिल्म उद्योग के विकास में भी योगदान दिया। फिल्म निर्देशक बज्जी ने बताया कि प्रजा नाट्य मंडली ने उन्हें दृढ़ संकल्प के साथ संघर्ष करने और फिल्म उद्योग में अपनी पहचान बनाने की शक्ति दी, जो कुछ शोषकों और पूंजीपतियों का गढ़ भी है। इस कार्यक्रम में गायक डॉ. सुर्यप्रकाश, अरेली रवि, हेमलता सहित अन्य कलाकारों ने भी भाग लिया।

ग्राम पंचायत भवन निर्माण के लिए निधि जारी करने की अपील

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य पंचायत राज चैम्बर (टीएसपीआरसी) के राज्य अध्यक्ष चिंपुला सत्यनारायण रेड्डी ने बुधवार को राज्य सरकार से प्रदेशभर में ग्राम पंचायत भवनों के निर्माण के लिए आवश्यक निधि जारी करने का अनुरोध किया। उन्होंने इस बात पर खुशी जताई कि राज्य सरकार ने ग्राम पंचायतों के लिए 277 करोड़ रुपये जारी किए। सत्यनारायण रेड्डी ने कहा, 'यह एक बड़ी राहत की बात है कि ग्राम पंचायतों को वित्तीय कठिनाइयों के समय, विशेषकर नए बने ग्राम पंचायत शासन निकायों के गठन के तुरंत बाद, 277 करोड़ रुपये जारी किए गए।' टीएसपीआरसी ने मुख्यमंत्री ए. रेवंथ रेड्डी, उप मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का और पंचायत राज मंत्री सीतक्का का इस कठिन समय में निधि जारी करने के लिए विशेष धन्यवाद दिया। सत्यनारायण रेड्डी ने बताया कि कई नए बने ग्राम पंचायत और तांडा, जो पिछली सरकार के कार्यकाल में बनाए गए थे, अभी भी उचित ग्राम पंचायत भवन के बिना कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंथ रेड्डी के आदेश के अनुसार सभी सरकारी कार्यालयों को किराए के भवनों से सरकारी भवनों में स्थानांतरित करने के निर्णय के मद्देनजर, टीएसपीआरसी ने राज्य सरकार से निवेदन किया है कि नए बने ग्राम पंचायतों और थांडास के लिए पर्याप्त निधि जारी की जाए, जिनके पास अभी तक अपना भवन नहीं है।

टीटीडी प्रशासनिक भवन में आज होगा गोदा कल्याणम्

धनुर्मासम समापन के उपलक्ष्य में भव्य आयोजन

तिरुपति, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। धनुर्मासम के पावन समापन के अगले दिन, गुरुवार 15 जनवरी को तिरुपति स्थित टीटीडी प्रशासनिक भवन परिसर के खुले मैदान में गोदा कल्याणम् का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह धार्मिक कार्यक्रम शाम 6.00 बजे से रात 8.00 बजे तक आयोजित होगा और इसका सीधा प्रसारण पर किया जाएगा, जिससे देश-विदेश में बैठे श्रद्धालु दर्शन कर सकेंगे। इस अवसर पर श्री कृष्णस्वामी और श्री अंडाल अम्मावारु के उत्सव विग्रहों को भव्य एवं आकर्षक ढंग से सजाया जाएगा। मंदिर के आचार्य एवं पुजारी विधिविधान के साथ गोदा कल्याणम् का आयोजन करेंगे।

कार्यक्रम के अंतर्गत गोदा कल्याणम् पर आधारित एक नृत्य नाटिका (डांस बैले) भी प्रस्तुत की जाएगी। कार्यक्रम का समापन गोविंदनामा संकीर्तन के साथ होगा।

बुजुर्ग महिला से चेन स्नैचिंग, महिला गिरफ्तार

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सनतनगर पुलिस ने एक बुजुर्ग महिला से सोने की चेन छीनने के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी महिला की पहचान वारंगल की मूल निवासी अनीता रेड्डी के रूप में हुई है। वह बीटेक डिग्री धारक है और पहले चेन्नई में एक सॉफ्टवेयर कर्मचारी के रूप में काम कर चुकी है। बाद में उसने नौकरी छोड़ दी थी। पुलिस ने बताया कि दो साल पहले अनीता की शादी मेडचल निवासी राजेश से हुई थी। दंपति की एक साल की बेटी है। राजेश ने भी कथित तौर पर अपनी नौकरी छोड़ दी थी, जिसके बाद परिवार पर करीब चार से पांच लाख रुपये का कर्ज हो गया।

हैदराबाद स्थित नगर पधारे राजपुरोहित विकास समिति जैतारण रायपुर अध्यक्ष बाबुसिंह मोहराई, कोषाध्यक्ष भंवरसिंह सांगावास, संगठन मंत्री जेठूसिंह तालकिया, तेजसिंह मोहराई का शॉल व मोतियो की माला से सम्मानकर उपस्थित राजपुरोहित समाज बन्धु ।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

कलकत्ता हाईकोर्ट ने ...

ईडी की दलील : इस मामले में आईपैक के सह-संस्थापक प्रतीक जैन को खुद याचिका दायर करनी चाहिए थी। टीएमसी (तृणमूल कांग्रेस) के कौन-से अधिकार का उल्लंघन हुआ है? उनका कहना था कि यह रिट याचिका सिर्फ चुनाव, चुनाव और चुनाव की बात करती है लेकिन कहीं यह नहीं बताती कि किसी अधिकार का हनन कैसे हुआ।

वकील : अगर आईपैक ऑफिस से कोई डेटा जब्त किया गया है, तो उसका याचिकाकर्ता से सीधा संबंध कैसे बनता है, यह भी साफ नहीं किया गया है।

हमारी याचिका सिर्फ एक सीमित मुद्दे पर है। पार्टी का निजी राजनीतिक डेटा सुरक्षित रहे। किसी राजनीतिक पार्टी को डराना या दबाव में लेना ठीक नहीं है, खासकर तब जब पार्टी ने यह याचिका इस डर से दायर की कि उसके 6 साल पुराने राजनीतिक सलाहकार (कंसल्टेंट) के दफ्तर से उसका डेटा लिया जा सकता है।

गुरुस्वामी: राज्य चुनाव से कुछ महीने पहले राजनीतिक सलाहकार के ऑफिस पर छापा पड़ना संदेह पैदा करता है। अगर एएसजी राजू यह कह रहे हैं कि ईडी ने कुछ भी जब्त नहीं किया, तो इस बात को रिकॉर्ड में दर्ज किया जाए और इसी आधार पर याचिका का निपटारा कर दिया जाए।

ईडी की तरफ से सरकार का पक्ष रख रहे एएसजी राजू

अगर कोई रिकॉर्ड जब्त किया गया है तो वह ईडी ने नहीं, बल्कि ममता बनर्जी ने किया है। ममता अपने साथ कुछ फाइल ले गईं जोकि गैरकानूनी है।

उन्होंने कहा कि जब तक टीएमसी इस मामले में ममता बनर्जी को पार्टी नहीं बनाती, तब तक यह याचिका कानूनी तौर पर टिकाऊ नहीं है।

यह याचिका एक ऐसे व्यक्ति की तरफ से दायर की गई है, जो सीधे तौर पर इस मामले से जुड़ा ही नहीं है। ममता ने अपनी टीएमसी पार्टी को याचिकाकर्ता बनाया है लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि उसे यह अधिकार किसने दिया।

एएसजी : क्या याचिकाकर्ता तलाशी के समय मौके पर मौजूद था? अगर नहीं, तो वह कैसे कह सकता है कि जो बातें उसने शपथपत्र में लिखी हैं, वे सही हैं। एएसजी के मुताबिक, याचिकाकर्ता ने हलफनामे में गलत बयान दिया है, क्योंकि वह इस पूरी घटना में कहीं शामिल ही नहीं था।

तेलंगाना के गांवों ...

सरपंचों ने किसी व्यक्ति को जहरीले इंजेक्शन लगाने के लिए नियुक्त किया था। कुत्तों की हत्या के बाद उनके शव गांवों के बाहर दफनाए गए थे। सूचना मिलने पर पशु चिकित्सा टीमों ने शव बाहर निकलवाकर पोस्टमॉर्टम किया। विसरा के सैंपल फॉरेंसिक साइंस लैब भेजे गए हैं, ताकि मौत की सही वजह और इस्तेमाल किए गए जहर के प्रकार का पता चल सके। आरोपियों को नोटिस जारी किए गए हैं। इसी बीच, सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को आवारा कुत्तों से जुड़े मामलों पर चिंता जताते हुए कहा कि वह डॉग-बाइट की घटनाओं में राज्यों से भारी मुआवजा दिलाने और कुत्तों को खाना खिलाने वालों की जिम्मेदारी तय करने पर विचार कर सकता है। कोर्ट ने बीते पांच सालों में आवारा जानवरों से जुड़े नियमों के सही तरीके से लागू न होने पर भी नाराजगी जताई।

महंत नरेंद्र गिरि ...

सोमवार को जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने 14 अक्टूबर, 2025 के इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश को पलटते हुए आद्या प्रसाद तिवारी को जमानत दे दी। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में आद्या प्रसाद तिवारी को जमानत देने से इनकार कर दिया था। पीठ ने कहा, 'ट्रायल निकट भविष्य में पूरा होने की संभावना नहीं है। वैसे भी, अपीलकर्ता मुख्य आरोपी नहीं लगता है। इसे देखते हुए, हमारी राय है कि ट्रायल के दौरान अपीलकर्ता को और हिरासत में रखना जरूरी नहीं है।'

सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि अपीलकर्ता 22 सितंबर, 2021 से हिरासत में है, और ट्रायल के दौरान उसे और हिरासत में रखना जरूरी नहीं है। इस मामले में एफआईआर 21 सितंबर, 2021 को प्रयागराज जिले के जॉर्ज टाउन पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई थी। तिवारी को शुरू में भारतीय दंड संहिता की धारा 306 (आत्महत्या के लिए उकसाना) के तहत गिरफ्तार किया गया था, लेकिन 18 नवंबर, 2021 को दायर की गई चार्जशीट में हत्या (धारा 302) और आपराधिक साजिश (धारा 120) के आरोप लगाए गए। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने ट्रायल कोर्ट को यह आजादी दी कि अगर किसी भी शर्त का उल्लंघन होता है तो वह ज़मानत रद्द कर सकती है।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in

निविदा सूचना

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूरसंचार अभियंता, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु निविदाओं के ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा संख्या व तिथिः सी_एसजी_36_586 दि.12-01-2026, बंद करने की तिथिः04-02-2026, कार्य विवरणः केसमुद्रम (केडीएम) स्टेशन पर डीकेजे एन्ड की तरफ बहुत पुराने डोर सिग्नलिंग एस्सेट्स के प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेंट हेतु सिग्नलिंग व्यवस्थाएं। अनुमानित लागत रु.1,40,87,388.60, बोली सुरक्षा/पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.2,20,400.00

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूरसंचार अभियंता, सिकंदराबाद

PUB/1757

निविदा सूचना संख्याः सीआरएस-इ-08-25-26, दि.10-01-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए डीवाय.सीएमइ/सीआरएस/टीपीटीवाय द्वारा अधोलिखित निविदा संख्या व तत्संबंधित निम्न बंद करने की तिथि के 11.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदातागण अपने मूल/संशोधित बोलियों को तत्संबंधित बंद करने की तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं तथा इस बारे में किसी भी मैन्युएल आफर्स के प्राप्त होने पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

कार्य विवरणः सीआरएस-इ-08-25-26, दि.10-01-2026, एसी कोचेस में फिट्टेड आरएमपीयुज का विस्तृत रखरखाव ठेका-24 महिनों की अवधि हेतु कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति के एसी सेक्शन पर पीओएच गतिविधि कार्य। अनुमानित मूल्य रु.10,30,22,285,98, बोली सुरक्षा रु.6,65,100.00, कार्य पूरा करने की अवधिः24 महिने, बंद करने की तिथिः 02-02-2026 के 11.00 बजे

वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in

निविदा का संपूर्ण विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थानः चीफ वर्कशाप मैनेजर का कार्यालय, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति

निविदा शर्ते/विवरण(निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध) तथा निविदा दस्तावेजों की डाऊनलोडिंग, शुद्धिपत्र हेतु कृपया हमारे वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

चीफ वर्कशाप मैनेजर, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति

PUB/1758

खुली निविदा सूचना संख्याः बी-ई29-टीआरडी-टीएनडीआर-34-2025-26, दि.09-01-2026

निविदा संख्याः बी-ई29-टीआरडी-टीएनडीआर-34-2025-26, कार्य विवरणः एनडीडी स्टेशन पर वायएलएम स्टेशन पर प्लेटफार्म नं.2 का सुधार कार्य तथा अन्य यात्रियों से संबंधित सुविधाओं सहित वायएलएम,एपीटी, एनडीडी स्टेशनों पर सीओपी शेल्टर्स का प्रावधान के साथ ओएचइ के तत्संबंधित जोड या एडीशंस तथा परिवर्तन या आल्टरेशंस कार्य। अनुमानित मूल्य रु.2,47,23,116.98, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, बोली सुरक्षा (पूधरा) रु.2,7,3,600.00, बंद करने की तिथिः 02-02-2026, निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य

तत्संबंधित संपूर्ण विवरण तथा नियम शर्ते हेतु हमारे वेबसाइटः www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, टीआरडी/विजयवाडा

PUB/1759

खुली निविदा सूचना संख्याः बी-ई29-टीआरडी-टीएनडीआर-35-2025-26, दि.12-01-2026

निविदा संख्याः बी-ई29-टीआरडी-टीएनडीआर-35-2025-26, कार्य विवरणः बीजेडए डिवीजनः बीजेडए डिवीजन पर एटीडी काउंटर वेट्स की पेंटिंग तथा फेन्सिंग पैनल्स के तत्संबंधित कार्य सहित विविध ओएचइ ढांचों या स्ट्रक्चर्स की स्टेन्सिलिंग करना। अनुमानित मूल्य रु.80,56,500.00, पूरा करने की अवधिः 12 महिने, बोली सुरक्षा (पूधरा) रु.1,61,100.00, बंद करने की तिथिः 04-02-2026, निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य

संबंधित पूर्ण जानकारी तथा नियम शर्ते हेतु हमारे वेबसाइटः www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, टीआरडी/विजयवाडा

PUB/1760

निविदा सूचना संख्याः एनडीडी/इ-41 एवं इ-जीएस-04/2025-26, दि.09-01-2026

निम्न ई-निविदाओं हेतु वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर आफर्स आमंत्रित हैं।

क्रम संख्याः 1- एनडीडी/इ-41/2025-26, कार्य विवरणः नांदेड डिवीजन के सभी 15 अमृत भारत स्टेशनों पर फैकेड लाइटिंग व्यवस्थाओं का प्रावधान। अनुमानित मूल्य रु.4,54,07,434.00, बोली सुरक्षा रु.3,77,000.00, आफर की वैधताः 60 दिन, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, उपलब्ध विवरणः नांदेड डिवीजन प्रशासन के तहत वेबसाइटःwww.ireps.gov.in पर, बंद करने की तिथि व समयः 02-02-2026 के 15.00 बजे

क्रम संख्याः2, एनडीडी/ इ-जीएस-04/2025-26, कार्य विवरणः नांदेड डिवीजनः 1)नांदेड डिवीजन के एनएसजी-3 श्रेणी अमृत भारत स्टेशन्स (एनएसएल-2 तथा पीबीएन-2) पर बिजली सुविधाओं के सुधार/उन्नयन के तहत 4 संख्यक एस्केलेटर्स का प्रावधान। 2)नांदेड डिवीजन के एनएसजी-4 श्रेणी अमृत भारत स्टेशन्स (पीएयु-3, डब्ल्यूएचएम-4, एडीबी-3) पर बिजली सुविधाओं के सुधार/उन्नयन के तहत 10 संख्यक एस्केलेटर्स का प्रावधान। 3)नांदेड डिवीजन के एनएसजी-5 श्रेणी अमृत भारत स्टेशन्स (एचएनएल-2, एमयुइ-4 तथा एसइएलयु-2) पर बिजली सुविधाओं के सुधार/उन्नयन के तहत 8 संख्यक एस्केलेटर्स का प्रावधान। अनुमानित मूल्य रु.14,10,14,390.00, बोली सुरक्षा रु.8,55,100.00, आफर की वैधताः 90 दिन, कार्य पूरा करने की अवधिः 9 महिने, उपलब्ध विवरणः नांदेड डिवीजन प्रशासन के तहत वेबसाइटःwww.ireps.gov.in पर, बंद करने की तिथि व समयः 02-02-2026 के 15.00 बजे

निविदा दस्तावेज, अर्हता मानदंड, खास शर्ते आदि विवरण हेतु उपरोक्त हमारे वेबसाइट पर जाएं। यह सलाह दी जाती है, यह चेक करें कि, आफर की प्रस्तुति के पहले आनलाइन पर यदि कोई शुद्धिपत्र प्रकाशित हुवा तो नही है।

विभागीय रेल प्रबंधक (बिजली), नांदेड

PUB/1761

A2225

निविदा नियम शर्तें/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

प्रारूप 10-1
सार्वजनिक अधिसूचना

PUB/1763

इसके द्वारा दक्षिण मध्य रेलवे के निम्नलिखित खंड के पूर्ण खंड पर स्थित रेलवे लाइनों के सभी उपयोगकर्ताओं तथा परिसरों को सूचित किया जाता हैः

सेक्शनः गुंटकल डिवीजनःगुंटूर-गुंटकल सेक्शन के बीच नई बीजी मेन लाइन (डबलिंग-इलेक्ट्रीफाइड) का निर्माण कार्य-यात्रियों की ढुलाई हेतु पेंडेकल्लु (जीवाय से किमी.31.391) (जीएनटी से किमी. 320.895) एवम् रामलिंगायपल्ली (किमी.18.825) के बीच कन्वेन्शल डबलिंग सहित पेंडेकल्लु (पीडीएल) तथा रामलिंगायपल्ली (आरएलपीएल) स्टेशनों के बीच नई बीजी डबल लाईन (विद्युतीकृत) का प्रारंभ करना।

ओएचइ मास्ट- एलओसी. 320/19 (किमी/सीएचः320/407.10) से ओचइ मास्ट एलओसी.18/25 (किमी/सीएच.18/625.30) यात्रियों की ढुलाई हेतु सीएचः31391.998 एम से जीवाय/सीएचः320894.00 एम जीएनटी से सीएचः18825.35 एम तक पेंडेकल्लु (पीडीएल) तथा रामालिंगायपल्ली (आरएलपीएल) स्टेशनों के बीच तत्संबंधित कार्य।

अतः दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा यह सूचित किया जाता है कि, उपरोक्त सेक्शन के 25000 वोल्ट्स, 50एचजेड,एसी ओवरहेड वायरों को दि.13-02-2026 को या इसके बाद उर्जावान (एनर्जाइज) किया जायेगा। उक्त तिथि को तथा वही तिथि से ओवरहेड ट्रैक्शन लाइनों को सभी समय पर सक्रिय या लाइव समझा जायेगा एवं इसके चलते उपरोक्त ओवरहेड लाइन की परिधि में कोई भी अनधिकृत व्यक्ति न प्रवेश कर सकेगा या न कोई कार्य ही कर सकेगा।

एसी 25केवी ट्रैक्शन का प्रारंभ
प्रारूप 10-2
सडक इस्तेमाल करनेवालों को चेतावनी

निम्नलिखित खंड के तहत तत्संबंधित के मध्य 25केवी एसी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के प्रारंभ के बारे में आम जनता को अधिसूचित किया जाता है कि,

सेक्शनः गुंटकल डिवीजनःगुंटूर-गुंटकल सेक्शन के बीच नई बीजी मेन लाइन (डबलिंग-इलेक्ट्रीफाइड) का निर्माण कार्य-यात्रियों की ढुलाई हेतु पेंडेकल्लु (जीवाय से किमी.31.391) (जीएनटी से किमी. 320.895) एवम् रामलिंगायपल्ली (किमी.18.825) के बीच कन्वेन्शल डबलिंग सहित पेंडेकल्लु (पीडीएल) तथा रामलिंगायपल्ली (आरएलपीएल) स्टेशनों के बीच नई बीजी डबल लाईन (विद्युतीकृत) का प्रारंभ करना।

ओएचइ मास्ट- एलओसी. 320/19 (किमी/सीएचः320/407.10) से ओचइ मास्ट एलओसी.18/25 (किमी/सीएच.18/625.30) यात्रियों की ढुलाई हेतु सीएचः31391.998 एम से जीवाय/सीएचः320894.00 एम जीएनटी से सीएचः18825.35 एम तक पेंडेकल्लु (पीडीएल) तथा रामालिंगायपल्ली (आरएलपीएल) स्टेशनों के बीच तत्संबंधित कार्य।

इसके दृष्टिगत दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा अत्यधिक उंचाई के भार को रोकने हेतु व इसके संपर्क में आने या सक्रिय ट्रैक्शन वायर (कान्टैक्ट वायर) की खतरनाक परिधि में आने से रोकने हेतु सभी लेवल क्रासिंग्स् पर सडक स्तर से उपर अधिकतम उंचाई के 4.78 एम युक्त हाइट गेजेस लगाए गये है, जोकि लेवल क्रासिंग्स पर रेल लेवल से उपर न्यूनतम 5.5 एम उंचाई के होंगे।

अतः आम जनता को अधिसूचित किया जाता है कि, वाहनों में लदान करते समय उपरोक्त निर्दिष्ट उंचाई पर ध्यान दें तथा इस पर भी ध्यान दें कि सडक के वाहनों में लदान किया गया भार किसी भी परिस्थिति में उक्त हाइट गेजेस का कतई उल्लंघन न करता हो।

अत्यधिक उंचाई के भार के खतरे निम्न प्रकार हैः
हाइट गेज को खतरा तथा रेलवे लाइन के साथ साथ सडक पर अवरोध।
सामग्री या उपकरण या तत्संबंधित वाहन को व लदित सामग्री को खतरा।
अग्नि का खतरा तथा कंडक्टर्स के खतरनाक परिधि सहित इसके संपर्क में आनेसे जिंदगी का जोखिम।

उप मुख्य बिजली अभियंता/निर्माण/विजयवाडा

A2232

पूर्व तट रेलवे
सामग्रियों की आपूर्ति

(1) निविदा सं. 30256871A, दिनांक: 09.01.2026
कार्य का नाम : BOXNHL वैगनों के लिए CASNUB 22HS बोगी की आपूर्ति, ड्राइंग नं.-RDSO ड्राइंग नं.-WD-04078-S/1, ALT-4 अथवा नवीनतम के अनुसार जनरल अरेंजमेन्ट, आइटम नं. 1 से 18, आइटम नं.-4, 6, 7, 8, 9 को छोड़कर। जुलाई 2020 में जारी संशोधन नं.-6 के साथ विनिर्देश नं.-WD-17 CASNUB-22HS BOGIE-92 (सितम्बर 2004 का REV-3), मात्रा : 45 संख्यक, (वारंटी अवधि : डिलीवरी की तिथि के बाद से 30 महीने), RDSO द्वारा निरीक्षण।

(2) निविदा सं. 30257481, दिनांक: 09.01.2026
कार्य का नाम : ड्राइंग / विनिर्देश RDSO के ड्राइंग नं. WD89067-S-09, ALT नं. 11 के अनुसार CASNUB बोगी के लिए एडाप्टर (NARROW JAW), सब-आइटम ID : 3100249004, मात्रा : 8000 संख्यक, (वारंटी अवधि: डिलीवरी की तिथि के बाद से 48 महीने), RDSO द्वारा निरीक्षण।

द्रष्टव्य : सामग्री 30 दिन (क्रम सं. 1 हेतु) एवं 45 दिन (क्रम सं. 2 हेतु) के भीतर आपूर्ति की जानी चाहिए।

निविदा खुलने की तिथि एवं समय : दिनांक 09.02.2026 को 1500 बजे (दोनों निविदा हेतु)।

संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक/ वाल्टियर

PR-1008/Q/25-26

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

एशियन गेम्स के क्रिकेट मुकाबले 17 सितंबर से

टी-20 फॉर्मेट में होंगे मैच, 2023 में भारतीय मेंस-विमेंस टीम ने गोल्ड जीता था

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। एशियन गेम्स 2026 के क्रिकेट शेड्यूल का ऐलान किया गया। एशियन गेम्स में क्रिकेट मुकाबले 17 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच खेले जाएंगे।

जापान 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक आइची-नागोया में एशियन गेम्स 2026 की मेजबानी करेगा। हालांकि, आइची-नागोया एशियाई खेल आयोजन समिति द्वारा जारी शेड्यूल के अनुसार, स्पोर्ट्स कॉम्पिटिशन की शुरुआत आधिकारिक उद्घाटन समारोह से नौ दिन पहले ही हो जाएगी।

एशियन गेम्स 2026 में क्रिकेट टी-20 फॉर्मेट में खेला जाएगा। मुकाबले आइची प्रांत के कोरोगी एथलेटिक पार्क में होगा।

मेंस कैटेगरी में 10 टीमें हिस्सा लेंगी

विमेंस क्रिकेट मैचेज 17 सितंबर से शुरू होंगे और मेडल मैच 22 सितंबर को होंगे। विमेंस कैटेगरी में आठ टीमें हिस्सा लेंगी। इसके मैच क्वार्टर फाइनल से शुरू होंगे।

मेंस क्रिकेट टूर्नामेंट 24 सितंबर से शुरू होंगे और 13 अक्टूबर को मेडल फाइनल के साथ समाप्त होगा। इसमें 10 टीमें हिस्सा लेंगी और क्वार्टरफाइनल से पहले तीन दिन के प्रीलिमिनरी मैच खेले जाएंगे।

सभी मैच दिन में डबल हेडर होंगे। सुबह का मुकाबला भारतीय समयानुसार सुबह 5:30 बजे) शुरू होगा, जबकि दोपहर का मैच भारतीय समयानुसार सुबह 10:30 बजे से खेला जाएगा।

क्रिकेट चौथी बार एशियन गेम्स का हिस्सा होगा

क्रिकेट एशियाई खेलों में चौथी बार शामिल होगा। ग्वांगझू 2010 एशियाई खेलों में क्रिकेट सबसे पहली बार शामिल हुआ था। बाद में इंचियोन 2014 में इसकी वापसी हुई, हालांकि इन मैचों को अंतरराष्ट्रीय दर्जा नहीं दिया गया था। 2022 में हांगझोऊ चीन में हुए एशियन गेम्स का विजेता भारत था। 2026 में क्रिकेट चौथी बार इस गेम्स का हिस्सा होगा।

2018 हटाए जाने के बाद 2023 में क्रिकेट की वापसी

इंचियोन 2014 के बाद एशियन गेम्स को जकार्ता 2018 में से हटा दिया गया था। इसके बाद हांगझोऊ 2022 में क्रिकेट की वापसी हुई और इस बार सभी मैचों को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद द्वारा अंतर्राष्ट्रीय दर्जा दिया गया।

भारत ने हांगझोऊ 2022 में मेंस और विमेंस दोनों में गोल्ड मेडल जीता। अफगानिस्तान और श्रीलंका ने मेंस और विमेंस में सिल्वर मेडल, जबकि बांग्लादेश ने दोनों में ब्रॉन्ज मेडल जीता। 2026 एशियाई खेलों के मैच ऐची में आयोजित किए जाएंगे।

ओलिंपिक 2028 में भी खेल जाएगा क्रिकेट

क्रिकेट का खेल एक सदी से भी ज्यादा समय के बाद एलए 2028 में ओलिंपिक में वापसी करने वाला है।

इससे पहले पेरिस 1900 में क्रिकेट सिर्फ एक ही बार खेला गया था। जब ग्रेट ब्रिटेन ने टेस्ट मैच में फ्रांस को हराकर स्वर्ण पदक जीता था।

लक्ष्य सेन और त्रीसा-गायत्री की जोड़ी ने जीत से की शुरुआत

इंडिया ओपन के अगले दौर में जगह बनाई

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रमंडल खेलों के विजेता लक्ष्य सेन ने हमवतन आयुष शेट्टी को हराकर इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में जीत से शुरुआत की है। वहीं, आठवीं रैंकिंग की महिला युगल जोड़ी त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने थाईलैंड की ओर्निचा जोंगसथापोनपार्न और सुकिता सुवाचाई की जोड़ी को 42 मिनट में 21-15, 21-11 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

लक्ष्य का सामना अब निशिमोतो से होगा

पुरुष एकल वर्ग में लक्ष्य ने आयुष को आसानी से 21-12, 21-15 से हराया। लक्ष्य ने बेहतर खेल दिखाया और परिस्थितियों से बेहतर ढंग से सामंजस्य बैठाने में सफल रहे। आयुष ने कुछ मौकों पर अच्छी टक्कर दी लेकिन लक्ष्य का बड़े मुकाबलों में खेलने का अनुभव उनके काम आया। लक्ष्य अगले दौर में जापान के केंता निशिमोतो से भिड़ेंगे जिन्होंने 21-

6, 7-5 के स्कोर पर अपने सातवें वरीय हमवतन प्रतिद्वंद्वी कोडाई नारोका के मुकाबले से हटने पर दूसरे दौर में प्रवेश किया।

मिश्रित युगल वर्ग में मिली निराशा

महिला युगल मुकाबले में त्रीसा और गायत्री ने पूरे मैच के दौरान दमदार खेल दिखाया। भारतीय जोड़ी ने नेट पर शानदार खेल दिखाने के अलावा स्मैश से भी काफी अंक जुटाए। थाईलैंड की जोड़ी ने दूसरे गेम में बेहतर शुरुआत की थी लेकिन त्रीसा और गायत्री वापसी करते हुए जीत दर्ज करने में सफल रहीं। मिश्रित युगल वर्ग में भारत को निराशा मिली और ध्रुव रावत तथा मनीषा के पहले ही दौर में बाहर हो गए, जबकि महिला युगल वर्ग के एक अन्य मुकाबले में प्रिया कोंजेगबाम और श्रुति मिश्रा की जोड़ी को भी हार का सामना करना पड़ा।

सात्विक-चिराग को मिला वाकओवर

सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की तीसरी वरीय जोड़ी कोपहले दौर के मुकाबले में उतरना था, लेकिन अमेरिका के उनके प्रतिद्वंद्वियों चेन झी यी और प्रेस्ले स्मिथ के प्रतियोगिता से हटने पर भारत की स्टार जोड़ी ने वाकओवर मिलने पर दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। अमेरिका की यह जोड़ी पिछले हफ्ते मलयेशिया ओपन के पहले दौर में हार गई थी।

मुक्केबाज मैरी कॉम पर अफेयर के आरोप : पूर्व पति बोले- उसका एक जूनियर बॉक्सर से अफेयर था, मेरे पास सबूत हैं

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। भारत की दिग्गज मुक्केबाज एमसी मैरी कॉम पर शादी के बाद एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर के आरोप लगे हैं।

ये आरोप मैरी कॉम के पूर्व पति करुंग ओंखोलेर (ऑनलर) ने लगाए हैं। सबसे पहले 2013 में उसका एक जूनियर बॉक्सर के साथ अफेयर था। इसे लेकर हमारे परिवारों में झगड़ा हुआ, फिर समझौता हो गया।

ऑनलर ने आगे कहा- '2017 से वह मैरी कॉम बॉक्सिंग एकेडमी में काम करने वाले एक व्यक्ति के साथ रिश्ते में थीं। उनके व्हाट्सएप मैसेज मेरे पास सबूत के तौर पर हैं। मेरे पास उस व्यक्ति का नाम भी है। मैं अब तक चुप रहा।'

पिछले साल मैरी कॉम ने ऑनलर से तलाक की पुष्टि की थी। मैरी कॉम ने 30 अप्रैल 2025 को X पोस्ट पर किसी रिश्ते में होने की बात को खारिज किया था।

मैरी किसी और के साथ रहना चाहती थीं। इसी वजह से रिश्ते में दरार आई। अब हमारा तलाक हो चुका है। अगर वह दूसरी शादी करना चाहती हैं तो मुझे कोई आपत्ति नहीं, लेकिन मुझ पर झूठे आरोप न लगाएं। अगर आरोप लगाने हैं तो सबूत सामने लाएं।

इस हफ्ते मैरी कॉम ने एक टीवी शो में खुलासा किया कि उन्होंने 2023 में अलग होने का फैसला इसलिए लिया था। क्योंकि, ऑनलर ने उनके बॉक्सिंग करियर से कमाई गई रकम में धोखाधड़ी की।

मैरी का आरोप है कि ऑनलर ने उनकी जानकारी के बिना उनके नाम पर लोन लिया, संपत्ति गिरवी रखी और कुछ एसेट्स अपने नाम ट्रांसफर कर लिए थे। उन्हें लंबे समय तक अपनी आर्थिक स्थिति की जानकारी नहीं थी। उन्हें चोट लगने के बाद सच्चाई पता चली।

इन आरोपों पर ऑनलर ने कहा- 'उसका (मैरी कॉम) कहना है कि मैंने 5 करोड़ रुपए चुराए हैं। मेरा अकाउंट चेक कर लीजिए। 18 साल हम साथ रहे। आज मैं दिल्ली में किराए के मकान में रह रहा हूं। वह एक सेलेब्रिटी हैं, जो कहेंगी, कुछ लोग मानेंगे, कुछ नहीं।'

भिवानी की बॉक्सर पूजा बोहरा रिकॉर्ड 10वीं बार नेशनल चैंपियन

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के भिवानी की पूजा बोहरा नेशनल लेवल पर सीनियर कैटेगरी में 10 खिताब जीतने वाली भारत की पहली महिला मुक्केबाज बन गई हैं। पहले भिवानी की ही कविता चहल के नाम यह रिकॉर्ड रहा। उन्होंने 9 बार नेशनल खिताब जीते। ग्रेटर नोएडा में 10 जनवरी को समाप्त हुई 9वीं एलीट महिला नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में पूजा ने 75-80 किलो भार वर्ग में गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने फाइनल में रोहतक की नैना को 5-0 से हराया। नैना यूथ चैंपियन रही हैं। प्रतियोगिता के बाद भिवानी लौटी पूजा का जोरदार स्वागत हुआ। पूजा का यहां का सफर काफी संघर्षपूर्ण रहा। शुरुआत में परिवार से छिपकर बॉक्सिंग प्रैक्टिस की। फिर दिवाली पर हाथ में पटाखा फट गया। हाथ जल गए। उसके बाद कंधे में चोट लगी। यही नहीं, पूजा शादी के बाद फिर रिंग में लौटीं। हर बार कमबैक किया।

आईसीसी ओडीआई रैंकिंग: विराट कोहली पांच साल बाद फिर नंबर-1

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने एक बार फिर वनडे क्रिकेट में अपनी बादशाहत कायम कर ली है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की ताज़ा वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में कोहली पांच साल बाद नंबर-1 स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में खेले गए पहले वनडे मुकाबले में 93 रन की अहम पारी के दम पर हासिल की। बुधवार को जारी रैंकिंग के मुताबिक, कोहली अब 785 रेटिंग अंकों के साथ शीर्ष पर हैं। यह पहला मौका है जब अप्रैल 2021 के बाद कोहली ने वनडे रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया है। कुल मिलाकर यह उनके करियर का 11वां अवसर है जब वे नंबर-1 वनडे बल्लेबाज बने हैं। पिछले सप्ताह तक वे दूसरे स्थान पर थे, लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ उनकी लयबद्ध पारी ने उन्हें एक बार फिर शिखर पर पहुंचा दिया।

ॉइस रैंकिंग अपडेट में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को झटका लगा है। वे दो स्थान फिसलकर तीसरे

नंबर पर पहुंच गए हैं। रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ साल का पहला वनडे मुकाबला खेला था, जिसमें वे 29 गेंदों में 26 रन ही बना सके। इस प्रदर्शन का असर उनकी रेटिंग पर पड़ा और उनके अंक घटकर 775 रह गए। पहले और तीसरे स्थान के बीच अंकों का अंतर बेहद कम है, लेकिन प्रतिस्पर्धा कड़ी होती जा रही है।

डेरिल मिचेल दूसरे स्थान पर

न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज डेरिल मिचेल को भी ताज़ा रैंकिंग में फायदा हुआ है। वे एक स्थान ऊपर चढ़कर दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। मिचेल के खाते में 784 रेटिंग अंक हैं, यानी कोहली और मिचेल के बीच केवल एक अंक का अंतर है। इससे साफ है कि आने वाले मुकाबलों में नंबर-1 की रेस और रोमांचक हो सकती है।

ताज़ा आईसीसी वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में भारत का दबदबा साफ नजर आता है। विराट कोहली और रोहित शर्मा के अलावा शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर भी टॉप-10 बल्लेबाजों में शामिल हैं। यह भारतीय बल्लेबाजी की गहराई और निरंतरता को दर्शाता है, जो आने वाले बड़े टूर्नामेंट्स से पहले टीम के लिए सकारात्मक संकेत है।

बल्लेबाजों के अलावा गेंदबाजी रैंकिंग में भी भारत को फायदा हुआ है। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने शानदार उछाल लगाते हुए पांच स्थान की छलांग लगाई और 15वें नंबर पर पहुंच गए हैं। उनके साथ इस स्थान पर बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज भी मौजूद हैं। सिराज का हालिया प्रदर्शन उनकी रफ्तार और निरंतरता का प्रमाण माना जा रहा है।

भारतीय पुरुष बॉक्सिंग टीम के मुख्य कोच बने सीए कुटप्पा, तीसरी बार सौंपी गई जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित सीए कुटप्पा एक बार फिर भारतीय पुरुष बॉक्सिंग टीम के मुख्य कोच नियुक्त किए गए हैं। यह उनका तीसरा कार्यकाल होगा। इस नियुक्ति की पुष्टि बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (BFI) ने की। सीए कुटप्पा ने इस पद पर एसएआई रोहतक के कोच धर्मेंद्र यादव की जगह ली है। हालांकि, धर्मेंद्र यादव पुरुष टीम के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा बने रहेंगे। बीएफआई के कार्यकारी निदेशक कर्नल अरुण मलिक ने इस बदलाव की जानकारी दी।

भारतीय पुरुष बॉक्सिंग टीम का पिछले कुछ वर्षों का प्रदर्शन अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं रहा है। 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए केवल दो पुरुष मुक्केबाज ही

क्वालीफाई कर सके थे। इसके बाद 2025 वर्ल्ड चैंपियनशिप (लिवरपूल) में भारतीय पुरुष टीम 12 साल में पहली बार बिना पदक के लौटी।

सीए कुटप्पा पहले भी टोक्यो और पेरिस ओलंपिक के दौरान भारतीय पुरुष टीम के मुख्य कोच रह चुके हैं। वह 2008 बीजिंग ओलंपिक के दौरान राष्ट्रीय सहयोगी स्टाफ का भी हिस्सा थे, जब विजेंदर सिंह ने भारत को बॉक्सिंग में पहला ओलंपिक पदक दिलाया था।

पूर्व हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर सैंटियागो निएवा, जिन्हें पिछले महीने महिला टीम का विदेशी कोच नियुक्त किया गया था, कैंप में शामिल हो चुके हैं। वहीं, महिला बॉक्सिंग टीम की कोच-इन-चार्ज की जिम्मेदारी एसएआई की गीता चानू संभालेंगी। भारतीय मुक्केबाज 12 जनवरी से पटियाला स्थित नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान में प्रशिक्षण ले रहे हैं। यह कैंप 14 मार्च तक चलेगा, जहां राष्ट्रीय कोचिंग और सपोर्ट स्टाफ की निगरानी में अभ्यास होगा।बीएफआई की 2026 चयन नीति के तहत, राष्ट्रीय चैंपियनशिप में ओलंपिक वेट कैटेगरी के टॉप-4 बॉक्सरों को कैंप में शामिल किया गया है। इसके अलावा नॉन-ओलंपिक वेट कैटेगरी के स्वर्ण और रजत पदक विजेताओं को भी मौका मिला है।

स्टार बॉक्सरों को विशेष प्रवेश

चोट के कारण नेशनल्स में हिस्सा नहीं ले पाने वाले मौजूदा 57 किग्रा वर्ल्ड चैंपियन जैस्मिन लांबोरिया और 60 किग्रा वर्ल्ड कप फाइनल्स की गोल्ड मेडलिस्ट परवीन हुड्डा को वाइल्डकार्ड के जरिए कैंप में शामिल किया जाएगा। कुछ ऐसे बॉक्सर, जो पदक राउंड तक नहीं पहुंच सके लेकिन जिनमें अंतरराष्ट्रीय स्तर की क्षमता दिखी, उन्हें भी वाइल्डकार्ड एंट्री दी जाएगी ताकि कैंप में प्रतिस्पर्धा और गहराई बनी रहे। एशियन चैंपियनशिप, कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स जैसे बड़े टूर्नामेंटों के चलते 2026 भारतीय बॉक्सिंग के लिए बेहद महत्वपूर्ण साल साबित होगा।

विदर्भ और पंजाब विजय हजारे ट्रॉफी के सेमीफाइनल में

दिल्ली को पंत-बडोनी की कमी खली, एमपी की बैटिंग फेल रही

बेंगलुरु, 14 जनवरी (एजेंसियां)। विदर्भ और पंजाब की टीमों ने विजय हजारे ट्रॉफी के सेमीफाइनल प्रवेश कर लिया है। बेंगलुरु में विदर्भ ने दिल्ली को 76 रन से हराया। जबकि पंजाब ने मध्यप्रदेश पर 183 रन की जीत दर्ज की। यह पंजाब की इस टूर्नामेंट में सबसे बड़ी जीत हैं।

घरेलू वनडे टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मुकाबले 15 और 16 जनवरी को बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेले जाएंगे। पहला मैच विदर्भ और कर्नाटक के बीच खेला जाएगा। जबकि, दूसरा सेमफाइनल मुकाबला सौराष्ट्र और पंजाब के बीच खेला जाएगा।

बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के पहले मैदान पर मध्यप्रदेश के कप्तान वेंकटेश अय्यर ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। पंजाब ने 6 विकेट पर 345 रन बनाए। कप्तान प्रभसिमरन सिंह (88 रन), अनमोलप्रीत सिंह (70 रन), नेहाल वधेरा (56 रन) और हरनूर सिंह (51 रन) ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं। मध्यप्रदेश के लिए त्रिपुरेश सिंह और कप्तान वेंकटेश

अय्यर ने दो दो विकेट लिए।

जवाब में मध्यप्रदेश की टीम 31.2 ओवर में 162 रन पर आउट हो गई। टीम की शुरुआत खराब रही। उसके 17वें ओवर में 5 विकेट 66 रन पर गिर गए थे। रजत पाटीदार 40 गेंद में 38 रन बनाकर आउट हुए तब स्कोर 7 विकेट पर 132 रन था। पाटीदार के अलावा त्रिपुरेश सिंह ने 31 रन बनाए। पंजाब के लिए सनवीर सिंह ने छह ओवर में 31 रन देकर तीन विकेट लिए।

बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के दूसरे मैदान पर विदर्भ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 300 रन का स्कोर बनाया। यश राठौड़ ने 86 और ओपनर अथर्व तायडे ने 62 रन का योगदान दिया। जवाब में दिल्ली 45.1 ओवर में 224 रन पर आउट हो गई।

उसे कप्तान ऋषभ पंत और उप कप्तान आयुष बडोनी की कमी खली। पंत चोटिल है, जबकि बडोनी को न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में हैं। विदर्भ से नचिकेत भूटे ने 4 विकेट लिए। कप्तान हर्ष दुबे को तीन विकेट मिले। दिल्ली के विकेटकीपर बल्लेबाज अनुज रावत ने 66 रन बनाए। हालांकि, वे टीम को जिता नहीं सके।

एक दिन पहले सोमवार को विजय हजारे ट्रॉफी के शुरुआती 2 क्वार्टर फाइनल मैच खेले गए थे। पहले मुकाबले में सौराष्ट्र ने उत्तर प्रदेश को हराकर सेमीफाइनल में एंट्री कर ली। जबकि दूसरे क्वार्टर फाइनल में कर्नाटक की टीम ने मुंबई को 55 रन से हरा दिया।

इंदिरा गांधी स्टेडियम की व्यवस्थाओं पर फिर भड़कीं मिया ब्लिचफेल्ट

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। डेनमार्क की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी मिया ब्लिचफेल्ट ने एक बार फिर भारत में आयोजित इंडिया ओपन सुपर 750 के दौरान खिलाड़ियों को मिल रही सुविधाओं पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि नए वेन्यू इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में शिफ्ट होने के बावजूद हालात में कोई खास सुधार नहीं हुआ है। ब्लिचफेल्ट ने कहा कि स्टेडियम में हालात गंदे और अस्वस्थ हैं, जो खिलाड़ियों के लिए बिल्कुल भी पेशेवर नहीं कहे जा सकते। उनके मुताबिक, अत्यधिक ठंड के कारण खिलाड़ी दो-दो लेयर के कपड़े, जैकेट, दस्ताने और टोपी पहनकर वार्म-अप करने को मजबूर हैं। उन्होंने बताया कि इतनी ठंड में सही तरीके से वार्म-अप करना मुश्किल हो जाता है, जबकि खिलाड़ियों को कोर्ट पर तेज मूवमेंट और स्प्लिट्स जैसे कठिन मूव्स करने होते हैं। ब्लिचफेल्ट ने कहा कि यह एलिट खिलाड़ियों की तैयारी के लिए बिल्कुल सही माहौल नहीं है।

मिया ने साफ कहा कि उन्होंने पिछले साल केडी जाधव हॉल में भी इसी तरह की शिकायतें की थीं और इस साल भी स्थिति लगभग वैसी ही है। उन्होंने बताया कि वार्म-अप कोर्ट में पक्षी उड़ते नजर आए और कोर्ट पर गंदगी भी थी, जो बेहद अस्वस्थ स्थिति को दर्शाता है। ब्लिचफेल्ट ने टूर्नामेंट आयोजकों, भारतीय बैडमिंटन संघ और बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन से हस्तक्षेप करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह एक प्रोफेशनल खेल है और खिलाड़ियों की सेहत से समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इन हालातों में खिलाड़ी बीमार पड़ते हैं या चोटिल होते हैं तो यह पूरी तरह से अनुचित होगा। खासकर अगस्त में होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप से पहले इन कमियों को दूर करना बेहद जरूरी है।

टी20 विश्व कप : 15 खिलाड़ियों के भारत आने पर खतरा, पाकिस्तान से है कनेक्शन

खेल डेस्क, 14 जनवरी (एजेंसियां)। 7 फरवरी से T20 वर्ल्ड कप का आगाज होने जा रहा है. लेकिन उससे पहले 15 या यूं कहें कि उससे ज्यादा ही खिलाड़ियों के भारत आने पर तलवार लटक चुकी है. ये खिलाड़ी किसी एक टीम के नहीं बल्कि अलग-अलग टीमों से हैं और इनके भारत आने को लेकर खतरा इसलिए पैदा हो गया है क्योंकि उनका कनेक्शन पाकिस्तान से है. T20 वर्ल्ड कप 2026 का आयोजन 7 फरवरी से हो रहा है, जिसमें 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं. अब इन 20 टीमों में से जिसमें पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ी नहीं हैं, उन्हें लेकर तो चिंता वाली बात नहीं लेकिन जिन टीमों में पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ी रेग्यूलर मेंबर हैं, उनके लिए मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं.

खराब रिश्ते के चलते पाकिस्तान की टीम पहले ही भारत नहीं आने वाली. बांग्लादेश की टीम भी भारत आने से मना ही कर रही है. लेकिन. भारत आने से पहले बाकी कुछ टीमों के लिए समस्या तब पैदा होती नजर आई जब यूएसए के 4 खिलाड़ियों को वीजा ना मिलने की खबर आई. अमेरिकी पेसर अली खान ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट से खुलासा किया

कि उनको भारत आने का वीजा नहीं मिला है.

वहीं अमेरिकी क्रिकेट जर्नलिस्ट पीटर डेला पेन्या ने अपने पोस्ट में ये भी बताया कि अली खान के अलावा 3 और खिलाड़ियों को भी अभी तक भारत का वीजा नहीं मिला है, जिसमें शायन जहांगीर, मोहम्मद मोहसिन और एहसान आदिल का नाम है. कहा जा रहा है कि इन सभी खिलाड़ियों के वीजा आवेदन उनके पाकिस्तान कनेक्शन के चलते खारिज हुए हैं.

इन टीमों के 15+ खिलाड़ियों के भारत आने पर सस्पेंस

अब अगर ऐसा है तो उन बाकी टीमों का क्या, जिसमें कई सारे खिलाड़ी पाकिस्तानी मूल के हैं. सबसे ज्यादा मुसीबत तो यूएई की टीम के लिए खड़ी हो जाएगी, जिसमें कप्तान मोहम्मद वसीम समेत 7 खिलाड़ी पाकिस्तान में जन्में हैं. यूएई के अलावा इंग्लैंड, ओमान, इटली, कनाडा, जिम्बाब्वे, नीदरलैंड्स को मिलाकर कुल 15 से भी ज्यादा खिलाड़ी ऐसे हैं, जो अपनी-अपनी टीमों के रेग्यूलर मेंबर हैं और जिन्हें भारत का वीजा मिलने में दिक्कत पेश आ सकती हैं. ऐसे में उनके टूर्नामेंट में भागीदारी पर अनिश्चितता बनी है.

भारत के वीजा कानून को लेकर जिन टीमों पर खतरा मंडरा रहा है, उन्होंने अब आईसीसी से मदद मांगी है. सूत्रों की मानें तो ऐसी सभी टीमों के खिलाड़ियों के वीजा आवेदन जमा किए जा चुके हैं, लेकिन हाई लेवल पर हस्तक्षेप के बिना समय पर मंजूरी मिलना मुश्किल लग रहा है. खुद पर तलवार लटकने का अंदेशा टीमों को भी है, जो ये कह रहे हैं कि अगर समय रहते समाधान नहीं हुआ, तो कई प्रमुख खिलाड़ी टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा नहीं ले पाएंगे, जिससे टूर्नामेंट के क्लास और क्वालिटी पर असर पड़ सकता है. सीधे शब्दों में कहें तो अब ये पूरा मामला आईसीसी के लिए बड़ा सवाल बन चुका है, जिसका जवाब उसे जल्दी से जल्दी ढूंढ़ना होगा.

हैदराबाद में नकली 'मेहदी कोन' फैक्ट्री का भंडाफोड़

8 लाख रुपये की नकली मेहंदी व मशीनरी जब्त

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स, साउथ-ईस्ट ज़ोन टीम, हैदराबाद ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए नकली 'मेहदी' कोन बनाने वाली अवैध फैक्ट्री का पर्दाफाश किया है। इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और लगभग 8 लाख रुपये मूल्य की नकली मेहंदी व मशीनरी जब्त की गई है।

कमिश्नर टास्क फोर्स, साउथ-ईस्ट ज़ोन टीम, ने बालापुर एवं अफ़ज़लगंज पुलिस के साथ मिलकर एक साथ दो स्थानों पर छापेमारी की। पहली रेड मीनार कॉलोनी, बालापुर में स्थित निर्माण इकाई पर तथा दूसरी रेड एसकेएस ट्रैवल्स एंड कार्गो, अफ़ज़लगंज में की गई। गिरफ्तार आरोपियों में मुख्य निर्माता एमडी आसिफ, निवासी, मीनार कॉलोनी, बालापुर, हैदराबाद, थोक विक्रेता एवं सप्लायर दीपक कुमार, निवासी, गौलीगुड़ा चमन, हैदराबाद शामिल है।

आरोपियों के पास से नकली कराची मेहदी कोन 8,400, मेहंदी भरने की मशीन , हीटिंग स्टोव , मिश्रित नकली सामग्री 10 ड्रम , मेहंदी सूखा पाउडर 100 किलोग्राम, रेडिएंट ऑक्सालिक एसिड 5 किलोग्राम आदि बरामद किया है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, कमिश्नर टास्क फोर्स, हैदराबाद,अंदे श्रीनिवास राव ने बताया कि जांच में सामने आया कि एमडी आसिफ ने बालापुर स्थित अपने मकान में अवैध रूप से मेहंदी बनाने की यूनिट स्थापित की थी। पहले वह बिना किसी ब्रांड नाम के मेहदी बनाता था, लेकिन मांग कम होने के कारण उसने बाजार में एक लोकप्रिय ब्रांड के नाम से मेहदी के नाम से नकली मेहदी कोन बनाना शुरू कर दिया।

आरोपी इन नकली उत्पादों को दीपक कुमार के माध्यम से निजी ट्रांसपोर्ट द्वारा हैदराबाद के जुड़वां शहरों और अन्य शहरों में असली बताकर सप्लाई कर रहा था, जिससे आम जनता के साथ धोखाधड़ी की जा रही थी और आरोपी अवैध मुनाफा कमा रहे थे।

यह पूरी कार्रवाई एस. सईदाबाबू, इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, साउथ-ईस्ट ज़ोन टास्क फोर्स की निगरानी मे एसआई के. स्वामी, एम. मधु एवं टास्क फोर्स स्टाफ, तथा बालापुर और अफ़ज़लगंज पुलिस के सहयोग से की गई।

चीनी मांझे से गला कटने से मजदूर की मौत

संगारेड्डी, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी जिले के फसलवाड़ी गांव में बुधवार को प्रतिबंधित चीनी मांझा के एक फेंके हुए टुकड़े से प्रवासी मजदूर अवधेश कुमार (35) की मौके पर ही मौत हो गई।

उत्तर प्रदेश के मूल निवासी अवधेश कुमार धान के खेतों में काम करके जीविका कमाने के लिए संगारेड्डी आए थे। वह फसलवाड़ी से संगारेड्डी तक मोटरसाइकिल से सब्जियां खरीदने जा रहे थे। इसी दौरान सड़क पर लटके चीनी मांझे से उनकी गर्दन कट गई और गंभीर रक्तस्राव हुआ। राहगीरों ने तुरंत एम्बुलेंस को सूचना दी, लेकिन एम्बुलेंस के आने से पहले ही कुमार की मौत हो गई। उनके परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक बेटी हैं। संगारेड्डी पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया है।

आईएएस अधिकारी और मंत्री से जुड़े मामले में तीन पत्रकार गिरफ्तार

विपक्ष के नेताओ ने बताया आपातकाल जैसी स्थिति

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस ने एक विवादास्पद टीवी समाचार के सिलसिले में एक तेलुगु न्यूज़ चैनल के तीन पत्रकारों को गिरफ्तार किया है। यह कार्यक्रम एक महिला आईएएस अधिकारी और राज्य के एक कद्दावर मंत्री से जुड़ा बताया जा रहा है। गिरफ्तार किए गए पत्रकारों में डोंतु रमेश (इनपुट एडिटर), परिपूर्णा चारी (रिपोर्टर), सुधीर (रिपोर्टर)शामिल हैं।

डोंतु रमेश को हैदराबाद एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया कार्यक्रम प्रसारित होने के पाँच दिन बाद राज्य सरकार ने विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था, जिसकी अगुवाई हैदराबाद पुलिस कमिश्नर वी.सी. सज्जनार कर रहे हैं। मंगलवार शाम टीवी समाचार प्रबंधन ने कानूनी सलाह के बाद माफी भी जारी की थी, जिससे यह माना जा रहा था कि मामला शांत हो गया है। लेकिन देर रात हुई गिरफ्तारियों ने राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया पैदा कर दी। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामाराव ने गिरफ्तारी की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि त्योहार के दिन पत्रकारों की गिरफ्तारी की मैं कड़ी निंदा करता हूँ। तेलंगाना में कांग्रेस का शासन मुझे आपातकाल के दिनों की याद दिलाता है। पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक टी. हरीश राव ने गिरफ्तारियों को बदले की राजनीति और अलोकतांत्रिक करार देते हुए कहा कि यह मीडिया की गरिमा पर सीधा हमला है। भाजपा की ओर से तेलंगाना बीजेपी अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने कहा कि यह कार्रवाई आपातकालीन मानसिकता को दर्शाती है और पार्टी प्रेस स्वतंत्रता के पक्ष में खड़ी है। वहीं, टीपीसीसी कार्यकारी अध्यक्ष जग्गा रेड्डी ने भी आधी रात को हुई गिरफ्तारियों पर सवाल उठाते हुए एसआईटी से संयम और संतुलन के साथ कार्रवाई करने की अपील की। अब तक पुलिस की ओर से गिरफ्तारियों और लगाए गए आरोपों को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

प्रतिबंधित चाइनीज़ मांजा बेचते दो आरोपी गिरफ्तार

191 ग्लास कोटेड नायलॉन मांजा बॉबिन जब्त

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स, साउथ ज़ोन टीम, हैदराबाद ने एक अहम कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित ग्लास कोटेड नायलॉन चाइनीज़ मांजा की अवैध बिक्री में लिप्त दो आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 191 बॉबिन जब्त किए गए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 1 लाख 91 हजार रुपए है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, कमिश्नर टास्क फोर्स, हैदराबाद, अंदे श्रीनिवास राव ने बताया कि विश्वसनीय सूचना के आधार पर कमिश्नर टास्क फोर्स, साउथ ज़ोन टीम ने मुर्तज़ा चमन के पीछे, याकूतपुरा, रैन बाज़ार पुलिस स्टेशन की सीमा में छापा मारकर आरोपियों को उस समय पकड़ा जब वे प्रतिबंधित चाइनीज़ मांजा बेच रहे थे। गिरफ्तार आरोपी हुसैन आगा निवासी, दरबजंग लेन, याकूतपुरा, हैदराबाद, सैयद सादिक हुसैन जाफरी , निवासी नेहरू नगर, ईदी बाज़ार, हैदराबाद है। जबकि एक आरोपी रमज़ान, निवासी मुंबई फरार है। पुलिस ने बताया कि जांच में पता चला कि आरोपी हुसैन आगा अपने पिता के व्यवसाय का संचालन करता है और दूसरा आरोपी सैयद सादिक हुसैन जाफरी उसके अधीन कार्य करता है। हुसैन आगा ने प्रतिबंधित चाइनीज़ मांजा को मुंबई निवासी रमज़ान से खरीदा था और उसे अवैध रूप से ग्राहकों को बेचकर आसान पैसे कमाने का प्रयास कर रहा था। फरार आरोपी रमज़ान इस अवैध नेटवर्क का मुख्य सप्लायर है।तेलंगाना राज्य सरकार ने जनवरी 2016 में पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 5 के अंतर्गत

चाइनीज़ मांजा (नायलॉन धागा) की खरीद, भंडारण, बिक्री और उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया है, ताकि पक्षियों और मानव जीवन की रक्षा की जा सके। इस आदेश का उल्लंघन करने पर 5 वर्ष तक की कैद या 1 लाख तक जुर्माना या दोनों का प्रावधान है। गिरफ्तार आरोपियों और जब्त सामग्री को एसएचओ, रैन बाज़ार पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है, ताकि आगे की कानूनी कार्रवाई की जा सके। यह कार्रवाई इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस के. आदि रेड्डी के पर्यवेक्षण में एसआई एम. महेश, एस. सेशु, साउथ ज़ोन टास्क फोर्स एवं उनके स्टाफ द्वारा की गई।

दावोस में घोषित होगी तेलंगाना की नेक्स्ट-जेन लाइफ साइंसेज़ पॉलिसी

वैश्विक इनोवेशन और वैल्यू-ड्रिवन ग्रोथ की दिशा में बड़ा कदम

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेजी से बदल रहे वैश्विक लाइफ साइंसेज़ सेक्टर, जहाँ उन्नत थेरेपी, डेटा-आधारित रिसर्च, प्रिसीजन मेडिसिन और सस्टेनेबिलिटी अहम भूमिका निभा रहे हैं, उस दौर में तेलंगाना अब केवल नहीं, बल्कि वैल्यू, इनोवेशन और वैश्विक एकीकरण के ज़रिये नेतृत्व करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसी कड़ी में तेलंगाना नेक्स्ट-जेन लाइफ साइंसेज़ पॉलिसी 2026-2030 को वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम 2026, दावोस में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा लॉन्च किया जाएगा। इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री डी. श्रीधर बाबू, वैश्विक उद्योग जगत के नेता और वरिष्ठ सरकारी अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।

यह नीति तेलंगाना की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगी, जो राज्य की पारंपरिक मैन्युफैक्चरिंग ताकत को बनाए रखते हुए उसे फ्रंटियर का वैश्विक केंद्र बनाने की दिशा में ले जाएगी। फार्मा मैन्युफैक्चरिंग में तेलंगाना की वैश्विक पहचान है। भारत के कुल फार्मास्यूटिकल उत्पादन में लगभग 40% योगदान देने वाला तेलंगाना, दशकों से एक वैश्विक फार्मा पावरहाउस के रूप में उभरा है। नई नीति के तहत ग्रीन फार्मा सिटी के विकास का रणनीतिक रोडमैप प्रस्तुत किया जाएगा। यह परियोजना भारत फ्यूचर सिटी के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के समीप स्थित होगी और उभरते एआई हब सहित प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़ी होगी। तेलंगाना एशिया के अग्रणी लाइफ साइंसेज़ हब्स में शामिल है, जहाँ 2 हजार से अधिक लाइफ साइंसेज़ कंपनियाँ है। तेलंगाना का वैश्विक वैक्सीन उत्पादन में एक-तिहाई योगदान है। तेलंगाना ग्लोबल लाइफ साइंसेज़ मंच के ज़रिये राज्य का लक्ष्य है कि 2030 तक 250 बिलियन डॉलर की लाइफ साइंसेज़ अर्थव्यवस्था का निर्माण किया जाए।

एलम्मा चेरुवु पर काइट फेस्टिवल में शामिल हुए मंत्री पोन्नम प्रभाकर

स्थानीय नेताओं के साथ रंग-बिरंगी पतंगें उड़ाईं

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हुस्नाबाद स्थित एलम्मा चेरुवु पर आयोजित काइट फेस्टिवल में राज्य के मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर रंग-बिरंगी पतंगें उड़ाईं और संक्रांति पर्व की खुशियों में सहभागिता की। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने इस मौके पर हुस्नाबाद की जनता को भोगी और मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि संक्रांति का पर्व परिवार के सदस्यों के साथ, रंगीन रंगोली और गोब्बेम्माओं के बीच पारंपरिक ढंग से मनाया जाना चाहिए। मंत्री ने बताया कि कल हैदराबाद के परेड ग्राउंड में काइट एंड स्वीट फेस्टिवल का आयोजन किया गया, जिसमें 40 देशों ने भाग लिया और सैकड़ों अंतरराष्ट्रीय काइट प्लेयर्स उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि इस महोत्सव में 1200 प्रकार की मिठाइयों और व्यंजनों के स्टॉल लगाए गए थे, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र बने। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने घोषणा की कि आने वाले एक वर्ष के भीतर एलम्मा चेरुवु को पूर्ण रूप से पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि अगली संक्रांति पर हुस्नाबाद में काइट एंड स्वीट फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि हुस्नाबाद क्षेत्र में पर्यटन, रोजगार और शिक्षा के सभी क्षेत्रों में तेजी से विकास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि महासमुद्रम गंडी, सरदार पापन्ना गुट्टालु, भैरव स्वामी मंदिर, अर्बन पार्क, रायिकल वाटर फॉल्स, एलम्मा चेरुवु, एलम्मा मंदिर, पोतलपल्ली राजराजेश्वर स्वामी मंदिर, कोथकोंडा श्री वीरभद्र स्वामी मंदिर और गौरवेल्ली गंडीपल्ली परियोजना जैसे स्थलों के विकास से हुस्नाबाद एक प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में उभरेगा। अंत में मंत्री ने लोगों से अपील की कि संक्रांति पर्व को परिवार के साथ उल्लासपूर्वक, पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाएं।

एंटीबायोटिक दवाओं पर प्रगतिशील जीएसटी लागू करने की सिफारिश

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बजट 2026-27 से पहले, इंफेक्शन कंट्रोल एकेडमी ऑफ इंडिया (आईसीएआई) ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से अपील की है कि एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए एंटीबायोटिक दवाओं पर प्रगतिशील जीएसटी संरचना लागू की जाए। आईसीएआई के अध्यक्ष डॉ. रंगा रेड्डी बुर्री ने पत्र में कहा कि कर में वृद्धि अंतिम उपाय के रूप में इस्तेमाल होने वाली दवाओं को महंगा बनाएगी और आकस्मिक या तर्कहीन उपयोग को हतोत्साहित करेगी। उन्होंने इसे "शाश्वत महामारी' के रूप में वर्णित किया और डब्ल्यूएचओ की एवेयर वर्गीकरण प्रणाली के अनुरूप कर ढांचे का प्रस्ताव रखा।

इस योजना के तहत आम संक्रमणों के लिए एक्सेस एंटीबायोटिक्स पर कम से कम 5 प्रतिशत जीएसटी लागू रहेगा ताकि वे किफायती रहें। वहीं, वॉच एंटीबायोटिक्स पर 12 प्रतिशत जीएसटी और सबसे महत्वपूर्ण रिजर्व दवाओं पर उच्चतम कर लगाया जाएगा। डॉ. बुर्री ने कहा कि यह कदम आवश्यक है क्योंकि अंतिम उपाय के रूप में इस्तेमाल होने वाली एंटीबायोटिक्स अक्सर सस्ती होती हैं, जिससे दवा के दुरुपयोग को बढ़ावा मिलता है। अकादमी ने यह भी सुझाव दिया कि नीति गरीबों को प्रभावित न करे, इसलिए सरकारी अस्पतालों और सार्वजनिक गैर-लाभकारी संस्थानों द्वारा खरीदी जाने वाली दवाओं पर जीएसटी छूट दी जाए।

एलिवेटेड कॉरिडोर कार्य से 60 दिन ट्रैफिक डायवर्जन

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मलकपेट फायर स्टेशन से यादगिरी थिएटर तक एलिवेटेड कॉरिडोर के व्यापक विकास कार्यों के चलते हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने गुरुवार 15 जनवरी से करीब 60 दिनों के लिए यातायात में बदलाव और वैकल्पिक मार्ग लागू करने की घोषणा की है। पुलिस के अनुसार, निर्माण कार्य की अवधि के दौरान सैदाबाद वाई जंक्शन से आईएस सदन जंक्शन तक तथा सैदाबाद वाई जंक्शन से धोबीघाट की ओर जाने वाली सड़क बंद रहेगी। इसके चलते आसपास के इलाकों में यातायात प्रभावित रहने की संभावना है।

आम जनता को सलाह दी गई है कि वे नालगोंडा एक्स रोड से ओवैसी अस्पताल (डीएमआरएल जंक्शन) की ओर जाने वाले मार्ग से बचें, क्योंकि वैकल्पिक सड़कों और चौराहों पर यातायात जाम की आशंका है। ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि नालगोंडा एक्स रोड से सैदाबाद वाई जंक्शन की ओर संतोष नगर और आईएस सदन जाने वाले चार पहिया वाहनों और आरटीसी बसों को सैदाबाद वाई जंक्शन से डीसीपी दक्षिण पूर्व जोन कार्यालय, सैदाबाद लॉ एंड ऑर्डर पुलिस स्टेशन, सरस्वती नगर कमान, संकेश्वर बाजार, इंडियन पेट्रोल बंक, सिंगारेनी कॉलोनी, ओनूस रोबोटिक अस्पताल चंपापेट होते हुए चंपापेट मेन रोड और चंपापेट एक्स रोड के रास्ते आईएस सदन की ओर मोड़ा जाएगा।

चंचलगुडा से सैदाबाद वाई जंक्शन की ओर आने वाले दो और तिपहिया वाहन, जो आईएस सदन जाना चाहते हैं, उन्हें सैदाबाद वाई जंक्शन से सैदाबाद लॉ एंड ऑर्डर पुलिस स्टेशन, 105 बस स्टॉप, रामालयम कमान, लक्ष्मी नगर, बिस्किट फैक्ट्री, धोबीघाट जंक्शन होते हुए आईएस सदन मेन रोड की ओर डायवर्ट किया जाएगा।

इसी तरह चंचलगुडा से चंपापेट की ओर जाने वाले दो और तिपहिया वाहनों को सैदाबाद लॉ एंड ऑर्डर पुलिस स्टेशन, 105 बस स्टॉप, रामालयम कमान, लक्ष्मी नगर, विनय नगर, भरत गार्डन होते हुए आईएस सदन और चंपापेट मेन रोड की ओर भेजा जाएगा। चदरघाट से आईएस सदन और चंपापेट की ओर आने वाली आरटीसी बसों को मलकपेट गंज, मूसा रामबाग एक्स रोड, गड्डियानारम यू-टर्न, गड्डियानारम एक्स रोड, शिव गंगा थिएटर, हनीफिया मस्जिद, इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप, सिंगारेनी कॉलोनी और ओनूस अस्पताल होते हुए चंपापेट मेन रोड की ओर मोड़ा जाएगा। एमजीबीएस और चदरघाट से आईएस सदन व चंपापेट की ओर आने वाली सभी जिला आरटीसी बसों और भारी वाहनों को नालगोंडा एक्स रोड पर मलकपेट, मूसा रामबाग, दिलसुखनगर, कोठापेट और एलबी नगर चौरास्ता की ओर डायवर्ट किया जाएगा।

शहर के बाहरी इलाके से 813 किलो गांजा जब्त, तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने एक बड़े अभियान में शहर के बाहरी इलाके से 813 किलोग्राम गांजा जब्त किया है। इस मामले में गांजा तस्करी में कथित रूप से शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। विशिष्ट सूचना के आधार पर एनसीबी हैदराबाद की टीमों ने ओडिशा के मलकानगिरी जिले से महाराष्ट्र के लातूर तक गांजा ले जा रहे एक विशेष रूप से संशोधित ट्रक को रोका। एनसीबी अधिकारियों के अनुसार, एनडीपीएस अधिनियम 1985 के तहत की गई तलाशी में पाया गया कि ट्रक का पंजीकरण प्रमाण पत्र समाप्त हो चुका था। ट्रक में बदलाव कर प्रतिबंधित सामग्री छिपाने के लिए टैंक जैसी बेलनाकार संरचना बनाई गई थी। इस संरचना को घास से ढककर तिरपाल से आच्छादित किया गया था, जिसके भीतर से 813 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया।

गांजा ले जा रहे तीनों आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारी ने बताया कि सभी आरोपी बीदर जिले के निवासी हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि एक आरोपी आदतन अपराधी है और इससे पहले कर्नाटक और महाराष्ट्र में दो गांजा मामलों में शामिल रह चुका है। एनसीबी ने बताया कि गांजा तस्करी के इस नेटवर्क के स्रोत, गंतव्य, आगे-पीछे के संपर्कों और वित्तीय लेन-देन की गहन जांच की जा रही है। मामले में आगे की जांच जारी है। एनसीबी ने आम जनता से अपील की है कि मादक या मनोरोगी पदार्थों की बिक्री अथवा तस्करी से संबंधित कोई भी जानकारी राष्ट्रीय नारकोटिक्स हेल्पलाइन "मानस' के टोल-फ्री नंबर 1933 पर साझा करें। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

परेड ग्राउंड में रंग-बिरंगी विशाल पतंगों ने मोहा मन

हैदराबाद, 14 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय पतंग और मिठाई महोत्सव के दूसरे दिन बुधवार को सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड के ऊपर आसमान रंग-बिरंगी और विशाल पतंगों से भर गया। ऊंची उड़ान भरती पतंगों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। तेलंगाना पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित इस महोत्सव में पेशेवर पतंगबाजों ने एलियन, 100 मीटर लंबा सांप, कछुआ, चंद्रमा के आकार की पतंग, ड्रैगन, मोर और शिनचान जैसी आकर्षक पतंगें उड़ाईं। महोत्सव का मुख्य आकर्षण 200 मीटर लंबी पतंग रही, जिसे लगभग 200 छोटी पतंगों को एक पंक्ति में जोड़कर उड़ाया गया।

इस आयोजन में 19 देशों के करीब 40 अंतरराष्ट्रीय पतंगबाजों ने हिस्सा लिया। इनके साथ 15 भारतीय राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले 55 राष्ट्रीय पतंगबाज भी शामिल हुए।

महोत्सव की रौनक बढ़ाने के लिए पर्यटन विभाग ने कल्चर लैंग्वेज इंडियन कनेक्शंस के सहयोग से मिठाई महोत्सव का आयोजन किया है। इसमें 60 स्टॉल लगाए गए हैं, जहां पंजाब, गुजरात, पश्चिम बंगाल, केरल और महाराष्ट्र सहित विभिन्न राज्यों की महिलाएं घर में बनी मिठाइयों का प्रदर्शन और बिक्री कर रही हैं।

इसके अलावा, स्थानीय कारीगरों को प्रोत्साहन देने के लिए हथकरघा और हस्तशिल्प के 100 स्टॉल भी लगाए गए हैं, जहां आगंतुक खरीदारी कर सकते हैं। पर्यटन विभाग 16 से 18 जनवरी तक शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक परेड ग्राउंड में हॉट एयर बैलून महोत्सव का आयोजन करेगा। वहीं 16 और 17 जनवरी को गाचीबौली स्टेडियम में दो दिवसीय ड्रोन महोत्सव आयोजित किया जाएगा, जिसमें सुबह 9.30 बजे से रात 8 बजे तक प्रदर्शन होंगे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.